DON PENDLETON'S

THE EXECUTIONER®

270

The Conspiracy Trilogy

BOOK III

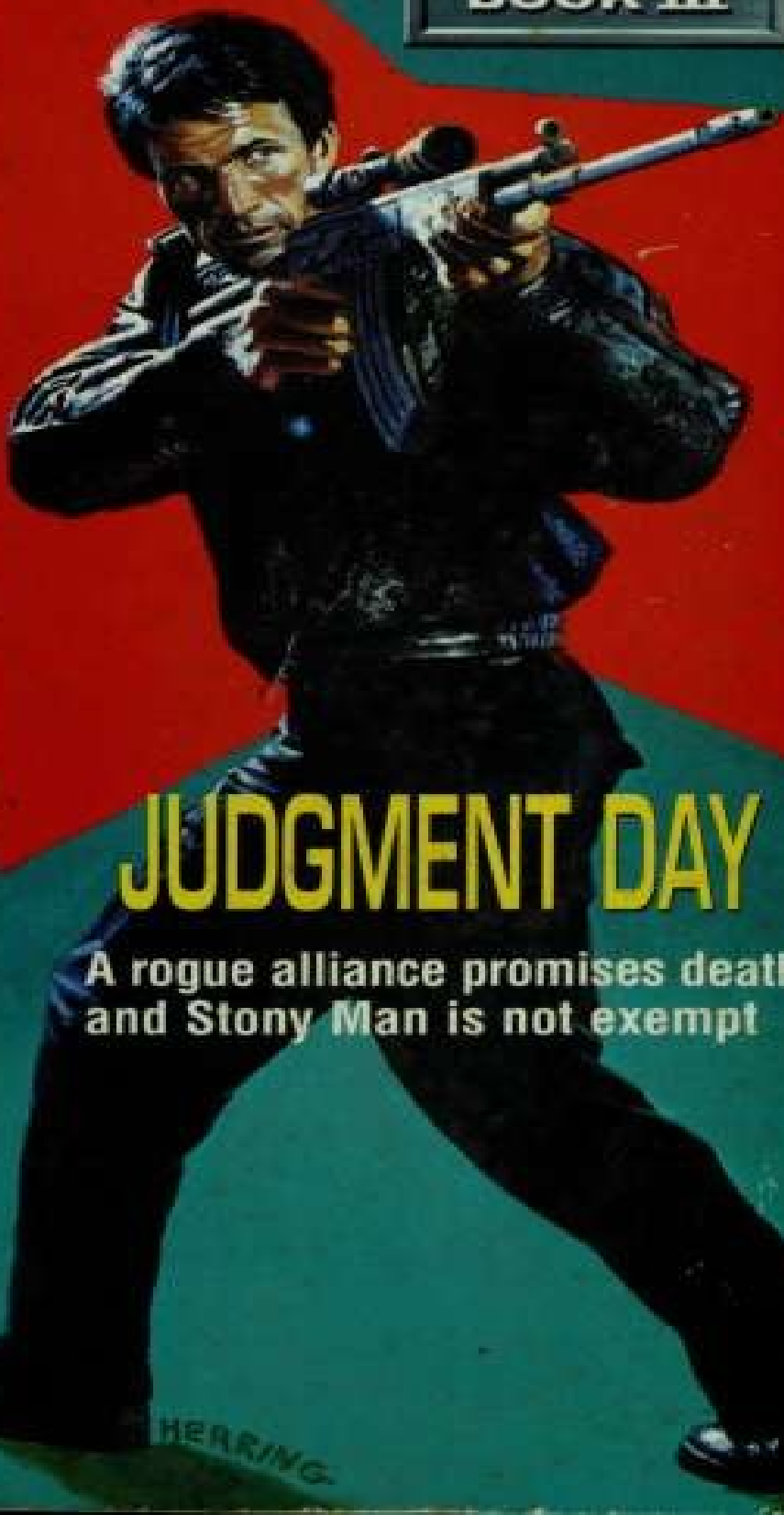

JUDGMENT DAY

A rogue alliance promises death—
and Stony Man is not exempt

HERRING

Table of Contents
शीर्षक पेज
कॉपीराइट
पृष्ठों
पीछे का कवर

यह पुस्तक इंटरनेट आर्काइव द्वारा उपलब्ध कराई गई है।

DEMOCRACY HAS A FACE....

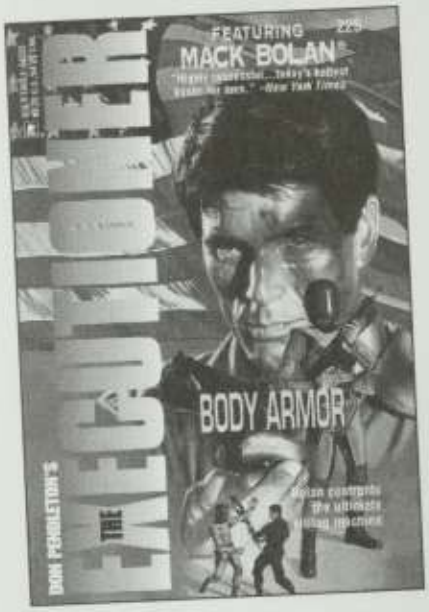

DON PENDLETON'S
THE EXECUTIONER®
featuring
MACK BOLAN®

An all-new Executioner title every month! Get in on the action! Available at your favorite retail outlet, only from

GOLD EAGLE®

GMBIF

ISBN 0-373-64270-9

9 780373 642700 50450

Johnny now understood who his brother was.

Growing up, when Mack was on the international "Most Wanted" list, Johnny had sometimes wondered how he did it, how he stayed the course and steeled himself to wade through all that blood, knowing his war would never truly end, that final victory would always be beyond his grasp.

Since growing up, Johnny didn't wonder anymore.

His brother fought because he could, and knowing that he could meant that he really had no choice. If warriors were required to keep the predators at bay, Mack would be first in line to join the battle, every time. And when he fell, as all men must, there would be no doubt in the mind of anyone that he had done his best, consistently, from Day One to the bitter end.

MACK BOLAN®

The Executioner

#195 Select Fire
#196 Triburst
#197 Armed Force
#198 Shoot Down
#199 Rogue Agent
#200 Crisis Point
#201 Prime Target
#202 Combat Zone
#203 Hard Contact
#204 Rescue Run
#205 Hell Road
#206 Hunting Cry
#207 Freedom Strike
#208 Death Whisper
#209 Asian Crucible
#210 Fire Lash
#211 Steel Claws
#212 Ride the Beast
#213 Blood Harvest
#214 Fission Fury
#215 Fire Hammer
#216 Death Force
#217 Fight or Die
#218 End Game
#219 Terror Intent
#220 Tiger Stalk
#221 Blood and Fire
#222 Patriot Gambit
#223 Hour of Conflict
#224 Call to Arms
#225 Body Armor
#226 Red Horse
#227 Blood Circle
#228 Terminal Option
#229 Zero Tolerance
#230 Deep Attack
#231 Slaughter Squad
#232 Jackal Hunt
#233 Tough Justice
#234 Target Command
#235 Plague Wind
#236 Vengeance Rising
#237 Hellfire Trigger
#238 Crimson Tide
#239 Hostile Proximity
#240 Devil's Guard
#241 Evil Reborn
#242 Doomsday Conspiracy
#243 Assault Reflex
#244 Judas Kill
#245 Virtual Destruction
#246 Blood of the Earth
#247 Black Dawn Rising
#248 Rolling Death
#249 Shadow Target
#250 Warning Shot
#251 Kill Radius
#252 Death Line
#253 Risk Factor
#254 Chill Effect
#255 War Bird
#256 Point of Impact
#257 Precision Play
#258 Target Lock
#259 Nightfire
#260 Dayhunt
#261 Dawnkill
#262 Trigger Point
#263 Skysniper
#264 Iron Fist
#265 Freedom Force
#266 Ultimate Price
#267 Invisible Invader
#268 Shattered Trust
#269 Shifting Shadows
#270 Judgment Day

DON PENDLETON'S

THE EXECUTIONER®

JUDGMENT DAY

The Conspiracy Trilogy

BOOK III

A GOLD EAGLE BOOK FROM

WORLDWIDE®

TORONTO • NEW YORK • LONDON
AMSTERDAM • PARIS • SYDNEY • HAMBURG
STOCKHOLM • ATHENS • TOKYO • MILAN
MADRID • WARSAW • BUDAPEST • AUCKLAND

If you purchased this book without a cover you should be aware that this book is stolen property. It was reported as "unsold and destroyed" to the publisher, and neither the author nor the publisher has received any payment for this "stripped book."

First edition May 2001
ISBN 0-373-64270-9

Special thanks and acknowledgment to
Michael Newton for his contribution to this work.

JUDGMENT DAY

Copyright © 2001 by Worldwide Library.

All rights reserved. Except for use in any review, the reproduction or utilization of this work in whole or in part in any form by any electronic, mechanical or other means, now known or hereafter invented, including xerography, photocopying and recording, or in any information storage or retrieval system, is forbidden without the written permission of the publisher, Worldwide Library, 225 Duncan Mill Road, Don Mills, Ontario, Canada M3B 3K9.

All characters in this book have no existence outside the imagination of the author and have no relation whatsoever to anyone bearing the same name or names. They are not even distantly inspired by any individual known or unknown to the author, and all incidents are pure invention.

® and TM are trademarks of the publisher. Trademarks indicated with ® are registered in the United States Patent and Trademark Office, the Canadian Trade Marks Office and in other countries.

Printed in U.S.A.

कभी-कभी भय अच्छा होता है। इसे हृदय की बागडोर संभाले रखनी चाहिए। पीड़ा से प्राप्त ज्ञान लाभदायक होता है।
— एस्किलस की पुस्तक 'द यूमेनिडेस'
मृत्यु या दर्द से नहीं, बल्कि दर्द या मृत्यु के भय से भयभीत होना चाहिए। — एपिक्टेटस के प्रवचन
मेरे दुश्मन आतंकवादी हैं जो दूसरों के भय का फायदा उठाते हैं। अब समय आ गया है कि वे स्वयं दर्द और मृत्यु के भय का स्वाद चखें।
— मैक बोलन
संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के सदस्यों के लिए
सिएरा लियोन में, गुरिल्लाओं द्वारा निष्पादित
मई 2000 में क्रांतिकारी संयुक्त मोर्चा।
भगवान रक्षा करें।

मैक बोलन ने सोचा, यह कभी रेड्स का इलाका हुआ करता था, और तभी उसे अपने दिमाग में एक और छोटी सी आवाज की गूंज सुनाई दी, जो किसी कब्र में फुसफुसाहट की तरह उसका ध्यान आकर्षित कर रही थी: यह अभी भी हो सकता है। सोवियत साम्राज्य का पतन हो चुका था, वास्तविकता से टकराते ही वह चकनाचूर हो गया, उसके टुकड़े चारों दिशाओं में बिखर गए, छर्रे के टुकड़े, जिनमें से प्रत्येक संप्रभुता और सम्मान की मांग कर रहा था। इन दिनों बेलारूस एक अलग राज्य था और मिन्स्क उसकी घनी आबादी वाली राजधानी, लेकिन कुछ लोग - जिनमें से कुछ धनी, निर्दयी और शक्तिशाली थे - अभी भी खुलेआम घूम रहे थे, जिन्हें पुराने बुरे दिन याद आ रहे थे और वे किसी भी कीमत पर उन्हें वापस लाने की साजिश रच रहे थे।
मिन्स्क एक अलग ही दुनिया थी, बोलान के लिए उतनी ही अनजान जितनी चांद का अंधेरा हिस्सा। हालांकि वह कानून की किताबों का हवाला नहीं दे सकता था, लेकिन उसे अंदाज़ा था कि सुबह 8:05 बजे सार्वजनिक सड़कों पर स्वचालित हथियारों और विस्फोटकों को अपने ढीले ओवरकोट के अंदर छिपाकर घूमने पर सज़ा का प्रावधान होगा। उसे इस बात का अंदाज़ा लगाने के लिए किसी वकील की ज़रूरत नहीं थी कि वह आज सुबह कितना बड़ा जोखिम उठा रहा है, जब सड़क की तीखी गंध में ताज़ी पकी रोटी और डीज़ल ईंधन की महक मिली हुई थी।
बोलन के अनुसार सबसे बुरी बात यह थी कि वह अकेला नहीं था। दो सहयोगियों, जिनमें से एक उसका भाई था, की उपस्थिति से उसे परिस्थितियों के अनुसार हौसला मिलता। लेकिन यहाँ, इस बिल्कुल अपरिचित धरती पर, उसकी चिंता और बढ़ गई।
एक की जगह तीन जिंदगियां खतरे में हैं।
और कुछ और भी था, उसने सोचा, लेकिन अभी तक उसका नाम नहीं बता सका।

कम से कम कागजों पर तो यही लगता था कि निशाना एक जातीय सामाजिक क्लब है। यह चेचन्या के लोगों के इकट्ठा होने, वोदका पीकर बेहोश होने और रूसियों द्वारा उन पर किए गए घोर अन्याय के बारे में शिकायत करने की जगह थी। लेकिन इस शांतिपूर्ण गुरुवार की सुबह पड़ोसियों के लिए दुर्भाग्य से, यह वास्तव में टोल्या वैलेरिक द्वारा संचालित माफिया परिवार का अड्डा, पनाहगाह और एक तरह का केंद्र था।
पिछले दो हफ़्तों से वैलेरिक बोलन से बच रहा था, जिसके चलते बोलन दो महाद्वीपों, पाँच देशों और कई अन्य देशों में खूनी पीछा कर रहा था। बोलन इस मामले को यहीं खत्म करना चाहता था, हालाँकि उसके पास यह मानने का कोई कारण नहीं था कि वैलेरिक क्लब के अंदर है। लेकिन वहाँ और भी लोग होंगे, और उनमें से कोई एक—अगर सही तरीके से, ज़रूरी बल के साथ दबाव डाला जाए—तो उसे चेचन गैंगस्टर के सुराग तक पहुँचा सकता है।
यदि ऐसा नहीं हुआ, तो वह उनकी मृत्यु को एक पहचान चिन्ह के रूप में इस्तेमाल करेगा, जो किसी अन्य युद्धक्षेत्र में उसकी उपस्थिति की एक भयावह घोषणा होगी।
दिन के उजाले में अंदर जाना एक जोखिम भरा कदम था, लेकिन क्लब में निश्चित रूप से लोग मौजूद थे। जब से वह आया था, उसने चार बदमाशों को अंदर जाते देखा था, और इसमें कोई शक नहीं था कि अंदर और भी लोग होंगे, क्योंकि उन्हें दरवाजा खुला मिला था—और बोलन जानता था कि सुबह के समय किए गए हमले में आम नागरिकों के शामिल होने की संभावना क्लब के आधिकारिक रूप से खुलने के समय किए गए छापे की तुलना में कम होगी। अभी भी, परिसर के आसपास कहीं निर्दोष लोग हो सकते हैं, शायद चौकीदार, लेकिन वह जोखिम उठाने को तैयार था, उसे अपने भाई जॉनी और सीआईए एजेंट एबल डेकार्ड पर भरोसा था कि वे अंदर घुसते समय किसी भी आम नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।
उसने दोबारा अपनी घड़ी देखी और पाया कि लगभग दस मिनट बीत चुके थे। अब चलने का समय हो गया था।
वह उस गली से बाहर निकला जिसने उसे पनाह दी थी और संकरी सड़क पार कर गया। इस व्यावसायिक इलाके में ट्रैफिक का कोई झंझट नहीं था, और ज़्यादातर दुकानों के खुलने में अभी भी लगभग दो घंटे बाकी थे। एक और अच्छी खबर। उसने ब्लॉक की किसी भी दूसरी जगह पर अभी तक किसी कर्मचारी या मालिक को आते नहीं देखा था। इसका मतलब था कि गवाहों के होने और मिन्स्क के 911 जैसे आपातकालीन सेवा केंद्रों पर कॉल आने की संभावना कम थी। अगर किस्मत अच्छी रही तो...

पुलिस के बलपूर्वक पहुंचने से पहले ही वे अंदर आकर बाहर निकल सकते थे। अपने घुटने तक लंबे कोट के नीचे, उसने एक अस्थायी कंधे के स्लिंग से लटकी हुई एक छोटी कलाश्निकोव AKSU असॉल्ट राइफल पहन रखी थी, जिसकी घुमावदार मैगज़ीन में 5.45 मिमी के तीस गोले भरे हुए थे। उसकी बाईं बगल में, एक क्षैतिज फास्ट-ड्रॉ रिग के अंदर सुरक्षित रूप से लटकी हुई, एक ब्राउनिंग BDA 9 ऑटोलोडर राइफल थी, जो उसकी पसंदीदा बेरेटा राइफलों के सबसे करीब थी। टेढ़ी-मेढ़ी पंक्ति वाली मैगज़ीन में 15 9 मिमी के गोले थे, जिसे उसने बैकअप के लिए रखा था। बोलन की जेबें दोनों हथियारों के लिए अतिरिक्त मैगज़ीनों से भरी हुई थीं, जबकि तीन रूसी निर्मित एंटीपर्सनल ग्रेनेड उसकी बेल्ट से छिपे हुए थे।

जल्लाद ने जानलेवा पोशाक पहनी हुई थी।
क्लब का मुख्य द्वार अभी भी खुला था, एक ऐसी चूक जिसकी वजह से किसी की जान जा सकती थी। दरवाजे के अंदर एक छोटा सा गलियारा था जिसके ठीक सामने एक और दरवाजा था। बोलन की आंखें जैसे ही सूरज की चकाचौंध से अचानक अंधेरे में समायोजित हुईं, बाईं ओर उसने एक विशालकाय चौकीदार को धातु की तह वाली कुर्सी पर बैठे देखा।
गार्ड गंजा, मोटे चेहरे वाला और ढीले जबड़े वाला था। जाहिर तौर पर वह नए आने वाले को पहचान नहीं पाया था, लेकिन इससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ा। बोलन ने सोचा, शायद वह अजनबियों की उम्मीद कर रहा था, जिसका मतलब है कि आगे बढ़ने से पहले कम से कम किसी तरह का पासवर्ड तो चाहिए ही होगा।
मानो उसके मौन विचार का जवाब देते हुए, गंजे आदमी ने अपनी कुर्सी पर थोड़ा आगे की ओर सरकते हुए, अब भी बेपरवाह दिखते हुए, बोलन से ऐसी आवाज में बात की जो उसके कानों को कर्कश लगी।
"बाथरूम कहाँ है, कृपया?" बोलन ने रूसी भाषा में पूछा।
गंजे आदमी ने उसकी ओर पलकें झपकाईं, उसके मोटे होंठों के कोने गुस्से में नीचे की ओर मुड़ गए और वह अपनी सीट से उठने लगा।
बहुत देर हो गई।
एक जोरदार राउंडहाउस किक रूसी के चेहरे पर लगी और उसे दाईं ओर पटक दिया, बोलन को अपने पैर और घुटने के बीच एक सुन्न कर देने वाला झटका लगा। पहरेदार ने मानो हेलमेट पहना ही हो, क्योंकि उसके सिर पर लात लगने का एहसास ऐसा था, और वह

एक पल बाद ही वह पास की दीवार से टकराकर वापस उछला, बेतरतीब ढंग से गुर्राते हुए, अचानक गुस्से में बोलन की ओर झपटा, जिससे बोलन को हथियार के बारे में सोचने का भी समय नहीं मिला।
बोलन ने थोड़ा पीछे हटकर खुद को जगह दी और एक और राउंडहाउस किक मारी, लेकिन इस बार नीचे की ओर, जो उस हट्टे-कट्टे आदमी के घुटने पर लगी। घुटना चटक गया, जैसे उसका लचीला पैर धोखा दे रहा हो, और जैसे ही वह गिरने लगा, बोलन उसके ऊपर आ गिरा। उसने अपनी कलाश्निकोव पिस्तौल की पिस्तल को उस गिरते हुए राक्षस के चेहरे पर घुमाया, बैरल से टकराने से बचते हुए, कहीं ऐसा न हो कि गंजे आदमी की खोपड़ी इतनी सख्त हो कि उसे टेढ़ा कर दे। फर्श पर गिरते ही गुर्राता हुआ, वह गार्ड एक और किक के लिए खुला था जिसने उसकी हायोइड हड्डी को तोड़ दिया और उसके स्वरयंत्र को पूरी तरह से बंद कर दिया, उसका चेहरा कुछ ही सेकंड में नीला पड़ गया और वह फर्श पर तड़पता और लोटता रहा, एक भयानक फंसी हुई मछली की तरह।
जब वह व्यक्ति शांत पड़ा था, तो जल्लाद के नाम से जाना जाने वाला वह व्यक्ति दिशा बदलकर दूसरे दरवाजे से होते हुए क्लब के ठंडे, अंधेरे पवित्र स्थान में प्रवेश कर गया।
जॉनी बोलन ग्रे ने सोचा, "कोई न कोई समस्या तो है," और शुक्र है कि कम से कम अभी तक गोलीबारी नहीं हुई थी। वह एक संकरे, बदबूदार गलियारे में खड़ा था जो सोशल क्लब के पिछले दरवाजे से होकर शौचालय, रसोई और किसी निजी कार्यालय के दरवाजों से गुजरता हुआ क्लब के मुख्य कमरे तक जाता था। साधारण औजारों से पिछले दरवाजे का ताला खोलने में उसे लगभग एक मिनट लग गया था, लेकिन वह अभी भी तय समय पर था। वह गलियारे में रुककर अपनी टीम के बाकी सदस्यों के आने का इंतजार कर रहा था।

उसके भाई मैक और एबल डेकर्ड। इनमें से किसी को भी अंदर आते समय परेशानी का सामना करना पड़ सकता था, लेकिन जॉनी को लगा कि अगर हालात गंभीर होते तो कुछ शोर-शराबा होना चाहिए था—गोलीबारी, शायद ग्रेनेड विस्फोट। उसने खुद से कहा, शोर-शराबे के बिना भी सब ठीक है।
वह इस संभावना के बारे में सोच भी नहीं सकता था कि उनमें से एक या दोनों की मौत हो चुकी हो। साउंड सप्रेसर से सटीक निशाना या शायद किसी छिपे हुए चाकू से। उसका भाई सुपरमैन नहीं था, चाहे अखबारों में चाहे कुछ भी लिखा जाता हो।

वह "मर गया" और उस देश की सेवा में पुनर्जन्म लिया जिसने कभी उसे ढूंढ निकालने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा दी थी।
बीती बातें।
उसकी घड़ी ने उसे बताया कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है, चाहे बाकी लोग अपनी जगह पर हों या न हों। उसकी सहज प्रवृत्ति और सैन्य प्रशिक्षण ने उसे योजना के अनुसार आगे बढ़ने और बाकी सब कुछ अपने आप सुलझने देने का निर्देश दिया।
उन्होंने ग्रोडनो में एक डीलर से तीन एक जैसी AKSU राइफलें, साथ ही सहायक हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक खरीदे थे। डीलर डेकार्ड का परिचित था, जो कंपनी के लिए अंशकालिक ठेका एजेंट जैसा था और मौका मिलते ही स्वतंत्र रूप से काम करता था। उन्होंने इन हथियारों को खरीदने के लिए जो पैसा इस्तेमाल किया था, वह उनके दुश्मनों से मिला एक "उपहार" था।
वह सुज़ैन किंग के बारे में सोचने लगा, जिसके कारण वह वहाँ था, लेकिन फिर उसने खुद को संभाला और गलियारे के दोनों ओर के दरवाज़े जाँचने के लिए निकल पड़ा, यह ठान लिया था कि पीछे कोई दुश्मन न छूट जाए। जॉनी को शौचालयों में कोई नहीं मिला, उसने बिना दरवाज़े वाले शौचालयों की जाँच की, और रसोई में भी कोई नहीं मिला। जब उसने दफ्तर का दरवाज़ा खोलने की कोशिश की, तो वह बंद मिला। उसने अंदर आने के लिए धीरे से खटखटाया, शायद कुछ हो जाए, और दरवाज़ा लात मारकर खोलने के लिए तैयार था, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं आया।
अपने भाई और एबल डेकार्ड को यथासंभव भुलाकर, उसने अपना पूरा ध्यान अपने मिशन पर केंद्रित किया और चेचन सोशल क्लब के मुख्य कक्ष के प्रवेश द्वार पर बने दोहरे झूलते दरवाजों की ओर तेज़ी से बढ़ा। उसकी नाक में तंबाकू के धुएं की महक पहले ही समा चुकी थी और वह वहाँ के दबंगों को बातें करते सुन सकता था, कोई किसी बात पर हंस रहा था, हंसी बनावटी और कुछ अप्राकृतिक लग रही थी।
अगर उसे जीवित रहना है तो अगले कुछ क्षणों में उसे पूर्ण और अटूट एकाग्रता की आवश्यकता होगी।
उसने अपनी AKSU की छोटी सी नली से दाहिनी ओर का झूलता हुआ दरवाजा एक तरफ धकेल दिया और बाएँ दरवाजे को पीछे कर दिया। उसने कोई बड़ा तमाशा नहीं किया, न ही उसने उन हट्टे-कट्टे आदमियों का ध्यान उनकी बातचीत से भटकाया। वह कुछ पल के लिए दहलीज पर खड़ा रहा और कमरे का जायजा लेता रहा। उसके दाहिनी ओर एक शराबखाना था, कमरे के दूसरे छोर पर कलाकारों के लिए एक छोटा सा मंच था, और बूथ थे।

दीवारों के किनारे और फर्श के बीच में रखी साधारण लकड़ी की मेजों पर लोग कतार में खड़े थे। उसने जल्दी से गिनती की और सुबह के उस समय पंद्रह निशानेबाजों को देखकर आश्चर्यचकित रह गया।

"तो," उसने अंग्रेज़ी में कहा, यह सोचते हुए कि क्या कोई गुंडा समझ पाएगा, "मुझे नहीं लगता कि आप लोग हाथ उठाकर दीवार के सामने लाइन में खड़े होना चाहेंगे?"
बातचीत रुक गई, और पंद्रह जोड़ी पैनी निगाहें जॉनी को वहीं पर गड़ाए खड़ी रह गईं, वे कठोर लोग उसे ऐसे घूर रहे थे मानो उसने चर्च में गैस छोड़ दी हो। "मुझे ऐसा नहीं लगा," जॉनी ने कंधे उचकाते हुए कहा।
ठीक सामने, लगभग बीस गज की दूरी पर, सड़क की दिशा में एक और दरवाजा था। जैसे ही उसने बोलना समाप्त किया, वह दरवाजा खुल गया। जॉनी ने अपने भाई को अंदर आते देखने से पहले ही उसे ढकने के लिए पलटकर देखा, और उसी क्षण, उसका ध्यान भटक गया, और सारा सेट बिखरने लगा।
उन्हें उन बहादुर सैनिकों की तारीफ करनी ही पड़ेगी, जो उस तरह से घिरे हुए थे और पूरी तरह से अप्रत्याशित हमले का शिकार हुए थे, फिर भी उन्होंने पेशेवर सैनिकों की तरह जवाब दिया। वे सभी दिशाओं में बिखर गए, मानो उन्होंने पहले से अभ्यास किया हो, बिना किसी पूर्वाभ्यास के, हर निशानेबाज अपनी जैकेट, कमीज के नीचे, कहीं न कहीं हथियार ढूंढ रहा था—उनमें से एक अपने बाएं पैर पर उछल रहा था, दाहिने पैर को थामे हुए था, उसकी पिस्तौल किसी टखने के होल्स्टर में थी।
वहाँ पल भर में अफरा-तफरी मच गई, और जॉनी ने अपनी सुविधा और जान बचाने के लिए सबसे नज़दीकी लक्ष्य को चुना, उछलते हुए गनर पर गोलियों की बौछार कर दी, उसे घुमाकर ऐसे गिरा दिया जैसे किसी ने उसके पैरों तले से ज़मीन खींच ली हो। तब तक उसका भाई भी गोली चला रहा था, और कोई और भी, पिस्तौल की गोलियों की आवाज़ दो कलाश्निकोव राइफलों की खड़खड़ाहट के साथ गूंज रही थी।
चेचन हमलावरों में से एक को जाहिर तौर पर सेमी-ऑटोमैटिक बंदूक पर भरोसा नहीं था। उसके पास चेक मॉडल-61 स्कॉर्पियन मशीन पिस्टल थी और वह उसे इस तरह लहरा रहा था मानो उसे देखते ही उसके दुश्मन पीछे हट जाएंगे और उसकी जान बख्श देंगे। शायद दूसरे हालातों में यह कारगर होता, लेकिन उस शातिर हमलावर को पता नहीं था कि वह किससे मुकाबला कर रहा है।
उसने अपनी पूरी कोशिश की, हालांकि जॉनी को यह मानना ही पड़ेगा।

बाईं ओर मुड़ते ही, वह जॉनी के सामने बीस फीट से भी कम दूरी पर था। दोनों के हथियारों से बिल्कुल नज़दीक से गोलीबारी की स्थिति में, निशानेबाज को निशाना लगाना चाहिए था, लेकिन वह जल्दबाजी में था, ट्रिगर को धीरे से दबाने के बजाय झटके से दबा दिया, और स्कॉर्पियन को एक हाथ से पकड़ने का मूर्खतापूर्ण जोखिम उठाया। हथियार उसके हाथ से छूट गया, उसका मुंह ऊपर उठा, बाईं ओर मुड़ गया, उससे निकल रहे खाली कारतूसों से दूर। जब तक उसने ट्रिगर से पैर हटाया और स्कॉर्पियन को काबू करने के लिए अपना खाली हाथ उठाया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। AKSU से निकली गोलियों की एक छोटी सी बौछार ने उसकी छाती को चीर डाला, मानो पोस्टमार्टम आरी से चीर दिया गया हो, लेकिन उसमें कोई बारीकी नहीं थी। वह कठोर व्यक्ति खून से लथपथ होकर पीछे की ओर उछला और अपने साथ एक मेज भी गिरा दी, जो उसके गिरने पर चकनाचूर हो गई। बहुत लंबा समय हो गया, जॉनी ने सोचा। इसमें हद से ज्यादा समय लग रहा है! और एबल डेकार्ड आखिर कहाँ था?
लैंगली से आने वाले उस आदमी को छत के रास्ते अंदर आना था। ऊपर एक प्रवेश द्वार था, जिसका ढांचा मुर्गीघर जैसा दिखता था और लगभग उतना ही बड़ा था।

उसे आश्चर्य हुआ कि क्या छत की मरम्मत करने वाले लोग नासमझ थे, या फिर बढ़ईयों के पास काम के उस हिस्से को करने के लिए सामग्री कम पड़ गई थी।
जो कुछ भी।
डेकार्ड ने साधारण ताला कुछ ही सेकंड में खोल दिया, फिर उसने छोटे से दरवाजे को धक्का दिया और पाया कि वह अंदर से कुंडी से बंद था। उसने दरवाजे को ऊपर और नीचे से धक्का देकर कुंडी की अनुमानित जगह का अंदाजा लगा लिया था, लेकिन उसके पास कुंडी तक पहुँचने और दूसरे ताले को खोलने का कोई रास्ता नहीं था।
भगवान इस पर लानत है!
उस बिंदु से उसके पास जाने के केवल दो ही रास्ते थे। वह पीछे हटकर भूतल के प्रवेश द्वार का चुनाव कर सकता था, जिससे उसके साथियों द्वारा रूसी गैंगस्टर समझकर गोली मारे जाने का खतरा था, या वह बलपूर्वक दरवाजा तोड़कर अचानक हमला करने के अपने सभी लाभों को समाप्त कर सकता था।

सीधे शब्दों में कहें तो, अगर वह दरवाजा तोड़कर या अंदर का ताला तोड़कर खुद को प्रकट करता, तो क्लब में मौजूद बंदूकधारी उसके दो साथियों के लिए भी तैयार रहते।
गतिरोध।
डेकार्ड वहाँ एक मूर्ख की तरह खड़ा रहकर दूसरों को अकेले लड़ने नहीं देने वाला था। लेकिन अगर वह अंदर नहीं जा सका तो...
धूप में अपनी घड़ी देखने के लिए डेकर्ड पीछे हट ही रहा था कि तभी उसे एक धीमी सी खड़खड़ाहट सुनाई दी, जैसे किसी न्यूमेटिक ड्रिल की आवाज हो। वह यह नहीं बता सका कि आवाज उसके सामने वाले दरवाजे से आ रही थी या उसके पैरों के नीचे छत से, लेकिन किसी भी तरह से उसने कलाश्निकोव के चलने की उस आवाज को पहचान लिया।
हे भगवान! देर हो गई!
डेकार्ड ने दरवाजे पर एक लात मारी और लकड़ी के टूटने की आवाज सुनी, लेकिन अंदर का बोल्ट मजबूती से लगा रहा। उसने AKSU राइफल उठाई और ट्रिगर दबाया, अपनी आंखों को बचाने के लिए आंखें सिकोड़ लीं क्योंकि दरवाजे और चौखट से लकड़ी के टुकड़े चारों ओर उड़ रहे थे, बोल्ट अब किसी भी तरह की बाधा नहीं था।
छोटे से दरवाजे से अंदर जाते समय उसे अपना सिर और कंधे झुकाने पड़े, और इस वजह से वह अंदर सीढ़ियों पर लगभग लड़खड़ा गया। संकरी सीढ़ियों में रोशनी का कोई झंझट नहीं था, सिवाय नीचे की लैंडिंग पर लगे एक मंद बल्ब की रोशनी के। सीढ़ियों में फफूंद और उससे भी ज़्यादा अप्रिय गंध आ रही थी। डेकार्ड इसके बारे में सोचना नहीं चाहता था, उसका ध्यान इस बात पर केंद्रित था कि उसके अंदर आने से कितना शोर हुआ होगा, और इस संभावना पर कि निचले तल पर कुछ खूंखार लोग उसका इंतज़ार कर रहे होंगे।
लड़ाई की आवाज़ें अब दबी हुई नहीं थीं, बल्कि सीढ़ियों के अंदर और तेज़ हो गई थीं, जिससे डेकार्ड के कान बजने लगे। सीढ़ियों के नीचे पहुँचकर, वह एक तरह के आले में पहुँच गया, जो एक गलियारे से थोड़ा हटकर था। उसे लगा कि यह गलियारा मुख्य क्लब रूम से उस पिछले दरवाजे तक जाता है जिसका इस्तेमाल जॉनी ग्रे अपने प्रवेश द्वार के रूप में कर रहा था। धिक्कार है! तो वह अभी भी उस लड़के के पीछे ही आ रहा होगा, जब तक कि...

गया। किसी तरह, हथियार घूमकर उसके दाहिने गाल पर जा लगा, जिससे खून बहने लगा और फिर वह ज़मीन पर गिर पड़ा।
क्या वह संयोगवश लगी गोली थी, या उसका सामना किसी माहिर निशानेबाज से हुआ था? डेकार्ड के मन में यह सवाल अनसुलझा ही घूमता रहा, और उसने अपनी बाईं बांह के नीचे लटकी होल्स्टर से अपनी साइड आर्म—एक वाल्थर पी-88—निकाल ली। डेकार्ड को यकीन नहीं था कि गोली लगने से उसकी कलाश्निकोव राइफल बेकार हो गई थी, लेकिन इस समय किसी अनिश्चित विश्वसनीयता वाले हथियार का परीक्षण करना ठीक नहीं था।
वह शूटर कहाँ था जिसने उसे इतनी कुशलता से निहत्था कर दिया था? डेकार्ड ने इस सवाल का जवाब देने के लिए अपनी जान और प्रतिष्ठा को दांव पर लगा दिया। वह सावधानी से छिपकर बाहर निकला और किसी भी बंदूक की चिंगारी पर नज़र रख रहा था जिससे उसके दुश्मन का पता चल सके। तंबाकू के धुएं और बारूद की गंध के साथ-साथ ताज़ा खून की तीखी, धातु जैसी गंध ने डेकार्ड को नम आँखों से देखने पर मजबूर कर दिया, लेकिन फिर भी वह शूटर को पहचानने में सक्षम था जब वह एक बूथ से बाहर झुककर अपनी किस्मत आज़माने की कोशिश कर रहा था।
असली चुनौती बंदूक की नोक से निकलने वाली चिंगारी से पीछे हटना नहीं थी, न ही अपने चेहरे की ओर आती गोली की सनसनाहट को कल्पना में लाना। घबराहट को काबू में रखते हुए, डेकार्ड ने दांत भींचे और अपना निशाना साधकर दो तेज़ गोलियां चलाईं। तभी उसने दो और गोलियां चलाईं और देखा कि उसका दुश्मन बूथ से फिसलकर ज़मीन पर गिर पड़ा।
वह अन्य लक्ष्यों की तलाश में बूचड़खाने का जायजा ले रहा था।
अगर मैक बोलन ने बाद में इस बारे में सोचा होता, तो वह इस बात की कसम नहीं खा सकता था कि रूसी हमलावर उसे जान से मारने के इरादे से आए थे।

जब वे खड़े हुए और आगे बढ़े। वे उसकी दिशा में दौड़े, दोनों आते हुए गोली चला रहे थे, लेकिन संभव है कि वे केवल निकास और उसके आगे की सड़क तक पहुंचने की उम्मीद कर रहे थे, एक ऐसा गंतव्य जिसके लिए उन्हें कम से कम बोलन को घेरना आवश्यक था।
दोनों के पास पिस्तौलें थीं, भारी तो नहीं, लेकिन उस दूरी से स्वचालित हथियारों की पूरी बैटरी की ज़रूरत नहीं थी, बल्कि उससे भी उसकी जान मोमबत्ती की लौ की तरह बुझाई जा सकती थी। एक सटीक गोली ही काफी होती, भले ही निशानेबाज़ को निशाना साधने का मौका मिले बिना ही गलती से गोली लग जाए। दो चलते-फिरते निशाने, और जिस मेज पर वो छिपा था, वो छलनी जैसी दिखने लगी थी, जो गोलियों को रोकने से कहीं ज़्यादा झेल रही थी। बोलान को ज़मीन पर लेटना पड़ रहा था और दुश्मनों की गोलीबारी का जवाब देते हुए छिपकली की तरह इधर-उधर हिलना पड़ रहा था। उसकी स्थिति नाजुक थी, और वो यह जानता था। किसी भी पल, औसत का नियम उसके खिलाफ़ हो सकता था।
अनजाने में ही, उन दो बहादुर सैनिकों ने बोलान को वह अवसर प्रदान कर दिया जिसका वह लंबे समय से इंतजार कर रहा था। अपने साथियों और उसकी गोलियों से छलनी कमजोर बैरिकेड के बीच आकर, उन्होंने उसके दुश्मनों को क्षणिक युद्धविराम के लिए मजबूर कर दिया; उन्होंने बंदूकों का इस्तेमाल नहीं किया, बल्कि अपनी ही बंदूकों से उस पर गोलियां बरसा दीं।
उसने मौके का फायदा उठाते हुए अपने बाएं हाथ से धक्का दिया और कवर से बाहर निकलकर अपने नज़दीकी दुश्मन पर निशाना साधा, इससे पहले कि भागने वाले समझ पाते कि वह हिल गया है। बोलन की AKSU राइफल से निकली गोलियों की बौछार ने

उस योद्धा को कमर से लेकर छाती तक छलनी कर दिया। मानो किसी अदृश्य बाधा से टकराकर वह एकदम रुक गया, रूसी योद्धा लड़खड़ाकर पीछे गिरा और फिर गुरुत्वाकर्षण के कारण ज़मीन पर ढेर हो गया।
दरवाजे की ओर भागने के बजाय, मृत व्यक्ति का साथी बोलान की ओर मुड़ा। क्रोध या कर्तव्यबोध ने उसे अपने मित्र के हत्यारे गनर को पकड़ने के लिए प्रेरित किया। अगर जीवन और मृत्यु के दांव पर थोड़ा और दृढ़ निश्चय होता, तो यह साहसी कदम शायद सफल हो जाता। कैदी से जानकारी निकलवाने की अपनी इच्छा को ध्यान में रखते हुए, बोलान ने आठ के आकार में चलाई गई गोलियों से गनर के दोनों पैर काट दिए।

जांघ की हड्डियां टूट गईं, दोनों घुटने चूर-चूर हो गए। जैसे ही वह नीचे गिरा, उस हट्टे-कट्टे आदमी की पिस्तौल खड़खड़ाकर दूर जा गिरी।
खुले में होने के बावजूद, जल्लाद तब तक चलता, लुढ़कता और वार करता रहा जब तक उसकी कलाश्निकोव राइफल की सारी गोलियां खत्म नहीं हो गईं। तब तक वह एक और मेज तक पहुँच चुका था, और उसने पास की मेज का एक पैर पकड़ लिया, उसे पलटकर आड़ ली और खाली मैगज़ीन निकालकर उसकी जगह एक नई मैगज़ीन लगा दी। उसने दो और AKSU राइफलों की आवाज पहचानी, जान गया कि डेकार्ड लड़ाई में शामिल होने आ गया है और उसके शरीर में एड्रेनालाईन का एक नया उछाल आ गया। क्लब-रूम के बीचोंबीच प्रतिरोध का एक छोटा सा घेरा बन गया था, जिसमें तीन-चार बचे हुए निशानेबाजों ने अपनी मेजों को उलट कर एक अस्थाई त्रिकोणीय आकार बना लिया था, मानो एक कमजोर किला खड़ा कर दिया हो। वे तीन कलाश्निकोव राइफलों की लगातार गोलीबारी का सामना हमेशा के लिए नहीं कर सकते थे, लेकिन उनकी टीम के पास समय की कमी थी, क्योंकि पुलिस शायद अब तक वहाँ पहुँच चुकी थी।
बोलन ने अपने कोट के नीचे हाथ डाला, अपनी बेल्ट पर टंगी एक फ्रैग ग्रेनेड निकाली और अपने अंगूठे से पिन को पकड़कर उसे फेंक दिया। उसने अपनी उंगलियों से सेफ्टी स्पून को तब तक थामे रखा जब तक कि वह गेंद फेंकने के लिए नहीं उठा, एक लगभग हल्की ओवरहैंड शॉट क्योंकि दूरी ज्यादा नहीं थी। उसे उस घातक ग्रेनेड को लड़खड़ाते हुए उड़ते हुए देखने या उसे अपने दुश्मनों के बीच गिरते हुए देखने की ज़रूरत नहीं थी। इससे पहले कि ऐसा होता, उसने अपनी टीम के अन्य सदस्यों को आवाज़ दी।
'टायर गड्ढे में है!'
युद्ध के मैदान में छह सेकंड भी एक जीवनकाल के बराबर थे। दो रूसी सैनिकों ने फ्रैग ग्रेनेड को पहचान लिया और उसे पाने के लिए आपस में धक्का-मुक्की करने लगे, जिससे वे एक-दूसरे के रास्ते में आ गए। अगर उनमें से केवल एक ने भी कोशिश की होती, तो शायद वह उसे पकड़ लेता और समय रहते फेंककर उन सभी को बचा लेता, लेकिन उस समय वे दोनों झुके हुए थे, उनके सिर लगभग एक-दूसरे को छू रहे थे, तभी वह उनके चेहरों पर फट गया।
विस्फोट के बाद, धुएँ से भरे कमरे में सन्नाटा पसरा हुआ था। बोलन सतर्क होकर कवर से उठा, क्योंकि वह जानता था कि विस्फोट से अस्थायी बंकर में मौजूद सभी तोपचियों को शायद ही कोई मार गिराया हो। अभी भी कुछ और हो सकते थे-

विस्फोट से स्तब्ध होकर हिलने-डुलने में असमर्थ हो गए, शायद गोली चलाने का मौका मिलने तक वे मृत होने का नाटक कर रहे थे।

उसका भाई बार के पीछे से उठा, जबकि डेकार्ड एक ऐसे दरवाजे से बाहर निकला जो रसोई की ओर जाता हुआ प्रतीत होता था।
उनके कुछ गिरे हुए दुश्मन कराह रहे थे, हिल-डुल रहे थे, लेकिन जहाँ वह खड़ा था, वहाँ से ऐसा नहीं लग रहा था कि उनमें से कोई भी ज़्यादा देर तक जीवित रहेगा, और न ही वे ठीक से बात करने की हालत में थे। वह उस कठोर सैनिक की ओर मुड़ा जिसे उसने घायल किया था, पीछे हटते हुए उसने अपने सामने खाली कारतूस बिखेर दिए। पास आकर, बोलन ने सैनिक का ढीला जबड़ा, बेजान आँखें देखीं और समझ गया कि अब बहुत देर हो चुकी है।
उसने शव के चारों ओर ज़मीन का मुआयना किया और बड़ी सावधानी से खून के धब्बे को नापा। समय मिलने पर रूसी व्यक्ति खून बहने से मर जाता, लेकिन पर्याप्त खून के सबूत नहीं थे जिससे उसकी मौत का कारण खून बहना माना जा सके। बेशक, सदमे से कभी-कभी मौत हो जाती है, लेकिन मृत व्यक्ति के चेहरे के भाव उन लोगों से अलग थे जिन्हें उसने करीब से देखा था, जहाँ सदमे ने जीवन की चिंगारी बुझा दी थी।
वह करवट लेकर लेटे हुए मृत व्यक्ति के पीछे से घूमकर आया और उसने तुरंत घातक घाव देखा। वह एक कान के पीछे छिपा हुआ था, एक साफ-सुथरा छेद, शायद 9 मिमी का। उसने एक पल के लिए सोचा कि क्या यह कोई भटकती हुई गोली थी या मृत व्यक्ति के किसी साथी द्वारा दयापूर्वक चलाई गई गोली थी, फिर उसने इस सवाल को छोड़ दिया। वैसे भी यह सवाल अप्रासंगिक था।
जैसे ही वह उठा, उसे महसूस हुआ कि बाकी लोग उसके पीछे आ रहे हैं। "कोई कैदी नहीं," उसने उनसे कहा, उसकी आवाज़ में थोड़ी सी निराशा झलक रही थी।
"हमें फिर से कोशिश करनी होगी," जॉनी ने कहा।
"शायद कोई दूसरा कोण आजमाएं," डेकार्ड ने सुझाव दिया। जासूस अपनी राइफल की जांच कर रहा था और बैरल पर एक चमकदार निशान को छू रहा था।
क्या आपके मन में कोई विचार है?
"वैलेरिक का घर पास ही है," डेकार्ड ने जवाब दिया। "मॉस्को ज़्यादा दूर नहीं है, लगभग चार सौ मील। अगर वह हवाई जहाज़ से जाए तो दो घंटे लगेंगे, या फिर गाड़ी चलाकर एक दिन में भी पहुँच सकता है।"
"तुम्हें लगता है कि वह वहीं जा रहा है?" बोलन ने पूछा।
लैंगली के उस व्यक्ति ने कहा, "मैं कसम नहीं खाना चाहूंगा।"

"लेकिन मैं पता कर सकता हूँ। हमारे आस-पड़ोस में अभी भी लोग हैं।"
"क्या वे लोग आपके लिए काम करते हैं?" जॉनी ने तीखे लहजे में पूछा, रूसी माफिया और सीआईए के बीच संबंधों के दस्तावेजी सबूतों की ओर इशारा करते हुए, जिन संबंधों को डेकार्ड तब सुलझाने की कोशिश कर रहा था जब भाइयों की उससे पहली मुलाकात एम्स्टर्डम में हुई थी।
"इसमें थोड़ा जोखिम तो होगा," डेकार्ड ने स्वीकार किया, "लेकिन कोशिश करने में कोई हर्ज नहीं है।"
बोलन को महसूस हो रहा था कि उसका भाई उसे देख रहा है, और फैसला उसके हाथों में सौंप रहा है। उसने एक पल और सोचा, सायरन की आवाज़ सुनने की कोशिश की, फिर बोला, "कोशिश करके देखो।"
"ठीक है," उस जासूस ने जवाब दिया। "और अब, अगर आपको बुरा न लगे तो, मुझे लगता है कि अब हमें यहाँ से निकल जाना चाहिए।"

*'हम अभी, आज ही निकल रहे हैं। समझे? मैं अब इन कमीनों के हाथों का आसान शिकार नहीं बनूंगा।' टोल्या वैलेरिक ने जोश से बोलते हुए एक हाथ से अपने सामने हवा में वार किया, मानो वह कराटे सिखा रहा हो।
“जैसा आप चाहें, टोल्या,” अनातोली बोगदाश्का ने जवाब दिया। वह वैलेरिक का सबसे बड़ा अधिकारी था, इसलिए उसे कुछ हद तक उसकी बात माननी ही पड़ती थी। इससे भी ज़्यादा ज़रूरी बात यह थी कि वह जानता था कि वैलेरिक उत्तेजित होने पर किस तरह की हिंसा कर सकता है, और अपने आस-पास के लोगों के लिए कितना बड़ा खतरा बन सकता है। रूसी माफिया सरगना ने सावधानी से हाथ उठाया, मानो कोई स्कूली बच्चा हो। “एक छोटा सा सवाल है...”
"हम्म? क्या सवाल?" वैलेरिक ने उसे चुनौती दी।
बोगदाश्का ने कहा, "शायद क्रेस्त्यानोव को नहीं लगता कि यह ताजा समस्या अन्य परेशानियों से जुड़ी हुई है। अगर हमारे पास इसका कोई सबूत होता तो मददगार होता।"
"किस तरह का सबूत?" वैलेरिक ने पूछा। "उन कमीनों ने किसी को ज़िंदा नहीं छोड़ा, याद है? अगर क्रेस्त्यानोव और उसका दैत्य मर चुके हैं, तो उन्हें जाकर मृतकों से पूछताछ करने दो। जब मेरे परिवार का अस्तित्व दांव पर लगा हो, तो फैसला उन्हें करने दो कि क्या जुड़ा है और क्या नहीं। अगर क्रेस्त्यानोव को लगता है कि यह ताज़ा घटना महज़ एक इत्तेफ़ाक है, तो वह बेवकूफ है। तुम उसे यह बात बता दो।"
बोगदाश्का थोड़ा सहम गया। उसे उम्मीद थी कि वासिली क्रेस्त्यानोव से बात करने का काम उसे ही सौंपा जाएगा, लेकिन वह पूर्व केजीबी के पूर्व प्रमुख हत्यारे को मूर्ख कहने के लिए तैयार नहीं था।

कम से कम उसके सामने तो नहीं, और न ही फोन पर... सिवाय इसके कि अगर वे क्रेस्त्यानोव से मिलें तो वह लकवाग्रस्त और मरणासन्न अवस्था में हो। उस स्थिति में तो यह सुरक्षित होगा। अन्यथा...
"उसे बता दो कि ये मेरा परिवार है," वैलेरिक गुस्से से बोला, "और मैंने बहुत सारे सैनिक, बहुत सारी संपत्ति और पैसा खोया है, इसलिए मैं इन कमीनों को मामूली परेशानी नहीं समझ सकता। वो मुझे - हमें - इतना मुआवज़ा नहीं दे रहा है जिससे परिवार और हमारी सारी संपत्ति, मिन्स्क से लेकर न्यूयॉर्क और लॉस एंजिल्स तक, के विनाश की भरपाई हो सके।"
बोगदाश्का जानता था कि हालात इतने बुरे नहीं थे, लेकिन लगभग वैसे ही थे। लॉस एंजिल्स, न्यूयॉर्क और मॉन्ट्रियल, एम्स्टर्डम और बर्लिन में उनके ऑपरेशन बुरी तरह से विफल हो चुके थे। मिन्स्क पर हमला उनके घर के बहुत करीब हुआ था, और हालांकि बोगदाश्का यह साबित नहीं कर सका कि सभी हमलों में एक ही व्यक्ति शामिल थे, लेकिन उसे खुद इस बात का पूरा यकीन था। परिस्थितियों को देखते हुए कोई और स्पष्टीकरण सही नहीं बैठता था।

यह अविश्वसनीय था। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिका में सुज़ैन किंग नाम की एक महिला ने अपने लापता भाई को ढूंढने के लिए एक निजी जासूस को काम पर रखा था, जो खुद एक मामूली अपराधी था और परिवार से चोरी करने के आरोप में जेल से निकाल दिया गया था। यह विचित्र और हास्यास्पद था कि एक छोटी सी घटना एक वैश्विक संघर्ष को जन्म दे सकती है, जबकि उनके दुश्मनों के मुख्य सैनिक अभी भी अज्ञात हैं।
उन्होंने कहा, "आप समझते हैं, क्रेस्त्यानोव को आपत्ति हो सकती है।"
"उसे आपत्ति करने दो!" वैलेरिक गरजते हुए बोला। "पीछे हटकर आलोचना करने में उसका कुछ नहीं जाता। मुझे किसी ऐसे पुराने जासूस से डर नहीं लगता जिसे अब आराम करना चाहिए, न कि मनगढ़ंत योजनाएँ बनानी चाहिए।"
बोगदाश्का ने सोचा, एक और झूठ, और उसे आश्चर्य हुआ कि जब वे दोनों अकेले थे, तो वैलेरिक को यह दिखावा क्यों करना पड़ा। वैलेरिक साम्यवाद के तहत पला- बढ़ा था, जहाँ केजीबी की मौजूदगी उसके जीवन का एक दैनिक हिस्सा थी, और यद्यपि उसने कानून की अवहेलना करने और अपने हिसाब से नियम बनाने का विकल्प चुना था, बोगदाश्का जानती थी कि वासिली क्रेस्त्यानोव से निपटते समय उसे भी वैसी ही बेचैनी और आशंका—वास्तव में डर—महसूस होता था।

सदियों पुराना भय उसके खून में समाया हुआ था; यह उसे बचपन से ही उसकी माँ के दूध के साथ मिलाकर पिलाया गया था।
इसके अलावा, क्रेस्त्यानोव से न डरना पागलपन का स्पष्ट संकेत था। उस व्यक्ति के रूसी सरकार के भीतर और बाहर, दोनों जगह अभी भी कुछ प्रभावशाली संपर्क थे। सीआईए के साथ उसके संबंध थे, या कम से कम एक "समझौता" था। वह पल भर में लोगों की जान ले सकता था, जैसे कोई कमज़ोर व्यक्ति चूहों या कीड़ों को मार डालता है।
और, ज़ाहिर है, सबसे निर्णायक और निर्णायक पहलू था। इस बार, क्रेस्त्यानोव एक ऐसे मिशन पर था जिस पर उसे पूरा भरोसा था। यह महज़ सूचना प्राप्त करने या किसी विशिष्ट लक्ष्य को कीमत पर खत्म करने का मामला नहीं था।
इस बार, पूर्व केजीबी कर्नल पूरी दुनिया के लिए खेल रहे थे।
टोल्या वैलेरिक इसमें शामिल हो गया था—सुधार: उसने अपने सभी सहयोगियों और अधीनस्थों को शामिल कर लिया था—क्योंकि वह रूसी सेना में कार्यरत क्रेस्त्यानोव के सहयोगियों की तुलना में कम कागज़ी कार्रवाई और कम जोखिम के साथ क्रेस्त्यानोव द्वारा आवश्यक विशिष्ट वस्तुएँ प्राप्त कर सकता था। यदि वे इसमें सफल हो जाते और सामान पहुँचा देते, तो वे अपनी कल्पना से भी अधिक धनवान हो जाते।
अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो...
"टोल्या, मैं उसे कहाँ बताऊँ कि हम जा रहे हैं?"
"घर।" यह एक शब्द जोखिमों और संभावनाओं से भरा हुआ है।
मॉस्को।
बोगदाश्का चुप रहना चाहता था, लेकिन उसे पूछना ही पड़ा। "और अगर वहाँ भी हमारा पीछा किया गया तो? फिर क्या होगा?"
उसे वैलेरिक के गंभीर चेहरे की उम्मीद थी, जिससे उसे पता चलता कि उसका बॉस किसी गंभीर प्रस्ताव पर विचार कर रहा है: शायद किसी दूसरे परिवार के खिलाफ युद्ध छेड़ना; या किसी नए क्षेत्र में एक अरब रूबल का निवेश करना। इसलिए, बोगदाश्का तब हैरान रह गया जब वैलेरिक ने लगभग लापरवाही से जवाब दिया,

मानो इस गंभीर निर्णय के लिए उसे ज़रा भी सोच-विचार की ज़रूरत ही न पड़ी हो।
"ऐसी स्थिति में," उसने जवाब दिया, "हम डटकर लड़ेंगे। हमारे पास जाने के लिए और कोई जगह नहीं होगी।"

बेशक, यह पूरी तरह सच नहीं था। उनके पास अफ़गानिस्तान से लेकर ज़िम्बाब्वे तक, अनगिनत विकल्प थे, जहाँ उनके पैसे का स्वागत किया जाता और उनकी निजता का सम्मान किया जाता—कम से कम जब तक उनके पास पैसे रहते। हालाँकि, वह वैलेरिक का मतलब समझ गया था। अमेरिका, नीदरलैंड या जर्मनी से निकाल दिया जाना एक अलग बात थी। वे मॉस्को में पले-बढ़े थे, वहाँ उन्होंने अपने ज़ख्म कमाए थे और अपनी प्रतिष्ठा बनाई थी, लगभग बराबर मात्रा में खून और वोदका बहाई थी।
'जब तक मैं क्रेस्त्यानोव से बात नहीं करता,' बोगदाश्का ने कहा।
वैलेरिक ने उस टिप्पणी पर कोई ध्यान नहीं दिया, वह एक मजबूत सिरेमिक कॉफी मग से वोदका पीने में इतना मग्न था कि उसने उस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।
आदेश दिया जा चुका था; उसे विश्वास था कि बोगदाश्का उसका पालन करेगा।
प्रतिक्रिया देना बिल्कुल अनावश्यक था।
बोगदाश्का के मन में एक सवाल उठा, और हालांकि वह जानता था कि न बोलना ही बेहतर होगा, फिर भी वह उसे अपने तक नहीं रख सका। उसने पूछा, "क्या आप अब भी माल की डिलीवरी करने का इरादा रखते हैं?"
वैलेरिक ने हैरानी से उसकी ओर पलकें झपकाईं। "बेशक," उसने कहा। "मैं क्यों नहीं करूंगा?"
बोगदाश्का को जवाब इतना स्पष्ट लगा कि उसने उसे शब्दों में व्यक्त करने की हिम्मत ही नहीं की। इसके बजाय, उसने बस कंधे उचकाए और सिर हिलाया।
"हमें कल माल की डिलीवरी मिल जाएगी," वैलेरिक ने उसे बेवजह याद दिलाते हुए कहा। "ज्यादा से ज्यादा एक-दो दिन में क्रेस्त्यानोव को माल मिल जाएगा— बैंक ट्रांसफर की पुष्टि होने के बाद। उसके बाद, यह हमारी समस्या नहीं रहेगी।"
बोगदाश्का अपने नेता के आत्मविश्वास से सहमत नहीं थे। हालांकि, जब उन्होंने इस समस्या के बारे में सोचा, तो उन्हें लगा कि अभी भी बहुत कुछ गलत हो सकता है, जिसका असर वैलेरिक और उन पर, यानी परिवार पर पड़ सकता है, चाहे वे खेल में सीधे तौर पर शामिल हों या नहीं।
उदाहरण के लिए, अगर क्रेस्त्यानोव का निर्णय गलत साबित हो जाए और पूरी दुनिया ही नष्ट हो जाए, तो वे एक सिंडिकेट के रूप में कैसे काम करेंगे?

इस तरह का निराशाजनक सवाल पूछने के बजाय, बोगदाश्का ने वैलेरिक से पूछा, "क्या आप उड़ना पसंद करेंगे या गाड़ी चलाना?"
वैलेरिक ने उसे देखते हुए पलकें झपकाईं, मानो कुछ समझ ही न पा रहा हो। "उड़कर जाओगे या गाड़ी से?"
"मॉस्को के लिए।"
“अहा। सबसे तेज़ तरीका,” उसने कहा, अब जब सवाल स्पष्ट हो चुका था। “बेशक, हवाई जहाज़ से जाना ही सबसे अच्छा है, जब तक कि हमें विमान मिलने के लिए घंटों इंतज़ार न करना पड़े। यह मैं आपके हाथ में छोड़ता हूँ।”
हमेशा की तरह, बोगदाश्का ने सोचा, लेकिन अपने मन में ही रखा। "क्रेस्त्यानोव से बात करने से पहले मैं जाँच-पड़ताल कर लूँगा।"

वालेरिक ने अपने दूसरे कमांडर को मॉस्को में तैनात सैनिकों को सतर्क करने की याद दिलाकर उसका अपमान नहीं किया। उन्हें पहुँचते ही, या अगर वे सड़क मार्ग से यात्रा कर रहे थे तो उससे भी पहले, कड़ी सुरक्षा की ज़रूरत होगी। अगर वे गाड़ी से आ रहे थे, तो बोगदाश्का का मानना था कि स्मोलेंस्क में कुछ अच्छी तरह से हथियारबंद लोगों को उनसे मिलने के लिए भेजना चाहिए और उन्हें मॉस्को तक वापस ले जाने के लिए एक काफिला बनाना चाहिए। फिर उन बेनाम बदमाशों को अपनी करतूतें करने दो। या, इससे भी बेहतर, मॉस्को में, जब वे दोनों अपने घर लौट आएँगे।
एक पल के लिए, बोगदाश्का को लगा कि उसकी आशंका कम हो रही है, और क्रोध और विद्रोह की भावना उसकी जगह ले रही है। उसे इस बात से बहुत दुख हुआ था कि उसे एक ऐसे दुश्मन ने पहले एक शहर से, फिर दूसरे शहर से खदेड़ दिया था जिसे वह न तो पहचान सका था और न ही समझ पाया था। फिर भी, उनके विरोधियों का जो भाग्य साथ दे रहा था, उसे कभी न कभी तो टूटना ही था।
इससे उन सैनिकों की कोई मदद नहीं मिली जो उन्होंने उस सुबह मिन्स्क में खो दिए थे, न ही उन दर्जनों लोगों की जो उनसे पहले मारे गए थे, मानो वे शौकिया खिलाड़ी हों और पेशेवर सैनिकों के साथ युद्ध का खेल खेल रहे हों। शुरू में तो यह शर्मनाक था; लेकिन समय बीतने के साथ-साथ बोगदाश्का को समझ आ गया कि उनके परिवार में कोई भी सुरक्षित नहीं है।
वैलेरिक नहीं।
वह स्वयं नहीं।
इतने सारे युद्धों के बाद, जिनमें कभी-कभी परिस्थितियाँ उनके विपरीत थीं, यह एक तरह का रहस्योद्घाटन था। वह हमेशा से जानता था कि मृत्यु अपरिहार्य है, उसने कभी यह उम्मीद नहीं की थी कि यह उसे बुढ़ापे में, परपोते- परपोतियों के बीच मिलेगी, लेकिन यह अलग था। अन्य सभी युद्धों में, चाहे उसने

चाहे उन्होंने उन्हें चुना हो या किसी और ने उन्हें लड़ाई के लिए मजबूर किया हो, वह हमेशा अपने दुश्मनों को जानता था: उनके नाम, उनकी संख्या और उनका वंश।
इस बार ऐसा लग रहा था मानो भूतों से लड़ रहे हों।
और बोगदाश्का को यह एहसास अच्छा नहीं लगा।
इससे उसे ऐसा महसूस हुआ मानो उसका एक पैर पहले से ही कब्र में हो। वासिली क्रेस्त्यानोव का मानना था कि उन्होंने अपने जीवनकाल में हर तरह के इंसान से सामना किया था, चाहे वह केजीबी में रहते हुए हो या निजी तौर पर काम करते हुए। वे जानते थे कि किसी भी परिस्थिति में उन्हें किस तरह के पुरुषों और महिलाओं का सामना करना पड़ सकता है और वे उनमें से किसी से भी निपट सकते थे, चाहे इसके लिए शक्ति प्रदर्शन की आवश्यकता हो या कमजोरी का दिखावा, धमकी हो या चापलूसी, प्रलोभन हो या डराना। उन्होंने अपने समय में नायकों को तोड़ा भी था और कायरों को सहारा भी दिया था, चूहों को इतना फुलाया था कि वे खुद को मर्द समझने लगे थे और फिर उसी के अनुसार व्यवहार करने की कोशिश की थी। वे शायद ही कभी आश्चर्यचकित होते थे।
इसलिए गुरुवार की यह दोपहर उल्लेखनीय थी।
क्रेस्त्यानोव हैरान और परेशान थे। उन्होंने अनिच्छा से ही सही, यह बात स्वीकार की कि टोल्या वैलेरिक का पीछा करने वाले लोग जर्मनी से मिन्स्क तक उनका पीछा कर चुके थे। अमेरिका से एम्स्टर्डम और फिर बर्लिन तक उनका पीछा

करना एक बात थी। पश्चिम को छोड़कर रूस और उसके सहयोगी देशों में जाना बिलकुल अलग बात थी। शीत युद्ध के दौरान रूस के "रेडलैंड" होने के कलंक से परे, जब रूसी लोग ज़ारों के शासन में मेहनत करते थे और कोसैक कबीले के लोग मैदानों में बेखौफ घूमते थे, उस समय को याद करते हुए, ऐसा लग रहा था मानो जानी-पहचानी दुनिया को पीछे छोड़कर सचमुच "सीमा के पार" चले गए हों। वैलेरिक के दुश्मनों को, जाहिर तौर पर, ऐसी कोई झिझक या संकोच नहीं था। उनकी दृढ़ता—बल्कि उनकी बेशर्मी—ने ही क्रेस्त्यानोव को सबसे ज्यादा परेशान किया। इससे उन्हें पता चला कि वे न्यूयॉर्क, मॉन्ट्रियल या एम्स्टर्डम में अपने इलाके को लेकर ईर्ष्यालु प्रतिद्वंद्वी गैंगस्टर नहीं थे। इससे उन्हें यह भी पता चला कि उनकी प्रेरणा अमेरिका में किसी मामूली अपराधी के खात्मे के बदले से कहीं अधिक थी। यहां तक कि जिप्सी और सिसिलियन भी...

भारतीय लोग अपने किसी रिश्तेदार का बदला लेने के लिए आधी दुनिया का चक्कर नहीं लगाएंगे और इस प्रक्रिया में दर्जनों प्रशिक्षित हत्यारों को नहीं मारेंगे।
नहीं। टोल्या वैलेरिक ही मुख्य निशाना था, लेकिन क्रेस्त्यानोव अब परेशान था क्योंकि उसे महसूस हो रहा था कि अज्ञात, बेचेहरा शिकारी उसके करीब आ रहे हैं। उसे नहीं लगता था कि उन्हें अभी तक उसके इरादों का पता चला है, हालांकि बर्लिन में वह बाल-बाल बच गया था। उसने बंदूकधारी को पहचाना नहीं था—असल में, उसने उसका चेहरा बस एक झलक देखा था—लेकिन किसी के उसके पीछे आने से ही क्रेस्त्यानोव को आगाह हो गया था कि उसकी सुरक्षा की परतें कमजोर पड़ रही हैं।
अज्ञात शत्रु को सब कुछ पता चलने में कितना समय लगेगा?
उन्होंने सोचा, खुद को बचाने के लिए यह काफी जल्दी नहीं होगा।
4. 'किसे बचाना है?'
निकोलाई लुकाशा की आवाज़ सुनकर क्रेस्त्यानोव चौंक गया। अपने विशालकाय शरीर के बावजूद, यहाँ तक कि जब लुकाशा हिलता-डुलता नहीं था, जब वह बोलता भी नहीं था, तब भी क्रेस्त्यानोव उसे पूरी तरह से भुला सकता था और यह भूल सकता था कि वह कमरे में मौजूद भी है। अगर उसने कभी सड़क पर इस तरह बिना किसी का ध्यान खींचे निकलने की कला सीख ली होती, तो लुकाशा एक बेहतरीन जासूस बन सकता था, बजाय इसके कि उसे लुब्यंका जेल की तहखानों में डाल दिया गया था जहाँ उसे फाँसी और पूछताछ का काम सौंपा गया था।
"कोई बात नहीं," क्रेस्त्यानोव ने अपनी गलती का स्पष्टीकरण देने से बचते हुए कहा। "माल की डिलीवरी मिलने में कितना समय लगेगा?"
क्रेस्त्यानोव को उस प्रश्न का उत्तर पता था, और लुकाशा को भी पता था कि उसे उत्तर पता है। फिर भी, इस समय उसके लिए उन शब्दों का उच्चारण करना महत्वपूर्ण था, मानो उन्हें ज़ोर से दोहराने से सफलता की गारंटी मिल जाएगी।
"उनतीस घंटे और—" लुकाशा ने अपनी कलाई पर बंधी टाइमक्स घड़ी से अपनी अलंकृत जेब घड़ी की तुलना की, हमेशा की तरह सटीकता को लेकर चिंतित "—तेरह मिनट।"
"क्या आपको यकीन है?"
लुकाशा समझ गया था कि वह मज़ाक कर रहा है, हालाँकि उसे उसमें कोई हास्य नहीं दिखा। उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अगले अप्रैल में उस विशालकाय

व्यक्ति को देखे हुए चौदह साल हो जाएँगे, और क्रेस्त्यानोव ने इतने समय में लुकाशा को हँसते हुए नहीं देखा था। उसकी मुस्कानें बहुत कम ही देखने को मिलती थीं, मानो कभी-कभार ही।

साल में एक बार ऐसी घटनाएँ घटित होती थीं जो हमेशा उनके परिचितों को चौंका देती थीं, उनमें से अधिकांश को विचलित कर देती थीं और कुछ ऐसे लोगों को भयभीत कर देती थीं जो उन्हें सबसे अच्छी तरह जानते थे।
क्रेस्त्यानोव ने जानबूझकर इस शब्द का चयन करते हुए कहा, "मुझे डर है कि पैकेज को कहीं और भेजने या हमें इसे प्राप्त करने से रोकने का कोई प्रयास किया जा रहा होगा।"
"वैलेरिक?" लुकाशा ने अपने विशाल हाथों से मुट्ठियाँ बनाईं और उन्हें धीरे-धीरे तब तक कसता गया जब तक कि उंगलियों के जोड़ चटकने की आवाज़ न आने लगी।
क्रेस्त्यानोव ने सिर हिलाया। "बाकी लोग," उसने जवाब दिया। "काश हम उन्हें बर्लिन में ही रोक पाते।"
यह लुकाशा की कोई आलोचना नहीं थी, क्योंकि उस विशालकाय व्यक्ति ने होटल से निकलते समय उन पर हुए हमले में उनकी रक्षा की थी—वास्तव में, शायद उन्होंने क्रेस्त्यानोव की जान बचाई थी। लुकाशा ने इस बात पर आपत्ति नहीं जताई, बल्कि अब उनके सामने मौजूद समस्या पर विचार किया।
उन्होंने कहा, "हमें मिन्स्क में एक और मौका मिलेगा।"
"यह गलत लगता है," क्रेस्त्यानोव ने जवाब दिया। "हम अभी भी उनके बारे में पर्याप्त नहीं जानते हैं, वे कौन हैं, वे कहाँ से आते हैं, वे क्या चाहते हैं।"
"हमें उस महिला का गला घोंट देना चाहिए था," उस विशालकाय व्यक्ति ने सुझाव दिया।
बेशक, वह सही था। बर्लिन में क्रेस्त्यानोव के एक संपर्क, जो पूर्व स्टासी अधिकारी था, ने सुज़ैन किंग का पता लगा लिया था और उसका अपहरण कर लिया था। उसने उसे चारा बनाकर बाकी लोगों को फंसाने की कोशिश की। उससे संक्षिप्त, निरर्थक पूछताछ की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य उसके साथ यात्रा कर रहे पुरुषों को फंसाना और उन्हें हमेशा के लिए खत्म करना था। यह एक चूक थी, और इसका खामियाजा क्रेस्त्यानोव को भुगतना पड़ा। दुश्मन ने उसे छुड़ा लिया, उसके जर्मन साथियों को मार गिराया और लगभग क्रेस्त्यानोव को भी पकड़ लिया।
उसने लुकाशा की फटकार को बिना जवाब दिए स्वीकार कर लिया। एक सेनापति को अपनी गलतियों को स्वीकार करना आना चाहिए, लेकिन उन पर पछतावा करना समय और ऊर्जा की व्यर्थ बर्बादी थी।
वासिली क्रेस्त्यानोव अभी भी जीवित थे, और वह इस दुश्मन को फिर कभी कम नहीं आंकेंगे।
क्रेस्त्यानोव ने कहा, "टोल्या को सुरक्षा की समस्या है।"

"यह तो स्पष्ट है। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उसके दुश्मन उस पर नजर कैसे रखते हैं।"
4. 'शायद सीआईए?'
लुकाशा जानती थी कि इसका उन दोनों पर क्या असर होगा। अगर अमेरिका में उनका संपर्क टूट जाता है तो उन्हें किन बाधाओं और खतरों का सामना करना पड़ेगा।

"मुझे उम्मीद है ऐसा नहीं होगा," क्रेस्त्यानोव ने स्पष्ट बात कहते हुए जवाब दिया।
"और अभी तक..."
"मुझे इसकी जाँच करनी होगी। आप बिल्कुल सही कह रहे हैं।" उनका इरादा बर्लिन और मिन्स्क में चल रही समस्याओं के बारे में वाशिंगटन में नोबल प्रुएट से बात करने का था। लुकाशा को यह विश्वास दिलाने में कोई हर्ज नहीं था कि यह कॉल उनका ही विचार था। चतुराई से किया गया एक छोटा सा प्रयास सौ धमकियों से कहीं अधिक कारगर साबित हो सकता था।
"वे हमें रोक नहीं सकते, वासिली।"
उनका इशारा संभवतः सीआईए की ओर था। दुर्भाग्य से, क्रेस्त्यानोव अपने सहयोगी की तरह निश्चिंत नहीं थे। बर्लिन में लिफ्ट का इंतज़ार करते समय उन्हें लगभग हमेशा के लिए रोक दिया गया था। बस एक भाग्यशाली गोली ही काफी थी, और हालांकि क्रेस्त्यानोव अपने उद्देश्य के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपनी जान कुर्बान करने को तैयार थे, वे यह भी समझते थे कि अगर उनके दुश्मन उनके इतने करीब आकर भी पकड़े नहीं गए, तो अगले दिन की डिलीवरी में बाधा डालने का भी उनका कम से कम कुछ मौका तो ज़रूर था। और अगर क्रेस्त्यानोव को ज़रूरी सामान नहीं मिलता, तो इसका मतलब होता कि उनकी सारी योजना, सारी तैयारी बेकार हो गई।
उन्हें दूसरा मौका मिलने की उम्मीद नहीं थी, खासकर अमेरिका में उनके घबराए हुए सहयोगियों को देखते हुए।
इतने बड़े दांव के साथ तो नहीं।
प्रुएट और उनके साथियों ने खुद को इस हद तक तैयार कर लिया था कि वे आगे बढ़ने और आवश्यक बलिदान देने के लिए तैयार थे, लेकिन अगर प्रक्रिया पटरी से उतर जाती, तो क्रेस्त्यानोव उनसे पीछे हटने और पुनर्विचार करने, नुकसान कम करने के तरीके खोजने और उनसे संबंध तोड़ने की उम्मीद कर सकते थे। क्रेस्त्यानोव उनके बिना आगे बढ़ने का प्रयास कर सकते थे, लेकिन सीआईए के भीतर के किसी तत्व का सहयोग उनकी वर्तमान योजना के लिए महत्वपूर्ण था। अगर उन्होंने प्रुएट और बाकी लोगों को खो दिया, तो यह मुश्किल, शायद असंभव हो जाएगा।

ताकि वह साजिश को उसी रूप में अंजाम दे सके जैसा कि शुरू में सोचा गया था। और अगर वह स्क्रिप्ट में बदलाव करने लगता, तो इस बात की भी संभावना थी कि वह रूस में अपना महत्वपूर्ण समर्थन खो देता, जहाँ यह सबसे ज़्यादा मायने रखता था। उसके सहयोगी दृढ़ निश्चयी थे, लेकिन वे यथार्थवादी भी थे। वे किसी ऐसे अंतिम समय के बदलाव पर अपना जीवन दांव पर नहीं लगाते, जिसकी सफलता की कोई संभावना न हो।
संक्षेप में, यह अत्यंत आवश्यक था कि इस अंतिम समय में, जब वह आर्मागेडन की पूर्व संध्या और अंतिम विजय के इतने करीब था, तब कोई भी—कोई भी—अन्यथा इस मास्टर प्लान को खतरे में न डाले।
अगर क्रेस्त्यानोव अपना काम पूरा कर लेते, तो जिस व्यवस्था में उनका जन्म हुआ, पले-बढ़े और जिसकी सेवा करने का उन्हें प्रशिक्षण मिला, वह बहाल हो जाती। कायर, उदारवादी और पतित संशोधनवादी सब बह जाते। नीली जींस, हेवी मेटल संगीत, पेप्सी-कोला और मैकडॉनल्ड्स को अलविदा। आने वाली पीढ़ियाँ उन्हें सम्मान देंगी जब वे येल्तसिन के दुखद और अपमानजनक वर्षों को राष्ट्रीय उन्माद के एक संक्षिप्त दौर के रूप में याद करेंगी।

इस तरह के क्षणिक पागलपन के दौर केवल रूस तक ही सीमित नहीं थे; ये पूरे इतिहास में देखने को मिलते हैं। मध्य युग का डायन उन्माद। धर्मयुद्ध। धर्म जांच सरकार। अमेरिका में शराबबंदी। जर्मन साम्राज्य। राष्ट्र, मनुष्यों की तरह, समय-समय पर पागल हो जाते थे, लेकिन उनमें से अधिकांश उबर जाते थे, भले ही उनका पागलपन उन्हें मृत्यु के कगार तक ले जाता था। अनिवार्य रूप से, इसके लिए एक भयावह बलिदान की आवश्यकता होती थी, जो किसी पागल व्यक्ति को चुप कराने के लिए उसके चेहरे पर थप्पड़ मारने के समान था। रूस में लोकतंत्र का पागलपन बहुत लंबा खिंच चुका था। अब उसके जागने, अपने इस भ्रम से बाहर आने और होश में आने का समय आ गया था। एक दशक के इस भ्रम से जागना आसान नहीं होगा। नुकसान तो ज़रूर होगा। क्रेस्त्यानोव भी उनमें से एक हो सकता है, पर उसे ऐसा विश्वास नहीं था।
ऐसा तब नहीं होगा जब वह निर्णायक घड़ी से पहले हस्तक्षेप करके स्थिति पर फिर से नियंत्रण हासिल कर ले।
4 * "संयुक्त राज्य अमेरिका में क्या समय हो रहा है?" उसने लुकाशा से पूछा। "कौन सा समय क्षेत्र?"

"पूर्व।"
लुकाशा ने अपनी जेब घड़ी को फिर से हाथ में लिया और टाइमएक्स देखने के लिए अपना हाथ उठाया। यह किसी सनकी, थोड़े बूढ़े चाचा की रस्म जैसा था। "माइनस सात घंटे," उसने जवाब दिया।
"अभी भी रात है।"
"हाँ।"
तो ठीक है। नोबल प्रुएट को सोने की इजाज़त क्यों मिलनी चाहिए?
प्रुएट ने सोचा, "यह मनहूस टेलीफोन!" वह एक सुखद सपने से जागते हुए होश में आने की कोशिश कर रहा था। उस सपने में उसकी लाल बालों वाली सचिव और एक अनजान महिला शामिल थीं—
"नमस्ते!"
एकमात्र जवाब उसके कान में बजती हुई डायल टोन थी, जबकि उसी दौरान एक और टेलीफोन लगातार बजता रहा।
"धत् तेरे की!"
उसने हैंडसेट पटक दिया और अपने नाइटस्टैंड के ऊपरी दराज में हाथ डालकर अपना दूसरा टेलीफोन ढूंढने लगा, जो उसका गुप्त निजी नंबर था। शायद दुनिया में दो दर्जन लोगों के पास ही वह नंबर होगा, और उनमें से किसी के लिए भी आधी रात को प्रुएट को फोन करना बुरी खबर ही होगी।
"हैलो," उसने फिर कहा, अपनी भड़ास निकालने की इच्छा को दबाते हुए। पहले यह पता लगाना बेहतर था कि लाइन पर कौन है और वे क्या चाहते हैं।
"क्या तुम सो रहे थे?"
क्रेस्त्यानोव। बहुत बढ़िया। "बेशक। आपको पता है कि समय क्या हुआ है?" रूसी व्यक्ति ने कहा, "आप जहां हैं, वहां अब सुबह के 3:19 बज रहे होंगे।" प्रुएट ने धुंधली आँखों से अलार्म घड़ी को देखा, जिसके डिजिटल अंक नीले रंग में हल्की चमक रहे थे। "ठीक है," उसने कहा। "क्या आपको कुछ और चाहिए? क्योंकि मेरे उठने का समय अभी नहीं हुआ है—"
रूसी ने उसे बीच में रोकते हुए कहा, "लगता है हमारे सामने एक और समस्या आ गई है। या यूं कहूं कि वही समस्या जारी है?"

"मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कहना चाह रहे हैं," प्रुएट ने जवाब दिया। "यह आपका पैसा है। आप ही बताइए।"
"क्या यह लाइन पूरी तरह से सुरक्षित है?"
"यह बढ़ीया है।"
"हमारे मित्र टोल्या एक और घटना का शिकार हो गए हैं। इस बार मिन्स्क में।" तुम मेरा मजाक उड़ा रहे हो।
"दुर्भाग्यवश," क्रेस्त्यानोव ने उत्तर दिया, "मैं नहीं हूँ। पिछली बार हुए हमलों के समान परिस्थितियों में उनकी और भी संपत्ति बेच दी गई है।" "क्या वही पक्ष शामिल थे?" उसने पूछा, और तुरंत ही उसे अपने इस सवाल पर पछतावा हुआ।
क्रेस्त्यानोव ने कहा, "मैं इस सवाल का जवाब भरोसे के साथ नहीं दे सकता, क्योंकि हम अभी तक जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान नहीं कर पाए हैं। मुझे उम्मीद है कि आप इस संबंध में कुछ नई जानकारी दे पाएंगे।"
"मैं इस पर काम कर रहा हूं," प्रुएट ने उनसे कहा।
"आपके सपनों में?"
"चलो, वासिली, तुम्हें याद है ना कि ये सब कैसे चलता है। तुम्हें रिटायर हुए ज़्यादा समय नहीं हुआ है...या हुआ है?"
क्रेस्त्यानोव ने कहा, "मैं कभी सेवानिवृत्त नहीं हुआ।"
"ठीक है, तो आपको याद है। इसे अधिकार सौंपना कहते हैं, मेरे दोस्त। अगर आप चाहते हैं कि मेरा ऑपरेशन प्रमुख फील्ड में जाए, तो कीन को फोन करके जगा दीजिए।"
जब रूसी ने कठोर और औपचारिक लहजे में जवाब दिया, जिससे उसकी नाराज़गी झलक रही थी, तो प्रुएट को अच्छा लगा। प्रुएट अक्सर क्रेस्त्यानोव के कवच को भेद नहीं पाता था। यह कुछ पल के लिए संतोषजनक था, जब तक कि प्रुएट को यह एहसास नहीं हुआ कि वासिली क्रेस्त्यानोव को विचलित करने वाली कोई भी स्थिति उन सभी के लिए विनाशकारी साबित हो सकती है।
क्रेस्त्यानोव कह रहे थे, "मैंने आपको जगाया इसलिए है ताकि आपको बता सकूं कि हमारी साझा समस्या का समाधान नहीं हुआ है। बल्कि, वास्तव में, यह और भी जटिल होती जा रही है। मैं यह भी जानना चाहता हूं कि आप अभी तक इसके लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान नहीं कर पाए हैं।"
"क्या आप सुज़ैन किंग और उसके जासूस जॉनी ग्रे के बारे में जानते हैं?"

"बिल्कुल," क्रेस्त्यानोव ने कहा। "और हम दोनों जानते हैं कि इसमें अन्य लोग भी शामिल हैं।"
"मुझे लगा था कि आप यह जानकारी उस महिला से प्राप्त कर सकते हैं," प्रुएट ने कहा। "एक छोटी सी चिड़िया ने मुझे बताया कि आपने उसे बर्लिन में पटा लिया है।"
क्रेस्त्यानोव ने कहा, "आपका मुखबिर पुराने ज़माने का है। बर्लिन में मेरे संपर्कों को निष्क्रिय कर दिया गया है। वह महिला अब हमारे हाथ में नहीं है।"
प्रुएट भी यह बात जानता था, लेकिन उसे रूसी को मुश्किल में डालने में मज़ा आता था। "तुमने उसे खो दिया, है ना?" उसने कहा। "जब तुम्हें यह समझने का समय मिल जाए कि इसमें मेरी क्या गलती है, तो मुझे वापस ज़रूर कॉल करना।"
"आपका रवैया अनुत्पादक है," क्रेस्त्यानोव ने टिप्पणी की।

"मेरा रवैया?" प्रुएट को महसूस हुआ कि उसका संयम टूट रहा है। "यूरोप में जो कुछ तुम्हारे शासनकाल में हो रहा है, उसके लिए तुम मुझे दोषी ठहराते हो, और मेरे रवैये की शिकायत करते हो?"
"आपने पूर्ण सहयोग का वादा किया था।"
और आपको यह मिल रहा है!
"यह काफी नहीं है," क्रेस्त्यानोव ने कहा। "अगर आगे कोई समस्या नहीं हुई तो मैं कल विशेष सामान की डिलीवरी ले लूंगा। आप जानते हैं इसका क्या मतलब है।"
"हम इस पर पूरी तरह से काम कर चुके हैं," प्रुएट ने कहा, काश वह अभी भी सो रहा होता, उसकी सेक्रेटरी और जेन डो ने उसकी हर ख्वाहिश को सच कर दिया था। "तुम पैकेज यहाँ ले आओ, मैं अपना काम कर दूंगा।"
"तुम्हारा काम," क्रेस्त्यानोव ने व्यंग्य भरे लहजे में जवाब दिया, "यह सुनिश्चित करना है कि हम सफल हों। मुझे उम्मीद है कि तुमने खुद को इस भ्रम में नहीं रखा होगा कि अगर हम असफल हो गए तो तुम किसी तरह बच जाओगे।"
"मैं आपकी बात समझ गया," प्रुएट ने कहा। "आप मैदान में किसी की मौजूदगी चाहते हैं, ठीक है। मैं कीन से संपर्क कर रहा हूँ। आप उन्हें कहाँ चाहते हैं? मिन्स्क में?"
रूसी व्यक्ति ने कहा, "मिन्स्क जाने का समय निकल चुका है। टोल्या अपने घर, मॉस्को जा रहा है। मेरा इरादा है कि मैं कल योजना के अनुसार उससे वहीं मिलूं और माल की डिलीवरी ले लूं।"
"मॉस्को।" क्रिश्चियन कीन को यह पसंद नहीं आता, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

उसे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि उसे क्या पसंद है, बस वह उसके आदेशों का अक्षरशः पालन करे। "ठीक है। अगर आपको कीन की ज़रूरत है, तो वह आपको मार्को पोलो प्रेस्न्या में मिलेगा। वह फ्लेचर क्रिश्चियन के नाम से रजिस्टर करेगा।"
"कितना साहसिक कदम है!" कर्नल ने कहा। "आप मुझे सिर्फ एक आदमी भेज रहे हैं?"
"तुम्हारे पास पहले से ही दो सेनाएँ हैं," प्रुएट ने जवाब दिया। "टोल्या की बची हुई सेना और तुम्हारी अपनी। अगर तुम्हारे पास सैनिकों की कमी होने लगे, तो कीन के संपर्क हैं, इस इलाके में उसके लोग हैं जिनका हमने पहले भी इस्तेमाल किया है।"
"आपके स्लीपर?" क्रेस्त्यानोव अचानक चौकन्ने हो गए, पेशेवर रुचि की एक चिंगारी प्रज्वलित होकर आग की लपट में बदल गई।
"वे बिल्कुल स्थानीय लोग हैं," प्रुएट ने रूसी के भ्रम को तोड़ते हुए खुशी से कहा। "मानो या न मानो, वासिली, हमें कुछ ऐसे लोग मिले जो 'श्रमिकों के स्वर्ग' में घूमने के लिए बिल्कुल भी उत्सुक नहीं थे।"
"जैसा कि हमने आपके देशवासियों में से कुछ को पूरे देश में पाया," क्रेस्त्यानोव ने कहा।
"हर तरह के लोग होते हैं," प्रुएट ने कहा, और उन्हें एक बार फिर इस बात का एहसास हुआ कि उन्हें खेल की कितनी याद आ रही है।
क्रेस्त्यानोव ने कहा, "किसी दिन, जब हमारे पास समय की सुविधा होगी, तो हमें अपने अनुभवों का आदान-प्रदान करना चाहिए।"
"तुम जानते हो, वासिली, मैं अपने लोगों को कभी नहीं छोड़ता," प्रुएट ने जवाब दिया, "जब तक कि इससे मुझे कुछ फायदा न हो।"

"बिल्कुल। मुझे हमेशा से आपकी व्यावहारिकता पर भरोसा रहा है।"
"तो, इस टोल्या मामले के बावजूद, हम तय समय पर चल रहे हैं?" प्रुएट ने पूछा। "मैं पूर्ण सफलता से कम कुछ भी स्वीकार नहीं करूंगा," क्रेस्त्यानोव ने उत्तर दिया।
मुझे लगता है कि हमारा काम हो गया, प्रुएट ने सोचा और कहा, "ठीक है। तो कीन से सावधान रहना। जब तक उसे बुलाया नहीं जाएगा, वह तुमसे संपर्क करने की कोशिश नहीं करेगा।"
मैं समझता हूँ। मुझे उम्मीद है कि यह पर्याप्त होगा।
प्रुएट ने कहा, "बस वह पैकेज यहां ले आओ, बाकी सब अपने आप हो जाएगा।"
जो कि बिल्कुल हास्यास्पद था। किसी भी चीज से इसका समाधान नहीं निकलेगा।

अपने आप में। उस बिंदु से आगे, प्रुएट को हर पहलू पर, हर कदम पर ध्यान देना होगा। रूसियों या उनके सहयोगियों को चिंगारी लगानी थी, लेकिन उसे उनकी रक्षा करनी होगी, यह सुनिश्चित करना होगा कि वे इसे सही ढंग से अंजाम दें, और रास्ते में आने वाली किसी भी बाधा से निपटने में उनकी मदद करनी होगी। और एक बार चिंगारी भड़क उठी तो वही ड्राइविंग सीट पर होगा।
"क्या तुम्हारे लोग बाद की स्थिति के लिए तैयार हैं?" क्रेस्त्यानोव ने उससे पूछा, मानो वह लैंगली के निजी विचारों को दोहरा रहा हो। जब भी रूसी ऐसा करता था तो उसे बहुत गुस्सा आता था।
"हमारा सब कुछ ठीक चल रहा है, सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं," प्रुएट ने जवाब दिया। "और आपकी?"
क्रेस्त्यानोव ने कहा, "मेरे पास बत्तखें नहीं हैं, लेकिन बाकी सब कुछ तैयार है। आप इस पर भरोसा कर सकते हैं।"
"एक तरह से यह बहुत बुरा है," प्रुएट ने मन ही मन सोचते हुए जवाब दिया। "बहुत बुरा?"
"मेरा मतलब शायद विडंबनापूर्ण कहना है। ज़रा सोचिए। हम इतने समय से सहयोग कर रहे हैं, और किसलिए? ताकि समय को पीछे ले जाकर फिर से दुश्मन बन सकें।" "प्रतिद्वंद्वी," क्रेस्त्यानोव ने उन्हें सुधारते हुए कहा। "और भले ही इसमें विडंबना हो, इससे यह तथ्य नहीं बदलता कि हम सही हैं। देखिए बुश और येल्तसिन के बीच शांति समझौता होने के बाद से दुनिया का क्या हाल हुआ है। जर्मनी, यूगोस्लाविया, यूक्रेन में इस अव्यवस्था ने कितनी जानें ली हैं। तीसरी दुनिया कबीलाई नरसंहार की ओर बढ़ रही है। उन्हें हमारी ज़रूरत है, प्रुएट।"
"क्या आपको लगता है कि हमें इसके लिए नोबेल पुरस्कार मिलेगा?"
रूसी नागरिक ने कहा, "भविष्य ही हमारा पुरस्कार है।"
"रुको, मुझे अंदाज़ा लगाने दो—इतिहास हमें बरी कर देगा।" प्रुएट ने अपने बचपन के एक किस्से, फिदेल कास्त्रो के इस कथन को उद्धृत किया, जो क्रेस्त्यानोव से पहले ही कही गई बात को दोहरा रहा था।
रूसी व्यक्ति ने कहा, "जब तक हममें से कोई कोई गंभीर गलती नहीं कर बैठता, इतिहास हमें नजरअंदाज कर देगा। आखिरकार, हम वो लोग हैं जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।"
पर्दे के पीछे से सब कुछ नियंत्रित करने वाले पारदर्शी लोग।
"क्या इससे आपको जरा भी गुस्सा नहीं आता?" प्रुएट ने पूछा।
"क्या?"

"यह जानकर कि हम यह सब कुछ परेशान राजनेताओं के लिए कर रहे हैं, ताकि वे वाहवाही बटोर सकें? मेरा मतलब है, मुझे पता है कि हमारे पास शक्ति होगी, लेकिन—"
क्रेस्त्यानोव ने उसे बीच में ही रोक दिया। "यह सत्ता के बारे में नहीं है। यह दुनिया में उचित व्यवस्था बहाल करने के बारे में है। मुझे लगा था कि तुम यह समझ गए हो, प्रुएट।"
हे भगवान! वह तो उस बकवास पर विश्वास करने लगा था।
"ठीक है," लैंगली के उस आदमी ने कहा। "मुझे लगता है कि हम असल में दिल से परोपकारी हैं।"
"हम नायक हैं, प्रुएट," क्रेस्त्यानोव ने उत्तर दिया। "हम इतिहास की दिशा बदलने वाले हैं, अपने दोनों देशों में पतन और आलस्य की प्रवृत्ति को पलटने वाले हैं। इतना जानना ही काफी होना चाहिए। अगर हमारे प्रयासों की सराहना न भी हो तो क्या फर्क पड़ता है? यह तो बस हमारी कुशलता को साबित करता है।" "मैं आपकी बात समझ गया," प्रुएट ने कहा। उन्होंने रूसी को गलत समझा था, लेकिन अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। वे पहले ही ऐसे मोड़ पर पहुँच चुके थे जहाँ से लौटना नामुमकिन था, और एक ऐसा जुआ खेलने वाले थे जो दुनिया में तहलका मचा सकता था। हालाँकि, अगर वे बच गए, तो प्रुएट का मानना था कि उन्हें क्रेस्त्यानोव के मिजाज और इरादों की बेहतर समझ होगी—शायद इससे उन्हें एक फायदा मिलेगा, जब वे इंसानी जिंदगियों के साथ शतरंज खेल रहे थे। प्रुएट ने कहा, "मॉस्को में कीन से सावधान रहना। अगर आपको मुझसे संपर्क करना हो, तो बस उससे बात कर लेना।"
संदेश बिल्कुल स्पष्ट था: मेरे घर पर दोबारा फोन मत करना।
"मैं करूँगा," क्रेस्त्यानोव ने कहा और संपर्क तोड़ दिया। एक और डायल टोन बजने लगी, तभी प्रुएट ने एक नंबर टाइप करना शुरू किया, इस बार बर्लिन के नाम के आगे एक उपसर्ग लगा हुआ था।
वह जानता था कि क्रिश्चियन कीन को उसका नया काम पसंद नहीं आएगा, और उसे इसकी ज़रा भी परवाह नहीं थी। उसे अपने आदेशों को पसंद करने के लिए पैसे नहीं मिल रहे थे, बल्कि सिर्फ़ उनका पालन करने के लिए। प्रुएट ने टेलीफ़ोन की तीन बार घंटी सुनी, चौथी घंटी बजते-बजते उसने फ़ोन उठा लिया। "नमस्ते?"
"क्या तुम जाग रहे हो?"
"बिल्कुल," कीन ने कहा। "यहाँ लगभग दोपहर हो चुकी है।"
"अच्छा। दोपहर का खाना छोड़ो और अपना सामान पैक कर लो। तुम्हें काम करना है।"

आज रूस में यात्रा करना सोवियत शासन के मुकाबले कहीं अधिक सरल है, लेकिन इसे आसान कहना गलत होगा। पर्यटक वीजा के लिए अभी भी विस्तृत जानकारी

आवश्यक है, जिसमें देश में प्रवेश करने और बाहर निकलने के लिए उपयोग किए जाने वाले विशिष्ट शहरों के नाम शामिल हैं। रूस के भीतर ही, अनियमित सड़क निर्माण और खराब रखरखाव के कारण गाड़ी चलाना एक कठिन अनुभव है, यहां तक कि मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग जैसे प्रमुख शहरों में भी, जहां यातायात नियमों का पालन कम और उल्लंघन अधिक होता है। मॉस्को में वाहन चालक विशेष रूप से आक्रामक होते हैं, वे मनमाने ढंग से ट्रैफिक सिग्नल तोड़ते हैं, गड्ढों से बचने के लिए बेतहाशा इधर-उधर मुड़ते हैं, और अक्सर पैदल चलने वालों को जानबूझकर निशाना बनाते प्रतीत होते हैं।
"ऐसा लगता है जैसे उन्होंने कभी ड्राइविंग ट्रेनिंग के बारे में सुना ही नहीं हो," जॉनी ने पीछे की सीट से टिप्पणी की, जिससे स्टीयरिंग व्हील के पीछे बैठे उस डरे हुए व्यक्ति को हंसी आ गई।
"उन्होंने इसके बारे में सुना तो है," डेकार्ड ने जवाब दिया। "लेकिन उन्हें कोई परवाह नहीं है। इसके अलावा, पूरे शहर में ब्लैक मार्केट में ड्राइविंग लाइसेंस बिक रहे हैं। संभावना यही है कि किसी भी दिन आपको जितने भी ड्राइवर मिलेंगे, उनमें से एक चौथाई ने कभी गाड़ी चलाने की योग्यता ही हासिल नहीं की होगी।"
वे मिन्स्क से सीधे मॉस्को के मुख्य हवाई अड्डे, शेरेमेतेवो 2 पर उतरे थे। जल्दबाजी में की गई इस उड़ान का मतलब था अपने हथियार सौंप देना और डेकार्ड को उनके यात्रा दस्तावेजों को व्यवस्थित करने का मौका देना— जो देखने में तो ठीक-ठाक रहा, हालांकि बोलन को अब भी डेकार्ड के सीआईए कनेक्शन पर भरोसा करने में असहजता हो रही थी। डेकार्ड बर्लिन और मिन्स्क में उनके साथ लड़ा था, उसने खुद को बोलन की उम्मीदों पर खरा साबित किया था, लेकिन

कंपनी एक ऐसी रहस्यमयी दुनिया थी - खासकर अब, जब डेकार्ड को रूसी माफिया और केजीबी के पूर्व एजेंटों के साथ मिलीभगत कर रहे बदमाशों के एक समूह का पता लगाने का काम सौंपा गया था - कि बोलन ने जानबूझकर इसमें शामिल सभी लोगों पर संदेह करना शुरू कर दिया।
या कम से कम तब तक तो ऐसा ही था, जब तक उन्हें यह पता नहीं चला कि डेकार्ड की मदद के बिना वे समय पर मॉस्को नहीं जा सकते।
किसी और समय, वह यात्रा की व्यवस्था करने और पहुँचने पर अपने हार्डवेयर के लिए संपर्क साधने के लिए हेल ब्रोग्नोला और बेहद गुप्त स्टोनी मैन फार्म के दल से संपर्क करता, लेकिन फिलहाल बोलन के लिए यह रास्ता बंद था, और शायद हमेशा के लिए बंद हो गया था। वह अभी भी ब्रोग्नोला के वर्तमान मिशन के प्रति प्रतिरोध और बुनियादी जानकारी से परे किसी भी तरह की सहायता देने से इनकार को समझ नहीं पाया था—वह जानकारी लगभग बेकार थी।
उन्हें किसी न किसी तरह आपस में इसका हल निकालना ही होगा, लेकिन उनकी पहली प्राथमिकता सीआईए और पूर्व केजीबी से जुड़े रूसी सिंडिकेट के संबंधों का पता लगाना, उसे बाधित करना और अगर संभव हो तो उसे नष्ट करना था। अगर बोलन इस कार्रवाई में बच जाते हैं, तो लैंगली और स्टोनी मैन में व्यवस्था ठीक करने का समय मिल जाएगा।
सैद्धांतिक रूप से, मॉस्को में दो सौ से अधिक होटल हैं, लेकिन उनमें से कई पेशेवर प्रतिनिधिमंडलों के लिए छात्रावास हैं, जिनके आकर्षक नाम हैं जैसे कि ऑन्कोलॉजिकल रिसर्च सेंटर होटल। कुछ अपवादों को छोड़कर, रूसी राजधानी घूमने आने वाले पर्यटकों को अपने ठहरने के लिए दो मुख्य श्रेणियों में से चुनना पड़ता है: विलासितापूर्ण होटल, जो अक्सर रूसी-पश्चिमी संयुक्त

कंपनियों द्वारा संचालित होते हैं, और छोटे, सस्ते, पूर्व-सोवियत होटल, जो कभी राज्य द्वारा बहुत कम बजट में चलाए जाते थे। अधिकांश विलासितापूर्ण होटल मध्य मॉस्को से पंद्रह मिनट की ड्राइव या मेट्रो की दूरी पर स्थित हैं, जबकि साधारण पूर्व-सोवियत होटल आमतौर पर दूर स्थित हैं। डेकार्ड ने मॉस्को के दक्षिण-पश्चिमी अर्बत्स्काया जिले (वोल्गा, या जैसा कि डेकार्ड ने इसे "अशिष्ट" बताया) में एक सस्ती जगह चुनी थी, इस सोच के साथ कि अधिक साधारण परिवेश में वे कम ध्यान आकर्षित करेंगे।
होटल में सामान छोड़ने के बाद उनका अगला पड़ाव था...

डेकार्ड को एक निजी हथियार बनाने वाले से मिलने जाना था, जिसे वह जानता था। इसके लिए उन्हें निकोल्स्काया उलित्सा पर स्थित एक दुकान तक तीस मिनट की ड्राइव करनी पड़ी। डेकार्ड को पास ही एक सार्वजनिक पार्किंग मिली जिसमें आधा दर्जन खाली जगहें थीं। उसने उन्हें सड़क पर ही छोड़ दिया और फिर उस संकरी गली में गाड़ी चलाकर अंदर गया। कुछ मिनट बाद, उसने उनसे एक टाइम-स्टैम्प्ड टिकट लेकर मुलाकात की और फिर वे एक लंबा ब्लॉक पैदल चलकर अपनी मंजिल तक पहुंचे।
दुकान के दरवाजे पर पहुँचने से पहले ही डेकार्ड ने सलाह दी, "दुकान में मुझे बोलने दो। मेरा आदमी अच्छी अंग्रेजी जानता है, लेकिन उसे पहले से सुझाव देने का कोई फायदा नहीं है।"
"क्या उसे पता है कि तुम सीआईए के एजेंट हो?" बोलन ने पूछा।
"उसे पता है कि मैं नकद भुगतान करता हूँ, और मैं उसकी कीमत कम करने की कोशिश नहीं करता। इसके अलावा, वह क्या सोचता है, यह तो आप भी नहीं बता सकते। अगर आप यही पूछ रहे हैं तो बता दूं कि वह कोई अनुबंधित खिलाड़ी नहीं है।"
"तो, अगर कोई अच्छा प्रस्ताव दे तो वह हमें बेच देगा?" जॉनी ने पूछा।
"ऐसा अभी तक नहीं हुआ है," डेकार्ड ने जवाब दिया। "वह जानता है कि अगर वह बहुत ज्यादा बोलेगा, तो एक दिन सुबह वह मरा हुआ उठेगा। मुझे लगता है कि वह लंबी उम्र जीना चाहता है। पल भर में याददाश्त खोना एक तरह का जीवन बीमा है।"
और अगर वह हमसे कुछ पूछे तो?
"मैं उससे रूसी में बात करूंगा," डेकार्ड ने कहा। "अगर वह आपसे कोई सवाल पूछे, तो बस अनजान होने का नाटक करना।"
वे दरवाजे के बाहर रुक गए, तभी डेकार्ड ने उन्हें कुछ अंतिम सलाह दी। "हम पीछे वाले कमरे में जा रहे हैं, जहाँ वह अपना सामान छुपाकर रखता है। मुझे लगता है कि आप वहाँ की विविधता देखकर हैरान रह जाएँगे। जो भी दिखे, बस इशारा कर देना। अगर कोई सवाल हो जिसका जवाब तुरंत चाहिए, तो मुझे धीरे से बता देना। ठीक है?"
"चलो करते हैं," बोलन ने कहा।
डेकार्ड का संपर्क एक साठ वर्षीय बौने जैसे दिखने वाले व्यक्ति से हुआ, जिसके सिर पर चमकदार पट्टी के चारों ओर बर्फ जैसे सफेद बालों की लटें थीं। उसने तार के फ्रेम वाला चश्मा पहन रखा था जो उसके लिए बहुत बड़ा लग रहा था, या शायद उसका सिर ही छोटा था? बोलन ने फैसला किया कि इस पहेली में समय बर्बाद करना व्यर्थ है और उसने अपने सामने चल रहे समारोह पर ध्यान केंद्रित किया, दुकान-

कीपर और डेकार्ड हाथ पकड़े हुए, तेजी से रूसी भाषा में बातचीत कर रहे थे, डेकार्ड बीच-बीच में अपने कंधे के ऊपर से सिर हिलाते हुए अपने साथियों को भी बातचीत में शामिल कर रहा था।
कुछ ही देर बाद वे बूढ़े आदमी के पीछे-पीछे रजिस्टर के पीछे से होते हुए दूसरे दरवाजे से उसके भंडारगृह में गए, जहाँ उन्होंने तब तक इंतज़ार किया जब तक उसने एक बड़े लॉकर को बंद करने के लिए संयोजन लॉकर नहीं घुमा दिया। लॉकर खुलने पर वह पीछे हट गया और उन्हें अंदर आकर अपना सामान दिखाने का इशारा किया। बोलन एक पल के लिए आशंकित हो गया, उसे लगा कि मोटा दरवाजा उनके पीछे ज़ोर से बंद हो जाएगा और उनकी रोशनी और ऑक्सीजन रुक जाएगी, लेकिन डेकार्ड को इससे कोई परेशानी नहीं थी, इसलिए दोनों भाई उसके पीछे अंदर चले गए।
हथियारों के जखीरे के बारे में उसकी बात सही थी। उस बूढ़े आदमी के पास हर तरह के हथियार थे, सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और रिवॉल्वर से लेकर शॉटगन, राइफल, एसएमजी और लाइट मशीनगन तक, साथ ही एक रूसी एम-37 लाइट मोर्टार, 82 मिमी स्टोवपाइप और एक कोने में रखे दो आरपीजी-7 ग्रेनेड लॉन्चर, जिनके बगल में टैंक रोधी गोलों का एक बड़ा डिब्बा रखा था।
उन्होंने फिर से AKSU राइफलें ही चुनीं क्योंकि ये हथियार भरोसेमंद, मारक क्षमता वाले और रूस के बाहर किसी भी स्रोत से ट्रेस न किए जा सकने वाले थे। बोलन ने लंबी दूरी से निशाना लगाने के लिए एक SVD ड्रैगुनोव स्नाइपर राइफल भी ले ली। उन्होंने हैंडगन अलग-अलग लीं, जॉनी और डेकार्ड ने ग्लॉक लीं, जबकि बोलन दीवार पर टंगी बेरेटा 92 देखकर खुश हो गया। गोला- बारूद, अतिरिक्त मैगज़ीन, आधे केस फ्रैग ग्रेनेड और तीन नकली सेलुलर फोन के साथ, उनकी खरीदारी से चार सूटकेस भर गए, जिसका बिल भी उनके खाते में जुड़ गया। डेकार्ड ने लगभग आठ अंकों की रकम में सौदा तय किया, बोलन ने खुद को याद दिलाया कि वे रूबल की बात कर रहे थे, डॉलर की नहीं। उसने करीब से देखकर पता लगा लिया था कि बंदूकें ठीक हैं और उन्हें टेस्ट फायर की ज़रूरत नहीं है। बीस मिनट बाद, वे सड़क पर थे, हर कोई अपना सामान पार्किंग की ओर ले जा रहा था। फुटपाथ पर उनसे गुजरने वाले किसी ने भी उन तीनों की तरफ ध्यान नहीं दिया।

"येल्तसिन क्रांति के बाद से मॉस्को में एक चीज़ जो नहीं बदली है," डेकार्ड ने कहा, "वह है काला बाज़ार। अब वे पश्चिम के लिए कमोबेश खुले हैं, लेकिन कीमतें अभी भी आसमान छू रही हैं। अगर आप छुपकर देखें, तो आपको बीफ़स्टीक से लेकर बज़ूका तक सब कुछ मिल जाएगा, बस आपको सही जगह ढूंढनी होगी।"
"और किसी को कुछ दिखाई नहीं देता?" जॉनी ने पूछा।
"यही सही तरीका है। पुलिस को रिश्वत दी गई है, पूरी सरकार रिश्वत ले रही है।"
वे पार्किंग स्थल पर पहुँचे और चुपके से हथियार निकालकर सामान को गाड़ी की डिक्की में रख दिया। गाड़ी चलाते हुए डेकार्ड ने कहा, "मुझे एक और जगह रुकना है, एक ऐसे संपर्क से मिलना है जो हमें शहर में रास्ता खोजने और कुछ लक्ष्यों का पता लगाने में मदद कर सकता है।"
"आप आगे चलें," बोलन ने जवाब दिया।
"बुरी खबर ये है कि वो मुझसे तभी तक बात करेगा जब तक मैं उसे थोड़ी-बहुत जानकारी न दे दूं। अगर मैं किसी और के साथ आऊंगा तो वो खरगोश की तरह भाग जाएगा।"

जॉनी ने पीछे की सीट से झुककर, भौंहें चढ़ाते हुए पूछा, "तो, योजना यह है...?"
"मुझे सबसे अच्छा यही लग रहा है कि मैं तुम्हें थोड़ी देर के लिए वल्गर में छोड़ दूं, इस आदमी से मिलूं और या तो उसे अपने साथ वापस ले आऊं या बाद में चार लोगों की मुलाकात तय कर लूं। कैसा रहेगा?"
बोलन ने पीछे मुड़कर देखा तो पाया कि उसका भाई उसे देख रहा है, और वह जानता था कि जॉनी चाहे कितनी भी अनिच्छा से ही सही, उसके हर फैसले से सहमत होगा। बोलन को योजना का स्पष्ट नकारात्मक पहलू दिखाई दिया—संभावना थी कि यह सब इसी ओर ले जा रहा था, और डेकार्ड किसी न किसी तरह उस पल की ओर बढ़ रहा था जब वह उन्हें दुश्मन के इलाके में छोड़कर रूसी हत्यारों के हवाले कर देगा— लेकिन बोलन को यह सब कुछ बहुत ही उलझा हुआ लगा। जब वह उन्हें एम्स्टर्डम, बर्लिन या मिन्स्क में ही मरवा सकता था, तो इतनी दूर मॉस्को आने की क्या ज़रूरत थी?
फिर भी, जब तक विश्वासघात की थोड़ी सी भी संभावना बाकी थी, वह हर तरह से सतर्क रहना चाहता था। "ठीक है," उसने कहा। "हम लेंगे।"

नए लोग सामान समेटकर चीजों को व्यवस्थित करेंगे। इसमें कितना समय लगेगा? मिलने में कितना समय लगना चाहिए?
"एक घंटा," डेकार्ड ने उत्तर दिया। "अधिकतम नब्बे मिनट।" "ठीक है," जल्लाद ने जवाब दिया। "हम आपसे मिलेंगे।"
फिर।" और जो भी गुंडे समय से पहले आ जाते, उन्हें इसका सामना करना पड़ता। धरती पर नरक का स्वाद।
जब डेकार्ड ने अपने मॉस्को टूर गाइड से अकेले मिलने का सुझाव दिया, तो उसने अपने दोनों साथियों के मन में संदेह की एक झलक देखी। यह बिल्कुल स्वाभाविक था, क्योंकि एम्स्टर्डम में अचानक उनके दल में शामिल होने से पहले उन दोनों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। सबसे बुरी बात यह थी कि उसके आने से पहले ही उन्हें कंपनी—उसकी कंपनी—में कुछ गड़बड़ होने का एहसास हो गया था। इससे संदेह और भी बढ़ गया, और डेकार्ड को लगा कि वह भाग्यशाली है कि उन दोनों गंभीर सैनिकों ने उसे स्वीकार कर लिया। उसने उनका विश्वास जीतने के लिए बहुत मेहनत की थी, और अब उसे एक और मौका मिला था।
जब तक कि वह घटना उसके लिए घातक साबित न हो जाए और उसकी जान न ले ले।
रूसी राजधानी में किसी भी गुप्त संपर्क में जोखिम का तत्व मौजूद था, चाहे वह कम किराए वाली वेश्याओं को काम पर रखना हो या पुलिसवालों और बड़े-बड़े कॉरपोरेट घरानों को रिश्वत देना हो। मॉस्को में हर कोई किसी न किसी तरह से रिश्वत मांग रहा था, और पैसा हर जगह से एक साथ आ रहा था। एक वेश्या शायद एक घंटे की मजदूरी के लिए आपके द्वारा दी गई रकम से खुश हो जाए, लेकिन वह फिर भी आपको धोखा दे सकती थी और उसे "टिप" मान सकती थी। पुलिसवाले और राजनेता ज्यादातर अपना वादा निभाते थे, जब उन्हें अवैध धंधों को चलाने की इजाजत दी जाती थी—और वे रूसी माफिया के साथ लगभग हमेशा "ईमानदार" रहते थे, जिनके बंदूकधारी उन्हें किसी भी तरह की धोखाधड़ी करने पर पलक झपकते ही मार गिराने को तैयार रहते थे। हालांकि, निजी ऑपरेटरों और बाहरी लोगों के लिए, यह निरंतर जोखिम बना रहता था कि जिसे आपने एक दिन खरीदा है, वही अगले दिन आपको धोखा दे दे।

डेकार्ड को रुरिक पाव्लुश्का पर काफी भरोसा था, जिससे वह मिलने जा रहा था। हथियारों के व्यापारी के विपरीत,

निकोल्स्काया उलित्सा, पाव्लुश्का सीआईए के लिए एक अनुबंधित एजेंट था, जिसे नियमित वेतन पर रखा जाता था और लिकटेंस्टीन में उसका एक अच्छा-खासा बैंक खाता था। अगर किसी और ने दांव बढ़ा दिया होता, तो इस बात की थोड़ी सी भी संभावना थी कि वह डेकार्ड की पीठ में छुरा घोंप देगा, लेकिन रूसी को पता था कि बदला तुरंत और निश्चित रूप से लिया जाएगा। कंपनी उसे गैरकानूनी तरीके से खत्म कर सकती थी, या वे एक रूबल गिराकर यह रिपोर्ट कर सकते थे कि पाव्लुश्का ने पुराने शासन के साथ विश्वासघात करने के लिए कितनी बार अमेरिकी डॉलर स्वीकार किए थे। सोवियत संघ भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन रूसियों में अब भी गद्दारों के लिए कोई सहनशीलता नहीं थी, यहां तक कि आज के माहौल में भी जहां पश्चिमी हर चीज को ईश्वर का उपहार माना जाता है। डेकार्ड ने मिन्स्क से पहले ही पाव्लुष्का को फोन करके अपने आने की सूचना दे दी थी। वोल्गा में चेक-इन करने के बाद उन्होंने दोबारा फोन किया और यह सुनिश्चित किया कि उनके पहुंचने पर रूसी नागरिक घर पर मौजूद हों। ज़ाहिर है, वे पाव्लुष्का के फ्लैट पर नहीं मिले—क्योंकि यह दोनों के लिए बहुत जोखिम भरा होता—बल्कि गोर्की पार्क की झील पर मिले।
एक और सार्वजनिक पार्किंग स्थल, जिसकी निगरानी फटी-पुरानी वर्दी पहने दो युवा गार्ड कर रहे थे। वे असली पुलिसवाले नहीं थे और उनके पास सिर्फ लाठियां थीं, लेकिन वे मॉस्को के कई अन्य पार्किंग स्थलों की तुलना में लगातार मौजूद चोरों से कहीं अधिक सुरक्षा प्रदान करते थे।
डेकार्ड ने मशीन से अपनी टाइम-स्टैम्प्ड टिकट निकाली और उसे अपनी किराए की कार के डैशबोर्ड पर रख दिया। फिर उसने गाड़ी लॉक की और पार्क की ओर चल पड़ा, जहाँ उसे पाव्लुश्का से मिलना था। अपनी कमर के निचले हिस्से में बेल्ट के नीचे रखी ग्लॉक 19 पिस्तौल से उसे थोड़ी तसल्ली मिली, जो उसकी जैकेट से छिपी हुई थी। तुरंत पिस्तौल निकालने के लिए यह सबसे अच्छा तरीका तो नहीं था, लेकिन ज़रूरत पड़ने पर काम चल जाता।
और अगर पाव्लुश्का ने उसे धोखा दिया होता, तो इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। अगर वह मुलाकात एक घात लगाकर की गई साजिश निकली होती, तो शायद उसे ग्लॉक का इस्तेमाल करने का मौका ही नहीं मिलता।
पार्क में प्रवेश करते समय डेकार्ड रूसी भाषा में सोच रहा था, लेकिन साथ ही वह मॉस्को के उस उचित रवैये को अपनाने की कोशिश भी कर रहा था, जिसने युवा और वृद्ध, अनेकों चेहरों पर संदेह और निराशा की लकीरें उकेर दी थीं। सभी शहर मानव जाति पर अपना प्रभाव डालते हैं, लेकिन यह शहर कुछ अलग ही था।

अत्यधिक गरीबी, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, अपराध दर में हर दिन वृद्धि के साथ, इसने अपने हिस्से से कहीं अधिक कीमत वसूल ली, पुरानी अधिनायकवादी व्यवस्था की जगह लेने वाली सरकार अचानक बिखरने के कगार पर थी, जिससे शहर और राष्ट्र अराजकता में डूब गए।
इसलिए, डेकार्ड ने स्वीकार किया, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कुछ रूसी "पुराने अच्छे दिनों" के लिए तरसते थे, जब हर किसी को नौकरी की गारंटी होती थी, चाहे पसंद हो या न हो, और उन्हें सच्चे कम्युनिस्टों की तरह सोचने, बोलने और व्यवहार करने के लिए तैयार किया जाता था। या क्या उन्हें सच्चे कम्युनिस्ट कहना चाहिए?

सामने झील दिखाई दी, स्लेटी रंग के पानी पर हंस तैर रहे थे, और पाव्लुश्का को ढूंढने में उसे कोई परेशानी नहीं हुई। सूर्यास्त के इतने करीब गोर्की पार्क में ज्यादा भीड़ नहीं थी। लगभग रात के समय, जब पर्यटक और बुजुर्ग, बच्चों वाले माता-पिता और हाथ पकड़े हुए प्रेमी जोड़े पार्क को अपने रात्रिचर निवासियों के हवाले कर देते हैं: वेश्याएं और नशाखोर, ऐसे समलैंगिक जो नाइट क्लबों में जाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते, लुटेरे, शराबी और कभी-कभार कोई पागल जो नए शिकार की तलाश में रहता है।
रुरिक पाव्लुष्का औसत कद का, बेहद दुबला-पतला आदमी था, जिसके लंबे सुनहरे बाल थे जिन्हें वह अक्सर टोपी के नीचे छिपाकर रखता था ताकि वह साफ-सुथरा दिखे। वह लेनिन-ट्रॉट्स्की जैसी दाढ़ी रखता था, जिसमें अजीब तरह से भूरे बाल थे जो उसकी हमेशा चौकस रहने वाली आंखों से मेल खाते थे। अफवाह थी कि पाव्लुष्का हमेशा हथियार लेकर चलता था लेकिन बंदूक का इस्तेमाल कभी नहीं करता था; अचानक हिंसा की जरूरत पड़ने पर वह चाकू, तेज धार वाले चाकू और अन्य धारदार औजारों का इस्तेमाल करना पसंद करता था। आपके स्रोत के आधार पर, उसने एक दर्जन लोगों को मारा होगा, या किसी को भी नहीं।
पाव्लुष्का ने उसे आते देखा, हंसों को कुछ आखिरी क्रूटन फेंके और झील तक पहुँचने से पहले ही डेकार्ड को रोकने के लिए आगे बढ़ी। अगर इस बात की कोई आशंका होती कि कोई उसका पीछा करते हुए बैठक तक आया है, तो रूसी को पार्क से निकलने से पहले "लगता है बारिश होने वाली है" कहना चाहिए था। अगर कोई उसका पीछा नहीं कर रहा था, तो वे आराम से बात कर सकते थे।
रूसी ने कहा, "आप अच्छे दिख रहे हैं," और डेकार्ड ने खुद को थोड़ा आराम महसूस किया - लेकिन पूरी तरह से नहीं।

"मैं काफी व्यस्त रहा हूँ," डेकार्ड ने हाथ मिलाते हुए उससे कहा। "मिन्स्क में," पावलुश्का ने कहा। "मैंने सुना था।"
"ठीक-ठीक क्या सुना?" डेकार्ड ने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा।
रूसी व्यक्ति ने कहा, "कुछ खास नहीं। टोल्या के अलावा किसी का नाम नहीं लिया गया। उसका नाम कई बार आया था। मैंने सुना है कि उसकी किस्मत पूरी दुनिया में खराब चल रही है।"
"खबरें बहुत तेजी से फैलती हैं।"
"कुछ खबरें हैं। वैलेरिक के मॉस्को में महत्वपूर्ण मित्र हैं, लेकिन उसके कट्टर शत्रु भी हैं। मुझे लगता है कि अगर उसके साथ कुछ बुरा हो जाए, और संभवतः उसे बिना किसी प्रयास के पूरी तरह से हटा दिया जाए, तो वे खुश होंगे।"
"मुझे लगता है कि वे प्रसन्न और आभारी दोनों होंगे," डेकार्ड ने कहा। "शायद कृतज्ञ और उदार।"
"मुझे स्थानीय मामलों से कोई लेना-देना नहीं है," डेकार्ड ने कहा। "अगर आपको दो बार लाभ कमाने का कोई तरीका मिल जाए, तो निश्चित रूप से उसका फायदा उठाएं—बशर्ते इससे मुझे या मेरे साथियों को कोई बाधा न हो।"
"मैं समझ गई," पाव्लुष्का ने कहा। "तो आप मॉस्को में अकेले नहीं हैं?" "मेरे सहयोगी हैं," डेकार्ड ने जवाब दिया।
"तो कंपनी को अभी भी मॉस्को दिलचस्प लगता है। मुझे खुशी है।"
“ये लोग कंपनी से नहीं हैं।” जब पाव्लुश्का ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, तो डेकार्ड ने वह कहानी सुनाई जिसका वह तब से अभ्यास कर रहा था जब उसे पता चला था कि वे मिन्स्क से पूर्व की ओर जा रहे हैं। “मेरे दोनों सहयोगी

निजी क्षेत्र में हैं, लेकिन उनका हित मेरे हित से मेल खाता है। लैंगली में मेरे ठिकाने के बारे में सबको पता है, लेकिन यह बात ज़्यादा लोगों को नहीं पता। समझे?”
यह एक जोखिम भरा कदम था। संभावना थी कि पाव्लुश्का के सीआईए संपर्कों में शायद वही एक व्यक्ति शामिल हो जिसे डेकार्ड को पहचानने, बेनकाब करने और खत्म करने का निर्देश दिया गया था। अगर ऐसा होता, तो कम से कम पचास-पचास संभावना थी कि डेकार्ड शेर के मुंह में अपना सिर डालने जा रहा था। अंततः, यह भरोसे और रूसी की आंखों में दिखने वाले भाव पर निर्भर था।

"तुम्हारे चेहरे पर एक तिल है," पाव्लुष्का ने धुएं को चीरते हुए एक ही कुशल गति से कहा।
“मैं यही पता लगाने की कोशिश कर रहा हूँ,” उन्होंने जवाब दिया। “यह स्पष्ट है कि कंपनी के भीतर कोई व्यक्ति वैलेरिक के साथ-साथ वासिली क्रेस्त्यानोव और केजीबी के अन्य लोगों के साथ भी व्यापार कर रहा है। उनके व्यापार की प्रकृति, कंपनी की अनौपचारिक संलिप्तता की सीमा के बारे में अभी तक कुछ भी निर्धारित नहीं किया गया है।”
जब तक रूसी व्यक्ति बोल रहा था, वह लगातार उसके चेहरे को देख रहा था, यह जानने की कोशिश कर रहा था कि वह उसके द्वारा लिए गए नामों पर क्या प्रतिक्रिया देता है, या कोई ऐसी शारीरिक हावभाव दिखाता है जिससे लैंगली- मॉस्को संबंध में उसकी संलिप्तता या जानकारी का संकेत मिलता हो। अगर उसकी तीखी भूरी आँखों में कुछ छिपा भी था, तो पाव्लुश्का ने उसे एक अभिनेता की कुशलता से छुपा लिया था।
रूसी नागरिक ने कहा, "यह चिंताजनक है।"
"इसके बारे में मुझे बताओ। मेरे पास मिन्स्क से लेकर लॉस एंजिल्स तक फैले हुए शव हैं।"
और अब लड़ाई मॉस्को तक आ गई है।
"खैर, वैलेरिक यहाँ है," डेकार्ड ने जवाब दिया। "अगर क्रेस्त्यानोव आ जाए तो—"
"वह भी यहाँ है," पावलुश्का ने उसे बीच में ही रोकते हुए कहा।
"तो, मेरा मानना है कि यह कहना सुरक्षित होगा कि आप कुछ धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद कर सकते हैं।"
"और आप मेरे पास इसलिए आए हैं क्योंकि...?"
"मैं मॉस्को से बिल्कुल कटा हुआ हूँ," डेकार्ड ने उससे ईमानदारी से कहा। "जिन लोगों और जगहों को मुझे ढूंढना है, वे किसी आम पर्यटक गाइड में नहीं मिलते।"
"मैं समझ गई।" पाव्लुष्का ने कुछ देर इस समस्या पर विचार किया, फिर बोली, "मुझे लगता है अब समय आ गया है कि तुम मुझे अपने दोस्तों से मिलवाओ।" बोलन का मोबाइल फोन साढ़े छह बजे बजा और जॉनी ने उसे फोन खोलते, थोड़ी देर सुनते और अंग्रेजी में जवाब देते हुए देखा, "ठीक है। ओके।" उसने फोन जेब में रख लिया और कहा, "हम जाने के लिए तैयार हैं।" मॉस्को में शामें लगभग हमेशा ठंडी होती थीं, और वे

उन्होंने तय कर लिया था कि ओवरकोट पहनने पर कोई उन्हें असामान्य या बेमेल नहीं समझेगा। लंबाई में पट्टियों में कटा हुआ एक तौलिया उनके कंधों पर

बांधने का काम करेगा, जिससे उनकी AKSU स्वचालित राइफलें नज़र से छिपी रहेंगी लेकिन आसानी से उपलब्ध रहेंगी।
"क्या हालचाल है?" जॉनी ने पूछा, और साथ ही उसने अपने कामचलाऊ स्लिंग में कंधे उचकाए और कोट पहन लिया।
"हम उससे होटल के उत्तर में पहले चौराहे पर मिलेंगे। उसके पास उससे संपर्क करने का जरिया होगा।"
"क्या आपको इससे कोई आपत्ति नहीं है?"
"मैं उस पर इतना भरोसा तो कर ही सकता हूँ," बोलन ने कहा। और लगभग यूँ ही, उसने दो फ्रैग ग्रेनेड हथेली में उठाए और उन फीके हरे गोलों को अपने कोट की बाहरी जेबों में डाल दिया।
लिफ्ट पर हाथ से लिखा एक भद्दा सा बोर्ड लगा था जिस पर लिखा था कि लिफ्ट खराब है। वोल्गा होटल की लॉबी से गुजरते हुए उन्होंने डेस्क के पीछे बैठे उदास चेहरे वाले क्लर्क को नजरअंदाज कर दिया, और क्लर्क ने भी उन्हें उसी तरह अनदेखा करते हुए एक चमकदार पत्रिका के पन्ने बड़े ध्यान से पलटे। फुटपाथ पर वे बाईं ओर मुड़े और उत्तर की ओर चल पड़े, कंधे से कंधा मिलाकर और उनके बीच लगभग एक गज की दूरी रखते हुए। जॉनी ने अपना दाहिना हाथ अपने ओवरकोट की जेब में रखा हुआ था, जहाँ उसने AKSU की पिस्तौल रखने के लिए अस्तर को काट दिया था।
पकड़।
डेकार्ड कोने पर किराए की कार का इंजन चालू करके इंतज़ार कर रहा था, दाढ़ी वाला एक अजनबी आगे की सीट पर बैठा था। दोनों भाई वफादारी का प्रदर्शन करते हुए पीछे की सीट पर चढ़ गए। डेकार्ड और उसका साथी अपनी जगह से मुड़कर गोली नहीं चला सके, इससे पहले कि AKSU की गोलियों ने उन्हें डैशबोर्ड पर बिखेर दिया।
बातचीत शुरू होते ही, डेकार्ड ने परिचय कराया, केवल पहले नाम से, बोलन को "इवान ग्रीन" कहकर पुकारा। पाव्लुश्का ने अपनी सीट पर आधा घूमकर उन दोनों का अभिवादन किया, उनकी अंग्रेजी में कोई स्पष्ट स्लाविक लहजा नहीं था। "मैंने रुरिक को मोटे तौर पर बता दिया है कि हम क्या ढूंढ रहे हैं," डेकार्ड ने रियरव्यू मिरर में जॉनी से नज़रें मिलाते हुए कहा। "वह शहर में वैलेरिक की गतिविधियों से परिचित है और हो सकता है कि उसके पास क्रेस्त्यानोव के बारे में कुछ ऐसी जानकारी हो जिसका हम इस्तेमाल कर सकें।"
"जिन लोगों की आप तलाश कर रहे हैं, वे मॉस्को में काफी जाने-माने हैं, क्योंकि

“जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं,” बंदूक लिए सवार व्यक्ति ने कहा। “सरकार में, पुलिस में, व्यापार जगत में और प्रेस में उनके महत्वपूर्ण मित्र हैं। वैलेरिक, जैसा कि आप जानते ही हैं, मुख्य रूप से सेक्स और जुआ, ड्रग्स और हथियारों के धंधे में लगा रहता है। वह आम तौर पर प्रचलित अर्थों में राजनीतिक नहीं है, लेकिन वह सरकार में हर स्तर पर अपने दोस्त खरीद लेता है। जो कोई भी खुलेआम उसके खिलाफ आवाज उठाएगा, भले ही उसका 95 प्रतिशत कारोबार अवैध हो, उसे कानून के साथ-साथ वैलेरिक के परिवार से भी प्रतिशोध का सामना करना पड़ेगा।”
44 और क्रेस्त्यानोव?" बोलान ने पूछा।

जैसा कि आप जानते ही हैं, वर्तमान व्यवस्था लागू होने से पहले वह केजीबी में कर्नल थे। वह उन कामों के विशेषज्ञ हैं जिन्हें अमेरिकी 'ब्लैक ऑप्स' कहते हैं, जिनमें आतंकवाद, आतंकवाद-विरोधी अभियान और हत्याएं शामिल हैं। मुझे जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार उनका साथी निकोलाई लुकाशा होना चाहिए। वह भी बदलाव से पहले केजीबी में थे, लेकिन ज्यादातर लुब्यंका से काम करते थे, जहां वे फांसी और पूछताछ की निगरानी करते थे। वह एक क्रूर और हत्यारा है। अगर मौका मिले तो उसे मारने का मौका मत छोड़ना।
बोलन ने जवाब दिया, "मैं समझता हूं कि पुराने शासन के दौरान वैलेरिक का केजीबी से क्या संबंध था, लेकिन आज इसका क्या संबंध है?"
"इस बारे में मैं सिर्फ अनुमान लगा सकता हूँ," पाव्लुश्का ने कहा। "क्रेस्त्यानोव कट्टर कम्युनिस्ट थे और हैं। उन्हें स्टालिनवादी कहना शायद ज़्यादा सही होगा, हालाँकि लौह पुरुष स्टालिन के पतन के बाद वे खुद को ऐसा कहने की हिम्मत नहीं करेंगे। उनके दोस्त—जिनसे वे सार्वजनिक रूप से मिलते हैं—या तो केजीबी के सदस्य हैं, या ऐसे राजनेता हैं जिन्हें पिछले एक दशक में रूस द्वारा अपनाए गए रास्ते पर पछतावा है।"
"इससे हमें वैलेरिक के बारे में कुछ भी पता नहीं चलता," जॉनी ने कहा।
अगर रूसी उस टिप्पणी से नाराज़ था, तो उसने इसे ज़ाहिर नहीं होने दिया। "क्रेस्त्यानोव अपने तरीके से एक राक्षस है, लेकिन वह माफिया से संपर्क करके कभी भी खुद को बदनाम नहीं करेगा जब तक कि इससे उसे कोई फायदा न हो।" "क्या आपको लगता है कि वैलेरिक, क्रेस्त्यानोव को नकदी इधर-उधर करने में मदद कर रहा है? किसी तरह का मनी लॉन्ड्रिंग ऑपरेशन?" बोलन ने पूछा।

रूसी ने बिना सोचे-समझे कहा, "मुझे इस पर बहुत संदेह है। सरकार और उद्योग जगत में क्रेस्त्यानोव के मित्र अपने आप में बेहद धनी हैं। वे साम्यवाद के दौर में भी अमीर थे, तथाकथित 'श्रमिकों के स्वर्ग' से धन कमाते थे, और आज तो वे और भी अमीर हैं। उनमें से कुछ - मेरे ख्याल से कुछ महत्वपूर्ण लोग - कुछ ऐसे समूहों के साथ सहानुभूति रखते हैं जो वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकना चाहते हैं, और सोवियत गणराज्य को बहाल करना चाहते हैं।"
"और वैलेरिक भी इससे सहमत है?" जॉनी ने पूछा। "मुझे लगा था कि उसे सब कुछ जैसा है वैसा ही पसंद होगा। वो तो बेहिसाब पैसा कमा रहा है, है ना? भला वो पुराने प्रतिक्रियावादियों के गिरोह को सोने का अंडा देने वाली मुर्गी को मारने में मदद क्यों करेगा?"
"अगर मुझे सही याद है," पावलुश्का ने कहा, "अंडे सोने के थे, मुर्गी नहीं। लेकिन आपने टोल्या के बेहिसाब पैसा कमाने की बात कहकर अपने ही सवाल का जवाब दे दिया। अगर हमारी अर्थव्यवस्था की हालत बिगड़ती रही, तो एक या दो साल के अंदर पूरे देश में आर्थिक संकट आ जाएगा। ऐसे संकट का मतलब गृहयुद्ध भी हो सकता है, शायद कोई तख्तापलट हो जाए जिससे बेचारे येल्तसिन के खिलाफ शुरुआती तख्तापलट रेत में खिलौने वाले सैनिकों से खेलते बच्चों जैसा लगे। ऐसे में, अगर कट्टरपंथी बिना उसकी मदद के जीत जाते हैं, तो वैलेरिक और उसके परिवार का शायद कोई भविष्य ही न बचे।"
"तो, आपको लगता है कि वह सिर्फ अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है?" बोलन ने पूछा।
रूसी के जवाब देने से पहले ही जॉनी ने कहा, "यह बात समझ से परे है। अगर मान लें कि वैलेरिक इनाम की उम्मीद में इस तख्तापलट में मदद करने के लिए राजी

हो गया, तो यह पैसा अमेरिका को कैसे मिलेगा? वैलेरिक और क्रेस्त्यानोव सीआईए के किसी भी व्यक्ति को इसमें क्यों शामिल करेंगे?"
"मेरे पास इन सवालों का कोई जवाब नहीं है," पाव्लुष्का ने स्वीकार किया, "लेकिन ये मुझे भी परेशान करते हैं। क्रेस्त्यानोव की सबसे मशहूर साजिशें सभी विस्तृत, जटिल और बारीकी से योजनाबद्ध थीं। मुझे पता है, इससे कोई मदद नहीं मिलती। शायद आपको यह पूछना चाहिए कि सीआईए अपने पूर्व विरोधी क्रेस्त्यानोव या रूसी माफिया के नेताओं के साथ क्यों संबंध रखेगी।"

"मैं वहां जा चुका हूं, वह सब कर चुका हूं," जॉनी ने जवाब दिया। "हमारे पास कुछ भी नहीं है।"
"एक बात जो हमें ध्यान में रखनी चाहिए," डेकार्ड ने अपने संपर्क सूत्र के बात करने के बाद पहली बार बोलते हुए कहा, "वह यह है कि वैलेरिक और क्रेस्त्यानोव के साथ कंपनी का संबंध स्पष्ट रूप से एक गुप्त गुप्त ऑपरेशन है, जो आधिकारिक मंजूरी के बिना किया गया है। इसे इस तरह समझें। हमें यह पता लगाना होगा कि कंपनी के भीतर का एक गैर-कानूनी गिरोह रूसी गैंगस्टरों और कुछ लाल संशोधनवादियों के साथ क्यों संबंध रखना चाहेगा।" बोलन ने जवाब दिया, "उन्हें एक साझा हित की आवश्यकता है। कोई ऐसा लक्ष्य जिससे सभी संबंधित पक्षों को लाभ हो।"
रूसी ने कहा, "सहमत हूँ। लेकिन अगर हम यह मान लें कि क्रेस्त्यानोव और उनके साथी किसी तरह मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकने और सोवियत सत्ता को बहाल करने का इरादा रखते हैं, तो इससे आपके देश या सीआईए को क्या फायदा हो सकता है?" जॉनी ने सुझाव दिया, "पहली गलती यह मान लेना है कि कंपनी और संयुक्त राज्य अमेरिका के हित अनिवार्य रूप से एक जैसे हैं। यह पहली बार नहीं है कि किसी गुप्त एजेंसी के सदस्य अपने स्वार्थ को उस देश से ऊपर रखते हैं जिसकी सेवा करने का उनका दायित्व है। जे. एडगर हूवर लगातार ऐसा करते रहे हैं, और हमें पहले भी सीआईए से परेशानी हो चुकी है।"
जॉनी को डेकार्ड से कुछ प्रतिक्रिया की उम्मीद थी, लेकिन उनका ड्राइवर चुप रहा और अपने आसपास के यातायात के उतार-चढ़ाव पर ध्यान केंद्रित करता रहा। बोलन ने सुझाव दिया, "यह अहाब सिंड्रोम का एक प्रकार हो सकता है।"
"फिर से कहिए?" डेकर्ड का ध्यान अब रियरव्यू मिरर और बोलन की परछाईं पर केंद्रित था। "मैंने ध्यान नहीं दिया।"
"मोबी डिक," बोलन ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा। "कैप्टन अहाब उसका पीछा करते हुए पूरी दुनिया में भटकता है और इस खोज में सब कुछ कुर्बान कर देता है। मान लीजिए कि अहाब अंतिम मुकाबले में बच भी जाता, तो फिर वह किसलिए जीता?"
जॉनी ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा, "पिछले दस सालों में, हमने सीआईए में कटौती की बार-बार मांगें सुनी हैं, यहाँ तक कि कंपनी को भंग करने की भी कुछ मांगें उठी हैं। कुछ लोगों का मानना है कि साम्यवाद का पतन एक जीत थी, तो फिर इसकी क्या ज़रूरत है?"

क्या ये जासूसी है? लैंगली की कुछ शर्मनाक गलतियों को भी इसमें जोड़ दें, जहां उसने कार्रवाई के बारे में गलत अनुमान लगाया और गड़बड़ी के लिए उसे और भी आलोचना झेलनी पड़ी, तो ऐसा माहौल बन जाता है कि अंदरूनी लोग शायद चाहेंगे कि उनके सामने एक और पुराना शीत युद्ध चल रहा हो। बेहतर है कि आप

उस शैतान से निपटें जिसे आप जानते हैं, बजाय इसके कि कोई नया दुश्मन आए जो बार-बार आपकी पिटाई करे।
"तुम्हारा मतलब है, बुराई के साम्राज्य को वापस लाओ, और फिर तो मौज-मस्ती का सिलसिला शुरू हो जाएगा," डेकार्ड ने कहा।
“मेरा यही मतलब है,” जॉनी ने पुष्टि की। “और अगर लाल शासन में किसी का संबंध अमेरिका में किसी आपत्तिजनक कार्रवाई से हो, तो यह पढ़ना और भी रोमांचक होगा, खासकर ऐसी सनसनीखेज कार्रवाई से जो पूर्ण युद्ध तक न पहुंचे। जलते हुए घर में आप ज्यादा देर तक शतरंज नहीं खेल सकते।”
"क्या यह किसी प्रकार की आतंकवादी घटना थी?" डेकार्ड ने पूछा।
"खैर, यह क्रेस्त्यानोव की खासियत है," जॉनी ने जवाब दिया।
"संयुक्त राज्य अमेरिका में?"
"या फिर यहाँ, रूस में," बोलान ने सुझाव दिया। "शायद दोनों जगह। इसे सफल बनाने के लिए, कंपनी को शीर्ष पर अपना ही आदमी चाहिए होगा।"
डेकार्ड ने कहा, "मुझे आपको बताना होगा कि मुझे नहीं लगता कि यह निर्देशक की ओर से आया है।"
"मुझे लगा था कि कोई उच्च अधिकारी होगा," बोलन ने कहा। उनके चेहरे पर एक परेशान करने वाला भाव था, जिसे देखकर जॉनी को पल भर के लिए तीव्र चिंता हुई।
"उदाहरण के लिए, वर्तमान में पद पर बैठा कोई व्यक्ति?" डेकार्ड ने पूछा। "या फिर हालात बिगड़ने पर उन्हें संभालने के लिए तैयार रहना," बोलन ने कहा। "कुछ भी हो सकता है।"
लैंगली के उस व्यक्ति ने कहा, "हमें इस मामले को गंभीरता से लेना होगा और इसे पूरी तरह से सुलझाना होगा।"
"मेरे भी यही विचार थे," जल्लाद ने उत्तर दिया।

पहला निशाना, जिसे डेकार्ड के संपर्क सूत्र ने "एक अनोखा सेक्स क्लब" बताया था, सिर्फ ज़ीरो के नाम से जाना जाता था। इसका प्रवेश द्वार अर्बत्स्काया जिले में उलित्सा ज़्नामेंका से थोड़ी दूर एक गली में था। बोलन ने अपने गाइड से पूछा कि मॉस्को में "सामान्य" सेक्स क्लबों से यह "अनोखा" सेक्स क्लब कैसे अलग है, जिस पर रूसी गाइड ने उसे आँख मारते हुए कहा, "तुम खुद ही देख लोगे।"
यह तय किया गया कि वे जोड़ियों में बंट जाएं। बोलन को पाव्लुश्का मिला, जबकि उसका भाई डेकार्ड के साथ गया और वादा किया कि दस मिनट के कठिन अंतराल के बाद वह क्लब के अंदर उनका पीछा करेगा।
बोलन ने जिस एक बात का अंदाजा नहीं लगाया था, वह यह थी कि यह कितना कठिन होगा।

लगभग दो हिस्सों में बंट गया था, फिर उसने अपना पूरा ध्यान पशुपालन के चल रहे प्रदर्शन पर लगा दिया।

जॉनी, अपनी ओर से, वोदका की चुस्की ले रहा था, या यूँ कहें कि पीने का नाटक कर रहा था, और हलचल भरी भीड़ को देख रहा था। एक पल के लिए आँखों का संपर्क होने से यह स्पष्ट हो गया कि वह बोलन के इशारे पर आगे बढ़ने, पार्टी को अचानक रोकने और आगे क्या होता है यह देखने के लिए तैयार था।
बोलन ने अपने साथी से कहा, "उनके पास क्लोज्ड-सर्किट कैमरे हैं, जो कमरे के चारों कोनों में छत पर लगे हुए हैं।"
"यह तो सामान्य बात है," पाव्लुश्का ने उससे कहा। "वे दुश्मनों पर नज़र रखते हैं, परिवारों के बीच किसी अप्रिय स्थिति में, और साथ ही उन मशहूर हस्तियों या सरकारी अधिकारियों पर भी जो अपनी हानिरहित जिज्ञासा को शांत करने के लिए आते हैं। मान लीजिए कि कोई सांसद दोबारा चुनाव लड़ रहा हो और कोई टेप सामने आ जाए जिसमें वह इन परिवेशों में दिखाई दे रहा हो।" "इसीलिए तो तुम्हारी मटनचॉप्स और चश्मा समझ में आता है," बोलन ने कहा। "बिल्कुल।" पाव्लुश्का ने अपने पहनावे में घनी नकली साइडबर्न और मिरर वाले धूप के चश्मे जोड़ लिए थे, इस बात की परवाह किए बिना कि रात हो चुकी थी और काफी आगे बढ़ चुकी थी। यह सुनिश्चित करने का प्रयास था कि टीवी कैमरे उनके चेहरे को न पकड़ लें।
बोलन ने कहा, "आप हमें निगरानी के बारे में पहले ही बता सकते थे।"
रूसी ने जवाब दिया, "किसलिए?" "आप इस शहर के अजनबी हैं, और जब आपका काम पूरा हो जाएगा, तो मुझे पूरा यकीन है कि आप वापस नहीं लौटेंगे। प्रबंधन किसी भी गड़बड़ी की सूचना पुलिस को नहीं देगा, और बाद में भुगतान करने वाले ग्राहकों द्वारा दर्ज कराई गई किसी भी शिकायत को नकार देगा। आधिकारिक तौर पर, इस जगह का कोई अस्तित्व नहीं है।"
बोलन ने सोचा, इससे क्लब के नाम का मतलब समझ में आ जाता है। उसे पावलुश्का को यह याद दिलाने में कोई फायदा नहीं दिख रहा था कि वैलेरिक के गुंडों के चेहरे वीडियो में रिकॉर्ड कर लिए जाएंगे, अगर वे जाने से पहले टेप नष्ट नहीं कर देते। रूसी को तो यही बात सबसे पहले सूझती, वरना वो बिलकुल बेवकूफ होता। उसने अपना वेश इसलिए बदला था क्योंकि उनके जाने के बाद उसे यहीं रहना था।
अब इस बारे में चिंता करने का कोई फायदा नहीं था। वे अंदर जा चुके थे, और वे जो कुछ भी करते, वह रिकॉर्ड हो जाता, जब तक कि...

उसने कमरे में नज़र घुमाई, जॉनी को उसे देखते हुए पकड़ा और लापरवाही से अपनी बाहें ऊपर उठाईं, जम्हाई लेने का नाटक किया और ऐसे अंगड़ाई ली जैसे उसने बहुत कुछ देख लिया हो, क्लबों में घूमना-फिरना बंद कर दिया हो और अपने किराए के बिस्तर पर वापस जाना चाहता हो। यह महज़ संयोग था कि अंगड़ाई लेते समय बोलन की तर्जनी उंगलियों का निशाना दो क्लोज-सर्किट कैमरों पर पड़ा। जॉनी ने अनमने ढंग से सिर हिलाया, फिर मुड़कर डेकर्ड से बात की और इशारा किया कि उसने देखने वालों को चिह्नित कर लिया है। डेकर्ड ने जॉनी की बात सुनकर बस मुस्कुरा दिया और वोदका का एक घूंट पीकर मंच पर बैठे उस बेसुध लामा को सीटी बजाकर हौसला बढ़ाया।
"तैयार हो?" बोलन ने अपने बगल में खड़े आदमी से पूछा, एक हाथ जैकेट के नीचे सरकाते हुए, उसकी उंगलियां AKSU पिस्तौल के हैंडल पर लिपटी हुई थीं।

सुरक्षा के प्रति इतने सजग प्रतिष्ठान के लिए मेटल डिटेक्टरों की अनुपस्थिति एक घातक चूक थी।
“अभी नहीं,” रूसी ने अपनी वोदका की बर्फ़ गटकते हुए कहा और नग्न वेट्रेस को दोबारा भरने का इशारा किया। फिर वह लड़खड़ाते हुए उठा और कुछ देर तक अपनी पैंट की सिलाई खींचता रहा। “लगता है मुझे अभी शौचालय जाना है। देखते रहो, तुम्हें समय का पता चल जाएगा।”
बोलन ने उसे भीड़ में से गुज़रते हुए देखा, मानो वह किसी शराबी की तरह लड़खड़ाकर चल रहा हो। क्या पाव्लुश्का शौचालय जा रहा था या नहीं? इस सवाल ने एक और, ज़्यादा परेशान करने वाले सवाल को जन्म दिया: अगर उसे टीवी कैमरों के बारे में पता था और उसने इसे अपने तक ही सीमित रखा, तो डेकार्ड का संपर्क और क्या छुपा रहा था? क्या यह सारा घिनौना मंज़र शुरू से ही एक साज़िश थी? क्या उसने उन्हें वैलेरिक परिवार के हाथों बेच दिया था, और क्या उसका पेशाब करना महज़ हत्या के खतरे से बचने की एक चाल थी?
मुझे देखो, और तुम्हें समय का पता चल जाएगा।
ठीक है। बोलन उस पर नज़र रखेगा, ज़रूर, और अगर यह पता चला कि दाढ़ी वाले आदमी ने उन्हें फंसाया है, तो वह गद्दार को खत्म करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देगा।
रुरिक पाव्लुश्का आम तौर पर आग्नेयास्त्रों से परहेज करते थे, इसलिए नहीं कि उन्हें उनसे डर लगता था या वे उनका उपयोग करने में अक्षम थे, बल्कि केवल इसलिए कि...

रूस में बंदूक रखने से जुड़े जोखिमों का वर्णन। 1917 से लेकर 1990 के दशक के आरंभ तक जब सोवियत शासन का बोलबाला था, तब आम लोगों के लिए किसी भी उद्देश्य से, चाहे वह खेल हो या आत्मरक्षा, आग्नेयास्त्र रखना पूरी तरह से अवैध था। साइबेरिया के ग्रामीण किसानों को कभी-कभार छूट दी जाती थी, जो मांस के लिए कैरिबू का शिकार करते थे और अपनी ज़मीन भूखे भालुओं के साथ साझा करते थे, लेकिन अधिकतर क्रेमलिन में बैठे सत्ता के हक़ीदी "चालाक" घातक बल पर अपना एकाधिकार बनाए रखने पर तुले हुए थे।
लाल शासन के पतन के बाद भी वे कानून लागू रहे, और यह सर्वविदित था कि पूरे देश में काला बाज़ार में बंदूकें आसानी से उपलब्ध थीं, फिर भी हथियार रखने, ले जाने या तस्करी करने पर सज़ा कड़ी बनी रही। पाव्लुश्का के लिए इन कानूनों की अनदेखी कोई मायने नहीं रखती थी। वह उन लोगों में से नहीं था जो पुलिस को रिश्वत देकर अपनी आँखें गंवा देते थे, और वह जानता था कि कानून के साथ उसके पिछले संबंधों का पता चलने पर, बंदूक रखने पर उसे जेल जाना पड़ेगा।
लेकिन धारदार हथियार बिल्कुल अलग चीज थे।
तलवारों और कुल्हाड़ियों को छोड़कर, काटने के औजारों को दर्जनों तरीकों से समझाया जा सकता था, और यह व्याख्या कोई भी सामान्य बुद्धि वाला व्यक्ति कर सकता था। रेज़र और फोल्डिंग चाकू सबसे अच्छे माने जाते थे, लेकिन विभिन्न व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए मछली पकड़ने वाले चाकू, चमड़ा छीलने वाले चाकू, सुई और कुल्हाड़ी, और रसोई के बर्तन, जिनमें स्टेक और कसाई के चाकू से लेकर क्लीवर तक शामिल थे, रखना भी आम बात थी। ये सभी औजार थे, जिनका किसी वैध उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया जाता था, और मनोरोगी या लुटेरों द्वारा इनका कभी-कभार दुरुपयोग होना, इन्हें अपने आप में आपराधिक इरादे का सबूत नहीं बनाता था।

सही ढंग से कपड़े पहनना और अपने दस्तावेज़ व्यवस्थित रखना स्वाभाविक रूप से मददगार साबित हुआ, क्योंकि उस रात रुरिक पाव्लुश्का को पुलिस ने रोका था और उससे खून से सने हुए छुरे, हड्डी काटने वाले चाकू और आरी के बारे में पूछताछ की थी, जिन्हें वह एक चिकने मलमल के थैले में ले जा रहा था। उसने कसाईखाने में शिफ्ट में काम करने की अपनी कहानी पहले से ही तैयार कर रखी थी, जो उसके घर से आधे मील से भी कम दूरी पर स्थित था।

जहां उसे हिरासत में लिया गया था, वहां गश्ती दल के जवानों ने—जिनमें से एक वोदका के नशे में चूर था, धुंधली आँखों से चुप था जबकि उसका साथी बात कर रहा था—पाव्लुष्का के अलीबी की जाँच करने की जहमत तक नहीं उठाई। उस रात रूसी के काम के अन्य सबूत अभी तक सोफिस्काया नाबेरेज़्नाया के नीचे सीवर से बरामद नहीं किए गए थे, जो मोस्कवा नदी में जाकर मिलता था। किसी को भी उस डबल एजेंट की कमी महसूस नहीं हुई, या अगर हुई भी तो उसके शोक मनाने वालों ने अपना दुख निजी रखा।
इस रात, पाव्लुश्का का हथियार कम भारी था - केवल एक साधारण छह इंच का बैलिसॉन्ग - और वह उस दौरान अपने "हथियार निषेध" नियम को भूलने के लिए तैयार था, हालांकि उसका क्लब जीरो के बाहर से प्राप्त किसी भी बंदूक को ले जाने का कोई इरादा नहीं था।
वहाँ करने के लिए काफी काम था।
पाव्लुष्का जैसे ही पुरुषों के शौचालय की ओर बढ़ा, नशे में धुत व्यक्ति की तरह लड़खड़ाते हुए, उसने अपने पैंट की जेब में हाथ डाला और बालिसॉन्ग को छिपा लिया। सेक्स क्लब में कोई भी पाव्लुष्का को नहीं देख रहा था, उसके हाथों को तो बिल्कुल भी नहीं, क्योंकि उसने अपनी छोटी उंगली से बालिसॉन्ग का कुंडा खोला, कलाई के एक झटके से धारदार ब्लेड को बाहर निकाला और कुशलता से हैंडल के दोनों हिस्सों को जोड़ दिया। उसने अपनी उंगलियों को फैलाकर चाकू को अपने हाथ में छिपा लिया और उस कोने से दूर जाने लगा जहाँ शौचालयों को पुरुष और महिला जननांगों के अमूर्त रेखाचित्रों से चिह्नित किया गया था। भ्रम का नाटक करते हुए, वह एक मेज के पास पहुँचा जहाँ एक अधेड़ उम्र का आदमी दो वेश्याओं के साथ शराब पी रहा था, जिन्हें पाव्लुष्का ने लगभग बीस वर्ष की उम्र की दो वेश्याएँ समझा, और वे तीनों मंच पर चल रहे लामा शो के बारे में भद्दे चुटकुले सुनाने में मशगूल थीं।
जब वह काफी करीब आ गया, तो पाव्लुश्का ने अपना कूल्हा उस बूढ़े आदमी के पीने वाले हाथ पर मारा, जिससे शैम्पेन उस अजनबी की टाई और उसकी महंगी जैकेट के कॉलर पर छलक गई। उसी समय, लगभग कमर झुकाकर, पाव्लुश्का ने उस बूढ़े आदमी के दाहिनी ओर बैठी वेश्या के भरे-पूरे क्लीवेज में झाँका और कहा, "मुझे लगता है कि मेरा कॉन्टैक्ट लेंस वहीं खो गया है।"
जब वह उस काल्पनिक लेंस को खोजने लगा, तो महिला की हंसी अचानक गायब हो गई, और उसने महिला को आश्वासन दिया, "इसमें बस एक पल लगेगा, महोदया, चिंता न करें।" उसके पीछे, वह

बूढ़े आदमी के बड़बड़ाने और कुर्सी पीछे धकेलने की आवाज़ सुनाई दी। एक छोटा सा कदम पीछे हटते ही—जिससे उसका भटकता हुआ हाथ और वेश्या के हिलते हुए स्तन दोनों आज़ाद हो गए—पाव्लुष्का बूढ़े आदमी की गोद में बैठ गई। 4 "माफ़ कीजिए!" वह दहाड़ते हुए बोला और कोहनी से बूढ़े आदमी की ठोड़ी पर वार किया। "मैं कोई वेश्या नहीं हूँ!"

फिर बाउंसरों ने पाव्लुष्का को पकड़ लिया, एक बाउंसर उसके दोनों ओर खड़ा था, और उसे घसीटते हुए क्लब ज़ीरो के निकास द्वार की ओर ले जाने लगे, जहाँ शायद वे उसे बाहर फेंकने से पहले उसकी पिटाई करना चाहते थे। पाव्लुष्का बड़बड़ाता रहा, उनके बीच बेजान सा पड़ा रहा, और नशे में होने का नाटक करता रहा। जब वे नज़दीकी क्लोज-सर्किट निगरानी कैमरे के ठीक नीचे पहुँचे, तो उसे समझ आ गया कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है।
शोर मचाने वाला "शराबी" अचानक पूरी तरह होश में आ गया, हालांकि उसके विशालकाय अपहरणकर्ताओं ने इस बदलाव को बहुत देर से पहचाना और खुद को बचा नहीं पाए। पाव्लुष्का ने अपने दाहिनी ओर चोटी वाले गोरिल्ला के पैर पर अपना पूरा वजन डाल दिया, जिससे वह युवक दर्द से कराहते हुए सहज प्रतिक्रिया में उसे छोड़ बैठा। पाव्लुष्का ने बिजली की गति से वार करते हुए बालिसॉन्ग को उसकी गर्दन के बाईं ओर से गुजारकर उसे हमेशा के लिए खामोश कर दिया, जिससे जुगुलर नस और कैरोटिड धमनी कट गई, श्वासनली में चोट आई और उसकी सांस रुक गई।
दूसरे बाउंसर को अभी भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। उसने सोचा कि शराबी ने उसके साथी की पिंडली पर लात मारी है, उसने उस गलती को सुधारने के लिए मुट्ठी उठाई होगी, लेकिन उसे वार करने का मौका ही नहीं मिला। इसके बजाय, उसने महसूस किया कि खून से लथपथ एक धारदार चाकू उसकी बगल में गहराई तक घुस गया है, जिससे उसके धड़ के दाहिने हिस्से में असहनीय दर्द फैल गया। वह चीखने ही वाला था कि चाकू ने फिर वार किया, इस बार उसकी छाती के नीचे, दिल की ओर बढ़ते हुए, और अचानक वह बेहोश हो गया।
पाव्लुश्का ने दूसरे बाउंसर को गिरते ही पकड़ लिया, अपनी बाहों से उसे जकड़ लिया, उसकी जैकेट के नीचे, उस हथियार को टटोलते हुए जिसे बड़े कद के लोग अक्सर अपनी ताकत और कद-काठी के बावजूद छिपाकर रखते हैं, मानो वह उनकी पौरुषता का पक्का सबूत हो। उसे वह हथियार मिल गया।

बाउंसर की रीढ़ की हड्डी पर 9 मिमी शॉर्ट चैंबर वाली एचके-4 पिस्तौल रखी थी, जो कोल्ट.380 राउंड के यूरोपीय समकक्ष थी। उसने शायद एक पल के लिए सोचा होगा कि बाउंसर की मोटी, नाखूनों से भरी तर्जनी उंगली पिस्तौल के ट्रिगर गार्ड के अंदर कैसे फिट हो रही होगी।
बाउंसरों के साथ उसकी झड़प ने सबका ध्यान खींचना शुरू कर दिया था। कई ग्राहक और एक वेट्रेस (जिसका आधा शरीर नीले रंग से और आधा सुनहरे रंग से रंगा हुआ था) उसे घूर रहे थे और हैरानी भरी आवाज़ें निकाल रहे थे, क्योंकि लामा और उसकी प्रेमिका अचानक भुला दिए गए थे। पाव्लुश्का ने उन पर कोई ध्यान नहीं दिया, यह भी नहीं देखा कि उसके साथियों ने अपना काम शुरू किया है या नहीं। उसके लिए बस इतना ही मायने रखता था कि वह अपना काम करे, और उसने तेज़ी से पिस्तौल उठाई, उसके छोटे हथौड़े को पीछे की ओर धकेला और पास के टीवी कैमरे के लेंस पर एक गोली चला दी।
पहली गोली की आवाज से लामा घबरा गया और स्टेज की ओर भागा, अपने सह-कलाकार को पसीने से लथपथ हालत में स्टेज के बीचोंबीच पटक दिया। जॉनी तुरंत खड़ा हो गया और चलने लगा, उसकी कमर पर AKSU बंदूक लगी थी, तभी जानवर दर्शकों के बीच कूद गया और उस मेज को तोड़ दिया जहाँ दो गुस्से से लाल चेहरे वाले हट्टे-कट्टे आदमी वोदका पी रहे थे, उनकी हंसी पल भर में निराशा में बदल गई। उसने डेकार्ड को अपने बूथ के सबसे नज़दीक वाले कैमरे को लेने के लिए छोड़ दिया, जो उसके पीछे था, और तीन गोलियों की बौछार के लिए तैयार था जिससे

कैमरा नीचे गिर गया। जॉनी निकल पड़ा और उस जगह की ओर बढ़ने लगा जिसे उसने कैमरा नंबर तीन नाम दिया था। उसके चारों ओर, जैसे ही दर्शक बेकाबू हो गए, उसने सबके चेहरों पर नज़र रखी कि कहीं कोई उसका पीछा तो नहीं कर रहा, और उनके हाथों में किसी भी तरह का हथियार तो नहीं है जिससे उसे गिराया जा सके। उसने सोचा, यह अजीब होगा अगर उस जगह पर सिर्फ़ दो गुंडे हों—खासकर इस तरह की जगह पर—और डेकार्ड के संपर्क वाले व्यक्ति ने ही उन दोनों को मार गिराया हो। जॉनी को क्लब ज़ीरो से बिना किसी नए खून के धब्बे के निकलने में कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन अगर उन्हें आगे कोई विरोध नहीं मिला, तो उसे सोचना पड़ेगा कि क्या छापा मारना समय और ऊर्जा की बर्बादी थी। वैलेरिक परिवार ने जिस लक्ष्य की रक्षा करने की जहमत ही नहीं उठाई, उस पर हमला करने का क्या फायदा?

इस मामले में, उन्हें यह कैसे पता चलेगा कि वैलेरिक वास्तव में क्लब का मालिक था?
कुछ और कदम बढ़ाते ही वह इतना करीब पहुँच गया कि आत्मविश्वास से निशाना लगा सके। वह भीड़ के धक्का-मुक्की से बचते हुए एक खाली बूथ में घुस गया और AKSU राइफल को तब तक ऊपर उठाया जब तक कि वह उसकी छोटी बैरल से निशाना न लगा सके। जब राइफल की स्थिर नज़र में टीवी कैमरा आ गया, तो उसने सेमी-ऑटो मोड में दो बार ट्रिगर दबाया और अपने लक्ष्य के प्लास्टिक के खोल को बिखरते हुए देखा।
तीन आँखें खुल गईं, और उसका भाई कमरे के भीड़भाड़ वाले केंद्र की ओर मुड़ते हुए चौथी आँख निकाल रहा था। मंच पर नग्न "अभिनेत्री" अपने हाथों और घुटनों के बल छिपने के लिए भाग रही थी, मानो वह उठना और सीधा चलना भूल गई हो। क्या यह लामाओं के साथ डेटिंग का दुष्प्रभाव था? जॉनी ने सोचा। लेकिन उसे इस बारे में गहराई से सोचने का मौका ही नहीं मिला, यह मानते हुए कि इस पर आगे कुछ सोचा जा सकता है।
तभी, मंच के उस तरफ का दरवाज़ा, जहाँ उसने कुछ नग्न वेट्रेसों को आते-जाते देखा था, अचानक खुला और बंदूकों और कलाश्निकोव से लैस सैनिकों का एक दस्ता बाहर निकला। जॉनी ने मुड़कर उनका सामना किया, इसलिए गिनती करने का कोई फायदा नहीं था, लेकिन उसने गौर किया कि वे सभी लगभग उन बाउंसरों के बराबर कद-काठी के थे जो सबसे पहले गिरे थे। वे एक शानदार फुटबॉल टीम बन सकते थे, भले ही उनके आक्रमण की रणनीति और सुरक्षा उपकरणों के बारे में कुछ अजीब विचार होते।
जॉनी और डेकार्ड को उभरते हुए निशानेबाजों पर मामूली बढ़त हासिल थी, क्योंकि देर से आने वालों को यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि शुरुआती गोलियां कहां से चली थीं या भीड़ में से कौन इसके लिए जिम्मेदार हो सकता है। आगे चल रहे निशानेबाज को यह समझने का मौका ही नहीं मिला, क्योंकि जॉनी ने बीस फीट की दूरी से उसकी छाती में दो 5.45 मिमी की गोलियां मारीं और उसे पीछे धकेल दिया, जिससे वह लाइन में खड़े दूसरे व्यक्ति से टकरा गया। दोनों निशानेबाज ज़मीन पर गिर पड़े, हालांकि जॉनी यह नहीं बता सका कि उसकी कोई गोली पहले व्यक्ति को भेदकर उसके साथी को घायल कर पाई थी या नहीं।
फिर डेकार्ड ने गोलीबारी शुरू कर दी—और सब कुछ गड़बड़ हो गया। गोलीबारी की भारी मात्रा से यह स्पष्ट था, और

जॉनी को कमरे के दूसरी ओर एक और हवाई दस्ते की झलक मिली, जिससे पता चला कि परिसर में कम से कम एक दर्जन रूसी शूटर मौजूद थे। बिल्कुल भी सुरक्षा व्यवस्था न होने के बावजूद, क्लब ज़ीरो अचानक हत्यारों के एक छोटे सम्मेलन में बदल गया था, और उनकी संख्या ने जॉनी को उनकी पिछली अनुपस्थिति से कहीं अधिक चौंका दिया था।
इसका क्या मतलब था? वैलेरिक ने लाइव सेक्स शो की सुरक्षा के लिए इतने सारे आदमियों को क्यों भेजा? क्या उसे किसी तरह मॉस्को में उनके आने की पूर्व सूचना मिली थी? क्या डेकार्ड के रूसी संपर्क ने उनकी जानकारी लीक कर दी थी?
सवालों का जवाब अभी नहीं दिया जा सकता था, हालाँकि जॉनी के मन में आखिरी सवाल का जवाब तब मिल गया था जब रुरिक नाम के आदमी ने बाउंसरों पर चाकू से हमला किया, उनमें से एक से एक टुकड़ा छीन लिया और पहला निगरानी कैमरा तोड़ दिया। अगर वह इस काम में घरेलू टीम के लिए काम कर रहा था, तो उसे महीने के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी के नामांकन के बारे में भूल जाना चाहिए था।
जॉनी के चेहरे से लगभग एक फुट की दूरी पर शॉटगन की एक जोरदार आवाज गूंजी, गोलियां फैल गईं, लेकिन इतनी तेजी से नहीं कि निशानेबाज के चूकने की भरपाई हो सके। वह आदमी अपनी पंप गन की स्लाइड को पीछे खींच रहा था जब जॉनी ने उसे गले में गोली मार दी, जिसके बाद एक और गोली चली जिसने जबड़े की हड्डी का छह इंच का टुकड़ा काट दिया, उसके कान को छील दिया और खोपड़ी के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। गर्दन की प्रमुख धमनियों और अंगों के इतने करीब होने के कारण दोनों में से कोई भी घाव जानलेवा हो सकता था, लेकिन उस क्षण जो मायने रखता था वह था AKSU की मारक क्षमता, जिसने सैनिक को पीठ के बल गिरा दिया और उसे वहीं जकड़ लिया।
चाहे वह जीवित हो या मृत, वह एक ऐसा व्यक्ति था जिसके बारे में जॉनी को अब कम सोचना पड़ता था।
रक्षा पंक्ति में मौजूद कुछ गुंडे घबराई हुई भीड़ पर अंधाधुंध गोलियां चला रहे थे। उन्हें इस बात की परवाह नहीं थी कि गोलियां पुरुषों को लग रही हैं या महिलाओं को, ग्राहकों को लग रही हैं या कर्मचारियों को, बस इतना ही काफी था कि लोग जल्दी से बाहर निकलने की ओर भागने लगें। बेशक, छत पर गोली चलाने से भी वही असर होता, बिना किसी नरसंहार के, लेकिन उनके चेहरों के भावों से यही लग रहा था...

कई निशानेबाजों को हिलती-डुलती किसी भी चीज में छेद करने में मजा आता था। जिस बूथ की आड़ में जॉनी छिपा था, उसके कोने से झाँकते हुए, उसने उनमें से एक पर निशाना साधा और उस बंदूकधारी को दो गोलियाँ मारीं जिससे वह लड़खड़ा गया और उसके लाल चेहरे पर अचानक एक स्तब्धता का भाव आ गया। एक पल के लिए जॉनी को लगा कि शायद उसके निशाने ने अपने टर्टलनेक के नीचे केवलर पहना हुआ है, लेकिन तभी उसके फटे हुए दिल से जमा हुआ खून फूट पड़ा, और जॉनी ने उस रूसी सैनिक को गिरते हुए ओक के पेड़ की तरह नीचे गिरते देखा।
लगभग बहुत देर हो चुकी थी, जब उसने देखा कि उसके निशाने के बाईं ओर मौजूद गनर ने गोली चलाते हुए उसे देख लिया था। वह सैनिक मुड़ा और अपनी एके राइफल से गोलियों की बौछार कर दी, जिससे जॉनी के बूथ, मेज और उसके सिर के ऊपर की दीवार छलनी हो गई। जॉनी प्लास्टर की धूल में दुबक गया, उसे लग रहा था कि कोई गोली उसके सिर या शरीर को भेद देगी, लेकिन निशानेबाज ने निशाना लगने से पहले ही अपनी राइफल की पूरी मैगज़ीन खाली कर दी। जब जॉनी ने दोबारा देखने

किसी पार्टी में जंगली सूअर की तरह अलग दिख रहा था, और इस धरती पर उसके आखिरी कुछ पल वैसे ही थे जैसे किसी सभ्य समाज में घुसपैठ करते पकड़े जाने पर किसी जंगली सूअर का होता है। डेकार्ड की AKSU से निकली गोलियों की एक छोटी सी बौछार।

उसने गनर का बेरहमी से लोबोटॉमी किया और उसे एक ढेर की तरह नीचे गिरा दिया। टिकट खरीदने वाले अधिकांश लोग अब तक गोलीबारी के मैदान से निकल चुके थे, और जो बचे थे उनकी हालत कहीं जाने की नहीं थी। डेकार्ड ने उनमें से कई को गिरते देखा था, और वह जानता था कि अगर कभी ऐसी नौबत आई तो उसकी बंदूक से निकली कोई भी गोली किसी भी मृत या घायल निर्दोष व्यक्ति से नहीं जुड़ी होगी। बेशक, अगर ऐसा हुआ तो लैंगली के उस आदमी को लगा कि शायद वह खुद मर चुका होगा, और मुकदमा उसके लिए सबसे कम चिंता की बात होगी।
इस समय उसकी पहली प्राथमिकता क्लब से अपनी जान और शरीर को सुरक्षित बाहर निकालना था, साथ ही यह सुनिश्चित करना था कि उसके साथी भी ऐसा ही करें। अपने बूथ में मेज के नीचे दुबके होने के कारण वह उनमें से किसी को भी नहीं देख पा रहा था, लेकिन क्लब रूम के शोरगुल से वह समझ गया था कि उनमें से कम से कम दो अभी भी जीवित हैं और अपने दुश्मनों से लड़ रहे हैं।
या तो ऐसा था, या फिर रूसी गुंडे बुरी तरह से भ्रमित थे और एक-दूसरे से जमकर लड़ रहे थे।
अब मामले को गरमाने और यह देखने का समय है कि क्या सामने आता है।
अपनी जैकेट के नीचे हाथ डालकर डेकार्ड को वो अकेला फ्रैग ग्रेनेड मिला जो वो अपने साथ AKSU और ग्लॉक पिस्टल के अलावा लेकर आया था। उसने मन ही मन सोचा, अगर सही रणनीति से इस्तेमाल किया जाए तो एक ही ग्रेनेड काफी होगा। उसका इरादा रूसी निशानेबाजों को ग्रेनेड से पूरी तरह खत्म करने का नहीं था, लेकिन वो उनमें से कुछ को तितर-बितर कर सकता था—अगर किस्मत अच्छी रही तो बचे हुए लोगों को जान बचाने के लिए भागने पर मजबूर कर सकता था—और इस तरह अपने साथियों और खुद के लिए नए निशाने जुटा सकता था।
उलटी गिनती शुरू।
उसने पिन खींची, शायद दो सेकंड तक इंतजार किया, अपनी पिच को सही जगह पर रखा, और फिर सेफ्टी स्पून को छोड़ दिया, इससे पहले कि उसने हरे अंडे को कमरे के बीचोंबीच अंडरहैंड तरीके से उछाला, जहां वैलेरिक के चार या पांच तगड़े बंदूकधारी एक समूह में इकट्ठा हो गए थे, सभी दिशाओं में मुंह किए हुए, मानो अलामो में हुए गतिरोध का कोई छोटा रूसी अनुकरण हो।
"मिलिए सांता एना से, लड़कों," उसने सोचा, और जैसे ही प्रलय की घड़ी की सुईयां नीचे गिरने लगीं, वह वापस छुपकर छिप गया।

निशाने पर लगा!
उसने स्ट्राइक मारी होती, या मार ही देता, अगर उसके सामने खड़े शूटर ने फ्रैग ग्रेनेड को आते हुए न देखा होता और अपने साथियों को चेतावनी न दी होती। फिर भी, उनमें से दो बच नहीं पाए, बाकी लोग इधर-उधर भागते हुए कुर्सियों और मेजों से टकराते हुए हड़बड़ी में ज़मीन से दूर चले गए। जो लोग रुके रहे उनमें से एक ने अपनी कलाश्निकोव राइफल से ग्रेनेड पर गोली चलाई, लेकिन जोश में आकर कम से कम तीन फीट से चूक गया, जबकि दूसरे ने अपनी शॉटगन गिरा दी, नीचे झुक गया और दोनों हाथ सिर के ऊपर उठा लिए।
छिपने और भागने की प्रवृत्ति। बहुत बढ़िया।

जब फ्रैग ग्रेनेड फटा तो इससे उसकी जान नहीं बची, लेकिन डेकार्ड को उन निशानेबाजों में कोई दिलचस्पी नहीं थी जो धमाके को सीधे झेलने में कामयाब रहे थे। उसका निशाना भागने वाले लोग थे, जो अभी भी पलटवार करने में सक्षम थे, और तेजी से हो रही गोलीबारी से वह समझ गया कि उसके तीनों साथी भी यही सोच रहे थे।
डेकार्ड ने एक भगोड़े को अपने निशाने पर लिया ही था कि अचानक किसी और के हथियार से आई गोलियों की बौछार ने उस गुंडे को घायल कर दिया। गोलियों की गड़गड़ाहट से उसकी जैकेट फट गई और वह भारी-भरकम आदमी लड़खड़ाते हुए गिर पड़ा। डेकार्ड रुका और घूमकर दूसरे चलते-फिरते लक्ष्य को देखा, उसे भी उसने तीन-चार गोलियां मार गिराईं, तभी कहीं और से आई गोलियों की बौछार ने उसकी खोपड़ी का बायां हिस्सा उड़ा दिया।
कितने बचे हैं? डेकार्ड किसी और लक्ष्य की तलाश में था जब उसने महसूस किया कि युद्ध के मैदान में कोई हलचल नहीं है। नहीं, रुको! यह सही नहीं था। चश्मा लगाए और घनी दाढ़ी वाला एक व्यक्ति पिस्तौल ताने हुए ठीक बीचोंबीच आ रहा था। डेकार्ड ने शूटर की छाती पर निशाना साधा ही था कि रुरिक पाव्लुश्का के भेष को पहचानते ही उसने AKSU पिस्तौल के ट्रिगर से अपनी उंगली हटा ली।
"क्या हमारा काम हो गया?" उसने किसी से विशेष रूप से नहीं पूछा।
"लगता तो यही है," जॉनी ने अपनी दाहिनी ओर से कहा। "लेकिन नज़र रखना।" "चलते हुए," बोलन ने कवर से उठने से पहले आवाज़ लगाई, और अपनी एकेएली में नई मैगज़ीन डालने के लिए थोड़ा समय लिया। उस आदमी ने बंदूक जेब में रख ली।

डेकार्ड यह नहीं बता सकता था कि खाली करने का कारण पुन: उपयोग करना था या अपने उंगलियों के निशान छोड़ने से बचना था।
"क्या आपको लगता है कि किसी ने बैकअप के लिए फोन किया होगा?" डेकार्ड ने पूछा, एक बार फिर उसके दिमाग में टीम का कोई विशिष्ट सदस्य नहीं था जो उसे जवाब दे सके।
"यह तर्कसंगत है," जॉनी ने जवाब दिया, जो अब दिखाई दे रहा था, क्योंकि वह गोलियों से छलनी पश्चिमी दीवार पर तीन बूथ आगे अपने छिपने की जगह से बाहर निकला था।
"तो मेरा सुझाव है कि हम आगे बढ़ें," डेकार्ड ने कहा, "और मैच के बाद की पार्टी के लिए अधिक अनुकूल वातावरण में चले जाएं।"
"हम अभी शुरुआत ही कर रहे हैं," बोलन ने उसे याद दिलाया।
"यह तो बढ़िया है," डेकार्ड ने जवाब दिया। "मुझे लगता है कि इसके बाद वैलेरिक का पूरा ध्यान हम पर होगा।"

"अगर मैं आपकी और कोई सेवा कर सकूँ, महोदय," घंटी बजाने वाले ने चापलूसी करते हुए, अपने पतले हाथों को ऐसे रगड़ते हुए कहा जैसे उन्हें धो रहा हो, "तो कृपया बेझिझक पूछें। शायद कोई महिला? या... कुछ और?"
“मुझे थोड़ी निजता चाहिए,” क्रिश्चियन कीन ने जवाब दिया, अपनी थकान और चिड़चिड़ेपन को छिपाए बिना। जब चौकीदार ने जाने की कोई कोशिश नहीं की, तो कीन ने अपनी पैंट की जेब में हाथ डाला, कुछ सिक्के निकाले—पता नहीं आज उनकी क्या कीमत होगी; दस सेंट या कुछ और, लेकिन छोड़ो—और उन्हें चौकीदार की फैली हथेली में डाल दिया। इससे पहले कि वह अपनी कमाई गिन पाता और नाराज़गी जता पाता, कीन उसे खुले दरवाजे की ओर ले गया और अंदर धकेलते हुए इतनी ज़ोर से दरवाजा बंद कर दिया कि पीतल की चेन हिल उठी।
वैसे भी, मॉस्को भाड़ में जाए। और ये भी कि प्रुएट की क्या प्रतिक्रिया होगी, जब उसे सोव etskiy होटल के एक सुइट के लिए कीन द्वारा तैयार किए गए बिल मिलेंगे, जो लेन-इनग्राडस्की प्रोस्पेक्ट पर स्थित एक शानदार महल था और रूबल को ऐसे लुटाता था जैसे वे फैशन से बाहर हो रहे हों। बिल उसके एकदम नए क्रेडिट कार्ड से "फ्लेचर क्रिश्चियन" के नाम पर कटेगा—ये था प्रुएट का अंदाज़, जो फिर से अपनी साहित्यिक बकवास दिखा रहा था—और अगले वेतन में जो भी उससे पैसे वापस लेने की कोशिश करेगा, उसे भारी मुसीबत का सामना करना पड़ेगा।
बर्लिन से मॉस्को का बुलावा ही काफी बुरा था, जबकि कीन को घर लौटने की उम्मीद थी। किसी पूर्व सोवियत संघ के सस्ते होटल में छिपकर पूरे समय ठंडे सैंडविच खाकर गुजारा करने का ख्याल ही असहनीय था। कीन

उसके आदेशों का पालन करो, जहाँ उसे जाने को कहा जाए वहाँ जाओ, लेकिन अगर उसके भेष में उसे बेघर हारे हुए व्यक्ति की नकल करने की आवश्यकता नहीं थी, तो वह शान से ही जाएगा।
कीन को मॉस्को में क्या करना था, इसका कोई स्पष्ट अंदाजा नहीं था, जिससे इस असाइनमेंट के प्रति उसकी अरुचि और बढ़ गई। उनकी संक्षिप्त और रहस्यमयी बातचीत में, प्रुएट ने "घबराहट प्रबंधन" का जिक्र किया था और साथ ही "नैतिक समर्थन" के बारे में व्यंग्यात्मक टिप्पणी भी की थी। वास्तव में, कीन के पास समर्थन देने के लिए कोई और तरीका नहीं सूझ रहा था, क्योंकि वह अकेला था — एक विदेशी—मॉस्को में निहत्था, जहाँ लगभग चौदह मिलियन लोग महानगर में उमड़ रहे थे। वह भाषा बोल और पढ़ सकता था, उसे लगता था कि वह कम से कम एक सामान्य जाँच में पास हो जाएगा, लेकिन फिर भी वह खुद को एक मोहरे की तरह महसूस कर रहा था, और यह बात उसे परेशान कर रही थी, भले ही वह खेल के नियम जानता था।
इस पूरी साज़िश का मकसद कंपनी में उसकी तरक्की सुनिश्चित करना था। ज़ाहिर है, प्रुएट का यह लक्ष्य नहीं था। उसका बॉस उस समय "देशभक्तिपूर्ण विद्रोह" में बुरी तरह डूबा हुआ था और एक के बाद एक सनसनीखेज योजनाएँ बना रहा था, लेकिन क्रिश्चियन कीन एक व्यावहारिक व्यक्ति होने के साथ-साथ देशभक्त भी था। वह अपने देश के लिए जान दे देता, बशर्ते इससे बचने का कोई रास्ता न हो, लेकिन अगर उसे किसी भी तरह का विकल्प दिया जाता, तो वह जीना ही चुनता।
और इसका मतलब था अच्छा जीवन जीना।
पैदल क्यों चलें, जब सवारी कर सकते थे? ट्राम क्यों लें, जब लिमोसिन उपलब्ध थी?

अगर दुनिया को बदलने का मतलब अपनी जीवनशैली को पहले से भी बदतर बनाना हो, तो ऐसा करने का क्या फायदा?
इस दयनीय कार्य में अच्छी खबर यह थी कि कीन को अपने रूसी सहयोगियों से मिलने की आवश्यकता नहीं थी। उसके लिए सोव etskiy में बैठकर इंतज़ार करना ही काफी था, ताकि अगर वैलेरिक या क्रेस्त्यानोव अचानक यह तय कर लें कि वे उसकी सलाह के बिना एक पल भी नहीं रह सकते, तो वह उनसे संपर्क कर सके। वे दोनों जानते थे कि उसे कहाँ ढूँढना है, उसका कोड नाम भी उन्हें याद था, लेकिन कीन को लगता था कि उनमें से किसी के भी उसे बुलाने की संभावना कम ही थी। वास्तव में, वह उनके लिए क्या कर सकता था, सिवाय इसके कि उनकी जगह लैंगली को शिकायतें पहुँचाए? क्रेस्त्यानोव पहले से ही...

वैलेरिक का नोबल प्रुएट से सीधा संपर्क था, और उसे यह बिल्कुल पसंद नहीं आता कि उसे प्रभारी व्यक्ति से अलग कर दिया जाए और उसे सिर्फ एक अधीनस्थ कर्मचारी से निपटना पड़े, चाहे वह कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न हो।
वैलेरिक के मामले में, प्रुएट के लिए उससे संपर्क न करने का सख्त नियम था।
प्रुएट सीधे तौर पर उससे उलझना नहीं चाहता था।
सहायकों का यही काम होता था।
और इसलिए, कीन ने इंतजार किया।
वह एक ऐसे फोन का इंतजार कर रहा था जिसकी उसे उम्मीद थी कि वह कभी नहीं आएगा।
प्रुएट ने फ़ोन पर उससे कहा था, "तीन दिन।" उसे तीन दिन का इंतज़ार करना था। अगर कुछ नहीं हुआ, तो वह घर जा सकता था। "घर" का मतलब लैंगली था, जहाँ वह बॉस से पूछताछ की उम्मीद कर सकता था, भले ही वह अपने किसी भी रूसी संपर्क से कभी मिला या सुना न हो।
जल्दी करो और इंतजार करो।
गुप्त सेवाओं में भी उतना ही तनाव होता था जितना सेना में या किसी अन्य पेशे में। उन्हें एक पुलिसकर्मी की बात याद आई जिसने एक बार एक औसत पुलिसकर्मी के काम को 98 प्रतिशत बोरियत और 2 प्रतिशत अंधाधुंध घबराहट बताया था। कीन के अनुसार, गुप्त और खतरनाक धंधे में यह लगभग 65 प्रतिशत बोरियत, 30 प्रतिशत उम्मीद और 5 प्रतिशत उत्साह होता था—जो निश्चित रूप से घबराहट में बदल सकता था, अगर आप अपना आपा खो दें और मौज-मस्ती हाथ से निकल जाए।
भाड़ में जाए वो सब।
उसने कमरे में रखे टीवी कार्यक्रमों की सूची उठाई और जो देखा उसे देखकर उसका चेहरा उतर गया। अगर कार्यक्रमों को जनता की रुचि का संकेत माना जाए, तो ऐसा लगता था कि मॉस्कोवासी समाचार, फुटबॉल और खाना पकाने के कार्यक्रमों के दीवाने थे, इसी क्रम में। कई पश्चिमी ड्रामा भी थे, जो ब्रिटेन या अमेरिका के नेटवर्क से खरीदे गए थे और रूसी में डब किए गए थे, लेकिन उसे "हिल स्ट्रीट ब्लूज़" या "डॉक्टर हू" के पुराने एपिसोड देखने का मन नहीं था। इसके अलावा देखने के लिए पे-पर-व्यू पर कुछ एडल्ट फिल्में बची थीं, और कीन ने फैसला किया कि उसके लिए सबसे अच्छा यही होगा कि वह थोड़ी नींद ले ले।
वह शॉवर से बाहर निकल रहा था—गर्मी तो खूब थी लेकिन पानी का दबाव कम था— तभी उसने नहाने का तौलिया उठाया कि उसे टेलीफोन की घंटी सुनाई दी। कितनी देर से घंटी बज रही थी? कीन सोच में पड़ गया था-

तौलिया से खेलते हुए, उसे स्कर्ट की तरह पहनने की कोशिश करते हुए, उसे याद आया कि फोन करने वाला उसे देख नहीं सकता। जब तक कि कमरे में फाइबर-ऑप्टिक कैमरे न लगे हों। ऐसे में, उसने सोचा, क्यों न तौलिया ही हटा दिया जाए और अपने देखने वालों को ईर्ष्या महसूस कराई जाए?
उसने चौथी या चालीसवीं घंटी पर फोन उठाया, उसे इस बात की परवाह नहीं थी कि कौन सी घंटी बज रही है। *'हैलो?'
"क्या आप श्री फ्लेचर क्रिश्चियन हैं?"
"हो सकता है। कौन पूछ रहा है?"
"अंकल जोसेफ," फोन करने वाले ने जवाब दिया, उसे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि प्रुएट के मन में किस तरह का हास्य रहा होगा, उन्होंने एक ऐसा पहचान संकेत चुना जिसमें स्टालिन की झलक थी।
"आह," कीन ने कहा। "आशा है आप ठीक होंगे?" बातचीत यहीं समाप्त हुई। इसके बाद जो भी होगा, उससे तय होगा कि कीन सपनों की दुनिया में जाएगा या मॉस्को की गलियों में।
"एक मामला है जिस पर ध्यान देना आवश्यक है," आवाज़ ने उत्तर दिया। "यदि आपके पास कोई और ज़रूरी काम न हो, तो मुझे आशा है कि आप मेरे साथ कॉकटेल पर मिलेंगे।"
अलविदा, सपनों की दुनिया।
"बस मुझे बता दो कि कहाँ और कब," कीन ने कहा, अपनी आवाज में झुंझलाहट को छिपाने के अपने तरीके पर गर्व करते हुए।
"क्या हम पंद्रह मिनट का समय मान लें? मैं आपसे लॉबी में मिलूंगा।"
इसका मतलब है कि प्रुएट ने पहले ही अपनी तस्वीर फैक्स कर दी होगी, या फिर वह कोई ऐसा व्यक्ति था जिसके साथ कीन ने पहले काम किया था, शायद अमेरिका में वैलेरिक के ऑपरेशन में। खैर, अब उसे पछतावा हो रहा था कि होटल में ठहरने से पहले उसने ब्लैक मार्केट से बंदूक क्यों नहीं खरीद ली।
शांत हो जाइए। उन्हें सलाह चाहिए थी, शायद किसी और की राय। अगर उन्हें हार्डवेयर की ज़रूरत थी, तो उसे उपलब्ध कराना उनका काम था।
ठीक है। जब तक कि भीड़ में मौजूद एकमात्र हार्डवेयर उसी के लिए न हो। कपड़े पहनते हुए कीन ने उस निराशाजनक विचार को मन से निकाल दिया। वही कपड़े जो उसने यात्रा के दौरान पहने थे, और अगर किसी को बर्लिन से लंबी उड़ान के बाद उसकी गंध पसंद न आए तो क्या फर्क पड़ता है।

मॉस्को की रात में उसका क्या इंतजार कर रहा था, यह कीन को तब तक पता नहीं चलेगा जब तक वह सड़क पर नहीं निकल जाता।
चलो इसे पूरा करते हैं, उसने सोचा, और एक गंभीर अंतिम क्षण की आवाज के साथ अपने पीछे दरवाजा बंद कर दिया।
निकोलाई लुकाशा को मॉस्को में घर जैसा महसूस होता था। बौने-कुचले लोगों की दुनिया में वह अब भी एक विशालकाय व्यक्ति थे, लेकिन यहाँ कम से कम उन्हें एक साझा विरासत का अपनापन महसूस होता था, एक विशुद्ध रूसी पीड़ा सहने की प्रवृत्ति। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि लुकाशा खुद कई मामलों में पीड़ा और मृत्यु का साधन रहे थे। ये अब भी उनके अपने लोग थे, भले ही उन्हें इन गंदी सड़कों पर चलते समय उन्हें पैरों तले कुचलने की तीव्र इच्छा होती थी।

ज़बरदस्त ताकत से उनका मुकाबला किया कि स्कूल के गुंडे उससे ऐसे बचने लगे जैसे वे साँपों के घोंसले से बचते हों।
उनके ड्राइवर ने निर्देशानुसार पार्क का एक चक्कर लगाया, लुकाशा और फ्लेचर क्रिश्चियन चुपचाप बैठक स्थल का मुआयना कर रहे थे, दोनों ही किसी भी तरह की साजिश या घात के संकेत के प्रति सतर्क थे। दोनों को इस बात का एहसास था कि गुरुवार की शाम को उनके कार्यों ने उन्हें विभिन्न कानूनों के गंभीर उल्लंघन के एक कदम और करीब ला दिया था। अगर वे पकड़े गए—खासकर, अगर वे दोनों एक साथ पकड़े गए—तो यह...

नुकसान, शायद विनाश, क्रेस्त्यानोव की मास्टर प्लान। उन्हें जेल की सजा हो सकती है; और अगर उन्हें जेल नहीं भी हुई, तो भी उस अमेरिकी को निश्चित रूप से पूर्वाग्रह के साथ देश से निकाल दिया जाएगा, और सीआईए से उसके संबंध का खुलासा होने की पूरी संभावना है।
संक्षेप में कहें तो, आपदा।
इसीलिए लुकाशा ने फर्श पर एक भरी हुई एके-47 राइफल रखी हुई थी, जो उसके विशाल जूतों के साथ जगह के लिए होड़ कर रही थी। उसके पास दो हैंडगन भी थीं, और उनका ड्राइवर भी हथियारबंद था। लुकाशा ने उस अमेरिकी की तलाशी नहीं ली थी। अगर कोई परेशानी होती, तो उसे खुद ही अपना बचाव करना पड़ता।
जब रूसी व्यक्ति को इस बात का पूरा यकीन हो गया कि प्रोस्पेक्त मीरा स्थित पार्क में कोई पुलिसकर्मी, सैनिक या हत्यारा घात लगाकर नहीं बैठा है, तो उसने आदेश दिया और उनका ड्राइवर तुरंत आज्ञा का पालन करते हुए दो लेन पार करके सुनसान पार्किंग स्थल में घुस गया। कोई अन्य वाहन उनका पीछा नहीं कर रहा था और न ही यह देखने के लिए धीमा हुआ कि वे कहाँ जा रहे हैं। यदि कोई उनका पीछा कर रहा था, तो वह सतर्क और पेशेवर था।
"मेरे साथ," कार से उतरने से पहले लुकाशा ने उस शांत अमेरिकी से कहा। अपने पैरों को फिर से फैलाना उसके लिए एक सुखद अनुभव था। लुकाशा को जम्हाई आने लगी, लेकिन उसने उसे दबा लिया और अमेरिकी की नज़र से बचकर खुद को सतर्क करने के लिए अपनी जांघ को ज़ोर से चुटकी काटी।
दर्द के कई तरह के उपयोग होते हैं, यहां तक कि जब इसे स्वयं को पहुंचाया जाता है तब भी।
"मेरे साथ," उसने अंधेरे पार्किंग स्थल में फिर से कहा, और फिर पार्क में आगे बढ़ते हुए, चार लेन के यातायात और उसके शोर को पीछे छोड़ते हुए, झील की ओर चल पड़ा।
"तुम्हारे साथ ही ठीक है," फ्लेचर क्रिश्चियन ने कदम मिलाते हुए कहा।
झील के उत्तरी छोर पर तीन आदमी उनका इंतज़ार कर रहे थे, जिनमें से दो हट्टे-कट्टे थे, उनकी आँखें चौकन्नी थीं और उनके चेहरे लुकाशा के लिए अपरिचित थे। उसने उनके बीच खड़े आदमी को वैलेरिक के अभियान के मुख्य लेफ्टिनेंट अनातोली बोगदाश्का के रूप में पहचाना। उन्होंने हाथ नहीं मिलाया, बल्कि एक-दूसरे को सिर हिलाकर अभिवादन किया और लगभग शिष्टाचार भरी कुछ फुसफुसाहटें कीं।
"यह कौन है?" बोगदाश्का ने उस विशालकाय व्यक्ति से पूछा, अमेरिकी को घूरते हुए।

"अमेरिका से एक दोस्त," उस विशालकाय जीव ने जवाब दिया। "वासिली ने उनसे हमारी बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया है, क्योंकि माल अंततः उनके क्षेत्र में पहुंचाया जाएगा।"
बोगदाश्का ने एक और पल उस अजनबी को घूरते हुए बिताया, अंधेरे में आंखें सिकोड़ते हुए, मानो केवल एकाग्रता से वह मांस और हड्डियों के पार देख सकेगा, उस अमेरिकी के दिमाग से विचार निकाल सकेगा।
जब बोगदाश्का या तो संतुष्ट हो गया या पूरी तरह से निराश हो गया, तो उसने फिर से लुकाशा की ओर मुड़कर कहा, "हमें माल मिल गया है।"
"यह यहाँ है? मॉस्को में?" उस विशालकाय व्यक्ति ने पूछा।
"जल्द ही। मुझे लगता है कि कर्नल यह जानकर प्रसन्न होंगे कि हम आज रात, निर्धारित समय से पहले डिलीवरी कर सकते हैं।"
लुकाशा ने कहा, "अगर डिलीवरी समय पर हो जाती है और उपकरण सही ढंग से काम कर रहा होता है, तो उसे राहत मिलेगी।"
"तो उसे बड़ी राहत के लिए तैयार रहने दो," बोगदाश्का ने चिढ़ भरे व्यंग्य के साथ कहा। "क्या हम चिड़ियाघर में आधी रात की बात करें?"
"यदि यह संतोषजनक रहा तो आपको सूचित किया जाएगा," लुकाशा ने कहा। "सामान्य संख्या?"
"हाँ।"
बिना कुछ और कहे, वह विशालकाय व्यक्ति मुड़ा और चला गया, अपने शांत स्वभाव वाले अमेरिकी साथी को पीछे छोड़ते हुए।
मध्यरात्रि।
कर्नल को तो वाकई बहुत खुशी होगी।
ज़ेन्या रोमोचका ने अपने पीले दांतों से सिगार को कसकर पकड़ा, फिर उसे अपने पतले होंठों वाले मुंह से निकाला। "मॉस्को में यह मुसीबत क्यों आई है?" उसने आगे झुकते हुए पूछा, और अपनी आवाज़ को एक सप्तक नीचे कर लिया, हालांकि वह क्रेस्त्यानोव के साथ अपने आधिकारिक वाहन, एक काली ज़िस लिमोसिन के बंद घेरे में अकेला था।
"यह ऐसी कोई बात नहीं है जिससे हमारा संबंध हो," क्रेस्त्यानोव ने स्पष्टवादिता के उचित स्तर के साथ उत्तर दिया, जिसमें तिरस्कारपूर्ण उपहास का पुट भी था।
"कुछ नहीं?" रोमोचका के लहजे और चेहरे के भावों में एक अजीब सा भाव था-

भोला। "इन कमीनों ने शहर के एक सेक्स क्लब पर छापा मारा, जहाँ दुर्भाग्यवश, मेरी ही पार्टी के कुछ लोग इकट्ठा होकर मौज-मस्ती करते थे। उन्होंने कम से कम दो दर्जन लोगों को मार डाला - जिनमें से आधे, मैं यह भी बता दूं, मॉस्को के कुलीन वर्ग से थे, एक उस आदमी की रखैल थी जिसने मेरे राजनीतिक अभियानों में मोटी रकम दान की थी - और आप कहते हैं कि इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है? मैं तो अब आधिकारिक तौर पर चिंतित हूँ, वासिली!"
क्रेस्त्यानोव जानते थे कि उन्हें सावधानी से आगे बढ़ना होगा, क्योंकि उनका उत्तेजित सहयोगी संसद का एक प्रमुख सदस्य, सत्तारूढ़ दल का एक शक्तिशाली नेता और वह व्यक्ति था जो नए सोवियत संघ का शासक बनेगा— स्वाभाविक रूप से क्रेस्त्यानोव की सहायता से—एक बार जब वे अपनी साजिश के अंतिम चरण को अंजाम दे देंगे, सत्ता में बैठे कमजोर गद्दारों को हटा देंगे और जन राज्य की कार्यप्रणाली को बहाल कर देंगे। रोम-ओचका के भय का उपहास करना या उसकी चिंताओं को कम आंकना क्रेस्त्यानोव के उद्देश्य की

पूर्ति नहीं करेगा। उन्हें अपने उद्देश्य में एकरूपता बनाए रखनी थी, कर्नल जानते थे कि भले ही वह राजनेता के सत्ता के मार्ग को प्रशस्त कर रहे थे, वे एक ऐसे व्यक्ति का निर्माण कर रहे थे जो एक दिन उनका कट्टर शत्रु बन सकता था।
"मेरा मतलब है कि इससे हमारी योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए," क्रेस्त्यानोव ने सुलह भरे लहजे में कहा, उनका लहजा माफी मांगने जैसा था, लेकिन उसमें कोई उपदेशात्मकता नहीं थी। "मेरे पास आपके लिए एक खबर है," उन्होंने कहा।
"और खबरें?" रोमोचका इस संभावना से उत्साहित नहीं दिखे।
"इस बार अच्छी खबर है," क्रेस्त्यानोव ने कहा। "आधी रात तक, हमारे पास वह हथियार होगा जो हमें राजद्रोह से मुक्ति दिलाएगा। दो दिन बाद, हमारा लक्ष्य हासिल हो जाएगा। अब हमें कोई नहीं रोक सकता।"
"शायद यह सिर्फ अहंकार है," राजनेता ने कहा। "मुझे अब भी सीआईए पर भरोसा नहीं है। मान लीजिए कि वे हमें बेनकाब करने की साजिश रच रहे हैं और कोई जाल बिछाते हैं, तो फिर क्या होगा?"
"आप जानते हैं कि मैंने इसके लिए कुछ रियायतें दी हैं," क्रेस्त्यानोव ने कहा। "लैंगली में हमारे मित्र भी हमारी ही रुचि रखते हैं, और उन्हें हर हाल में योजना के अनुसार आगे बढ़ना होगा। वे और उनके प्रायोजक पूरी तरह से खतरे में हैं। अगर वे वही करने की कोशिश करते हैं जो अमेरिकियों ने किया है, तो

अगर उनके इस कृत्य का पर्दाफाश हुआ तो इसे विश्वासघात कहा जाएगा, और कलकत्ता से लेकर केप कॉड तक पूरी दुनिया में इसकी चर्चा होगी। अगर उनके कारनामे उजागर हुए तो उन्हें बदनामी और उम्रकैद की सजा भुगतनी पड़ेगी, और शायद मौत की सजा भी।
"तुमने तो हर बात का ध्यान रखा है," रोमोचका ने आंखें सिकोड़ते हुए कहा। "मेरे गुरु गोर्बाचेव ने एक बार मुझसे कहा था कि मुझे ऐसे किसी भी व्यक्ति से सावधान रहना चाहिए जो हर बात का ध्यान रखता हो।"
"तुम्हारे गुरु गोर्बाचेव ने शांति नीति और ग्लास्नोस्ट के ज़रिए जन क्रांति के साथ विश्वासघात किया," क्रेस्त्यानोव ने पत्थर पर छेनी से खरोंचते हुए स्वर में याद दिलाया। "सोवियत गणराज्यों के पतन के लिए वे येल्तसिन जितने ही ज़िम्मेदार हैं।"
"बिल्कुल सही," रोमोचका ने कहा, "लेकिन फिर भी उनमें कुछ बुद्धिमत्ता भी थी। वासिली, तुम कभी-कभी अपने ही भले के लिए बहुत ज्यादा योजनाएँ बना लेते हो।"
"यह मेरा काम है," केजीबी के पूर्व कर्नल ने जवाब दिया।
"हो सकता है कि यह कभी-कभी आपको बर्बाद कर दे।"
स्पष्ट रूप से दी गई चेतावनी से क्रेस्त्यानोव को कोई फर्क नहीं पड़ा। जब तक उसे पता था कि राजनेता कैसा महसूस कर रहा है, क्या सोच रहा है, तब तक रोमोचका के पास उस पर चुपके से हमला करने या उसकी पीठ में छुरा घोंपने की कोई उम्मीद नहीं थी।
कुछ देर बाद रोमोचका ने कहा, "मैं अमेरिका जाने के बारे में सोच रहा हूं," मानो उसने कभी क्रेस्त्यानोव को धमकी दी ही न हो।
"किस संदर्भ में?" कर्नल ने पूछा।

"मैं इस घटना पर उनकी संभावित प्रतिक्रिया के बारे में सोचता हूं। अगर नाटो इसमें शामिल हो जाए तो..."
"नाटो इसमें शामिल नहीं होगा," क्रेस्त्यानोव ने उन्हें आश्वासन दिया, और यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने पूरी गोपनीयता बनाए रखने की कोशिश की। "यह घटना अमेरिका के अपने आतंकवादियों की करतूत लगेगी, उन कुछ गुटों की जिनके बारे में हम इतना सुनते हैं। हमें इस मामले में बचा लिया गया है, हमें उजागर होने से अलग रखा गया है।"
"फिर भी..."
"आपको चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। हमारा खतरा यहीं, घर पर ही है।" मैंने इस पर भी विचार किया है।
* 'हमारे सहयोगी अपनी-अपनी जगह पर मौजूद हैं और अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।'
■
मैं

क्रेस्त्यानोव ने कहा, "जब अमेरिकी प्रतिक्रिया देंगे, जब वे उचित आवाजें निकालना शुरू करेंगे, तब हमारे लिए हमला करने का समय होगा।"
"जनता का क्या होगा?"
"उन्हें नेतृत्व की सख्त जरूरत है। आपने खुद भी मुझे यही बताया है।"
और अगर मैं गलत हुआ तो?
"नए सोवियत संघ का ताकतवर नेता ऐसा सवाल नहीं पूछेगा," क्रेस्त्यानोव ने उसे बताया, यह एक ऐसी फटकार थी जिसमें रोमोचका को आमतौर पर मिलने वाली लार नहीं थी। "अगर तुम नेतृत्व करना चाहते हो, तो तुम्हें नेता बनना होगा। अगर ऐसा नहीं कर पाते, तो तुम्हारे लिए बेहतर होगा कि तुम पद छोड़ दो।"
यह सुनकर रोमोचका ने पलकें झपकाईं, उसके गोल-मटोल गालों पर गुस्से की एक झलक उभर आई, लेकिन वह तुरंत संभल गया। "तुम सही कह रहे हो, वासिली। क्रांति का नेतृत्व करने के लिए हमें लोहे के समान दृढ़ पुरुषों की आवश्यकता है।" क्रेस्त्यानोव ने कहा, "लोहा नरम होता है। मुझे लोहे का बना आदमी पसंद आएगा।"
"और तुम्हें भी एक ही मिलेगा," रोमोचका ने उत्तर दिया। "मैं जनता या हमारे उद्देश्य के साथ विश्वासघात नहीं करूंगी।"
क्रेस्त्यानोव साम्यवाद की प्राचीन बयानबाजी पर हमेशा आश्चर्यचकित रहते थे, कि कैसे यह पार्टी के हर आंदोलन से चिपकी रहती थी, जबकि तीन-चौथाई सदी के व्यावहारिक अनुभव ने इसे काफी हद तक गलत या सरासर झूठ साबित कर दिया था। मार्क्स और एंगेल्स ने "जनता" से जो भी तात्पर्य निकाला हो, किसी भी कार्यशील साम्यवादी राज्य में "जनता" की कोई शक्ति नहीं थी, और न ही कभी होगी। 1917 की लेनिन की क्रांति ने एक रूसी अभिजात वर्ग—ज़ार और उसके विस्तारित परिवार—को दूसरे अभिजात वर्ग से बदल दिया: साम्यवादी पार्टी का अभिजात वर्ग। "जनता को सत्ता" का प्रारंभिक बोल्शेविक वादा वास्तविक दुनिया की राजनीति पर उतना ही प्रभाव डाल पाया जितना दशकों बाद जॉन लेनन के एक बचकाने गीत के बोलों में दोहराया गया।
सफल शासकों ने महत्वपूर्ण क्षणों में जनता को वही बताया जो वे सुनना चाहते थे, और उन चुनावी वादों को नजरअंदाज किया जिनसे राज्य की शक्ति और व्यवस्था कमजोर होती थी। जरूरत पड़ने पर उन्होंने नरमी का दिखावा भी नहीं छोड़ा और कठोर कार्रवाई की।

सर्वहारा वर्ग की जय हो, बशर्ते वह अपने उचित स्थान पर हो और अपने उन स्वामियों के लिए लगन से काम कर रहा हो जिन्होंने उसे उसके अनगिनत शत्रुओं से बचाया था। रूस को एक और शत्रु की आवश्यकता होगी,

ताकि वह अपने उद्देश्य की एकता, अपने दृढ़ संकल्प, शक्ति और गौरव को पुनः प्राप्त कर सके।
क्रेस्त्यानोव ने इसकी पूरी व्यवस्था कर ली थी।
उसने हर बात का ध्यान रखा था।
“उस घटिया चीज़ को मुझसे दूर रखो!” अनातोली बोगदश्का ने गुस्से से कहा, जब उसका एक सिपाही उस साधारण दिखने वाले सूटकेस को कुछ कदम पश्चिम की ओर ले जाने लगा। फिर भी संतुष्ट न होकर, बोगदश्का ने तीखे स्वर में कहा, “नहीं! भगवान के लिए, इसे वापस ट्रंक में रख दो।”
वह जानता था कि वह मूर्खतापूर्ण व्यवहार कर रहा है, शायद अपने साथियों के सामने अपनी छवि भी खराब कर रहा है, लेकिन उस समय बोगदाश्का को इसकी परवाह नहीं थी। उसे सामान के बारे में जानकारी दी गई थी, सूटकेस में सामान को सुरक्षित रखने के लिए फोम रबर की परत लगी थी, और किसी भी प्रकार की विकिरण को बाहर निकलने से रोकने के लिए सीसा भरा हुआ था, लेकिन उसे इसकी भी कोई परवाह नहीं थी।
साहस एक बात थी, और हिम्मत दूसरी। बोगदाश्का असली मर्द नहीं हो सकता था अगर उसकी हिम्मत अंधेरे में चमकती—या अगर वे किशमिश की तरह सिकुड़ जातीं, तब भी नहीं।
वस्तुनिष्ठ रूप से, वह जानता था कि सूटकेस में रखा वॉरहेड—जो पुराने एमआईआरवी रॉकेट के ढहने के बाद बचाए गए कई वॉरहेड्स में से एक था, और रॉकेट खुद उन सैकड़ों, शायद हजारों रॉकेटों में से एक था जो बिक्री के लिए उपलब्ध थे—अपनी वर्तमान स्थिति में पूरी तरह सुरक्षित था। इसे प्राथमिक विस्फोट के अलावा किसी भी तरह से विस्फोटित नहीं किया जा सकता था, न गर्मी से, न हथौड़ों से, न ही बहुत करीब से गोलीबारी से, किसी भी तरह से नहीं। सूटकेस में लगे अतिरिक्त इन्सुलेशन के अलावा, इसकी अपनी सीसे की परत के कारण इसे संभालना भी सुरक्षित प्रमाणित था। बोगदाश्का को बताया गया था कि वह अपनी घड़ी और टेलीविजन सेट से प्रतिदिन इससे अधिक विकिरण अवशोषित करता था।
और इन सब बातों का कोई मतलब नहीं था।
उसने विकिरण रोग के बारे में सोचा, जैसा कि उसने फिल्मों में देखा था - बहते घाव, खून से लथपथ, दांतविहीन मसूड़े, बाल झड़ना, आंखें अंदर से धुंधली हो जाना - और उसने कसम खाई कि वह कभी इस तरह नहीं मरेगा। चाहे उसे अपने मुंह में पिस्तौल ही क्यों न रखनी पड़े। और वह अपने ऊपर लगाए गए "सुरक्षित" विकिरण के संपर्क में भी नहीं आएगा।

परिवहन के लिए, दुनिया के सारे रूबल, येन या अमेरिकी डॉलर भी नहीं। लिमोसिन के ट्रंक में सामान बंद करने के बाद बोगदाश्का को थोड़ा बेहतर महसूस हुआ। उसे कार के अंदर से निकलती हुई विकिरण की खामोश किरणें दिखाई देने लगीं, जो सीधे उसके गुप्तांग की ओर लक्षित थीं, लेकिन उसने बड़ी मुश्किल से इस विचार को मन से निकाल दिया और अपने काम पर ध्यान केंद्रित किया।
वितरण।

कोई, शायद वही विशालकाय आदमी अपने कुछ सैनिकों के साथ, सूटकेस लेने के लिए आ रहा होगा... क्या? तीन मिनट में, उसकी रोलेक्स घड़ी के हिसाब से। वे चाहें तो सूटकेस खोलकर सामान की जाँच कर सकते थे, हालाँकि अगर वे ऐसा करते तो बोगदाश्का बैग से काफी दूर खड़ा रहता। फिर, उन्हें जाने और सूटकेस अपने साथ ले जाने की अनुमति मिलने से पहले, पिकअप टीम का कोई सदस्य वैलेरिया के भुगतान को स्विट्जरलैंड के एक नंबर वाले बैंक खाते में ट्रांसफर होने की पुष्टि करेगा। उसे समझाया गया था कि लैपटॉप का समय है, क्योंकि रात के इस समय स्विस बैंकों में कोई ड्यूटी पर नहीं होता। बोगदाश्का को कंप्यूटर चलाना नहीं आता था, वह उन्हें बस थोड़ा-बहुत समझता था, लेकिन उसके बगल में खड़ा वह आदमी, जिसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान थी—शायद अनातोली के छोटे से तमाशे में युद्ध सामग्री के साथ—एक विशेषज्ञ माना जाता था, जो यह पुष्टि कर सकता था कि ट्रांसफर हो गया है।
अगर इसकी पुष्टि और सत्यापन नहीं हुआ, तो सूटकेस और उसके अंदर का सामान बोगदाश्का की हिरासत में ही रहेगा। उसे इस बात का एहसास था कि ऐसा होने पर उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, और वह इस बात को पूरी तरह समझता था। उसने जानबूझकर अपने कंधे पर एक भारी बेल्ट में स्कॉर्पियन मशीन पिस्टल बांध रखी थी, जबकि उसके चारों सैनिक एके-74 असॉल्ट राइफलों से लैस थे।
अगर जान लेने की नौबत आती, तो वह तैयार था, लेकिन वह यह भी जानता था कि इसका मतलब हार होगी। यह सत्ता हस्तांतरण ही इस लंबी प्रक्रिया का मूल उद्देश्य था। अगर कुछ भी गड़बड़ हो जाती, तो लगभग पूरा साल बर्बाद हो जाता; हाल के दिनों में उन्होंने जितने भी सैनिक खोए थे, वे सब व्यर्थ हो जाते। बोगदाश्का इन चीजों के बारे में केवल अमूर्त रूप से ही परवाह करता था।

और वह पूरी तरह से विचलित था। उसका सारा ध्यान मुख्य रूप से खुद पर केंद्रित था, और वह जानता था कि अगर हस्तांतरण विफल हो गया, और विशेष रूप से अगर वह विफलता उसकी गलती मानी गई, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। ऐसा किसी भी परिस्थिति में नहीं होना चाहिए था, और बोगदाश्का हर कीमत पर इसे रोकने के लिए दृढ़ संकल्पित था।
"हेडलाइट्स," उनके एक सैनिक ने कुछ देर बाद कहा, इससे पहले कि बोगदाश्का ने खुद संकरी सड़क के दूसरे छोर से आते हुए उन्हें पहचान लिया। वे मॉस्को से पाँच मील दूर थे, जहाँ उन्हें लगभग निजता का आश्वासन था, और पुलिस गश्ती कारों के गुजरने से उनकी निजता भंग होने की संभावना नहीं थी।
"थैला निकालो," बोगदाश्का ने आदेश दिया, कुछ ही क्षण पहले उसे छिपाने पर अब वह खुद को मूर्ख महसूस कर रहा था। कम से कम परिवार में उसकी हैसियत के बारे में एक बात तो उसे पता थी: कोई भी दूसरा आदमी उसके सामने इसका ज़िक्र नहीं करेगा या खुलेआम इस पर हँसेगा नहीं, जहाँ उनके सुनने की संभावना थी।
अगर उन्हें जीवित रहना था तो ऐसा नहीं हो सकता था।
गाड़ी का ढक्कन ज़ोर से बंद हुआ, और उसका एक सिपाही सूटकेस लेकर वापस आया। बोगदाश्का ने कहा, "बस यहीं तक काफी है," और उसे वहीं रोक दिया। अपने डर को छुपाने के लिए उसने आगे कहा, "हम इसे ज़्यादा खुला नहीं छोड़ना चाहते, कहीं कुछ गड़बड़ न हो जाए।"
सिपाही ने कंधे उचकाए और अपना बोझ नीचे रख दिया, उसे स्पष्टीकरण में कोई दिलचस्पी नहीं थी। बाकी सभी की तरह, उसकी भी निगाहें पास आ रहे वाहन की रोशनी पर टिकी थीं, उसका दाहिना हाथ कलाश्निकोव पिस्तौल की मूठ को कसकर पकड़े हुए था।

बोगदाश्का ने गाड़ी से बाहर निकलते ही उस विशालकाय व्यक्ति को पहचान लिया। भला वह उसे कैसे नहीं पहचानता? बाकी तीनों उसके लिए अजनबी थे, और वह यही चाहता था। वासिली क्रेस्त्यानोव के जासूसी गिरोह के साथियों में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं थी, सिवाय इसके कि उनसे कोई लाभ मिलने की संभावना हो। जैसा कि आज रात होगा।
"क्या यही सामान है?" उस दैत्य की आवाज़ ऐसी लग रही थी मानो किसी कुएँ की गहराई से आ रही हो।
"हाँ," बोगदाश्का ने उससे कहा। "आप बेझिझक इसकी जांच कर सकते हैं।"
"हम ऐसा करेंगे।"

बोगदाश्का अपनी जगह पर डटा रहा, अंदर ही अंदर घबराया हुआ था लेकिन उसने इसे अच्छी तरह छिपा लिया था, तभी उस दैत्य के साथियों में से एक ने सूटकेस खोलने के लिए आगे बढ़कर उसमें रखी वस्तु को ध्यान से देखा। संतुष्ट होने पर, उस अजनबी ने सूटकेस बंद किया, अपने स्वामी को सिर हिलाकर अभिवादन किया और वापस जाकर दूसरों के साथ शामिल हो गया।
"तो," बोगदाश्का ने कहा। "क्या आप स्थानांतरण की पुष्टि करने के लिए तैयार हैं?"
उस विशालकाय व्यक्ति ने सिर हिलाया, और वही आदमी जिसने सूटकेस खोला था, वापस अपनी कार की ओर चला गया, पीछे के डिब्बे से एक पोर्टेबल कंप्यूटर निकाला और बोगदाश्का की लिमोसिन की ओर बढ़ा।
"उसे दिखाओ," उस गुंडे ने कहा और अपने बगल में खड़े आदमी की ओर सिर हिलाया, इस उम्मीद में कि यह किसी अधीनस्थ को अधिकार सौंपने जैसा लगेगा, न कि केवल अज्ञानता जैसा।
उस विशालकाय आदमी ने लिमोसिन के बोनट पर अपना लैपटॉप खोला और उसे चालू किया। कुछ ही देर में, वह कीबोर्ड पर टाइप करने लगा, जबकि बोगदाश्का का आदमी उसकी हर हरकत को देखता रहा और मानो किसी और के फायदे के लिए सिर हिलाता रहा हो। काम पूरा होने पर, बोगदाश्का के टेक्नीशियन ने लिमोसिन से अपना कंप्यूटर निकाला, लॉग इन किया और स्क्रीन को कुछ देर देखने के बाद कहा, "हो गया। ट्रांसफर पूरी तरह से कन्फर्म हो गया है।"
"यह सामान आपका है," बोगदाश्का ने अचानक उदारता का भाव दिखाते हुए उस विशालकाय व्यक्ति से कहा। "मुझे उम्मीद है कि यह आपके काम आएगा।"
"इसमें कोई शक नहीं है," लुकाशा ने कहा और अपनी गाड़ी की ओर मुड़ गया, तभी उसके एक साथी ने बैग छीन लिया।
जैसे-जैसे विशालकाय वाहन की पिछली बत्तियाँ धीमी होती गईं और अंततः बुझ गईं, बोगदाश्का को राहत महसूस होने लगी। उसने सैनिकों को सुरक्षित निकलने के लिए बस कुछ पल का समय दिया, फिर कहा, "ठीक है, चलो चलते हैं।"
यह सरल, सुव्यवस्थित और साफ-सुथरा था।
आखिरकार दुनिया का अंत एक धीमी सी आवाज के साथ होता है, उसने सोचा और उस दिन पहली बार मुस्कुराया।

"मुझे ये देरी पसंद नहीं है," जॉनी ने कहा और अपनी बात पर जोर देते हुए अपनी ग्लॉक पिस्टल की स्लाइड को पीछे खींचकर नई मैगज़ीन से एक गोली लोड की। "हम ठीक हैं," डेकार्ड ने अपने ग्लॉक को चमड़े के कपड़े से पोंछते हुए जवाब दिया। "अगला राउंड खेलने से पहले उसे बस कुछ और लोगों को निशाना बनाना होगा।"
"वह" रुरिक था, दाढ़ी वाला रूसी जिसने क्लब ज़ीरो को नवीनीकरण के लिए बंद करने में उनकी मदद की थी। उसने उस अभियान में अपना काम बखूबी निभाया था, लेकिन वह अभी भी अजनबी था, सीआईए से जुड़ा हुआ था, और संभवतः रूसी अंडरवर्ल्ड से भी। मुखबिरों के पास इस तरह के संपर्क होते हैं—अरे, वे इनके बिना काम नहीं कर सकते—लेकिन फिर भी बोलन घबराया हुआ था क्योंकि वे होटल के कमरे में बैठे डेकार्ड के मोबाइल फोन की घंटी बजने का इंतजार कर रहे थे ताकि पता चले कि रूसी वापस आ गया है।
बोलन को पता था, और जॉनी को भी यही आभास था, कि डेकर्ड के संपर्क व्यक्ति के लिए उन्हें धोखा देना, उसकी जगह निशानेबाजों की एक टीम भेजकर उन्हें खत्म कर देना उतना ही आसान होगा।
लेकिन क्यों, जबकि वह पहले ही एक छापे में उनकी मदद कर चुका था?
मॉस्को में काम करना एक समस्या थी, क्योंकि कोई भी वास्तव में खिलाड़ियों को नहीं जानता था, या यह नहीं जानता था कि वे कितने अलग-अलग, यहां तक कि शत्रुतापूर्ण गुटों को प्रसन्न करने की कोशिश कर रहे थे।
अपनी शंकाओं को व्यक्त करने के बजाय, बोलन ने बस इतना कहा, "मुझे उम्मीद है कि उसे ज्यादा समय नहीं लगेगा। हमारे पास ज्यादा समय नहीं है।"

डेकार्ड ने जवाब दिया, "उसे बिना उलझे कुछ काम निपटाना होगा, अगर आप मेरी बात समझ रहे हैं तो।"
"मैं तुम्हारी बात समझ गया," बोलन ने कहा, लेकिन वह अब भी इंतज़ार से नाखुश था। वह बाहर निकलकर कुछ करना चाहता था, अपने दुश्मनों पर हमला करना चाहता था। जितना ज़्यादा वे देरी करेंगे, उनके लक्षित ठिकानों को अपनी स्थिति मज़बूत करने, भीतरी इलाकों से अतिरिक्त सेना बुलाने या संभवतः शहर को पूरी तरह खाली करने का उतना ही ज़्यादा समय मिलेगा।
विषय बदलते हुए डेकार्ड ने कहा, "मैं सोच रहा था कि जब हम यहां का काम खत्म कर लेंगे, तो क्या होगा। मेरा मतलब है, जब हम घर जाएंगे।"
उन्हें लग रहा था कि वे सभी सुरक्षित घर पहुँच जाएँगे, लेकिन बोलन ने इस बात पर ज़ोर देना उचित नहीं समझा। उन तीनों के सामने पहले से ही काफ़ी समस्याएँ थीं, ऐसे में नकारात्मक सोच को बढ़ावा देने की कोई ज़रूरत नहीं थी।

"मैं भी आपसे यही सवाल पूछना चाहता था," बोलन ने जवाब दिया। "मेरी जानकारी के अनुसार, कंपनी के भीतर जिन बदमाशों की आप तलाश कर रहे हैं, उन्हें पहचानने में मदद करने वाला आपके पास अभी भी कोई सबूत नहीं है।"
"मैं अकेला इसमें शामिल नहीं हूं," डेकार्ड ने कहा। "लैंगली में एक टीम है, जो हर चीज की बारीकी से जांच कर रही है। कागजों पर तो इसे सीनेट ओवरसाइट कमेटी द्वारा ऑडिट के रूप में दर्ज किया गया है, लेकिन असल में वे हमारे ही लोग हैं। आप इसे आंतरिक मामलों की समिति के समकक्ष कह सकते हैं।"
"वे पहरेदारों पर नजर रखते हैं," जॉनी ने कहा।
संक्षेप में कहें तो, उनका रिकॉर्ड बिल्कुल सटीक नहीं है, वरना एल्ड्रिच एम्स जैसा कोई होता ही नहीं, लेकिन एक बार जब उन्हें कोई सुराग मिल जाता है, तो वे हार नहीं मानते। अंततः उन्हें जो कुछ भी मिलेगा, वे उसे ढूंढ निकालेंगे।
"और अगर कुछ भी नहीं है," बोलन ने कहा, "तो फिर क्या होगा?"
“ज़रूर होगा,” डेकार्ड ने ऐसे आत्मविश्वास भरे लहजे में जवाब दिया जो पूरी तरह से सच नहीं लग रहा था। “अगर यह पूरी तरह से दुकान से बाहर, एक निजी चीज़ के रूप में चलाया जा रहा होता, तो ज़रूरी धन, समर्थन और कर्मचारियों तक पहुँच नहीं होती। किसी तरह इसका इंतज़ाम तो हो रहा है, लेकिन यह मौजूद है। मैं इस पर अपनी जान की बाजी लगा सकता हूँ।”
"तुमने किया है," जॉनी ने बिना किसी हंसी के उसे याद दिलाया।

"मुझे लगता है कि यह सही है।" लैंगली का वह आदमी अब बोलन की ओर मुड़ा। "हमने इस बारे में बात नहीं की है, और मुझे लगता है कि आप बात करना नहीं चाहेंगे, लेकिन साफ-साफ कहूँ तो, मुझे यह बात समझ नहीं आती कि आप अपने दोस्त की मदद के लिए अपने पैसों से आधी दुनिया का चक्कर क्यों लगा रहे हैं। समझदार लोग कहते हैं कि आप किसी न किसी तरह से जुड़े हुए हैं।" डेकार्ड ने इनकार की आशंका जताते हुए अपना हाथ ऊपर उठाया। "ध्यान रहे, मैं पूछ नहीं रहा हूँ। मुझे जानने की ज़रूरत नहीं है, और मैं जानना भी नहीं चाहता, ठीक है? मुझे इस बात से तसल्ली है कि आप कंपनी के साथ नहीं हैं, लेकिन अगर आपके लोगों का मेरे लोगों से कोई संबंध है... तो आप समझ ही रहे हैं ना मैं क्या कहना चाह रहा हूँ? मेरा मतलब है, ऐसा हो सकता है कि हम घर लौटें और पता चले कि हम सब बुरी तरह फंस गए हैं।"
बोलन इस बारे में सोचना भी नहीं चाहता था, इससे हाल ब्रोग्नोला और स्टोनी मैन फार्म की टीम के साथ उसके मतभेद की समस्या और भी बढ़ गई। उसने हर संभव तरीके से इस समस्या का मानसिक रूप से समाधान करने की कोशिश की, लेकिन फिर भी उसके मन में उठ रहे सवालों का कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। ब्रोग्नोला और बारबरा प्राइस ने इस मिशन में बुनियादी जानकारी देने के अलावा सहयोग करने से इनकार क्यों कर दिया था? फेडरल रिजर्व के बड़े अधिकारी ने बोलन से बार-बार इस मामले को छोड़ने और किसी और काम पर ध्यान देने की गुहार क्यों लगाई थी? अगर कुछ अनहोनी हो जाती और ब्रोग्नोला पाला बदल लेता, तो बोलन को क्या प्रतिक्रिया देनी चाहिए थी?
बोलन ने कभी किसी भरोसेमंद दोस्त की हत्या नहीं की थी, और उसने कसम खाई थी कि वह किसी भी परिस्थिति में किसी पुलिसवाले की हत्या नहीं करेगा। अगर ब्रोग्नोला भ्रष्ट निकला, किसी तरह से बेईमान निकला, तो वह इसके बारे में क्या कर सकता था?

उसे महसूस हुआ कि डेकार्ड उसे देख रहा है और जवाब का इंतज़ार कर रहा है। बोलन ने भौंहें चढ़ाते हुए जवाब दिया, "मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि बात इतनी आगे बढ़ गई है, इतनी गहरी हो गई है। अगर आपके वरिष्ठ अधिकारी समझौता कर चुके होते तो कंपनी में भगोड़ों की तलाश नहीं होती। मेरा मामला इससे बिल्कुल अलग है। मैं जो ज़रूरी होगा वो करूँगा, और बात यहीं खत्म करते हैं।"
"मैं तुम्हारी बात समझ गया," डेकार्ड ने कहा। "बस—" वह हिचकिचाया, अपने हाथों में पकड़ी पिस्तौल को घूरते हुए। "मैं यह सोचना चाहता हूँ कि अभी भी कुछ ऐसा बचा है जिसके लिए लड़ना सार्थक हो, जानते हो? कि यह सब कुछ सड़ी हुई गंदगी का ढेर नहीं है जिसमें केवल कुछ बुरे लोग हों।"

इनाम के लिए एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे थे। खैर, मुझे पता है ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन मैं चीजों को सही परिप्रेक्ष्य में रखने की कोशिश करता हूं। मुझे नहीं लगता कि जेएफके की हत्या की सौ अलग-अलग साजिशें रची गई थीं या प्लाजा में बीस अलग-अलग स्नाइपर मौजूद थे। क्या मेरी बात में कुछ समझदारी है?
बोलन ने जवाब दिया, "आप शायद यह सोचना चाहेंगे कि यह व्यवस्था विफल होने की तुलना में अधिक बार सफल होती है, और मेरा मानना है कि ऐसा ही है। जब तक काम पर इंसान हैं, तब तक आपको इंसानी समस्याओं से निपटना ही होगा—लालच, भय, घृणा, ईर्ष्या, पागलपन, और भी बहुत कुछ। कभी-कभी आपको कीटनाशक छिड़काव करना पड़ता है, लेकिन तिलचट्टों को भगाने के लिए आप घर को जला नहीं देते।" "ज़ाहिर है, तुम कभी मेरे अपार्टमेंट में नहीं आए हो," डेकार्ड ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, उसकी मुस्कान पूरी तरह से उभर नहीं पाई। उसने हार मान ली और कहा, "कभी-कभी तो ऐसा लगता है जैसे तिलचट्टों ने ही घर बनाया हो।"
"उनका इसमें हाथ था," जल्लाद ने जवाब दिया। "वे हमेशा से यहाँ रहे हैं, और तब तक रहेंगे जब तक मशीनें उनका स्थान नहीं ले लेतीं। फिर हमें इस बात की चिंता करनी पड़ेगी कि मशीनों को किसने डिज़ाइन और प्रोग्राम किया।"
"तुम मुझसे कह रहे हो कि यह कभी खत्म नहीं होगा।"
बोलन ने कहा, "अभी तक तो नहीं हुआ है। शायद यह एक तरह की सकारात्मक जीत है, ज़रा सोचिए। सब कुछ चलता रहता है। ज़िंदगी चलती रहती है।"
उन्होंने चुपचाप कहा, "कुछ लोगों के लिए। स्पष्ट बात को बताने की कोई आवश्यकता नहीं थी।"
"तो, आप एक सैनिक और दार्शनिक हैं," डेकार्ड ने इस बार मुस्कुराते हुए कहा। "यह कैसा चल रहा है?"
बोलन ने जवाब दिया, "एक सैनिक को उन सिद्धांतों को समझना चाहिए जिनके लिए वह लड़ रहा है। अगर आप किसी को हथियार की तरह आप पर निशाना साधने देते हैं, अपने सामने हिलने वाली हर चीज को गिराने देते हैं, तो आप एक ज़ॉम्बी के अलावा कुछ नहीं हैं। आपने अपनी मानवता को त्याग दिया है।"
"हालांकि, इससे चीजें सरल रहती हैं," डेकार्ड ने जवाब दिया।
"जब तक आप एक दिन समाधि की अवस्था से बाहर न आ जाएं और यह न सोचने लगें कि आपने क्या किया है।"
"पिछली बार जब मैंने जाँच की थी, तो सेना स्वतंत्रता के पक्षधर नहीं थी-"

इससे निचले स्तर पर सोच में बदलाव आया। एक नए रंगरूट के रूप में मुझे सबसे पहले यही बताया गया कि काम करने के तीन ही तरीके होते हैं—सही तरीका, गलत तरीका और सेना का तरीका।
"मैं अनुशासन की आलोचना नहीं करता," जल्लाद ने उत्तर दिया। "युद्ध में यह आवश्यक है। लेकिन सैन्य आचार संहिता यह भी मानती है कि एक समय ऐसा आता है जब सैनिकों को सीमा तय करनी पड़ती है। युद्ध अपराधों और अवैध आदेशों के बारे में तो आप जानते ही हैं। दुश्मन के ठिकाने पर हमला करने की इच्छा को त्याग देना और अत्याचारों में सहयोग करना, दोनों में अंतर है। अगर यही दर्शन है, तो शायद मेरे पास भी एक दर्शन है।"
"लेकिन जहाँ तक मैंने देखा है, आपको कानून की उतनी परवाह नहीं है," जासूस ने टिप्पणी की।

बोलन ने कहा, "कुछ अपराधी कानून से परे काम करते हैं। अगर मौका मिले तो उनसे पूछिए, उनमें से ज्यादातर खुद ही यह बात बता देंगे। वे अपने हिसाब से नियम बनाते हैं और संविधान या कानून की किताबों में क्या लिखा है, इसकी उन्हें कोई परवाह नहीं होती। इससे उन्हें कई मामलों में ऐसा फायदा मिलता है जिसे नियम भी मात नहीं दे सकते। मैं हर स्थिति का आकलन उसके विरोधियों और उद्देश्यों के आधार पर करता हूं। जब कानून के अक्षरशः पालन से काम नहीं चलता, तो मैं दूसरा रास्ता ढूंढ लेता हूं।"
"क्या इससे आपको कोई परेशानी नहीं होती?" डेकार्ड ने पूछा। "मेरा मतलब है, जाहिर है कि मुझे आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है। हम सब इसमें साथ हैं, चाहे सही हो या गलत... लेकिन कभी-कभी जब मैं किसी मिशन पर होता हूँ, भले ही उसमें कोई जोखिम भरा काम शामिल न हो, तो मुझे सोचना पड़ता है कि मुझमें और उन कमीनों में कोई फर्क है भी या नहीं जिनकी रक्षा करने का मेरा दायित्व है। क्या आपको कभी ऐसा महसूस होता है?"
बोलन ने बिना किसी झिझक के जवाब दिया, "बिल्कुल नहीं। अत्याचारी खुद ही दोषी हैं। मैं उनके नियमों का पालन करता हूँ, इसलिए उनके पास शिकायत करने का कोई आधार नहीं है, लेकिन मैं फिर भी अपने सिद्धांतों पर कायम हूँ। हमारे पास मौजूद हर संभव तरीके से अत्याचारों को रोकने का दायित्व है, चाहे वह बातचीत हो या सुनियोजित पूर्व-emptive strike।"
"क्या हम यही कर रहे थे?" डेकार्ड ने उससे पूछा। "सर्जरी?"
"यह हमेशा साफ-सुथरा नहीं होता," बोलन ने जवाब दिया। "लेकिन कभी-कभी, साफ-सफाई मायने नहीं रखती।"

"आपका मतलब है कि ऑपरेशन सफल रहा, लेकिन मरीज की मौत हो गई?"
"कुछ मरीजों को मरना ही पड़ता है," जॉनी ने अपनी ग्लॉक पिस्टल को कमर में रखते हुए कहा।
"आप लोगों में मरीजों के प्रति अच्छा व्यवहार है," डेकार्ड ने मुस्कुराते हुए कहा। "मैं यह बात मानता हूँ।"
"आपको वो HMO देखना चाहिए जिसके लिए हम काम करते हैं," जॉनी ने मुस्कुराते हुए मज़ाक किया। हालांकि, बोलन जॉनी के चेहरे के भाव से समझ गया कि वह किसी बात को लेकर चिंतित है, शायद सुज़ैन किंग के बारे में, जो स्विट्ज़रलैंड में उसका इंतज़ार कर रही है और अकेले घर नहीं जा सकती। डेकार्ड ने कहा, "अगर वे आवेदन स्वीकार कर रहे हैं तो मैं पंजीकरण करा सकता हूं।"
बोलन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, और जॉनी ने भी इसे नज़रअंदाज़ कर दिया। हो सकता है यह एक मज़ाक हो, लेकिन किसी भी तरह से, उसने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया जिससे डेकर्ड स्टोनी मैन की ओर वापस लौट सके।
जहां तक उसे पता था, यह सब खत्म होने के बाद शायद वह फार्म अस्तित्व में ही न रहे।
रुरिक पाव्लुश्का को गोर्की पार्क में घूमना बिल्कुल पसंद नहीं था। शर्मिंदगी की बात तो दूर, उन्हें कोई शर्मिंदगी महसूस ही नहीं होती थी। उनके विचार में, समलैंगिकता का दिखावा करने में उतना ही कलंक था जितना मॉस्को में हथियार, ड्रग्स या किसी भी तरह की तस्करी का ढोंग करने में। ऐसा नहीं था कि आधुनिक रूस में समलैंगिक होना अपराध था; सोवियत शासन के समलैंगिकता को "पतित" और "क्रांति-विरोधी" मानने वाले दमनकारी कानून को लगभग एक दशक पहले ही निरस्त कर दिया गया था, लेकिन पुरानी आदतें आसानी से

नहीं छूटतीं, और मॉस्को का समलैंगिक समुदाय अभी भी काफी हद तक "छिपा हुआ" था, उस पूर्वाग्रह के कारण जो खुलेआम समलैंगिकों के खिलाफ नौकरी छीनने से लेकर शारीरिक हमले तक के रूप में पलटवार कर सकता था।
संयोगवश, लगभग तीन-चौथाई सदी तक अंधेरे में रहने के कारण समलैंगिक एक प्रकार से अपराधी बन गए थे और उन्हें कुछ विशेष सूचनाओं और संपर्कों के बारे में जानकारी हो गई थी।
आज रात गोर्की पार्क में पावलुश्का को मिलना था।

एलेक्सी नाम का एक ड्रैग क्वीन, जो दिन भर स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए काम करता था और रातें एक ऐसी दुनिया की खोज में बिताता था जिसे ज़्यादातर मॉस्कोवासी कभी देख भी नहीं पाते थे। विभिन्न मादक पदार्थों की प्रयोगशालाओं और ऑपरेशनों के बारे में सुराग देने में एलेक्सी विशेष रूप से उपयोगी था, क्योंकि उसका मंत्रालय न्याय मंत्रालय के साथ मिलकर मादक पदार्थों की लत पर अंकुश लगाने की ज़िम्मेदारी साझा करता था। किसी अजीबोगरीब कानून के तहत, जो शायद पश्चिम से लिया गया था, जहाँ शराब, तंबाकू और आग्नेयास्त्र जैसे विविध विषयों को एक ही एजेंसी के नियंत्रण में रखा गया था, स्वास्थ्य मंत्रालय को कुछ हथियार उल्लंघनों और विभिन्न दुर्घटनाओं, जिनमें परमाणु दुर्घटनाएँ भी शामिल थीं, पर आंशिक अधिकार क्षेत्र प्राप्त था। पावलुश्का को यह बात समझ में आती थी—ठीक है, जितना मॉस्को में कुछ भी समझ में आता था—इस सिद्धांत पर कि गोली लगना, हथगोले से उड़ जाना या विकिरण के संपर्क में आना जो शरीर को अंदर से सड़ा देता है, स्वास्थ्य के लिए हानिकारक था।
रुरिक पाव्लुश्का गोर्की पार्क में रात के समय घूमने के लिए कोई खास पोशाक नहीं पहनते थे। हालाँकि मॉस्को में भी कई ऐसे लोग थे जो खुलेआम कपड़े पहनते थे, लेकिन वे ज़्यादातर निजी तौर पर या कुछ चुनिंदा नाइट क्लबों में ही ऐसा करते थे जिनका विज्ञापन बहुत कम होता था। एलेक्सी जैसे क्रॉस-ड्रेसर, जो सार्वजनिक रूप से महिलाओं के कपड़े पहनकर घूमते थे, आमतौर पर रूढ़िवादी होते थे और अपने साथी मॉस्कोवासियों के बीच घुलमिल जाने की कोशिश करते थे, न कि पंख, सीक्वेंस या डरावनी विग पहनने की। पाव्लुश्का ने उदास अंधेरे में चलते हुए सोचा कि उनमें से ज़्यादातर लोग इसमें काफी हद तक सफल भी हो जाते थे। कुल मिलाकर, वे दिखने में उन महिला एथलीटों से ज़्यादा स्त्रीत्वपूर्ण होते थे जिन्हें मॉस्को ने ओलंपिक खेलों में भेजा था या उन गृहिणियों से जो किराने की दुकानों पर लंबी कतारों में खड़ी मिलती थीं।
गोरकी पार्क मोस्कवा नदी के किनारे लगभग तीन सौ एकड़ में फैला हुआ था। यह न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क के आकार का लगभग एक तिहाई था और इसमें समान सुविधाएं थीं: पैदल यात्रा के रास्ते, कृत्रिम झीलें, दस हजार लोगों की बैठने की क्षमता वाला एक खुला थिएटर। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि रात में यह न्यूयॉर्क में स्थित अपने बड़े समकक्ष पार्क जैसी ही शहरी समस्याओं से ग्रस्त हो जाता था - पर्स छीनने वाले, लुटेरे, बलात्कारी, इलाके पर कब्ज़ा करने के लिए आपस में भिड़ने वाले गिरोह, नशेड़ी और उनके तस्कर, वेश्याएं और उनके दलाल।

पावलुश्का को पार्क से डर नहीं लगता था, जैसा कि कई मॉस्कोवासियों को लगता था, जिनमें कुछ पुलिसकर्मी भी शामिल थे जिन्हें वह नाम से जानता था। उसे

इतना आत्मविश्वास था कि वह जानता था कि किसी भी सामान्य टकराव में, चाहे वह आमने-सामने का हो या दो लोगों के बीच का, वह जीत जाएगा, बशर्ते उसमें आग्नेयास्त्र शामिल न हों। अगर दुश्मन उससे कहीं ज़्यादा संख्या में होते, तो पावलुश्का में इतनी समझदारी भी थी कि वह भाग जाता और किसी और दिन लड़ने के लिए ज़िंदा रहता।
हमेशा की तरह, उस रात भी उसके पास हथियार थे, लेकिन बंदूकें नहीं। क्लब ज़ीरो से बाउंसर से छीनी गई पिस्तौल उसने निकलते समय कहीं फेंक दी थी, चलती कार से घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर। पुलिस को शायद वह मिल जाए, लेकिन उस पर पाव्लुश्का के फिंगरप्रिंट नहीं मिलेंगे; ज़्यादा संभावना यही है कि कोई गली का गुंडा आकर हथियार पर अपना दावा करेगा, और अगर बाद में वह उसके साथ पकड़ा गया और बैलिस्टिक परीक्षण किए गए तो उसे करारा झटका लगेगा। पाव्लुष्का के पास उसका पसंदीदा बैलिसॉन्ग और एक सीधा रेज़र था, जिसे वह अपनी जैकेट की बाईं जेब में रखता था। वह दोनों हाथों से काम करने में माहिर था और दोनों ब्लेडों को एक साथ घातक प्रभाव से चला सकता था, या वह किसी भी परिस्थिति के अनुसार अपनी ज़रूरत के हिसाब से एक ब्लेड चुन सकता था। अगर किसी तरह उसके दोनों हथियार खो जाते, तो उसके पास एक और हथियार होता, जो एक खतरनाक दोधारी खंजर था और पाव्लुष्का की बेल्ट के बकल का भी काम करता था। वह खुद को एक अमेरिकी बॉय स्काउट की तरह महसूस करता था, जो हमेशा तैयार रहता था।
जब पाव्लुष्का अंधेरे में पार्क की तीन कृत्रिम झीलों में से सबसे बड़ी झील की ओर बढ़ रहा था, तो कभी-कभी पुरुष वेश्याएं उसे रिझाने की कोशिश करती थीं, लेकिन वह बारी-बारी से सिर हिलाकर और धीमी आवाज़ में "नहीं" कहकर उन्हें मना कर देता था। उनसे उसे कोई खतरा नहीं था और वे इस अस्वीकृति को सहजता से स्वीकार कर लेते थे, क्योंकि वे अच्छी तरह जानते थे कि रात खत्म होने से पहले दूसरे ग्राहक आ जाएंगे।
रूसी को उम्मीद थी कि आज रात उसे दोबारा किसी को मारना नहीं पड़ेगा। नैतिक दृष्टि से उसे इससे कोई परेशानी नहीं थी, खासकर तब जब उसने जिन लोगों को मारा था वे खुद हिंसक अपराधी थे, लेकिन अचानक मौत लगभग हमेशा असुविधाजनक होती है, और पाव्लुश्का की योजना कुछ और ही थी। उसे जानकारी चाहिए थी, खून नहीं। अगर किस्मत अच्छी रही तो वह बिना खून बहाए भी जानकारी हासिल कर सकता था।

जहां तक इस बात का सवाल है कि तीनों अमेरिकी उसके द्वारा प्राप्त जानकारी का क्या करेंगे, और मॉस्को में उनका काम खत्म होने से पहले पावलुश्का को खुद क्या करना होगा, इस बारे में वह केवल अनुमान ही लगा सकता था। अगर क्लब ज़ीरो पर छापा आने वाली घटनाओं का एक पूर्वावलोकन था, तो वह जानता था कि इसमें शामिल सभी लोगों के लिए खून-खराबा होने वाला था।
रुरिक पाव्लुश्का को बस यही उम्मीद थी कि इनमें से कुछ भी उसका न हो। हमेशा की तरह, उसने एलेक्सी को झील के किनारे सैर करते हुए पाया। एलेक्सी ने उसे आते देखा और घास पर उछलते हुए उससे मिलने के लिए दौड़ा, उसकी चाल बिल्कुल स्त्री जैसी थी। उसका मेकअप हल्का था, उसने स्टाइलिश पेजबॉय विग पहनी हुई थी, और लुटेरे को आकर्षित करने के लिए उसने कोई भड़कीला गहना नहीं पहना था।
"रूरिक!" हर बार जब वे मिलते थे, तो उनमें कितना उत्साह होता था। लगता है यह सब पैसों का कमाल था। "तुम्हें देखकर बहुत अच्छा लगा!"

एलेक्सी ने उसका बायां हाथ थाम लिया, क्योंकि पाव्लुश्का ने उसे पहले ही चेतावनी दी थी कि उसे अपना दायां हाथ खाली रखना चाहिए। अगर कोई ध्यान से न देखे तो इस तरह वे एक जोड़े की तरह लग रहे थे, और पाव्लुश्का को इस संपर्क से अपनी मर्दानगी पर कोई खतरा महसूस नहीं हुआ। यह उसके लिए उतना ही सामान्य था जितना कि उसके पेशे में इस्तेमाल किए जाने वाले कोई भी झूठे नाम या कभी-कभार अपनाए जाने वाला भेस।
"तुम्हें मुझसे कुछ कहना है?" पाव्लुष्का ने बिना पूछे कहा। वह पहले से ही इतना जानता था, क्योंकि एलेक्सी ने फोन पर ऐसा कहा था।
"आपने वैलेरिक के बारे में पूछा था, है ना?"
"बिल्कुल सही।" वही घिसा-पिटा नाटक, मानो उन्होंने यह दृश्य दर्जनों बार न दोहराया हो।
"यह थोड़ा असामान्य है," एलेक्सी ने कहा। "आप शायद ऐसी उम्मीद नहीं करेंगे।"
"मैंने अब कुछ भी उम्मीद करना छोड़ दिया है," पाव्लुश्का ने उससे कहा। वह जानकारी के लिए गिड़गिड़ाने वाला नहीं था, लेकिन अगर वह ट्रांसजेंडर खेल खेलने लगा, तो वह एलेक्सी के पतले हाथ को दर्दनाक तरीके से दबाकर आगे बढ़ने के लिए तैयार था।
"इस बार ड्रग्स नहीं हैं," एलेक्सी ने कहा। "मुझे लगा था कि पिछली बार की तरह तुम शायद ड्रग्स लैब की उम्मीद कर रहे होगे।"
"कुछ भी चलेगा," पाव्लुश्का ने जवाब दिया, अभी भी सहज भाव से, लेकिन थोड़ा संकोच के साथ-

अब उसकी बाईं बांह की मांसपेशियों में तनाव बढ़ रहा था, वह निर्णायक प्रहार के लिए तैयार हो रहा था।
"आप समझते हैं कि मुझे नहीं पता कि यह लेख किसके लिए है, वह इससे क्या करना चाहता है?"
"शुरू से बताइए, एलेक्सी।"
"मैं बस घबराया हुआ हूँ। आप जानते ही हैं कि कैसा लगता है।"
"तो बेहतर होगा कि इसे जल्दी से निपटा लिया जाए।"
तुम मुझसे दूर जाना चाहते हो।
"मेरे पास करने के लिए बहुत काम है।" पाव्लुश्का ने अपनी बढ़ती झुंझलाहट को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया। "तुम्हें अपना पैसा चाहिए, मुझे जानकारी चाहिए। मेरे पास खेल खेलने का समय नहीं है।"
"हो सकता है कि हम सभी के पास समय कम होता जा रहा हो।"
भगवान के लिए, बोल दो!
एलेक्सी ने मुंह बनाया, मानो उसने यह वाक्यांश पहले भी कहीं अधिक अप्रिय परिस्थितियों में सुना हो। तो फिर, उसे ध्यान केंद्रित करने के लिए यही बेहतर है।
"जैसी आपकी इच्छा," उसने नाक सिकोड़ते हुए कहा। "मुझे बताया गया है कि वैलेरिक ने किसी तरह का बम हासिल कर लिया है। मेरा मतलब है, परमाणु बम। महान पतन के बाद से यह कोई अनसुनी बात नहीं है, आप जानते हैं।"
मैंने सुना है। क्या आपको पता है कि वह इस उपकरण का क्या करने वाला है? "वह व्यापार के अलावा और क्या करता है? मेरा मतलब है, वह आतंकवादी तो नहीं है। वैलेरिक एक व्यवसायी है। मुझे चिंता इस बात की है कि वह उस चीज़ को किसे बेचता है।"

"ग्राहक कौन है?" पाव्लुष्का ने पूछा।
"मुझे बिलकुल भी पता नहीं, कसम से," एलेक्सी ने कहा। "मुझे बम के बारे में सिर्फ इसलिए पता है क्योंकि मेरा एक खास दोस्त है जो... चलिए, किसी दूसरे मंत्रालय से जुड़ा हुआ है।"
पावलुश्का ने सोचा, शायद न्याय विभाग या खुफिया विभाग से ही होगा, हालांकि उसे इसमें कोई खास दिलचस्पी नहीं थी। अगर एलेक्सी के सूत्र के पास बताने के लिए और कोई जानकारी नहीं थी, तो उसके लिए उसका कोई महत्व नहीं था।
"इस बम के बारे में..."
"हो सकता है कि वह कोई युद्धक सामग्री रही हो, अगर इससे कोई फर्क पड़ता है," एलेक्सी ने कहा। "खैर, मेरे पास कोई विस्तृत जानकारी नहीं है। यह महज़ एक अफवाह हो सकती है, लेकिन मेरा दोस्त तो पूरी तरह आश्वस्त था।"

"वैलेरिक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है, है ना?"
एलेक्सी ने कंधे उचकाते हुए कहा, "गिरफ्तारी के लिए कोई सबूत नहीं है। इससे पुराने दिन याद आ जाते हैं, है ना?"
पाव्लुष्का ने सोचा, "ऐसा बिल्कुल नहीं है। अगर बम या उसके वारहेड का कोई विवरण नहीं होता, तो मुझे नहीं लगता कि आपको उसके आकार के बारे में पता होता।"
"ओह, आकार," एलेक्सी ने कहा और अपने खाली हाथ को चेहरे के सामने हवा में लहराया। "इसे ज़रूरत से ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है, क्या आपको नहीं लगता? लेकिन हाँ, अगर मैं गलत नहीं हूँ तो सूटकेस का ज़िक्र हुआ था। मेरे ख्याल से इससे यह काफ़ी छोटा हो जाएगा।"
"तुम आकार के बारे में सही कह रहे हो, एलेक्सी," पावलुश्का ने कहा। "इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता।"
कम से कम परमाणु हथियारों से तो नहीं। एक सूटकेस परमाणु बम भी पृथ्वी पर किसी भी बड़े शहर के केंद्र को आसानी से नष्ट कर सकता है।
"ये लो तुम्हारे पैसे," पाव्लुष्का ने अपना हाथ छुड़ाते हुए नोटों का बंडल हथेली में रखते हुए कहा। "हम सैर पर फिर मिलेंगे, ठीक है?"
जॉनी कोने में दीवार से पीठ टिकाकर बैठा था, तभी डेकार्ड ने पाव्लुश्का की दस्तक का जवाब दिया और रूसी को अंदर आने दिया। उसके आदमी ने पहले ही फोन करके बता दिया था कि वह आ रहा है, और रूसी को एक सच्चा सहयोगी मानने की ओर झुकाव होने के बावजूद, जॉनी सतर्क रहा। मॉस्को उसके लिए बहुत अजीब और पराया था, उनके प्रवास के दौरान आराम करने के बारे में सोचना भी उसके लिए असंभव था।
रूसी व्यक्ति चिंतित दिख रहा था, जिससे जॉनी घबरा गया। वह उस आदमी को मुश्किल से जानता था, लेकिन अपनी संक्षिप्त मुलाकात के दौरान पाव्लुश्का ने उसे शांत स्वभाव का दिखाया था, खासकर जब उसने क्लब ज़ीरो में दो गोरिल्लाओं को चाकू मारा था। उस हमले के बाद से वह नए लक्ष्यों के बारे में जानकारी जुटा रहा था, और उसके चेहरे के गंभीर भाव को देखकर जॉनी को लगा कि वह कोई बुरी खबर सुनाने वाला है।
रूसी व्यक्ति ने अपने कोट के नीचे से एक बोतल निकाली और उसे सबको दिखाया, लेकिन किसी ने नहीं लिया। फिर उसने खुद एक घूंट पी लिया। इस तरह तरोताज़ा होकर वह एक कोने में बैठ गया।

"कुछ खास नहीं," पावलुश्का ने कहा। "मेरा मानना है कि यह हाल ही में खरीदा गया सामान है, क्योंकि इसे अभी तक बेचा नहीं गया है। ऐसे सामान को लंबे समय तक अपने पास नहीं रखा जाता, क्योंकि इसमें बहुत सारे जोखिम शामिल होते हैं।"
"क्या आपको यकीन है कि उसने इसे अभी तक नहीं हटाया है?" बोलन ने पूछा। रूसी ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैं केवल वही जानकारी दे रहा हूँ जो मेरे स्रोत ने मुझे दी है। जहाँ तक वस्तु के प्रत्यक्ष ज्ञान की बात है, मेरे पास कोई जानकारी नहीं है।"
"ठीक है," डेकार्ड ने कहा, "लेकिन क्या आपको लगता है कि अगर उसके पास यह एक या दो सप्ताह से ज़्यादा समय तक होता तो वह इसे हटा देता?"
रूसी ने जवाब दिया, "मुझे लगता है, बहुत कम।" "इस तरह के उपकरणों की तस्करी की सज़ा राजद्रोह के बराबर है। इसका मतलब है मौत, जिसके खिलाफ अपील की कोई गुंजाइश नहीं है। बेशक, टोल्या के सरकार में दोस्त हैं, लेकिन अगर उसे इस आरोप में दोषी ठहराया जाता है, तो उनमें से कोई भी उसकी मदद नहीं करेगा।" "तो, आप कह रहे हैं कि वह इसे तुरंत बेच देगा।"
"मुझे बताया गया है कि ऐसे लेन-देन में पहले से व्यवस्था करना प्रथा है, लेकिन हस्तांतरण के विवरण तय होने तक माल की डिलीवरी नहीं ली जाती। बिल्कुल..." रूसी व्यक्ति हिचकिचाया और मन ही मन भौंहें सिकोड़ीं।
"आगे बढ़ो," डेकार्ड ने आग्रह किया।
"मुझे लगता है कि जानकारी स्रोत तक देर से पहुंची होगी," पाव्लुष्का ने जवाब दिया। "उसका वैलेरिक के परिवार से कोई संबंध नहीं है, बल्कि सरकार के एक मंत्रालय से है।

किसी परमाणु समझौते के घटित हो जाने के बाद ही उसके बारे में पता चलना कोई असामान्य बात नहीं होगी।"
"तो, हो सकता है कि बहुत देर हो चुकी हो," डेकार्ड ने कहा।
रूसी व्यक्ति ने कहा, "शायद बिक्री के लिए।" "लेकिन अगर आप वैलेरिक के ग्राहक को जानते हैं, तो शायद पैकेज को रोकना ठीक नहीं होगा।"
"शायद हम करते हैं," बोलन ने कहा, और तीन चेहरे उसकी ओर घूम गए।
"क्या आप क्रेस्त्यानोव के बारे में सोच रहे हैं?" डेकार्ड ने पूछा। "यही वह नाम है जो मेरे दिमाग में आता है।"
"वह निश्चित रूप से वैलेरिक के साथ व्यापार कर रहा है," जॉनी ने कहा। "तुमने खुद ही यह बात पक्की कर ली है। इसके अलावा, हमारे पास और कौन-कौन से संदिग्ध हैं?"
"ठीक है, मान लेते हैं," डेकार्ड ने कहा। "क्रेस्त्यानोव का उद्देश्य क्या है? इसका अमेरिका में उनकी किसी भी कार्रवाई से क्या संबंध है?"
बोलन ने कहा, "हम एक साझा कड़ी ढूंढ रहे हैं। कंपनी के भ्रष्ट ऑपरेटरों को रूसी सिंडिकेट के सदस्यों से—या उससे भी खास तौर पर, पूर्व केजीबी से— जोड़ने वाली बात है? मान लीजिए कि वैलेरिक एक आम आदमी है, एक ऐसा सहायक जो संदिग्ध गतिविधियों में अपनी काबिलियत के लिए जाना जाता है। उसके व्यापक लक्ष्यों को नज़रअंदाज़ कर दीजिए। क्रेस्त्यानोव और अपने भ्रष्ट एजेंटों पर ध्यान केंद्रित कीजिए।"
"क्या तुम मुझे कोई संकेत देना चाहते हो?" डेकार्ड ने पूछा।
बोलन ने कहा, "अगर आप इसे संक्षेप में देखें, तो मुझे उनमें केवल एक ही बात समान नजर आती है।"

यह विचार जॉनी के मन में अचानक आया। उसने कहा, "पुरानी यादें।"
"फिर से कहिए?" डेकार्ड के चेहरे पर दिख रही शिकन लगभग हास्यास्पद थी। बोलान ने कहा, "केजीबी के पतन के बाद क्रेस्त्यानोव को निकाल दिया गया। निजी जीवन में, आर्थिक रूप से, उनकी स्थिति ठीक-ठाक है, लेकिन वे कट्टरपंथी हैं, है ना? ऐसे कट्टरपंथी को भाड़े का सैनिक बनाना और उसके विचारों को बदलना मुश्किल है।"
"और आप क्या सोच रहे हैं...?"
"शायद कंपनी में भी किसी को ऐसा ही लगता हो," जॉनी ने कहा। "शायद उन्हें पुराने बुरे दिन याद आते हों, जब वे दुष्ट साम्राज्य का इस्तेमाल करके धन की मंजूरी हासिल कर लेते थे, खूब पैसा कमा लेते थे।"

मैदान में हर तरह के ऑपरेशन के लिए रोशनी। मान लीजिए कि वे समय को पीछे ले जाने की योजना बना रहे हैं!
लैंगली के उस आदमी ने पलकें झपकाईं। उसने कहा, "उन्हें कोई ऐसी घटना चाहिए होगी जिससे वे भड़क उठें।"
बोलन ने कहा, "संभवतः एक से अधिक होंगे, लेकिन उन्हें कहीं न कहीं से शुरुआत करनी होगी।"
"क्या आपका मतलब अमेरिका से है?"
बोलन ने इस पर कंधे उचका दिए। उन्होंने कहा, "हमारे पास उस तरह की कॉल का डेटा नहीं है। मेरा अनुमान है कि इसे कारगर बनाने के लिए उन्हें कई घटनाओं की ज़रूरत होगी।"
"या शायद नहीं," जॉनी ने लगभग कांपते हुए जवाब दिया क्योंकि चीजें धीरे- धीरे स्पष्ट होने लगीं।
"यह कैसा रहा?"
रूस में कम्युनिस्ट शासन की बहाली ही वाशिंगटन में शीत युद्ध की वापसी के लिए काफी होगी। संसद में एक ऐसा गुट है जो मानता है कि मौजूदा हालात में यह कभी खत्म ही नहीं हुआ था। अगर कम्युनिस्टों को क्रेमलिन में वापस लाया गया, तो एक प्रतिक्रियावादी समूह कांग्रेस में अपनी जरूरत के सारे वोट झट से हासिल कर लेगा। आप सुलह के मंच पर राष्ट्रपति या किसी अन्य पद के लिए चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। समय के उलटफेर की बात करें तो, आप 1962 में वापस चले जाएंगे, हवाना में मिसाइलों को छोड़कर बाकी सब कुछ वैसा ही होगा। "तुम अभी जो सोच रहे हो, उससे एक भयानक विश्व युद्ध शुरू हो सकता है," डेकार्ड ने कहा।
बोलन ने कहा, "अगर सब कुछ पहले से तय होता और हर कोई स्क्रिप्ट के हिसाब से चलता, तो ऐसा नहीं होता। तब धमकियां भड़कतीं, शायद हथियारों की होड़ मच जाती, लेकिन ये लोग कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। अगर सबको हरा दिया जाए तो समय को पीछे करने का क्या फायदा? इस तरह के खेल में कोई नहीं जीतता। लेकिन अगर वे शुरुआत में ही कड़ा रुख अपनाते हैं और बात बराबरी पर आकर रुकती है, तो यह सबके लिए फायदेमंद होता है।"
"लेकिन सबसे पहले, उन्हें उस घटना की ज़रूरत है जो इस घटना को जन्म दे," जॉनी ने कहा।
"सही।"
तो, हमें बस परमाणु बम और/या टैन ढूंढना है।

और यह भी सुनिश्चित करना कि कोई फ्यूज न जलाए?” डेकार्ड ने पूछा। “अरे यार, मुझे लगा था कि यह काम मुश्किल होगा।”
"हमारे पास शुरुआत करने के लिए एक जगह है," बोलन ने कहा, और जॉनी को अपने भाई के बोलने से पहले ही नाम पता था। "क्रेस्त्यानोव।"

बारबरा प्राइस के निजी कमरे में लगा इंटरकॉम, आवाज आने से पहले हमेशा एक हल्की सी धातुई क्लिक की आवाज़ करता था, जिससे उन्हें सचेत होने और ध्यान केंद्रित करने का समय मिल जाता था। जब भी आरोन कर्ट्ज़मैन या कोई और उन्हें उनके कमरे में फोन करता था, तो लगभग हमेशा काम से जुड़ी कोई बात होती थी, जहाँ वे बस अकेले रहने के लिए जाती थीं। यह किसी यांत्रिक खराबी या समय-सारणी में गड़बड़ी से लेकर वाशिंगटन में बैठे हैल ब्रोग्नोला की ओर से किसी गंभीर चेतावनी तक कुछ भी हो सकता था।
वह अप्रत्याशित घटनाओं की आदी थी, लेकिन ड्यूटी पर तैनात अधिकारी को यह कहते हुए सुनकर उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा, "सुश्री प्राइस, हमें लाइन तीन पर स्ट्राइकर का फोन आया है। पहचान की पुष्टि हो गई है, महोदया। वह आपके अलावा किसी और से बात नहीं करेगा।"
"मैं रास्ते में हूँ," उसने दीवार पर लगे स्पीकर को बताया, और अपनी जंपसूट की ज़िप को ऊपर खींच लिया, जिसे उसने आराम के लिए कमर तक नीचे कर लिया था, ताकि कोई उसे घूरती नज़र न देखे। स्टोनी मैन फ़ार्म में निजी कमरों में टेलीफ़ोन नहीं थे, क्योंकि हर कमरा इंटरकॉम से जुड़ा हुआ था। बाहरी दुनिया से संचार फ़ार्म की कंप्यूटर लैब में मॉडेम के ज़रिए होता था; छत और आँगन में लगे डिश एंटीना के ज़रिए सैटेलाइट से; सैकड़ों चैनलों में से किसी एक पर रेडियो से; और विभिन्न कार्यालयों और सम्मेलन कक्षों से टेलीफ़ोन द्वारा। सभी लैंडलाइन कॉल एक केंद्रीय स्विचबोर्ड से होकर गुज़रती थीं, जिससे सैद्धांतिक रूप से डेटा लीक होने का जोखिम कम हो जाता था, और कॉल रिकॉर्ड की जाती थीं, भविष्य के संदर्भ के लिए संग्रहीत की जाती थीं, और केवल ब्रोग्नोला के सीधे आदेश पर या जब कम से कम कुछ अधिकारी इस बात पर सहमत होते थे कि टेप की अब आवश्यकता नहीं है, तभी उन्हें हटाया जाता था।

सुरक्षा कारणों से। उस समय, उन्हें चुंबकीय रूप से मिटा दिया जाएगा और फिर स्विचबोर्ड पर रीसायकल कर दिया जाएगा।
अभी बर्बाद करोगे तो भविष्य में नहीं मिलेगा।
प्राइस को यह मानने का कोई कारण नहीं था कि स्ट्राइकर नाम के व्यक्ति के साथ उसकी बातचीत कोई सुन रहा होगा, हालांकि फार्म में आने वाली सभी कॉलों की ऑटोमैटिक ट्रैकिंग होती थी। उस व्यक्ति का आखिरी पुष्ट स्थान बर्लिन था, लेकिन प्राइस को लग रहा था कि वह पूर्व की ओर बढ़ रहा होगा। वह

ट्रैकिंग के नतीजों का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी, यह देखने के लिए कि उसका अनुमान सही है या नहीं।
अपने क्वार्टर के सबसे नज़दीकी कार्यालय में, मिशन कंट्रोलर ने एक सादे काले टेलीफोन का रिसीवर उठाया और नंबर तीन का रोशन बटन दबाया। *'हैलो?' "मुझे यह जानना है कि आप किस पक्ष में हैं," उसने औपचारिकता लिए बिना, शिष्टाचार की परवाह किए बिना कहा।
"क्या तुम्हें मुझसे यह पूछना ही पड़ेगा?" इससे उसे गुस्सा तो आया लेकिन दुख भी हुआ।
उन्होंने कहा, "इन दिनों, ठंड और बाकी सब बातों को देखते हुए, मुझे लगता है कि मैं ऐसा कर सकता हूँ।"
"तो फिर, तुम भाड़ में जाओ," उसने जवाब दिया। "मैं वहीं हूँ जहाँ मैं हमेशा से रही हूँ।"
बोलन ने कहा, "मैंने आपसे नौकरी का विवरण नहीं मांगा था।"
"अभी सुने-"
"नहीं, तुम सुनो," उसने उसे बीच में रोकते हुए कहा। "इस मामले की शुरुआत से ही हैल मुझे रोकने की कोशिश कर रहा था, और जब यह नाकाम रहा तो उसने मुझसे पूरी तरह से नाता तोड़ लिया। तुमने उसे कम जानकारी देने के खेल में मदद की। क्या तुम इससे इनकार करना चाहती हो?"
प्राइस हिचकिचाई, उसके गालों में जलन महसूस हुई और उसे लगा कि वह झूठ नहीं बोलना चाहती। "मैं इससे इनकार नहीं कर रही," उसने कहा।
"तो, क्या योजना है? हमारे पास खिलाड़ियों की कमी हो रही है। मुझे जानना जरूरी है।"
वह एक पल के लिए हिचकिचाई, उसे लगा कि कीमती समय उसके हाथों से फिसल रहा है, शायद यह आखिरी मौका था। "सच कहूँ तो मुझे नहीं पता," उसने अंत में कहा। "मैंने उससे पूछा कि क्या चल रहा है, और मुझे राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में अस्पष्ट बातें ही सुनने को मिलीं।" उसने सोचा कि टेप में उनकी हर बात रिकॉर्ड हो रही है। भाड़ में जाए। "ऐसा नहीं है कि वह डरा हुआ है, बल्कि..."

ऐसा लगता है जैसे वह अपने कंधों पर सामान्य से दुगुना भार ढो रहा हो और उसे नीचे नहीं रख सकता, किसी के साथ साझा नहीं कर सकता।
4 “हालात और भी बदतर होने वाले हैं,” बोलन ने उससे कहा। उसकी आवाज़ साफ़ और दमदार थी, मानो वह दुनिया के दूसरे छोर से नहीं, बल्कि बगल वाले कमरे के एक्सटेंशन से फ़ोन कर रहा हो। “तुम कितना जानना चाहती हो?”
"मुझे सब कुछ चाहिए," उसने बिना किसी झिझक के जवाब दिया। "मैं इस पर अमल कर पाऊंगी या नहीं, यह तो अलग बात है। लेकिन मैं जानना चाहती हूं।"
"ठीक है," उसने कहा और उसे सारी बात विस्तार से बताई। "टोल्या वैलेरिक हथियारों का धंधा करता है, साथ ही ड्रग्स, सेक्स और इस धंधे में शामिल अन्य सभी चीजों का भी।"
"मैंने इसे स्वाभाविक मान लिया था," प्राइस ने कहा।
"नीलामी में बिकने वाली उनकी नवीनतम वस्तु एक प्रकार का परमाणु बम है। वे इसे 'वॉरहेड' कह रहे हैं, लेकिन यह स्पष्ट रूप से पोर्टेबल है। मेरी जानकारी के अनुसार, यह आपके साधारण सूटकेस में भी समा सकता है।"
"वे बाहर हैं," प्राइस ने उससे कहा, जो इस बात को वर्षों से जानता था, फिर भी अचानक आई सिहरन को दबा नहीं सका। "अगर हमें ग्राहक का पता हो और यह पता हो कि माल कहाँ जा रहा है, तो यह कहीं अधिक उपयोगी होगा।"

"मुझे पता है कि कौन है, लेकिन कहां है, यह अभी भी तय नहीं है।"
"मैं सुन रही हूँ," उसने अपनी याददाश्त पर भरोसा करते हुए कहा, और अपनी कोहनी से कुछ इंच की दूरी पर रखे कलमों से भरे कॉफी मग को नजरअंदाज कर दिया।
"क्या तुम इसे रिकॉर्ड कर रहे हो?" उसने पूछा, हालांकि उसे जवाब पहले से ही पता था।
"बिल्कुल।" झूठ बोलने का कोई फायदा नहीं था, क्योंकि वह फार्म की सुरक्षा व्यवस्था को अच्छी तरह जानता था।
"ठीक है। खरीदार वासिली क्रेस्त्यानोव नाम का एक रूसी है। वह पूर्व केजीबी अधिकारी, कर्नल है, जिसे शीतयुद्ध के पतन के बाद जबरन सेवानिवृत्त कर दिया गया था। तब से वह निजी क्षेत्र में काम कर रहा है, लेकिन ऐसी अफवाह है कि सरकार में उसके अभी भी शक्तिशाली संपर्क हैं, ऐसे सक्रिय लोग जो शीतयुद्ध के और भी बुरे होने पर भी अगले सौ वर्षों तक इसे दोहराने में कोई आपत्ति नहीं करेंगे।"
"मिस्टर केजीबी को पॉकेट न्यूक्लियर बम से क्या चाहिए?" उसने पूछा। "कोमिटेट के लिए उनका विशेष कार्यक्षेत्र आतंकवाद था।"

वह आतंकवाद विरोधी और खुफिया जानकारी से संबंधित मामलों में विशेषज्ञ हैं। उन्होंने पहले भी सरकारों को गिराने की कोशिश की है और हो सकता है कि वे इसमें सफल भी हो गए हों, मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है।
"क्या आपके मन में कोई खास सरकार है?" उसने पूछा, उसे बातचीत की दिशा पसंद नहीं आ रही थी।
"बुरी खबर ये है।"
"और मुझे लगता है कि बाकी सब अच्छा था?" उसने उसे बीच में ही रोकते हुए कहा। बोलन ने उसकी बात अनसुनी करते हुए आगे कहा, "तुम जानती हो कि हम कंपनी और वैलेरिक परिवार के बीच संबंध स्थापित करने पर काम कर रहे हैं।"
पहली बार, हमने प्राइस को अलग रखा, और यह जानकर उसे ऐसा लगा जैसे किसी ने उसके चेहरे पर ज़ोरदार थप्पड़ मारा हो। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और कहा, "मुझे पता है।"
"ठीक है," उसने कहा, मानो उसे अपने किए हुए ज़ख्म का एहसास ही न हो। "अब हमें पता चल गया है कि ये खेल वासिली क्रेस्त्यानोव के साथ तीन लोगों का खेल है। मैं आपको मकसद के बारे में पूरी जानकारी तो नहीं दे सकता, लेकिन हमें यह पक्का पता है कि क्रेस्त्यानोव के कंपनी से संपर्क हैं, वैलेरिक द्वारा दी गई जानकारियों के अलावा। असल में, मुझे लगता है कि क्रेस्त्यानोव ही इस साजिश का सूत्रधार है, और वैलेरिक और उसके लोग इसमें मदद कर रहे हैं।" "ठीक-ठीक क्या निर्माण करना है?"
उन्होंने कहा, "हम सोच रहे थे कि यह एक टाइम मशीन हो सकती है।"
फिर से वही घिनौना अलगाववादी 'हम'। इसे अपने ध्यान को भटकाने देने के बजाय, प्राइस आगे बढ़ती रही। "स्ट्राइकर, तुमने मुझे उलझा दिया है। एच. जी. वेल्स का इसमें क्या स्थान है?"
"यह एक मुहावरा है," बोलान ने जवाब दिया। "हम जानते हैं कि क्रेस्त्यानोव और उनके कुछ सहयोगी रूस की शासन प्रणाली में आए बदलाव से दुखी हैं। वे 1989 से लेकर 1992 तक के सभी घटनाक्रमों को फिर से देखना चाहते हैं, लेकिन सोवियत शासन के सुखद अंत के साथ।"

"मुझे तो यह बात समझ में आती है," उसने उससे कहा, और उसका मतलब भी यही था, "लेकिन मुझे इतिहास को फिर से लिखने में कंपनी का कोई फायदा नहीं दिखता। मेरा मतलब है, हमने वह राउंड जीता था, अगर आपको याद हो। आपने आखिरी बार कब किसी विजेता को रीमैच की मांग करते सुना है?"
उन्होंने कहा, "यह जीत के पुरस्कारों या लाभों पर निर्भर करता है।"

"खेलों में आपको पदक मिलते हैं, विज्ञापन मिलते हैं, खूब पैसा मिलता है। आप डिज्नीलैंड जाते हैं। रक्षा या गुप्तचर क्षेत्र में, हो सकता है कि आपको बजट में कटौती और छंटनी का सामना करना पड़े, महत्वपूर्ण लोग आपको नजरअंदाज करने लगें। अगर आप भाग्यशाली हैं, तो शायद वे आपको पेंशन देकर रिटायर कर दें। अन्यथा, आप आर्मेनिया में पड़ोसियों को एक-दूसरे को मारते हुए देखते रह जाएंगे।"
"आपका कहना है कि कंपनी में किसी ने क्रेस्त्यानोव का साथ दिया है, और वे शीत युद्ध को वापस लाना चाहते हैं?"
"पहला हिस्सा तो पक्का है," बोलन ने जवाब दिया। "मकसद का अनुमान लगाना एक सोची-समझी अटकल है, जो क्रेस्त्यानोव और उसके साथियों के बारे में हमें जो पता है, साथ ही सोवियत संघ के गायब होने के बाद से लैंगली में जो कुछ हुआ है, उस पर आधारित है।"
"तो फिर हम वापस परमाणु बम के मुद्दे पर आ जाते हैं," उसने कहा। "क्या आप किसी तरह की घटना की कल्पना कर रहे हैं?"
"और क्या? दुर्भाग्य से, अगर हम जल्द ही कदम नहीं उठाते हैं, तो यह अटलांटिक के दोनों ओर कहीं भी जा सकता है।"
प्राइस को पता नहीं था कि वह पूछ रही थी या नहीं, लेकिन उसने फिर भी अनकहे सवाल का जवाब दे दिया। "मुझे नहीं पता कि हम समय रहते मिस्टर केजीबी पर काबू पा सकेंगे या नहीं।" वह हिचकिचाई और धीमी आवाज़ में बोली, "मुझे नहीं पता कि मुझे कोशिश करने की इजाज़त मिलेगी या नहीं।"
"चिंता मत करो," बोलन ने कहा। "हम कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं, और अगर हम चूक गए, तो वैसे भी हमारे पास पैकेज को ट्रैक करने का कोई तरीका नहीं होगा। इसे एक दोस्ताना सूचना समझें, बस इस उम्मीद में कि यह आपके पास आ रहा हो।" दोस्ताना व्यवहार, है ना? मौत का चुभन जैसा। "ठीक है, धन्यवाद," प्राइस ने कहा। "क्या आप हैल को फोन करेंगे?"
"समय नहीं है," बोलन ने जवाब दिया। "मुझे जाना है। अपना ख्याल रखना।"
न तो "फिर मिलेंगे" या "बाद में मिलते हैं"। यहाँ तक कि "हास्ता ला विस्टा, बेबी" भी नहीं।
प्राइस की आंखें आंसुओं से भर उठी थीं जब उसने रिसीवर को अपनी गोद में लिया, जल्दी से उसे फिर से उठाया और बाहरी लाइन के लिए बटन दबाया।
"आप कहते हैं कि यह पॉकेट न्यूक्लियर बम डेज़रज़िंस्की स्क्वायर के एक समय के 'मिस्टर बिग' के लिए आरक्षित है... उसका नाम क्या था, फिर से बताइए?"

"क्रेस्त्यानोव," बारबरा प्राइस ने उन्हें याद दिलाया। "वासिली क्रेस्त्यानोव। और नहीं, मैंने यह नहीं कहा। स्ट्राइकर ने कहा था। जहाँ तक मुझे याद है, हम अब भी उन्हें विश्वसनीय स्रोत मानते हैं।"
ब्रोग्नोला को फोन पर उसका गुस्सा साफ सुनाई दिया और वह समझ गई कि यह गुस्सा कहां से आ रहा है। प्राइस और जल्लाद सिर्फ साथी सैनिक ही नहीं थे। कई बार, जब वह अपने कामों के बीच फार्म पर आता था, तो वे एक-दूसरे की बाहों

में समा जाते थे। खैर, अब जो होगा देखा जाएगा। ब्रोग्नोला कुछ नहीं कर सकती थी।
उन्होंने कहा, "स्ट्राइकर की बात विश्वसनीय है, इसमें कोई शक नहीं। लेकिन अगर मैं आपको सही समझ रहा हूं, तो उसने आपको सिर्फ एक नाम बताया है। कोई लक्ष्य नहीं, ऐसा कुछ भी नहीं जिसे समय सीमा समझा जा सके।"
"जी नहीं, महोदय।"
"तो, हमारे पास जो सबूत हैं, वे पश्चिमी दुनिया में कहीं स्थित किसी अज्ञात लक्ष्य के खिलाफ एक विश्वसनीय खतरा हैं।"
उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि हमारे पास उससे कहीं ज्यादा है।"
"आपका मतलब कथानक से है? एक पूर्व रूसी जासूस शीत युद्ध को पुनर्जीवित करने के लिए सीआईए के साथ हाथ मिलाता है? मुझे नहीं लगता कि यह कहानी हॉलीवुड में चलेगी।"
"इससे हम फिर से स्ट्राइकर की विश्वसनीयता पर आ जाते हैं," प्राइस ने उन्हें चुनौती देते हुए कहा।
"हम दोनों जानते हैं कि वास्तविक घटनाओं की रिपोर्टिंग करने में—जैसे कि परमाणु उपकरण का हस्तांतरण—और किसी अनजान व्यक्ति द्वारा इसके इस्तेमाल की योजना का अनुमान लगाने में ज़मीन-आसमान का अंतर है। घरेलू संबंध की बात करें तो, हम कंपनी में किसी भी संदिग्ध का नाम नहीं ले सकते। अब तक हम जिन घरेलू जासूसों की पहचान कर पाए हैं, वे सभी मर चुके हैं, और उनमें से एक स्वतंत्र रूप से काम करता था, हो सकता है कि वह लैंगली के बजाय वैलेरिक या इस क्रेस्त्यानोव को रिपोर्ट कर रहा हो।"
"क्या आपको इस पर विश्वास है?" प्राइस ने पूछा।
मैं आपको बता रहा हूँ कि अगर मैंने ऊपर जाने की कोशिश की तो कोई और मुझसे क्या कहेगा। और ठीक उससे पहले वे मुझे कहेंगे कि बाहर जाते समय जाली वाला दरवाजा मेरे नितंबों पर न लगे।"
"हम इसे नज़रअंदाज़ करने जा रहे हैं।" प्राइस ने इसे प्रश्न के रूप में नहीं पूछा। जब वह बोली, तो उसकी आवाज़ सपाट थी, भावहीन थी, जैसे

मानो वह किसी घृणित यथास्थिति का पाठ कर रही हो, और यह मानने से इनकार कर रही हो कि यह उसे घृणास्पद लगती है।
"मैंने ऐसा नहीं कहा," ब्रोग्नोला ने जवाब दिया, और मन ही मन चाहा कि काश वह उसका चेहरा देख पाता। आखिर वो सारे टीवी-टेलीफोन कहाँ गए जिनकी भविष्यवाणियाँ उसके स्कूल के दिनों में की गई थीं?
"तो फिर क्या?" प्राइस की तीखी आवाज ने उसे वर्तमान वास्तविकता में वापस ला दिया।
"और क्या?" उसने कहा। "हम क्रेस्त्यानोव और/या इस कथित उपकरण का पता लगाने की कोशिश करेंगे। अगर हम ऐसा कर पाते हैं, तो उस पर और/या उपकरण पर चौबीसों घंटे निगरानी रखेंगे। लेकिन सावधानी से, याद रखना।"
मिशन कंट्रोलर ने कहा, "मैंने उसकी फाइल निकाली है। मुझे पता है कि वह क्या कर सकता है।"
"सहयोगी?"
उन्होंने कहा, "वहां तो कोई कमी नहीं है, खासकर पूर्वी यूरोप और पूर्व सोवियत गणराज्यों में, लेकिन उनके संपर्क पूरी दुनिया में हैं। वे आम तौर पर वामपंथी या क्रांतिकारी होते हैं, लेकिन वह अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को भी खरीद लेते हैं, चाहे उनकी राजनीति कुछ भी हो।"

"यही तो कारोबार है," फेडरल रिजर्व के बड़े अधिकारी ने जवाब दिया। "मुझे लगता है कि लैंगली के बारे में कुछ नहीं है।"
प्राइस ने कहा, "अभी तक तो सब कुछ एकदम साफ-सुथरा है। हम फिलहाल डेटाबेस की जांच कर रहे हैं, लेकिन मुझे उम्मीद नहीं है कि यह ऑपरेशन 'करने योग्य चीजें' के तहत व्यवस्थित रूप से सूचीबद्ध मिलेगा।"
ब्रोग्नोला ने कहा, "आप यह मानकर चलते हैं कि कोई न कोई ऑपरेशन जरूर मिल जाएगा।"
"मैं हमारे पास मौजूद एकमात्र गेंद से ही दौड़ रहा हूँ। इसके बिना, मैं बस हाथ पर हाथ धरे बैठा रहूँगा और समय बर्बाद करूँगा।"
''ठीक है,'' ब्रोग्नोला ने कहा। ''मुझे पता है कि मुझे यह कहने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन फिर भी मैं कह रहा हूँ। लैंगली की बातें सुनते समय बहुत सावधान रहना। मैं नहीं चाहता कि मेरी फुसफुसाहट की गूंज मेरे अलावा किसी और तक पहुँचे।''
"मैं समझता हूँ।"
मुझे पता है कि आप समझते हैं। क्या आप सहमत हैं?
"बेशक।" वह तीक्ष्णता फिर से सामने आ गई। ब्रोग्नोली को अचानक अपने गले में खुले घावों की जांच करने की तीव्र इच्छा हुई।

.

न्याय दिवस 105
लेकिन प्राइस के बारे में एक बात यह थी कि उसे कभी पीठ में छुरा घोंपने का डर नहीं था। अगर कभी वह उसके खिलाफ कोई कदम उठाती, तो वह आमने-सामने और डटकर मुकाबला करती।
*'जब आप लैंगली की जाँच कर रहे हों, तो सबसे पहला काम क्रेस्त्यानोव और उसके साथियों पर नज़र रखना है, जिन्हें आप ट्रैक कर सकें, और परमाणु बम का पता लगाने पर विशेष ध्यान देना है।'
"जी हाँ, महोदय। और अगर हमें वह मिल जाए तो?"
"हम इस बारे में तब फैसला करेंगे जब ऐसा होगा। मुझे अभी तक यकीन नहीं है कि यह हमारी तरफ आ रहा है। अगर यह किसी और के आंगन में मिलता है, तो हम उन्हें ही इसे संभालने देंगे।"
"बशर्ते वे इसे संभाल सकें।"
"हाँ, ऐसा मान लेते हैं। लेकिन फिलहाल, बेवजह की परेशानी मोल न लें, ठीक है?"
"ठीक है," उसने अविश्वास भरे लहजे में जवाब दिया। "तो फिर हमें इस पर काम शुरू कर देना चाहिए।"
क्लिक की आवाज़ के बाद एक धीमी गूंज सुनाई दी, जब तक कि उसने रिसीवर को अपनी बाहों में नहीं उठा लिया। प्राइस बेहद गुस्से में थी और उसे इस बात से कोई आपत्ति नहीं थी कि ब्रोग्नोला को यह पता चल जाए, हालांकि उसने चिंता और खुलेआम अवज्ञा के बीच की सीमा को पार नहीं किया था। वह इसमें माहिर थी, और फेडरल रिजर्व के बड़े अधिकारी उसकी इस कुशलता की प्रशंसा करते थे। सर्वाधिक समय।
फिलहाल, वह उसकी सहज बुद्धि को लेकर चिंतित था—जो हमेशा अच्छी और शायद ही कभी उत्कृष्ट से कम होती थी। बोलन के फैसले को स्वीकार करने के उसके इरादे बहुआयामी हो सकते हैं, लेकिन ब्रोग्नोला के इरादे भी वैसे ही थे। उनकी दोस्ती को—क्या पिछले दो हफ्तों में जो कुछ हुआ उसके बाद उसे पुरानी

दोस्ती मान लेना चाहिए?—जल्लाद की ईमानदारी, उसकी दूरदर्शिता और काम में उसके प्रदर्शन के आकलन से पूरी तरह अलग करना असंभव था।
अंत में, बात यही थी: वह जानता था कि जल्लाद के षड्यंत्र की बात करने के पीछे कोई ठोस कारण जरूर होगा, क्योंकि अगर यह षड्यंत्र किसी भी बिंदु पर विफल हो जाता, तो पूरी दुनिया तबाह हो सकती थी। और इसी वजह से ब्रोग्नोला को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि कहीं उसे धोखा तो नहीं दिया गया।
असल बात तो यह है कि वह सोच रहा था कि क्या अब उसके लिए नए पत्ते खेलने में बहुत देर हो चुकी है।

"क्या हम सुरक्षित हैं?" क्रिश्चियन कीन ने पूछा।
"हम तैयार हैं। आगे बढ़िए।"
स्क्रैम्बलर की जाँच करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। नोबल प्रुएट को पता था कि यह लगा हुआ है और पूरी तरह से काम कर रहा है, और वह किसी भी बात की दोबारा जाँच करने में समय बर्बाद करने से घृणा करता था। उसे यह जानने के लिए बाहर जाकर अपनी आँखों को धूप में सेंकने की ज़रूरत नहीं थी कि सूरज सिर के ऊपर चमक रहा है।
"ठीक है, तो बात ये है," कीन ने उससे कहा, मानो वो मॉस्को से नहीं बल्कि चांद के अंधेरे हिस्से से फोन कर रहा हो। वो हर बार सस्ते उपकरण पहचान लेता था। कीन के अनुभव के अनुसार, सोवियत संघ ने घरेलू रखरखाव पर कभी भी ज़रूरत से ज़्यादा एक रूबल भी खर्च नहीं किया था, और उनके उत्तराधिकारी पतन के बाद से शायद ही कभी घाटे में रहे हों। अगर मान लें कि उन्हें पता है कि उपकरण पुराने या खराब हैं और उन्हें ज़रा भी परवाह नहीं है, तो उनकी मरम्मत का खर्च उठाना उनके लिए बहुत मुश्किल होगा।
"स्थानांतरण में कोई समस्या नहीं हुई," कीन ने उन्हें बताया। "हमारे सहयोगी को पैकेज कई घंटे पहले ही मिल गया, यकीन मानिए, और विक्रेता को भुगतान भी कर दिया गया है। कोई हंगामा नहीं हुआ, किसी की ओर से कोई स्पष्ट शत्रुता नहीं दिखी। अब, अगर मेरा काम यहाँ समाप्त हो गया है—"
"तुम नहीं हो," प्रुएट ने कीन को बीच में रोकते हुए कहा, इससे पहले कि कीन घर वापस जाने की अपनी तीव्र इच्छा के बारे में फिर से बड़बड़ाना शुरू कर दे। "जब तक पैकेज अपने अंतिम गंतव्य तक नहीं पहुँच जाता, मुझे तुम्हारी यहाँ आस-पास ही ज़रूरत है," उसने समझाया।
"जब आप 'आस-पड़ोस में' कहते हैं, तो आपका मतलब क्या है...?"
"मेरा मतलब है, स्वाभाविक रूप से, घटनास्थल से सुरक्षित दूरी पर। हम नहीं चाहेंगे कि आप किसी भी गाइगर काउंटर को चालू कर दें।"
"कार्यक्रम कैसा है?" कीन ने पूछा। "अगर मुझे ट्रिपल-बाईपास सर्जरी के लिए देर हो रही होती, तो मैं क्रेस्त्यानोव से बात भी नहीं कर पाता।"
"हमारा दोस्त एक सतर्क व्यक्ति है।"
"हमारा तथाकथित दोस्त तो एक नंबर का धोखेबाज है—"
"हम उस पर भरोसा कर सकते हैं," प्रुएट ने फिर से बात काटते हुए कहा, "हमारी साझेदारी की सीमित अवधि के लिए। उसके बाद, हमें

उस पर कड़ी नजर रखनी होगी, बिल्कुल...लेकिन यही तो मुख्य बात है। सहमत हैं?'' "तुम कहते हो तो।"
"जी हां, बिल्कुल। हम एक-दूसरे पर एक हद तक भरोसा करते हैं, जैसा कि इतिहास में दर्ज सक्षम प्रतिद्वंद्वी करते आए हैं। लेकिन सिर्फ एक हद तक।"

"जो भी हो," कीन ने जवाब दिया। "यह मेरा फैसला नहीं है।"
"लेकिन आपके पास एक सुझाव तो है ही।" इस कथन को प्रश्न के रूप में कहने की कोई आवश्यकता नहीं थी। प्रुएट अपने चुने हुए अधीनस्थों को उतना ही अच्छी तरह जानता था जितना कि वे स्वयं को जानते थे, और अक्सर उनसे भी बेहतर। उनके जीवन की छोटी से छोटी बातों तक उसकी असीमित पहुँच थी, जिनमें वे घटनाएँ भी शामिल थीं जिन्हें कुछ लोगों ने महज "झूठी यादें" मान लिया था। इसी पहुँच के कारण वह बड़ी सटीकता से यह अनुमान लगा सकता था कि उसके अधीन काम करने वाला प्रत्येक पुरुष और महिला किसी भी परिस्थिति में कैसी प्रतिक्रिया देगा, चाहे वह दोपहर का भोजन चुनना हो या युद्ध क्षेत्र में जान बचाने के लिए संघर्ष करना हो।
"खैर, अगर आप मुझसे पूछ रहे हैं तो..."
"मान लो मैं हूँ।" प्रुएट ने मन ही मन सोचा, मानो मुझे तुम्हारी राय की ज़रूरत हो, और इस अपमानजनक बात को अपने तक ही सीमित रखा।
"खैर, मैं सोच रहा था," कीन ने जवाब दिया, "कि शायद हम एक सुनहरा अवसर गंवा रहे हैं।"
■ * वह सुनहरा पल कौन सा था...?
"अवसर की एक अभूतपूर्व खिड़की खुली है," कीन ने कहा। "जब हालात बिगड़ेंगे तो तुरंत अफरा-तफरी मच जाएगी। सही समय पर उठाया गया एक अच्छा और निर्णायक कदम हमें निर्णायक स्थिति में ला सकता है। जरूरी नहीं कि यह कोई दौड़ हो। यह तो जीत का जश्न भी हो सकता है।"
बुरा नहीं है। और यह प्रुएट के कुछ विचारों से बहुत अलग भी नहीं है।
"मुझे इस बारे में सोचना पड़ेगा, क्रिश्चियन," उसने जवाब दिया। "हमारे पास फैसला करने के लिए अभी कुछ समय है। तब तक, अपना ध्यान केंद्रित रखो और याद रखो कि तुम वहां क्यों हो।"
"ठीक है।" जैसा कि प्रुएट को उम्मीद थी, कीन के लहजे से उत्साह कुछ कम हो गया था। वह चाहता था कि कीन शांत, संयमित और आज्ञाकारी रहे। प्रुएट को किसी ऐसे सहायक की सख्त जरूरत नहीं थी जो अपने मन से सोचने लगे।

ऐसा सोचना भी गलत है।
यदि किसी व्यक्ति को आसानी से नियंत्रित नहीं किया जा सकता था, तो उसका नाश हो जाना चाहिए।
"आप क्रेस्त्यानोव और उनके सहयोगियों के साथ संपर्क में रहेंगे, जैसा कि उन्होंने अनुरोध किया है," प्रुएट ने कहा।
"वह तो एक अजीबोगरीब तमाशा था, है ना?"
"क्रिश्चियन, अपनी राय अपने तक ही रखो। ये लोग स्वभाव से संवेदनशील और स्वभाव से ही क्षमा न करने वाले होते हैं।"
"चिंता मत करो, मैं उन्हें नाराज नहीं कर रहा हूँ।"
"ध्यान रखना कि ऐसा न हो। और संपर्क में रहना।"
प्रुएट ने अपने मुख्य लेफ्टिनेंट के किसी और सवाल या चिंता व्यक्त करने से पहले ही फोन काट दिया। उनके पास पहले से ही बहुत कुछ सोचने को था, कीन को लाड़-प्यार करने की उन्हें कोई ज़रूरत नहीं थी। आखिर वह एक पेशेवर व्यक्ति थे। उन्हें उसी तरह व्यवहार करना चाहिए था।
कीन के रणनीति में बदलाव, शायद पूर्वव्यापी हमले के सुझाव के बारे में, प्रुएट ने शुरू से ही इस पर विचार किया था और वह इतना समझदार था कि जानता था कि क्रेस्त्यानोव को इससे कम की उम्मीद नहीं होगी। यह एक आत्मघाती कोरी

कल्पना थी, क्योंकि रूसी, जिनके साथ क्रेस्त्यानोव ने अपने इस प्रयास में गठबंधन किया था, ऐसी किसी भी स्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार थे। और चूंकि उनकी सेना में केवल राजनेता ही नहीं थे, बल्कि उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारी भी शामिल थे, इसलिए प्रुएट का मानना था कि उनके पास किसी भी अचानक या आक्रामक कार्रवाई से खुद का बचाव करने के लिए आवश्यक ताकत होगी।
शायद इतना काफी हो कि पूरी दुनिया में आग लग जाए और सब कुछ बर्बाद हो जाए। बशर्ते कोई बच पाए।
नहीं, प्रुएट ने फैसला किया, उनके द्वारा बनाई गई योजना के अनुसार आगे बढ़ना बेहतर था, और उससे भटकना खतरनाक था।
ऐसे भी कई मौके आए जब प्रुएट को अपनी इतनी जीवंत कल्पना शक्ति के लिए खेद हुआ। यह उन्हीं मौकों में से एक था।
वह उन तमाम आपदाओं की कल्पना कर सकता था जो किसी के लालच या अत्यधिक अहंकार के कारण उत्पन्न हो सकती थीं, जो हदें पार करने और अपने हिस्से से अधिक हथियाने की कोशिश कर रहे थे। उसने सोचा, यही प्रथम शीत युद्ध की मूल समस्या थी। इसे दोनों पक्षों के उन लोगों ने शुरू किया था जो मानते थे कि वे जीत सकते हैं, और दोनों पक्षों ने तब तक अपनी किस्मत आजमाई जब तक कि मानव जाति एक से अधिक बार लगभग नष्ट होने की कगार पर नहीं पहुंच गई। ओशिया की मिसाइलों ने...

टोबर ने दोनों गुटों को यह समझाने की पूरी कोशिश की कि गतिरोध स्वीकार्य, बल्कि वांछनीय भी है। अगले दो दशक पूर्व और पश्चिम दोनों के सैन्य और खुफिया विभागों के लिए शानदार रहे, जब तक कि हॉलीवुड के एक उम्रदराज अभिनेता ने अमेरिकी मतदाताओं को यह विश्वास नहीं दिला दिया कि वह व्हाइट हाउस में अच्छा दिखेगा। सत्ता में आने के बाद, उसका मसीहाई उत्साह इस धारणा पर केंद्रित हो गया कि उसे ईश्वर की स्वयं की शक्ति प्राप्त है जिससे वह दुष्ट साम्राज्य को नष्ट कर सकता है।
और उसने यह कारनामा भ्रष्ट और बेहद अदूरदर्शी सोवियत संघ से अनजाने में मिली कुछ मदद से कर दिखाया था।
अभिनेता की एक गलती—कम से कम उनकी कई गलतियों में से एक—वैश्विक गतिरोध के महत्व को न समझ पाना थी। उन्हें कभी यह समझ नहीं आया कि शीत युद्ध एक अच्छा व्यवसाय था। जब उन्होंने ओवल ऑफिस छोड़ा, तब भी लाखों भोले-भाले लोग उन्हें पूजते थे, लेकिन तब तक वे बेकाबू मुद्रास्फीति, आसमान छूता राष्ट्रीय ऋण और एक ऐसे वैश्विक शक्ति संतुलन को पीछे छोड़ गए थे जिसकी नींव बुरी तरह हिल चुकी थी और जो पतन की ओर बढ़ रहा था।
संतुलन को पुनः प्राप्त करने का समय आ गया था, और नोबल प्रुएट अपनी तरफ से यथासंभव सर्वोत्तम प्रयास कर रहे थे।
"यह अभी भी खतरनाक लगता है।"
हरगस वेबर की आवाज़ ने उनके मालिक को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने इसे एकांत में स्वयं से बात करने का नियम बना लिया। वे विदेशी सहायता की लागत से लेकर बंदूक नियंत्रण और फैशन उद्योग में नैतिकता के पतन तक, किसी भी विषय पर नाटकीय एकालाप करते थे। दरअसल, फैशन उद्योग उनका पसंदीदा विषय था, और हालांकि वे पेरिस के फैशन शो में प्रदर्शित उन छोटे परिधानों के बेहद प्रशंसक थे, वेबर जब तक सांस ले सकते थे, सार्वजनिक रूप से उनकी निंदा करते थे।

लेकिन आज वह विनाश की संभावना को लेकर अधिक चिंतित था, इस बात को लेकर कि कहीं वह हिरोशिमा के धुएँ से भरे खंडहरों में पाए गए पत्थर पर उकेरी गई उन भयानक छायाओं में से एक में परिवर्तित न हो जाए।
"कोई बात नहीं," नोबल प्रुएट ने नींबू पानी की चुस्की लेते हुए और आश्वस्त करने वाली हल्की सी मुस्कान देते हुए उनसे कहा।

"ये लोग अपना काम बखूबी जानते हैं, सीनेटर। वे भी खंडहर विरासत में नहीं लेना चाहते, ठीक वैसे ही जैसे हम नहीं चाहते।"
4. "लेकिन वे अभी भी रेड्स हैं, मिस्टर प्रुएट। मुझे लगता है कि हम इस बात पर सहमत हैं।"
"बेशक साहब।"
"आपको याद करना चाहिए कि क्लियो स्काउसेन ने पचास के दशक में क्या कहा था।" प्रुएट के चेहरे पर कोई भाव नहीं था, इसलिए वेबर ने सोच-समझकर बात को आगे बढ़ाया। उन्होंने थोड़ा रुककर कहा, "आप कम्युनिस्टों पर भरोसा कर सकते हैं कि वे कम्युनिस्ट ही रहेंगे।"
"अच्छा ऐसा है।"
"आप असहमत हैं?"
मैं इन लोगों को जानता हूँ—कम से कम इनके नेता को—और यद्यपि वह वास्तव में एक मार्क्सवादी-लेनिनवादी हैं, मैं आपको विश्वास दिला सकता हूँ कि वह कभी भी प्रबुद्ध स्वार्थ से दूर नहीं भटकते। वह स्वयं को धोखा नहीं देंगे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अपने सेवकों को अपने उद्देश्य के साथ विश्वासघात नहीं करने देंगे।
"और यही बात मुझे परेशान करती है," वेबर ने अपनी सोने की परत चढ़ी कैंची से सात इंच के सिगार के कुंद सिरे को काटते हुए कहा। "मुझे पता है कि हमने इस सब पर चर्चा की है, लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि हम बहुत कुछ छोड़ रहे हैं। वारसॉ संधि टूट चुकी है, पूर्वी यूरोप आधी सदी के निरंकुश शासन के बाद आज़ाद हो चुका है। क्यूबा को लगभग पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिया गया है, बिना रूस के सहारे के।"
"आप सही कह रहे हैं, हम इस दौर से गुज़र चुके हैं, सीनेटर जी, और मेरा जवाब आज भी वही है। आप पूर्वी यूरोप और बाल्कन को 'स्वतंत्र' मान सकते हैं, लेकिन अराजकता, गृहयुद्ध और नरसंहार की किस कीमत पर? बोस्निया और कोसोवो में हमारी अधूरी नीतियों के लिए हमारी निंदा और उपहास किया गया है। आगे क्या होगा, यूक्रेन में शांति सेना की तैनाती होगी, और अमेरिकी सैनिक संयुक्त राष्ट्र के महासचिव के आदेशों का पालन करेंगे?"
- कुंआ-"
"और सुदूर पूर्व के बारे में क्या?" प्रुएट ने उन्हें चुनौती दी। मुझे पता है कि आप इस बात से नफरत करते हैं कि आपके विरोधियों ने एक दशक का अधिकांश समय चीन की चापलूसी करने और बीजिंग को सैन्य रहस्य बेचने में बिताया। 1949 से बीजिंग को अपने पैर पसारने से रोकने वाले ऐतिहासिक रूप से दो कारक रहे हैं—हमारी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता...

यह रूस की ताकत है, और चीन की पीठ पर निशाना साधा हुआ खंजर है। मॉस्को के निष्क्रिय हो जाने और चीनी तकनीशियनों के उन आईसीबीएम मार्गदर्शन प्रणालियों पर दिन-रात काम करने के बाद, जिन्हें हमने उन्हें कौड़ियों के

भाव पर उपलब्ध कराया है, कौन कह सकता है कि आप किसी सुबह अपनी गोद में गरमागरम भाग्य कुकी लेकर नहीं उठेंगे?
मैंने ऐसा नहीं कहा—
लेकिन प्रुएट अभी रुके नहीं थे। "और चलिए, इस महत्वपूर्ण बात को न भूलें, सीनेटर। मॉस्को के साथ नए सिरे से शीत युद्ध के खतरे के बिना, व्हाइट हाउस के लिए आपके नामांकन और चुनाव की संभावनाएं मिसिसिपी के गवर्नर से भी पीछे रह जाएंगी।"
वेबर ने लैंगली के उस व्यक्ति को अपनी सुनियोजित, बेहद नापसंदगी भरी निगाहों से घूरकर देखा। "जैसा कि मैंने प्रवचन से पहले समझाने की कोशिश की थी, मैं अब भी अपनी योजना के प्रति प्रतिबद्ध हूं। मुझे बस इतना लगता है कि हमें उन लोगों के समूह से निपटने में अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए जिनके गुरु ने चालीस साल पहले हमें दफनाने की कसम खाई थी।"
"यह तो सरासर दिखावा है," प्रुएट ने तिरस्कारपूर्ण लहजे में जवाब दिया। "आपने इतने चुनावी भाषण दिए हैं कि आप नाटकीयता का पुट पहचान ही लेते हैं, सीनेटर।"
वेबर को इस बात से चिढ़ होती थी कि जासूस अपेक्षाकृत कम समय की जान-पहचान में ही इतनी आसानी से और इतनी सटीकता से उसका आकलन कर सकता है। उनके आपसी लेन-देन के रिश्ते की शुरुआत में, वेबर को चिंता थी कि कहीं वह अपनी कुशलता खो न बैठा हो, आम आदमी के लिए उसका असली चेहरा सामने न आ गया हो। वाशिंगटन की निरंतर प्रतिस्पर्धा में पारदर्शिता लगभग हमेशा घातक साबित होती थी, लेकिन प्रुएट ने अंततः उसे आश्वस्त किया कि वेबर अब भी आम आदमी या औरत को धोखा दे सकता है।
लेकिन नोबल प्रुएट कोई साधारण व्यक्ति नहीं थे।
वेबर ने थोड़ी सख्त आवाज में कहा, "अगर कुछ गड़बड़ हो जाए और हमें परमाणु हथियारों से तबाह देश की बागडोर संभालनी पड़े, तो इससे हम दोनों में से किसी को भी फायदा नहीं होगा। क्या हम इस बात पर सहमत हो सकते हैं?"
"आपके डर निराधार हैं, सीनेटर। मैं आपको बता रहा हूँ, क्रेस्त्यानोव ने अपने लोगों को पूरी तरह से नियंत्रण में रखा हुआ है। उनमें से कोई भी मरना नहीं चाहता। उनमें से कोई भी रेगिस्तानी बंजर भूमि में घूमना नहीं चाहता।"

"रोड वॉरियर" जैसी फुटबॉल किट चाहिए, ठीक है? द्वितीय विश्व युद्ध तो बिल्कुल नहीं चलेगा।"
"कोई गुप्त एजेंडा तो नहीं?"
"नहीं, हरगस," प्रुएट ने जवाब दिया, पहली बार उसका पहला नाम लेते हुए, शायद उसे प्रभावित करने के लिए या उसे नीचा दिखाने के लिए। वेबर को समझ नहीं आया कि उसका इरादा क्या था, और उसे इसकी परवाह भी नहीं थी। "शीत युद्ध पूरी तरह से छिपे हुए एजेंडों के बारे में था, है ना? अगर हम उसे वापस लाते हैं, तो हमें सब कुछ मिल जाएगा... लेकिन शीर्ष स्तर पर एक समझौते के साथ। यह एक खेल है। क्रेस्त्यानोव के लोग जानते हैं कि आप बटन दबाकर स्टेडियम को उड़ाने वाले नहीं हैं, है ना? आप भी उनके बारे में यही जानते हैं, और उससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वे जानते हैं कि आप जानते हैं।"
और उसके बाद? फिर क्या होता है?
"क्षमा कीजिए, सीनेटर?"

"मैं आपसे पूछ रहा हूँ कि उसके बाद क्या होता है," वेबर ने दोहराया। "मान लीजिए, आगे चलकर कोई उस सौदे के बारे में भूल जाता है, या शायद उसने कभी उसके बारे में सुना ही न हो। मान लीजिए कोई सिरफिरा आ जाता है जिसे कोई परवाह ही नहीं है। उसके बाद क्या होता है?"
“'कहीं आगे चलकर।'” प्रुएट ने वेबर के इस वाक्य को दोहराया, मानो वह इसकी गहराई को परखना चाहता हो, शायद इसका स्वाद चखना चाहता हो, शब्दों को घुमा- फिराकर देखना चाहता हो कि ज़बान पर ये कैसे लगते हैं। उसकी नज़रें पल भर के लिए वेबर के सिर के ऊपर किसी बिंदु पर टिक गईं, शायद उसके पीछे अध्ययन कक्ष की दीवार पर लगी किसी पेंटिंग पर। जब उसकी नज़रें फिर से केंद्रित हुईं, तो वे कठोर थीं और उनमें एक क्रूर आनंद की चमक थी।
"आगे चलकर कहीं?" उसने फिर कहा। "आपकी उम्र कितनी है, सीनेटर? मुझे लगता है कि अगले महीने के बाद आप उनसठ साल के हो जाएँगे। आप कंपनी की मदद से तुरंत चुनाव प्रचार शुरू कर देंगे, लेकिन चुनाव तो अगले पतझड़ तक नहीं हैं। इससे आपकी उम्र साठ हो जाती है, है ना? अगर आप सार्वजनिक रूप से अच्छा व्यवहार करते हैं और सभी का ध्यान रूसियों पर केंद्रित रखते हैं, तो आपको दूसरे कार्यकाल में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए, जिससे ओवल ऑफिस छोड़ने से पहले आपकी उम्र अड़सठ साल हो जाएगी। मुझे लगता है कि आपके पास अपने पदचिह्नों पर चलने के लिए एक चुना हुआ शिष्य होगा, जबकि मॉस्को में हमारे दोस्त - जो वैसे तो आपसे कई साल छोटे हैं - चुनाव के समय इतनी चिंता पैदा कर देंगे कि..."

उपहार!
&

खेलने के लिए पन्ना फाड़ दो!
खेलें
• s-\±-J ^.T. a*
और प्राप्त करें *■«
3 मुफ़्त उपहार!
एस~ जे.—■-/ जे
जेपी^^ टार्ड? फिर क्या होगा?" आर" \ \\ के सीनेटर?"
मैं ^r \b y° u जो बाद में होता है," \K *J V^iA f जहां नीचे * सड़क > किसी का विरोध करता है ^^££ मैं jLjgCv* m मैं या शायद इसके बारे में कभी नहीं सुना। मान लीजिए, GtpTto मैं xT* लंबे समय तक जो परवाह नहीं करता। क्या # जे ^~ -जे
1. दाईं ओर दिए गए कार्ड पर मौजूद तीनों टैब को पीछे खींचें। फिर दावा चार्ट देखें कि आपके लिए क्या है — 2 मुफ़्त किताबें और एक उपहार — सब कुछ आपका! बिल्कुल मुफ़्त!
2. इस कार्ड को वापस भेजें और आपको गोल्ड ईगल के दो बिल्कुल नए उपन्यास मिलेंगे। इन पुस्तकों की कीमत 4.50 डॉलर या उससे अधिक है, लेकिन ये आपको बिल्कुल मुफ्त में मिलेंगी।
3. इसमें कोई चाल नहीं है। आपको कुछ भी खरीदने की कोई बाध्यता नहीं है। हम आपके पहले शिपमेंट के लिए कुछ भी शुल्क नहीं लेते हैं - शून्य। और आपको न्यूनतम खरीदारी की कोई सीमा नहीं है - एक भी नहीं!
4. सच तो यह है कि हजारों पाठक गोल्ड ईगल रीडर सर्विस™ के माध्यम से डाक द्वारा अपनी किताबें प्राप्त करने का आनंद लेते हैं, जो दुकानों में उपलब्ध होने से महीनों पहले ही मिल जाती हैं। उन्हें घर पर डिलीवरी की सुविधा पसंद है और वे हमारी रियायती कीमतों को बहुत पसंद करते हैं!
5. हमें उम्मीद है कि मुफ्त किताबें मिलने के बाद आप हमारे सब्सक्राइबर बने रहना चाहेंगे। लेकिन यह आपकी मर्ज़ी है - आप कभी भी सदस्यता जारी रख सकते हैं या रद्द कर सकते हैं! तो क्यों न आप बिना किसी जोखिम के हमारे इस आमंत्रण को स्वीकार करें? आपको खुशी होगी कि आपने ऐसा किया!
1998 गोल्ड ईगल
मुक्त!
खरीदने की कोई बाध्यता नहीं
कोई आवश्यक खरीद नहीं!
ZJ खेलें!
खेल
| यहां से छीलें ► यहां से छीलें ► यहां से छीलें ►

जी हाँ! मैंने तीनों टैब खोल दिए हैं। कृपया मुझे सभी निःशुल्क गोल्ड ईगल® पुस्तकें और वह उपहार भेजें जिसके लिए मैं पात्र हूँ। मैं समझता/समझती हूँ कि मुझे कोई भी पुस्तक खरीदने की कोई बाध्यता नहीं है, जैसा कि पृष्ठ के पीछे और सामने वाले पृष्ठ पर स्पष्ट किया गया है। 366 एडीएल डीसी5 ई 166 एडीएल डीसी5 डी
(एमबी-ओएस-05/01)
(कृपया साफ - साफ प्रिंट करें)
राज्य/प्रांत
दो मुफ्त किताबें और एक मुफ्त रहस्यमयी उपहार पाएं!
दो किताबें मुफ़्त पाएँ! एक किताब मुफ़्त पाएँ! फिर से कोशिश करें!
ज़िप / पोस्टल कोड
यह ऑफर प्रति परिवार केवल एक बार ही मान्य है और मौजूदा गोल्ड ईगल® सब्सक्राइबर्स के लिए उपयुक्त नहीं है। सभी ऑर्डर स्वीकृति के अधीन हैं। दो मुफ्त किताबें और उपहार स्वीकार करने पर आप पर कुछ भी खरीदने का कोई दायित्व नहीं है। आप किताबें अपने पास रख सकते हैं और शिपिंग स्टेटमेंट पर "कैंसिल" लिखकर वापस कर सकते हैं। यदि आप कैंसिल नहीं करते हैं, तो लगभग एक महीने बाद हम आपको 6 उपन्यास भेजेंगे और आपसे केवल $26.70* का शुल्क लेंगे
- यानी सभी 6 किताबों की कुल कीमत पर 15% की बचत! और शिपिंग के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं है! आप किसी भी समय कैंसिल कर सकते हैं, लेकिन यदि आप जारी रखना चाहते हैं, तो हर दूसरे महीने हम आपको 6 और किताबें भेजेंगे, जिन्हें आप या तो छूट पर खरीद सकते हैं या हमें वापस करके अपनी सदस्यता रद्द कर सकते हैं।
*नियम और कीमतें बिना किसी पूर्व सूचना के बदल सकती हैं। न्यूयॉर्क में राज्य कर लागू होगा। कनाडा के निवासियों पर प्रांतीय कर और जीएसआई लागू होंगे।

आपका बेटा तो पक्का जीतेगा। जूनियर के लिए दो कार्यकाल, और आप छिहत्तर साल के हो जाएंगे, यह मानते हुए कि आप तब तक जीवित रहेंगे। आपको किस सड़क की चिंता थी, कृपया दोबारा बताइए?
सीनेटर को स्वाभाविक रूप से ठेस पहुंची। "मेरी बात सुनिए, श्री प्रुएट। अगर आपको लगता है कि मैं यह सब केवल—या मुख्य रूप से—अपने स्वार्थ के लिए कर रहा हूँ, तो आप बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। मैंने अपनी पहली चर्चा में अपने उद्देश्य स्पष्ट कर दिए थे—पूरी दुनिया में व्यवस्था, व्यर्थ नरसंहार और विद्रोह का अंत, एक प्रभावी और सुनियोजित शांति—और आपने मुझसे सहमत होने का दिखावा किया था।"

"कोई दिखावा नहीं था, सीनेटर। मैं आपकी सभी बातों से सहमत हूँ। हम पूरी तरह से एकमत हैं, और मुझे उम्मीद है कि अगर मैं कुछ देर पहले थोड़ा लापरवाह लगा, तो आप मुझे माफ कर देंगे। मैं यह नहीं मानता कि हम आने वाले समय के इतिहास की दिशा को नियंत्रित कर सकते हैं। हम यहाँ नींव रख रहे हैं, मेरे दोस्त। हम एक मजबूत घर बना रहे हैं। हमारे जाने के दस या पचास साल बाद यहाँ कौन रहेगा, इसकी ज़िम्मेदारी हमारी नहीं है। सहमत हैं?"
"अच्छा, अगर आप इसे इस तरह से कहें तो..."
"यही एकमात्र रास्ता है," प्रुएट ने अपनी नींबू पानी की चुस्की लेते हुए कहा। "हम देशभक्त हैं, पैगंबर नहीं। जादूगर नहीं। हमारे बाद आने वालों को अपने जीवन की जिम्मेदारी खुद उठानी होगी।"
"और अगर इतिहास यह तय कर दे कि हम गलत थे तो क्या होगा?" वेबर ने पूछा। नोबल प्रुएट ने कंधे उचकाते हुए कहा, "तब तक, सीनेटर, हम दोनों इतिहास बन चुके होंगे। बेवजह मुसीबत मोल मत लीजिए। आप अमेरिका के उद्धारकर्ता बनने वाले हैं। आराम कीजिए और इसका आनंद लीजिए।"

प्रतीक्षा करते हुए जॉनी बो इयान ग्रे ने अपने हथियारों को एक बार फिर साफ किया और यह सुनिश्चित किया कि वह AKSU और ग्लॉक को एक साथ न खोले। जॉनी का अधिकांश मन सीआईए एजेंट एबल डेकार्ड और उसके रूसी संपर्क पर भरोसा करने के लिए तैयार था, लेकिन फिर भी वह एक पल के लिए भी खुद को असुरक्षित नहीं छोड़ना चाहता था, कहीं ऐसा न हो कि वह गलत साबित हो जाए।
वे मॉस्को में पाव्लुश्का के एक और संपर्क से खबर का इंतजार कर रहे थे, इस उम्मीद में कि क्रेस्त्यानोव या उसके विनाशकारी पैकेज के बारे में कोई सुराग मिल जाए, जो भी पहले पता चले। जॉनी को लग रहा था कि अगर परमाणु बम को, जैसा कि उसे शक था, मॉस्को से तुरंत गायब नहीं किया गया होता, तो उसे अच्छी तरह से छिपा दिया गया होता। अब तक, उन्हें इस बात का कोई सुराग नहीं था कि वह कहाँ जा रहा है, क्रेस्त्यानोव ने पृथ्वी के किस शहर को अपना निशाना बनाया होगा। अगर उसके भाई और डेकार्ड का अनुमान सही था, और परमाणु बम का विस्फोट एक ऐसी श्रृंखला प्रतिक्रिया शुरू करने के लिए किया गया था जो अंततः एक नए, बेहतर शीत युद्ध को फिर से स्थापित कर देगी, तो लक्ष्य पूर्व या पश्चिम में कहीं भी हो सकता था, यह योजना की बारीकियों पर निर्भर करता था। उसे लगता था कि तीसरी दुनिया के देशों को हिट लिस्ट से लगभग बाहर रखा जा सकता है, क्योंकि उनमें से किसी में भी विस्फोट होने से - जिसमें शक्तिशाली चीन भी शामिल है - मॉस्को में सोवियत शासन की पुनः स्थापना को कोई बढ़ावा नहीं मिलेगा।
जॉनी ने समस्या को दो सबसे खराब स्थितियों में से एक में उलझते हुए देखा। स्क्रिप्ट ए के अनुसार, पश्चिम में किसी समय, संभवतः अमेरिका में, परमाणु बम का विस्फोट किया जाएगा।

एक ऐसी विनाशकारी घटना जो सभी राजनीतिक विचारधाराओं के अमेरिकियों को एक साझा दुश्मन का सामना करने के लिए एकजुट कर दे, वैसी ही हो। रूस से संबंध बहुत स्पष्ट या आधिकारिक नहीं होना चाहिए, अन्यथा कांग्रेस तुरंत युद्ध के लिए मतदान कर देगी और रूसी राष्ट्रपति के सीएनएन पर जाकर अपनी बेगुनाही साबित करने से पहले ही मिसाइलें रेड स्क्वायर की ओर दागी जाएंगी। अमेरिका के पुनर्जीवन, पुनर्शस्त्रीकरण और हर संभव शक्ति का प्रदर्शन करने के साथ, मॉस्को और उसके पूर्व सहयोगी देशों में कट्टर कम्युनिस्टों को संसद में या भयभीत जनता को अपनी मजबूत रक्षा नीति बेचने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए।
स्क्रिप्ट बी में पूर्वी रूस में विस्फोट की योजना थी, जिसके लिए रूस एक आदर्श लक्ष्य था। ध्यान रहे, यह मॉस्को जैसा कोई महत्वपूर्ण शहर नहीं था, बल्कि शायद कोई ऐसा छोटा-सा शहर था जिसे रूस के उभरते हुए कमिसार आसानी से निशाना बना सकते थे। दूसरी ओर, जॉनी ने सोचा, साजिशकर्ता पूर्व सोवियत गणराज्यों में से किसी एक में विस्फोट करने का फैसला कर सकते थे, अधिमानतः ऐसे गणराज्य में जो रूस के दोबारा उदय का विरोध करने में सक्षम हो। किसी भी स्थिति में, विस्फोट का कारण अमेरिकी तोड़फोड़ होना असंभव लग रहा था। एक तो इसका कोई मकसद ही नहीं था, और अमेरिका को दोषी ठहराने से बदले की कार्रवाई अनिवार्य हो जाती, जिससे एक वैश्विक युद्ध छिड़ जाता जिसे जीतने की स्थिति में रूसी, कम से कम फिलहाल, बिल्कुल भी नहीं थे। एक वैकल्पिक परिदृश्य—और जॉनी के विचार में अधिक संभावित—विस्फोट के लिए किसी असंतुष्ट को दोषी ठहराना, सुरक्षा में ढिलाई और साम्यवाद के पतन के बाद के दशक में रूस को झेलनी पड़ी अन्य सभी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना और रूस की सभी समस्याओं के समाधान के रूप में सोवियत राज्य की वापसी का सुझाव देना था। इसके परिणामस्वरूप, अमेरिका में एक अनुमानित प्रतिक्रिया देखने को मिली, सेवानिवृत्त साम्यवाद-विरोधी अपने पर्चों और भाषणों को फिर से सक्रिय करने लगे, अपने पर्चे और जॉन बिर्च सोसाइटी की टोपियों को अलमारी से बाहर निकालने लगे।
चाहे आप गेंद को दाएं या बाएं मारें, वह तुरंत कोर्ट के दूसरी तरफ वापस उछल जाती थी। और जॉनी का अनुमान था कि यह उछलती रहेगी, पूरब से पश्चिम और फिर वापस, एक नई हथियारों की होड़, नए छिटपुट युद्धों और "नियंत्रण" के प्रयासों के बीच, जब तक कि पहले दशक का अंत न हो जाए।

इक्कीसवीं सदी 1950 के दशक या द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के "लाल भय" के वर्षों से मिलती-जुलती थी।
हां, अगर वे किसी तरह बम को फटने से रोकने में कामयाब हो जाते, तो बात अलग थी। एक ऐसा बम जिसे वे ढूंढ नहीं पाए, और जिसे एक ऐसे लक्ष्य को नष्ट करने के लिए रखा गया था जिसे वे अपने सर्वोच्च शत्रुओं के सहयोग के बिना पहचान नहीं सकते थे।
उन्हें उनकी जीत की संभावना अच्छी नहीं लग रही थी।
दुर्भाग्यवश, कोई दूसरा विकल्प नहीं था।
उसने कलाश्निकोव को फिर से जोड़ा, उसमें गोलियां भरीं, फायरिंग चैंबर में गोली डालते ही एक तेज धातुई क्लिक की आवाज आई, राइफल का सेफ्टी लॉक लगाया और उसे बिस्तर पर रख दिया, ताकि अगर कोई अचानक आ जाए तो वह उसे तुरंत उठा

सके। फिर उसने अपने दूसरे हथियार को उठाया, उसमें से गोलियां निकालीं और उसे खोलकर नाइटस्टैंड से एक चमड़े का कपड़ा और बंदूक के तेल का एक छोटा डिब्बा निकाला।
जॉनी को अधिकांश मानक सैन्य उपकरणों की अच्छी जानकारी थी, हालांकि वह अपने भाई की तरह कुशल हथियार निर्माता होने का दावा नहीं कर सकता था। वह अपनी बंदूकें स्वयं नहीं बनाता था और न ही किसी खाली कमरे को लघु शस्त्रागार में बदलकर विशेष प्रकार के गोला-बारूद का निर्माण करता था। गोलीबारी की बात आती तो जॉनी को सारी प्रक्रिया पता थी और उसे खून बहाने से डर नहीं लगता था, हालांकि उसे इसमें कोई आनंद नहीं आता था।
यह एक ऐसी विशेषता थी जो वह अपने भाई के साथ साझा करता था।
जब जॉनी बड़ा हो रहा था और उसका भाई अंतरराष्ट्रीय "मोस्ट वांटेड" सूची में था, तो वह कभी-कभी सोचता था कि उसने यह सब कैसे किया, कैसे उसने अपना धैर्य बनाए रखा और उस खून-खराबे से गुजरने के लिए खुद को मजबूत किया, यह जानते हुए कि उसका युद्ध कभी सच में खत्म नहीं होगा, कि अंतिम जीत हमेशा उसकी पहुंच से बाहर रहेगी।
बड़े होने के बाद से, उसे अब कोई आश्चर्य नहीं होता था।
उसके भाई ने इसलिए लड़ाई लड़ी क्योंकि वह लड़ सकता था, और यह जानते हुए कि वह लड़ सकता है, उसके पास वास्तव में कोई विकल्प नहीं था। यदि शिकारियों को दूर रखने के लिए योद्धाओं की आवश्यकता होती, तो उसका भाई हर बार युद्ध में सबसे पहले शामिल होता। और जब वह शहीद हुआ, जैसा कि सभी पुरुषों को होना ही था, तो किसी के मन में कोई संदेह नहीं होगा कि उसने पहले दिन से लेकर अंत तक लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

इससे पहले कि भयावह विचारों का सिलसिला उसे अपने साथ बहा ले जाए, उसने खुद को संभाला और पिस्तौल पर ध्यान केंद्रित किया, उसके पुर्जों में तेल लगाया और उन्हें फिर से जोड़ा, ग्लॉक को युद्ध के लिए तैयार करते हुए एक और क्लिक की आवाज आई। अब, काश वे सुन पाते—
डेकार्ड के मोबाइल फोन की घंटी बजने से उसकी पलकें अनायास ही झपकीं। वह लैंगली के उस आदमी की ओर मुड़ा और देखा कि डेकार्ड ने फोन को हथेली में रखकर खोला और माइक्रोफोन में धीरे से कुछ बोला। रूसी में। बस एक-दो शब्द, और फिर उसने बोलना बंद कर दिया।
"ठीक है," उसने कमरे में मौजूद सभी लोगों से कहा। "हम शुरू करते हैं।"
"यह तो वाकई अफसोस की बात है," ज़ेन्या रोमोचका ने स्टार्का का एक घूंट लेने से पहले कहा। यह शराब वोदका, ब्रांडी और पोर्ट का एक नशीला मिश्रण थी, जिसमें सेब और नाशपाती के पत्तों का रस मिलाया गया था और इसे ओक के पीपों में परिपक्व किया गया था, जिससे इसे "पुरानी वोदका" का नाम मिला। यह इतनी तेज़ थी कि एक नौसिखिया पीने वाले को मदहोश कर सकती थी, या एक अनुभवी को और पीने की लालसा जगा सकती थी।
"बेशक, यह बहुत दुख की बात है," वासिली क्रेस्त्यानोव ने उत्तर दिया। "लेकिन इस उद्देश्य के लिए बलिदान आवश्यक है, और रूसी अपने शहीदों से प्रेम करते हैं। है ना?"
रोमोचका ने हाथ हिलाकर इशारा किया कि उसके ऊपरी होंठ में झुनझुनी हो रही थी, मानो वह सुन्न होने वाला हो। स्टार्का की किसी भी फिल्म को पढ़ने के बाद यह उसका पहला लक्षण था, जो वाकई एक अच्छा संकेत था।

“मैं ज़रूरत समझता हूँ,” उन्होंने पूरी ईमानदारी से कहा। सच तो यह था कि उन्हें हज़ारों मज़दूरों, किसानों और अन्य लोगों की मौत की कोई परवाह नहीं थी। रूस का सबसे बड़ा संसाधन, हमेशा से ही, उसकी जनता रही है, जो आपदा और सुख-दुख दोनों में ही अपनी संख्या बढ़ाने की क्षमता रखती है। हालाँकि, जिन पुरुषों और महिलाओं को मौत के घाट उतारा गया था, उनके प्रति न्यायसंगत रूप से कहें तो, रूस के पूरे इतिहास में कुलीन वर्ग से बाहर के लोगों के लिए सुख-दुख कभी भी स्थायी या व्यापक नहीं रहा है।
"उनके लिए हालात और भी बदतर हो सकते थे," रोमोचका ने आगे कहा, और एक बार फिर उनकी बात में सच्चाई झलक रही थी। वह जानते थे कि 1930 के दशक में जब स्टालिन ने देश की विफल कृषि प्रणाली का सुधार किया था, तब लाखों किसान भूख से मर गए थे, और बुखार से पीड़ित बचे हुए कुछ लोग तो नरभक्षण तक करने पर मजबूर हो गए थे।

उनके द्वारा चलाए गए लगातार शुद्धिकरण अभियानों में, देशद्रोहियों को बाहर निकालने के लिए, इससे भी कहीं अधिक—या शायद दसियों हज़ार—लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया था। उनके बाद सत्ता में आए लोगों ने फायरिंग स्क्वाड को कम काम दिया था, लेकिन उन्होंने प्रसिद्ध लुब्यंका जेल के तहखानों में इतना खून बहाया था, इतने विरोधियों को गुलाग में मौत के घाट उतारा था, कि उन्हें भी निश्चित रूप से महान हत्यारों की श्रेणी में रखा जा सकता है।
रोमोचका को स्वयं उस जिम्मेदारी को संभालने से क्यों डरना चाहिए?
"पैकेज अब कहाँ है?" उसने सवाल को अनौपचारिक बनाने की कोशिश करते हुए पूछा। "क्या इसे मॉस्को से बाहर भेज दिया गया है?"
"आज रात," क्रेस्त्यानोव ने उससे कहा। "निकोलाई स्वयं शिपमेंट की निगरानी करेगा। मैंने सर्वोत्तम सुरक्षा व्यवस्था कर ली है।"
"मुझे उम्मीद है," रोमोचका ने कहा। "सेंट पीटर्सबर्ग को जलाकर राख कर देना एक बात है, और उपकरण को तैनात करने से पहले ही रंगे हाथों पकड़े जाना बिल्कुल दूसरी बात है।"
"तुम्हें किसी बात की चिंता नहीं है, झेन्या," क्रेस्त्यानोव ने उत्तर दिया।
"इसके विपरीत, वासिली, मुझे हर उस चीज़ की चिंता होती है जो मेरे करियर को खतरे में डालती है, मेरी जान की तो बात ही छोड़िए। उदाहरण के लिए, अगर ये चालाक बदमाश, जो तुम्हारे गुंडे दोस्तों को लगातार चकमा देते रहते हैं, पैकेज को रोक लें, तो कौन कह सकता है कि परिवहन टीम का कोई भी सदस्य अपनी जान बचाने के लिए किसी का नाम नहीं बताएगा?"
क्रेस्त्यानोव ने कहा, "मैं निकोलाई की गारंटी देता हूँ। हिरासत में लिए जाने से पहले वह मर जाएगा। बाकी लोग तुम्हारा नाम नहीं जानते। इसके लिए सरकार को मुझसे संपर्क करना होगा।"
राजनेता ने अपनी स्टार्का की चुस्की ली, उसके तीखेपन का आनंद लेते हुए, और क्रेस्त्यानोव की निगाहों में देखते रहे। कर्नल ने पलकें नहीं झपकाईं, मानो सांस भी ले रहे हों। "ठीक है, तो फिर," रोमोचका ने अंत में कहा। "मुझे आप पर पूरा भरोसा है।" और लेनिन की आत्मा से प्रार्थना की, उन्होंने मन ही मन, कि यह मेरी बर्बादी का कारण न बने।

"और तुम्हें ऐसा करना भी चाहिए," क्रेस्त्यानोव ने पलकें झपकाते हुए और चेहरे पर हल्की सी मुस्कान लाते हुए उससे कहा। "आखिरकार, हम दोनों इसमें एक साथ हैं।"
"रूस के लिए," रोमोचका ने टोस्ट करने के अंदाज़ में अपना गिलास उठाते हुए कहा। हालाँकि, यह उनके होठों से आगे नहीं बढ़ पाया और उन्होंने स्टार्का का एक और गहरा घूंट लिया।

'क्रांति के लिए,' क्रेस्त्यानोव ने उत्तर दिया।
ज़ेन्या रोमोचका को यह सुनकर ज़ोर से हंसी आ गई, लेकिन उन्होंने वोदका का एक और बड़ा घूंट पीकर अपनी हंसी को दबा लिया। वह बहुत पहले ही समझ चुके थे — जैसा कि क्रेस्त्यानोव को भी समझना पड़ा होगा—कि आधुनिक रूस में कम्युनिस्ट होना, लेनिन और उनके साथियों द्वारा मोर्चा संभालने के लगभग नब्बे साल बाद, क्रांति या बहुमूल्य सर्वहारा वर्ग से कोई संबंध नहीं रखता। राजनेता को जनता के बारे में खोखले वादे करने और साथ ही राज्य को उसके दुश्मनों से बचाने का प्रशिक्षण दिया गया था। और इस प्रक्रिया में, उन्होंने खुद भी काफी तरक्की की थी।
उसका इरादा फिर से अच्छा प्रदर्शन करने का था, और बहुत जल्द ही।
"परसों, आपने यही कहा था?" उसने सेंट पीटर्सबर्ग के लिए निर्धारित समय सीमा का इंतजार करते हुए क्रेस्त्यानोव से पूछा।
"या फिर ज़्यादा से ज़्यादा सोमवार तक," कर्नल ने कहा। "मुझे लगता है कि रविवार ज़्यादा बेहतर रहेगा। धमाके के असर के अलावा, हम एक बार फिर इस बात पर ज़ोर देना चाहते हैं कि जो लोग ईश्वर को सहारे के तौर पर इस्तेमाल करते हैं, उनके लिए ईश्वर की शक्तिहीनता कितनी है।"
"सुन सुन।"
रोमोचका ने सेंट पीटर्सबर्ग के रूपांतरण गिरजाघर की जो छवि बनाई थी, वह स्टार्का का एक और नमूना था। यह इमारत भव्य थी, हालांकि इसमें एक भावुक और अंधविश्वासी भाव भी था। इसे लगभग एक साल पहले, जब वह और क्रेस्त्यानोव संभावित लक्ष्यों की तलाश कर रहे थे, तब एक मज़ाक के तौर पर चुना गया था। रोमोचका ने केवल विडंबना के आधार पर ही इस चुनाव को मंज़ूरी दी थी। आने वाली कम से कम एक सदी तक रूस का रूप बदलने वाले बम को लगाने के लिए इससे बेहतर जगह और क्या हो सकती थी?
इस बर्बर आतंकवादी कृत्य के लिए उन्होंने कुछ दयनीय असंतुष्टों को बलि का बकरा बनाया, जो खुद को विजय और सत्य की तलवार कहते थे। रोमोचका को ठीक से पता नहीं था कि वे किस बात का समर्थन करते थे, और उन्हें इसकी परवाह भी नहीं थी। वे उपलब्ध थे, काफी मुखर थे, और उन पर तोड़फोड़ और अधिकारियों पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तारी का रिकॉर्ड था। सेंट पीटर्सबर्ग का विनाश तलवार के सदस्यों के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित होता, लेकिन क्रेस्त्यानोव ने ऐसे दस्तावेजी सबूत तैयार कर लिए थे जो उन्हें दोषी ठहराते, जिसमें यूक्रेन से एक गवाह को लाया गया था जो व्यक्तिगत प्रतिरक्षा और एक गुप्त समझौते के बदले में उनकी निंदा करेगा।

उसके नए स्विस खाते में प्रारंभिक भुगतान किया गया। गवाह को इस बात का पता नहीं था कि अंतिम भुगतान एक गोली के लिए केवल पच्चीस या तीस रूबल होगा, साथ

ही एक ऐसी खबर भी होगी जिसमें उनके गवाह को विजय और सत्य की तलवार का अंतिम शहीद बताया जाएगा।
यह एक बेहतरीन योजना थी—या तब तक थी, जब तक किसी ने मॉस्को की सड़कों पर गोलीबारी शुरू नहीं कर दी, और पुलिस और माफिया दोनों की पहुंच से बाहर भूतों की तरह गायब हो गया।
"मैं बस यही चाहता हूं कि सब कुछ ठीक हो जाए," रोमोचका ने कहा।
"हम सब भी यही सोचते हैं," क्रेस्त्यानोव ने अपने इतने सफेद दांतों से जवाब दिया कि रोमोचका को लगा कि वे नकली ही होंगे। "हम सब भी यही सोचते हैं।" "उन्हें पता नहीं चल पाया कि उन्होंने इसे मॉस्को में कहाँ छिपा रखा है," डेकार्ड ने पावलुश्का की टेलीफोन रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा। "शायद यही अच्छा है, क्योंकि हालात ऐसे हैं। अगर हमने शहर में जाकर इसे लेने की कोशिश की और उनके पास हथियार मौजूद हैं, तो आज रात क्रेमलिन में अफरा-तफरी मच सकती है।"
"लेकिन रुरिक को परिवहन मार्ग पर पूरा भरोसा है?" यह सवाल इवान ग्रीन ने पूछा, जो अब भी खुद को इसी नाम से पुकारता था। वह हद से ज़्यादा सतर्क था, और डेकर्ड उसे दोष नहीं दे सकता था। आखिर एक सैनिक की जान इसी तरह बचती थी। उन्होंने कहा, "वे सड़क मार्ग से, टवर और नोवोरोड होते हुए सेंट पीटर्सबर्ग जा रहे हैं। उनका मुख्य वाहन ज़िस सेडान है, नया मॉडल, काले रंग का। उनके साथ दो एस्कॉर्ट होंगे, बाकी कारों के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन रुरिक को मुख्य वाहन का लाइसेंस नंबर मिल गया है।" "इतनी सारी जानकारी होने के बावजूद, वह यह पता नहीं लगा पा रहा है कि उन्होंने बम कहाँ छिपाया है?" जॉनी ने टिप्पणी की।
"ये तो बिल्कुल अलग-अलग बातें हैं," डेकार्ड ने कहा। "उसका सूत्र कोई ऐसा व्यक्ति है जिसका वैलेरिक के परिवार से संबंध तो है, लेकिन वह उससे बहुत दूर का रिश्ता रखता है। पैकेज सौंपने के बाद वे भंडारण में शामिल नहीं होते, लेकिन क्रेस्त्यानोव ने उनके साथ मिलकर सेंट पीटर्सबर्ग तक परिवहन की व्यवस्था की है।"
"हमें कैसे पता चलेगा कि इस काफिले में बम है?" मैक बो-लान ने पूछा। "अगर यह वैलेरिक का वाहन है, तो वह इसमें ड्रग्स या हथियार, या कुछ भी ले जा सकता है।"

"क्योंकि यह वैलेरिक का काफिला नहीं है," डेकार्ड ने कहा। "इस बार तो उसके आदमी भी साथ नहीं हैं। उसने तो बस वाहन मुहैया कराया है।" "क्रेस्त्यानोव के लोगों को गाड़ी नहीं मिली?" जॉनी ने पूछा।
डेकर्ड ने कंधे उचकाते हुए जवाब दिया, अपनी झुंझलाहट छुपाते हुए। "अगर आप मेरा अनुमान जानना चाहते हैं, तो कर्नल वैलेरिक के पास वापस गए ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो, कहीं रास्ते में कोई दिक्कत न आ जाए। उनके काम करने का तरीका ऐसा है कि अगर बम पकड़ा जाता है, तो वह यह सुनिश्चित करेंगे कि गाड़ी में कुछ ऐसा हो जिससे उसे टोल्या या किसी और से जोड़ा जा सके।" "एक और सवाल," बोलन ने कहा। "हमें यह कैसे पता चलेगा कि माल को क्रेस्त्यानोव ही ले जा रहा है, वैलेरिक नहीं?"
"यह तो आसान हिस्सा है," डेकार्ड ने जवाब दिया। "उसने अपने सर्कस के कलाकारों को ज़िम्मेदारी सौंपी है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह समय पर और सही सलामत पहुँच जाए।"

"जिस बड़े आदमी के बारे में आप हमें बता रहे थे?" जॉनी ने पूछा।
"मेरा दोस्त निकोलाई लुकाशा," डेकार्ड ने कहा। "धिक्कार है, मुझे अब भी समझ नहीं आ रहा कि बर्लिन में मैं उसके पूरे सात फीट लंबे कद को कैसे नहीं देख पाया।"
"लगता है आपको एक और मौका मिलेगा।"
बोलन ने कहा, "अगर कुछ गड़बड़ हो जाती है, तो क्या हमारे पास इस बात का कोई अंदाजा है कि सेंट पीटर्सबर्ग में उनका लक्ष्य क्या हो सकता है?"
"नहीं," डेकार्ड ने भौंहें चढ़ाकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए जवाब दिया। "अगर हम उन्हें सड़क पर नहीं हरा पाए, तो हमारी हालत खराब हो जाएगी।" "क्या सेंट पीटर्सबर्ग में आपका कोई परिचित नहीं है?"
"कंपनी के लोग वहां मौजूद हैं, इसमें कोई शक नहीं," डेकार्ड ने जवाब दिया, "लेकिन वे मेरे वरिष्ठ अधिकारियों के लिए अज्ञात हैं, और वे पूछताछ करने के लिए पर्याप्त सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं—"
"जब तक आपको बदमाशों की पहचान न हो जाए," बोलन ने उसकी बात पूरी की।
"सही"
"ठीक है, तो फिर। मुझे लगता है कि हमें गड़बड़ नहीं करनी चाहिए।"
"यह मेरी करने वाली चीजों की सूची में नहीं था," जॉनी ने कहा।

"क्या इस काफिले की संख्या का कोई अनुमान है?" ग्रीन ने पूछा।
“कुछ भी पक्का नहीं है,” डेकार्ड ने कहा। “मुझे लगता है कि अगर वे डिग्गी में रखे अपने सामान पर भरोसा करने का फैसला करते हैं, तो ज़िस में छह, शायद सात निशानेबाज समा सकते हैं। दो एस्कॉर्ट वाहनों के साथ कम से कम चार से आठ और आदमी लग सकते हैं। अंदाज़ा है कि बारह या पंद्रह बंदूकें होंगी। अगर मैं होता, तो इस तरह का भार लेकर मैं जितने आदमियों और हथियारों का इंतज़ाम कर सकता, उतने ले जाता।”
"रुरिक हमारे साथ चल रहा है?" जॉनी ने पूछा।
"जी हां। वह शहर के उत्तर में एक विश्राम स्थल पर हमारा इंतजार कर रहा है। अगर मामला पीछा करने में बदल जाता है तो इससे हमें दो कारें मिल जाएंगी।" बोलन ने कहा, "अगर मुमकिन हो तो हमें इस पर नज़र रखनी होगी। गोलीबारी के दौरान खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अगर उनमें से कोई बम तक पहुंच जाता है, तो वे उसे सक्रिय करके विस्फोट करने का फैसला कर सकते हैं, अगर उन्हें लगता है कि वे बच नहीं पाएंगे। यहां तक कि किसी दुर्घटना या भटकती हुई गोली से भी बम क्षतिग्रस्त हो सकता है। अगर बम फट भी जाए, तो भी घातक विकिरण का खतरा बना रहता है, भले ही वह फटे नहीं।"
"इसलिए, हमें कुछ ऐसा चाहिए जो त्वरित और साफ-सुथरा हो," डेकार्ड ने कहा। "सही।"
"यातायात की परवाह किए बिना, और उन एस्कॉर्ट्स के बावजूद जिन्हें हम शायद पहचान न पाएं।"
"यह सही है।"
लैंगली के उस व्यक्ति ने अपने दो साथियों से कहा, "मैं यह नहीं कह सकता कि मुझे यह बहुत पसंद है।"
"मैं आपको दोष नहीं दे सकता," बोलन ने जवाब दिया। "अगर यहाँ कोई और विकल्प है, तो मैं उसे सुनना चाहूंगा।"
नहीं। जैसा दिख रहा है, या तो हम उन्हें सड़क पर ले जाएंगे या उन्हें जाने देंगे।

"यही रास्ता है," जॉनी ने कहा।
अगले कुछ क्षणों में उन्होंने हथियारों, गोला-बारूद की मैगज़ीनों और एंटीपर्सनल ग्रेनेड के पिनों की अच्छी तरह से जाँच की। इवान ग्रीन ने स्नाइपर राइफल के साथ अपनी कलाश्निकोव भी पैक कर रखी थी, ताकि ज़रूरत पड़ने पर वह दूर से निशाना लगा सके।
आ

डेकार्ड को यह असंभव लग रहा था, लेकिन उसने एक अनुभवी पेशेवर के फैसले पर संदेह करने की परवाह नहीं की।
कम से कम तब तो नहीं जब वह व्यक्ति उसके पक्ष में था।
उसने अपनी घड़ी देखी और समय नोट कर लिया।
"ठीक है," उसने कहा, "हमें चलना चाहिए।"
"टोल्या, हमें उनका पीछा क्यों करना चाहिए? जब तक हमें भुगतान मिल चुका है, तब तक हमें इस बात की परवाह क्यों करनी चाहिए कि बम का क्या होता है?" बोगदाश्का की बात में दम था, बेशक। यूक्रेनी उपकरण उनके हाथों से निकल जाने के बाद उसका क्या होगा, इसमें उनका कोई हित नहीं था, फिर भी...
टोल्या वैलेरिक को गहरा संदेह था कि क्रेस्त्यानोव ने उस उपकरण की योजना बनाते समय उससे झूठ बोला होगा। यह उपकरण "पश्चिम" में कहीं विस्फोट करने वाला था, जो वैलेरिक के ज्ञान और परवाह के अनुसार यूरोप या अमेरिका कुछ भी हो सकता था। लेकिन कुछ उसे कचोट रहा था, उसके मन में एक धीमी सी आवाज़, जो उसके बैंक खाते में सात मिलियन अमेरिकी डॉलर के भारी प्रवाह के बीच मुश्किल से सुनाई दे रही थी।
क्या होगा अगर बम पश्चिम में न गया हो, उन कारणों से जिन्हें क्रेस्त्यानोव समझ सके? क्या होगा अगर इसका इस्तेमाल रूस में या किसी सहयोगी गणराज्य में हुआ हो? क्या होगा अगर क्रेस्त्यानोव को इस त्रासदी के लिए किसी बलि का बकरा चाहिए हो और वह किसी तरह इसे वैलेरिक के परिवार पर थोपने की कोशिश करे, मानो यह विक्षिप्त रूसी माफिया द्वारा मानवता के खिलाफ एक और अपराध हो?
वैलेरिक के पास ऐसा मानने का कोई कारण नहीं था, लेकिन सालों तक सुख-सुविधाओं और अचानक मौत के बीच झूलते रहने ने उसके संदेह को लगभग भविष्यवाणी की हद तक बढ़ा दिया था। वैलेरिक को लगता था कि वह किसी दूसरे व्यक्ति को उसी तरह पढ़ सकता है जैसे ज़्यादातर लोग किसी विज्ञापन को पढ़ते हैं, उसके रहस्यों को पहचानकर उन्हें अपने फ़ायदे में बदल सकता है। यह सच था कि क्रेस्त्यानोव को अपनी भावनाओं, विचारों और इच्छाओं को छिपाने का दशकों का अनुभव था, लेकिन वह भी एक नश्वर इंसान था। वैलेरिक नहीं जानता था कि कर्नल किस तरह का धोखा देने की योजना बना रहा है, लेकिन वह अपनी नई दौलत का एक बड़ा हिस्सा दांव पर लगा सकता था कि क्रेस्त्यानोव उससे हमेशा झूठ बोलता रहा है।
"कितने आदमी?" बोगदाश्का ने पूछा।

"दो गाड़ियों में सामान भरना काफी होगा," वैलेरिक ने कहा। "ध्यान रखें कि वे दिखाई न दें, सिवाय तब जब उन्हें पैकेज को रोकना और उसे वापस लेना हो।" उन्हें कैसे पता चलेगा कि कब समय आ गया है?

"उन्हें पता चल जाएगा," वैलेरिक ने जवाब दिया। "अगर यह हवाई अड्डे या बंदरगाह के अलावा कहीं और जाता है, रूस से बाहर निकलता है, तो उन्हें पता चल जाएगा कि हमारे साथ विश्वासघात हुआ है।"
"और फिर तुम इसे वापस चाहते हो?" बोगदाश्का के चेहरे पर अविश्वास का भाव था।
"किसी न किसी तरीके से इसे निपटाना ही होगा," वैलेरिक ने कहा। "कौन जाने, शायद हमें इसे दो बार बेचने का मौका मिल जाए। संभवतः किसी अरब देश में, जहाँ हम निश्चिंत हो सकते हैं कि यह सुरक्षित रहेगा।"
बोगदाश्का ने कहा, "क्रेस्त्यानोव इस तरह की कार्रवाई को माफ नहीं करेंगे।"
"अगर उसने हमें धोखा दिया है, तो वह समझो मर ही गया है," वैलेरिक ने जवाब दिया। "जमीन में सड़ रहे गद्दार से माफी की किसे परवाह है?"
"तुम जानते हो कि क्रेस्त्यानोव से निपटना आसान काम नहीं होगा," बोगदाश्का ने उसे आगाह किया।
"मुझे चुनौतियां पसंद हैं, अनातोली। लेकिन बाद में क्या होगा, इस बारे में बस इतना ही। आइए अभी के काम पर ध्यान दें।"
क्रेस्त्यानोव की एक गलती के कारण ही बम के विस्फोटक पदार्थ का पता लगाना बेहद मुश्किल, शायद नामुमकिन हो गया था। विडंबना यह थी कि इसी गलती ने वैलेरिक के अस्पष्ट संदेह को लगभग निश्चितता में बदल दिया था कि उसके और उसके साथियों के साथ विश्वासघात हुआ है। क्रेस्त्यानोव ने वैलेरिक को मॉस्को से उस स्थान तक बम ले जाने के लिए एक वाहन उपलब्ध कराने का इंतजाम किया था, जहाँ से कथित तौर पर बम रूस से रवाना होने वाला था। वैलेरिक ने यह काम और पैसे स्वीकार करते हुए तुरंत खुद से यह सवाल पूछना शुरू कर दिया कि पूर्व केजीबी के एक प्रभावशाली कर्नल को मॉस्को में गाड़ी ढूंढने में मदद की क्या ज़रूरत है?
जब उसने इस बारे में सोचा तो यह बेवकूफी भरा लगा। क्रेस्त्यानोव के पास ऐसे लोग थे जो सौ कारें चुरा सकते थे, उन्हें फिर से रंग सकते थे, नंबर प्लेट बदल सकते थे और उन्हें तैयार रख सकते थे।

कल इस समय तक। एक फोन कॉल से, वह शायद पुलिस या सैन्य गार्डों द्वारा सुरक्षित निकलने का इंतजाम कर सकता था। फिर वैलेरिक से कार मंगवाने की क्या ज़रूरत थी... जब तक कि क्रेस्त्यानोव का इरादा वाहन का पता लगाने का न हो।
उस हिस्से का मामला तो सीधा-सादा था, उस गैंगस्टर को समझ आ गया। एक गाइगर काउंटर से पता चल जाता कि पैकेज कार में मौजूद था या नहीं। ज़रूरत पड़ने पर एक-दो उंगलियों के निशान भी मिल जाते, तो शक की सुई वैलेरिक के किसी आदमी की तरफ़ घूम जाती। क्रेस्त्यानोव इतना बेवकूफ़ नहीं था कि वैलेरिक को घटनास्थल पर मौजूद समझे। ज़िंदगी ऐसे नहीं चलती। उसके लिए इतना ही काफ़ी था कि वह अपने किसी मामूली सिपाही को चुन ले, और उस त्रासदी के बाद एक ऐसी साज़िश रच दे जो वहीं से शुरू होकर आगे बढ़ती चली जाए।
लेकिन क्रेस्त्यानोव ने दो बड़ी गलतियाँ की थीं। पहली, उन्होंने वैलेरिक के व्यक्तिगत संदेह और उसे छुपाए रखने की उसकी क्षमता को कम आँका था। दूसरी, कार की डिलीवरी की मांग करके उन्होंने उन्हें बता दिया था कि पैकेज कहाँ मिलेगा, मॉस्को से उसके अंतिम गंतव्य तक उसका पीछा कैसे किया जाएगा।

यह लुका-छिपी का एक अपेक्षाकृत सरल खेल होता, सिवाय इसके कि इसमें जिंदगियाँ और साम्राज्य दांव पर लगे होते।
"और हमें तीन में से किसी एक स्थिति में हस्तक्षेप करना होगा," बोगदाश्का ने कहा।
"कौन से तीन?" वैलेरिक अचानक भ्रमित हो गया और मुझे यह एहसास बिल्कुल अच्छा नहीं लगा।
"पहला, जैसा कि आपने कहा, अगर वे रूसी धरती पर बम रखने की कोशिश करते हैं," बोगदाश्का ने कहा। "दूसरा, अगर हमें देख लिया जाता है और वे हमें भगाने की कोशिश करते हैं।"
"बेहतर होगा कि आप उन्हें आपको देखने न दें," वैलेरिक ने कहा। "और तीसरा?" "अगर कोई और इस पैकेज को रोकने की कोशिश करे। जब तक कि आप यह न चाहें कि हम इसे अजनबियों के हाथों में जाने दें।" "नहीं!" वैलेरिक ने इस विचार पर नाराज़गी जताई। "अगर इसमें कोई दखलअंदाज़ी होती है, और आपको लगता है कि क्रेस्त्यानोव के अपने लोग सामान की रक्षा नहीं कर सकते, तो बेशक आपको इसे उनके अनाड़ी हाथों से जाने से रोकना होगा।" "किसी भी कीमत पर?" बोगदाश्का ने पूछा।

"किसी भी कीमत पर," वैलेरिक ने कहा, "जब तक कि आप इसे खुद विस्फोट न कर दें या परिवार को इसकी सूचना न दें।"
"मैं समझता हूँ।"
"तो फिर, मेरे दोस्त, बेहतर होगा कि तुम अपने काम पर लग जाओ। हमारे पास समय बहुत कम है, और बर्बाद करने के लिए बिल्कुल भी समय नहीं है।"
वैलेरिक उसे जाते हुए देखता रहा और सोचने लगा कि क्या वह अपने दोस्त, अपने दूसरे सबसे बड़े अधिकारी को फिर कभी देख पाएगा। यह कमान का एक जोखिम था, लेकिन अन्य मामलों को प्राथमिकता देनी थी।
परिवार को बचाना था। उसे जीवित रहना था।
बोगदाश्का और उसके सैनिक इसका ख्याल रखेंगे।
रूसी गॉडफादर को पूरा भरोसा था।
एबल डेकार्ड ने कहा, "मैं सोच रहा था कि हमें मीडिया से कुछ कवरेज मिलनी चाहिए।"
बोलन भूरे रंग की चार दरवाजों वाली सेडान कार में मॉस्को के बाहरी इलाके की ओर उत्तर दिशा में जा रहे थे, तभी वह उनके बगल वाली सीट पर बैठे थे। इस बयान से बोलन चौंक गए, लेकिन सबसे पहले प्रतिक्रिया जॉनी की ही थी।
"तुम मज़ाक कर रहे, है ना?"
लैंगली के उस व्यक्ति ने स्पष्ट किया, "मेरा मतलब मुख्य कार्यक्रम से नहीं है। बल्कि उसके बाद से। जब तक मामला शांत नहीं हो जाता, तब तक। अगर मैं क्रेस्त्यानोव और उनके साथियों को जानता हूँ, तो चाहे कुछ भी हो जाए, उनके पास बचाव के लिए विशेषज्ञ तैयार रहेंगे। वे भ्रम और दहशत का फायदा उठाएंगे, और जो भी सबसे पहले स्पष्टीकरण देगा, वही अगला महान भविष्यवक्ता साबित हो सकता है।"
बोलन ने खिड़की से गुजरती सड़कों को देखते हुए कहा, "बात समझ में आती है। तुम्हारी योजना क्या है?"
"रूरिक प्रमुख समाचार पत्रों, रेडियो और टीवी चैनलों में लोगों को जानता है," डेकार्ड ने जवाब दिया। "मैं आपको क्या बताऊं? वह बहुमुखी प्रतिभा का धनी है।"

"मुझे उम्मीद है कि वे सब हमारे पक्ष में होंगे," जॉनी ने पीछे से बुदबुदाते हुए कहा।
"चिंता मत करो," डेकार्ड ने कहा। "उसने अपने पिता को गुलाग में और अपने दो भाइयों को अफगानिस्तान में खो दिया। वह कम्युनिस्टों से इतनी नफरत करता है जितनी जे. एडगर हूवर ने भी कभी नहीं की होगी।"
डेकार्ड लहराती हुई टैक्सी से बचते हुए वापस अपने मूल स्थान पर आ गया।

विचार। "तो खैर, रुरिक के इन दोस्तों को एक कहानी मिलेगी—अरे, मुझे क्या पता, उनमें से कुछ के पास यह पहले से ही हो—जो वैलेरिक, क्रेस्त्यानोव और निष्क्रिय परमाणु हथियारों की अवैध तस्करी के बीच संबंध को उजागर करेगी। पुराने ज़माने में यह कहानी दब जाती, लेकिन मॉस्को के इन पत्रकारों ने बदलाव के बाद से खोजी पत्रकारिता के बारे में बहुत कुछ सीख लिया है। ठीक है, वे अब भी उस दिन के बारे में लिखते हैं जब वोल्गोग्राद में एक विशालकाय एलियन देखा गया था, लेकिन खैर, कोई भी परिपूर्ण नहीं होता (है ना? वैसे भी, हमारी ज़रूरत के लिए टैब्लॉइड की सनसनीखेज खबर शायद बेहतर विकल्प हो सकती है।"
बोलन ने कहा, "इससे क्रेस्त्यानोव को अपना छलावा बिछाने से नहीं रोका जा सकेगा।"
“बिल्कुल सही,” डेकार्ड ने जवाब दिया। “लेकिन अगर सब ठीक रहा तो हमारे पास सबूत होंगे। मतलब, बम होगा, गाड़ियाँ होंगी, कुछ मरे हुए लोग होंगे जिनके नाम प्रेस बताने की कोशिश करेगी। जब तक कि जेल में धमाका न हो जाए।”
बोलन ने कहा, "अगर धमाका होता है, तो हमें इस बात की परवाह नहीं होगी कि सुबह के अखबार में क्या छपा है, चाहे कुछ भी हो जाए।"
"यह एक सुकून देने वाला विचार है," जॉनी ने पीछे से कहा, (लेकिन बोलते समय वह मुस्कुरा रहा था। अपने भाई के अंतहीन युद्ध के बारे में जॉनी को समय-समय पर चाहे जो भी आशंकाएं रही हों, वह लड़का हमेशा तैयार रहता था।)
बोलन को उम्मीद थी कि वह इस खेल में मरने वाला नहीं है। उसने जॉनी को घर में ही रोककर होटल में इंतज़ार करने या फिर बर्लिन वापस जाकर सुज़ैन से मिलने के बारे में सोचा था, लेकिन वह जानता था कि वह लड़का कभी भी इसके लिए राज़ी नहीं होगा। अगर वे जॉनी को सड़क किनारे छोड़ देते, तो भूरी सेडान के नज़र से ओझल होने से पहले ही वह दूसरी कार पर कब्ज़ा कर लेता। बोलन के युद्ध के दैनिक कार्यक्रम से जॉनी को अलग रखना एक बात थी, आख़िरकार, उस लड़के की भी अपनी ज़िंदगी थी, लेकिन एक बार जॉनी काम पर लग जाता, तो वह पिट बुल की तरह डटा रहता। "तो, हमारी तरफ़ से कब से चालबाज़ी शुरू होगी?" बोलन ने पूछा। "उन्हें पता चल गया है कि क्या देखना है," डेकार्ड ने जवाब दिया, "मोटे तौर पर। उन्हें साफ़ तौर पर पता है कि इसमें परमाणु बम शामिल है, लेकिन अब तक उन्होंने हमसे सिर्फ़ तस्करी के बारे में सुना है। अगर बम फटता है, तो मुझे लगता है कि वे वहीं से शुरू करेंगे और आगे बढ़ेंगे।

इसका नतीजा चाहे जो भी हो। अगर हम जीत जाते हैं, तो वे हमारे द्वारा दी गई कहानी की रूपरेखा को लेकर उसे अपने हिसाब से बदल लेंगे। खैर, अगर आधी रात तक कोई बड़ी खबर नहीं आती है, तो उन्हें कल सुबह इसे मुख्य समाचार के रूप में चलाने की अनुमति मिल जाएगी।
"मैं मज़ा किरकिरा नहीं करना चाहता," जॉनी ने कहा, "लेकिन क्या आपको यकीन है कि रुरिक के प्रेस में मौजूद कोई भी संपर्क धोखा नहीं दे रहा है? भले ही

वे उसके साथ ईमानदार हों, मेरा मतलब है, उनमें से कोई भी वैलेरिक या शायद क्रेस्त्यानोव से संपर्क करके कोई संक्षिप्त बयान हासिल करने से नहीं रुकेगा? अगर ऐसा होता है, तो आश्चर्य को अलविदा कह दीजिए।"
"इसीलिए तो उन्हें हमले के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया," डेकार्ड ने रियर-व्यू मिरर की ओर मुस्कुराते हुए कहा। "सबसे बुरी स्थिति में, उनमें से कोई वैलेरिक या कर्नल को कुछ बता दे, और उन्हें लगे कि उनका भेद खुल गया है। कुछ भी हो सकता है। मीडिया में किसी को भी ऐसी कोई जानकारी नहीं है जिससे बड़े अधिकारियों को चल रहे हमले के बारे में पता चल सके।"
"वे इसे वैसे भी साफ कर सकते हैं," जॉनी ने कहा।
"कोई फर्क नहीं पड़ेगा," डेकार्ड ने उससे कहा। "एक बार जब हमारा लक्ष्य हमारी नज़र में आ जाएगा, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि वे मुड़ें या आगे बढ़ते रहें। वे हमारे ही होंगे।"
बोलन इस बात पर डेकर्ड से सैद्धांतिक रूप से सहमत था। एक बार काफिले का पता चल जाने पर, वह मक्खी पकड़ने वाले जाल की तरह उससे चिपक जाएगा और उसमें मौजूद घातक सामान को निष्क्रिय करने की पूरी कोशिश करेगा, लेकिन वह इससे जुड़े जोखिमों से अनजान नहीं था। परमाणु बम के फटने या उसके कंटेनर के टूटने के अलावा, अनगिनत अन्य चीजें भी गलत हो सकती थीं, जैसे टायर पंचर होना, इंजन का खराब होना या दुश्मनों की तरफ से भाग्यशाली गोलीबारी जिससे वे मारे जा सकते थे और रूसियों को अपना बम लगाने का मौका मिल जाता।
बोलन संभावनाओं से अवगत थे, लेकिन उन्होंने उन पर विचार करने से इनकार कर दिया। निराशावादी सोच एक लड़ाकू सैनिक के सबसे बड़े दुश्मनों में से एक होती है, और बोलन ने इसे जड़ से उखाड़ फेंका। उनके पास करने के लिए बहुत कुछ था, इसलिए वे अपनी मृत्यु के स्वार्थी विचारों में डूबने का जोखिम नहीं उठाना चाहते थे।
जल्लाद अपने पूरे रंग में था, और इसका अंत केवल मृत्यु में ही होना था।

निकोलाई लुकाशा ज़िस की सेडान कार में असहज महसूस कर रहे थे, लेकिन उन्हें कोई आपत्ति नहीं थी। सबसे ज़्यादा परेशानी उन्हें सिर के ऊपर बैठने की जगह की कमी से हो रही थी, जिसकी वजह से उन्हें झुककर बैठना पड़ रहा था। सेंट पीटर्सबर्ग पहुँचने से पहले ही उनकी मांसपेशियों में अकड़न शुरू हो जाती। सामान्य परिस्थितियों में, मैं उन्हें आगे की सीट पर बिठाता और उनकी सीट को पूरी तरह पीछे कर देता, पीछे बैठे लोगों के आराम की मुझे कोई परवाह नहीं थी। लेकिन इस बार उन्होंने पीछे की सीट चुनी थी, उनके दोनों ओर कुछ युवा लोग ठसाठस भरे बैठे थे, और अब उन्हें अपने इस चुनाव का खामियाजा भुगतना ही पड़ेगा।
लुकाशा के बैठने की जगह चुनने का कारण यह था कि उसे किसी अनहोनी की आशंका थी—क्रेस्त्यानोव के साथ काम करते समय हमेशा अनिश्चितता का सामना करना

उसकी आदत थी—और अगर कोई अनहोनी हुई भी, तो उस विशालकाय व्यक्ति का मानना था कि वह पीछे से आएगी। उसने तय किया कि उत्तर की ओर जाने वाले राजमार्ग पर नाकाबंदी की तुलना में मॉस्को से पीछा किए जाने की संभावना अधिक थी। बेशक, अगर उनका पीछा किया गया और उनके पीछे लगे लोगों का दबदबा रहा, तो आगे कहीं हेलीकॉप्टर या बख्तरबंद गाड़ियाँ भी उनका इंतज़ार कर रही हो सकती थीं। हालांकि, लुकाशा ऐसा नहीं सोचता था। टोल्या वैलेरिक को लगभग दो सप्ताह तक आतंकित करने वाले बदमाश स्पष्ट रूप से निजी क्षेत्र के थे, वरना अब तक वर्दीधारी लोग तीन प्रतियों में आधिकारिक कागजात लेकर मौजूद होते। इसी तरह, बर्लिन में उसे जान से मारने की कोशिश करने वाला व्यक्ति भी। हो सकता है वह किसी सरकारी एजेंसी के लिए काम कर रहा हो, लेकिन अगर यह कोई आधिकारिक मामला होता, तो वह अकेला नहीं होता, और लुकाशा शायद ही उसे चकमा देता। इसी बात को ध्यान में रखते हुए, लुकाशा चौड़ी जगह के पास रहना चाहता था।

ज़िस की सेडान कार की पिछली खिड़की में, जहाँ वह जगह की कमी के कारण, चाहे कितनी भी असुविधाजनक स्थिति हो, मुड़कर अपनी एके-47 का सर्वोत्तम उपयोग कर सकता था। उसके साथी भी ऐसा ही करते, और संयोगवश, वे उस विशालकाय व्यक्ति पर बाईं या दाईं ओर से दागी गई किसी भी गोली को रोक सकते थे।
सुरक्षा वाहनों के साथ मिलकर वह यही कर सकता था, लेकिन फिर भी उसे उम्मीद थी कि वे बिना किसी संघर्ष के सेंट पीटर्सबर्ग पहुँच जाएँगे। वह क्रेस्त्यानोव को यह बात नहीं बताएगा, क्योंकि वह खुद से भी यह बात कबूल नहीं कर सकता था, लेकिन कार के ट्रंक में रखे घातक पैकेट से छुटकारा पाकर उसे बहुत राहत मिलेगी—सच कहूँ तो, वह लगभग परमानंद से भर उठेगा। अलविदा, सेंट पीटर्सबर्ग। नमस्कार, प्रिय सोवियत गणराज्य।
लुकाशा को एस्कॉर्ट वाहन दिखाई नहीं दे रहे थे, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। उनमें से एक वाहन आगे सड़क पर था, शायद उनसे एक या दो मील आगे, जहाँ से वह किसी भी संभावित हमले को भांपकर दो-तरफ़ा रेडियो के ज़रिए सूचना दे सकता था। दूसरा वाहन उनके पीछे कहीं था, पीछा करने वालों पर नज़र रख रहा था और अगर उन पर हमला होता या राजमार्ग पर किसी भी कारण से उन्हें रोका जाता, तो तुरंत जवाब देने के लिए तैयार था।
लुकाशा पाँच या छह अंगरक्षकों से ज़्यादा खुश होता, यानी चौदह की जगह तीस आदमी, लेकिन क्रेस्त्यानोव को डर था कि ज़्यादा गाड़ियाँ ध्यान आकर्षित करेंगी, जिससे जोखिम बढ़ जाएगा। इसके अलावा, उसने सोचा, अगर चौदह आदमी मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग तक खुली सड़क पर एक सूटकेस की रक्षा नहीं कर सकते, तो मिशन तो बिल्कुल ही नामुमकिन है।
उन सभी के पास, ड्राइवरों समेत, स्वचालित हथियार और सहायक हथियार थे; कुछ गार्डों के पास दो पिस्तौलें थीं, मानो उन्हें अमेरिका के जंगली पश्चिमी इलाकों से लाया गया हो। आगे वाली गाड़ी में मौजूद सैनिकों के पास एक RPG-7 भी था, ताकि जरूरत पड़ने पर वे किसी तरह की नाकाबंदी को तोड़कर आगे बढ़ सकें, जबकि पीछा करने वाली गाड़ी में मौजूद दल के पास सिंगापुर में निर्मित एक CIS-40GL, एक 40 मिमी का सिंगल-शॉट ग्रेनेड लॉन्चर था, जिसमें धुआं और उच्च-विस्फोटक गोलियों से भरा एक थैला भी था।
लुकाशा ने खुद से कहा, "बस इतना ही काफी है।" उसने मौन प्रार्थना करते हुए कहा, "बस इतना ही काफी हो।"

"मुझे ज्यादा अच्छा लगेगा अगर हमें पक्का पता हो कि कौन सी कार आगे वाली सीट पर बैठी है," जॉनी ने किसी से खास तौर पर नहीं कहा।
बोलन भी अपने भाई की चिंता से सहमत था। हाईवे पर जाम तो नहीं था, लेकिन किसी भी समय लगभग आधा दर्जन गाड़ियाँ दिखाई देती थीं, और उनमें से अधिकतर में कई यात्री सवार होते थे, जिनमें से अधिकतर पुरुष होते थे, मानो राइड-शेयरिंग कार्यक्रम को कानून में शामिल कर लिया गया हो और कार पूलिंग को अनिवार्य बना दिया गया हो। जिन गाड़ियों को वे पार कर रहे थे या जो उन्हें पार कर रही थीं, उनमें से कोई भी आसानी से क्रू वैगन के रूप में पहचानी नहीं जा सकती थी। किसी में भी हार्डवेयर दिखाई नहीं दे रहा था, न ही ट्रंक और फेंडर्स से रेडियो एंटीना निकले हुए थे। अन्य वाहन चालकों के चेहरों पर ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे उनके इरादे का पता चले; लगभग सभी के चेहरे गंभीर, ऊबे हुए और दुनिया से कुछ हद तक नाराज़ लग रहे थे।
डेकार्ड का साथी, दाढ़ी वाला रूसी, उनसे लगभग सौ गज आगे था, एक पुरानी एमजी कार चला रहा था जो देखने में बड़ी और भारी कारों से कई बार टकराने के बाद भी बची हुई लग रही थी, उसका बाहरी आवरण प्राइमर ग्रे और पुट्टी के रंग का मिला-जुला रूप था। वह कार की छत खुली रखकर गाड़ी चला रहा था, हालांकि दिन ठंडा था और बारिश की आशंका थी, हवा उसके घुंघराले सफेद-काले बालों में उलझनें पैदा कर रही थी।

जब गोलीबारी की बात आई, तो बोलन जानता था कि खुली कार पाव्लुष्का को कुछ हद तक फायदा देगी, लेकिन अतिरिक्त युद्ध क्षेत्र इस तथ्य से संतुलित हो जाएगा कि उसके चारों ओर कोई स्टील नहीं होगा, जिससे आने वाली गोलियों को रोका या धीमा किया जा सके।
डेकार्ड और बोलन के बीच वाली सीट पर पड़े वॉकी-टॉकी से कर्कश आवाज आई। सस्ते रिसीवर और हवा के झोंके से विकृत होती हुई पाव्लुष्का की आवाज़ ने उन्हें अंग्रेजी में बताया, "देखो! मुझे दिख गया! आगे एक ज़िस सेडान है। लाइसेंस नंबर...एक पल रुको...हाँ! मिल गई!"
एक्सीलरेटर पर पैर रखते हुए डेकार्ड ने कहा, "रॉक एंड रोल।"
बोलन ने वॉकी-टॉकी पकड़ा और ट्रांसमिट करने के लिए बटन दबाया। "क्या आप एस्कॉर्ट्स को पहचान सकते हैं?"
"नहीं," वही कर्कश आवाज़ फिर आई। "अभी नहीं। मुझे उन पर भरोसा है कि वे मुझे ढूंढ लेंगे।"
"वाह, इसमें तो बहुत हिम्मत है," जॉनी ने पीछे से कहा। वह आगे की ओर झुका हुआ बैठा था, उसकी गोद में AKSU तैयार थी।
कुछ देर बाद डेकार्ड ने विंडशील्ड से सामने तेज़ी से लहराती हुई भूरे-भूरे रंग की गाड़ी की ओर इशारा करते हुए कहा, "वो रहा रुरिक। और वो रहा हमारा सामान।"
बॉक्सनुमा ज़िस सेडान में कुछ भी खास नहीं था, शायद यही वजह थी कि इसे चुना गया था। इसका काला रंग इस मॉडल और कंपनी के लिए सामान्य था। काली की गई खिड़कियाँ, जो मिन्स्क और मॉस्को में देखे गए दृश्यों के आधार पर काफी आम थीं, फायरिंग दस्ते को छुपा सकती थीं, लेकिन शायद वे बुलेटप्रूफ नहीं थीं। वास्तव में, ज़िस सेडान किसी भी बख्तरबंद कार से मिलती-जुलती नहीं थी जिसे बोलान ने कभी देखा था। हो सकता है इसमें छिपे हुए बंदूक के छेद हों, लेकिन वह इस बात की संभावना को नकार सकता था, जिसका मतलब है कि गोली चलाने के लिए निशानेबाजों को खुद को सामने लाना पड़ता था।

ज़िस और एमजी के पीछे तेज़ी से आते हुए डेकार्ड ने चेतावनी दी, "तैयार हो जाओ। दस...नौ...आठ... में सामना होगा।"
उनके सामने, एमजी ने ब्रेक लगाया, फिर अचानक मुड़ी और तेजी से आगे बढ़ते हुए ज़िस के पीछे घूमकर उसके दाहिनी ओर आकर रुक गई। बोलन देख रहा था कि दाहिनी पिछली खिड़की

हैंड क्रैंक के हिसाब से बहुत आसानी से इंजन बंद हो गया, और एक स्वचालित हथियार का छोटा सा मुंह उस छेद से बाहर निकला हुआ था।
"उन्होंने ही उसे बनाया!" बोलन ने कहा, गोलियों की बौछार एमजी पर पड़ते ही वह सहम गया।
अरे वाह! क्रिश्चियन कीन ने सोचा। अब मैं एक एक्शन फिल्म में हूँ। जब उसकी ज़रूरत हो तो अर्नोल्ड श्वार्ज़नेगर कहाँ है?
वह एक साधारण सी टोयोटा कॉम्पैक्ट कार में मॉस्को से लुकाशा के तीन कारों के काफिले का पीछा कर रहा था, और इतनी दूरी बनाए हुए था कि पीछा करने वाली कार में मौजूद सुरक्षाकर्मियों को यह न लगे कि वह कोई खतरा है। अब तक, या तो उन्होंने उसे देखा नहीं था या फिर उन्हें लगा था कि वह बस एक और यात्री है, जो संयोगवश उत्तर की ओर जा रहा है, और ज़िस सेडान में बैठे उनके या उनके मालिक के लिए कोई खतरा नहीं है।
और अब उनके सामने आने वाली राह में उन्हें भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था, क्योंकि वहां भयंकर अराजकता फैल गई थी।
कीन को उम्मीद थी कि यात्रा बिना किसी घटना के, बल्कि नीरस ही रहेगी। उसने दुआ की थी कि सेंट पीटर्सबर्ग तक की ड्राइव में सबसे बड़ा खतरा नींद आना ही होगा—वह भयानक "टर्नपाइक ट्रान्स" (सड़क पर होने वाली बेहोशी)। उसके बगल वाली सीट पर, एक मुड़े हुए अखबार के नीचे छिपी हुई वाल्थर पी-5 स्वचालित पिस्तौल बस वहीं पड़ी रहनी थी, पूरी अकेली यात्रा में उसका साथ देना था, और अगर उसकी किस्मत अच्छी रही तो उससे कोई आवाज नहीं आनी थी।
किस्मत का यही हाल है।
कीन ने अपने पीछे आती हुई एमजी कार को अपनी बाईं ओर से गुजरते देखा। हालांकि ड्राइवर का चेहरा उसके लिए कुछ खास मायने नहीं रखता था, लेकिन उसके हाव-भाव में कुछ ऐसा था - आगे की ओर झुका हुआ, दाईं ओर मुड़ा हुआ, होंठ हिल रहे थे - जो पागलपन का संकेत दे रहा था - या इससे भी बुरा, जैसे कि उसके पास कोई टू-वे रेडियो हो। रूस में ऐसे उपकरण आम नहीं थे, हालांकि अब इन्हें रखना कानूनन प्रतिबंधित नहीं था। एक आम रूसी इसे खरीद नहीं सकता था, और गाड़ी चलाते समय किसी से बात करने की उसकी कोई इच्छा नहीं होती थी, भले ही वह ऐसा कर सकता हो। अमीरों के पास अपने सेलफोन होते थे, और वे पुरानी गाड़ियां नहीं चलाते थे।

ब्रिटिश स्पोर्ट्स कारें जो किसी डिमोलिशन डर्बी से खारिज की गई कारों जैसी दिखती थीं। एक टू-वे रेडियो का मतलब था पुलिस, सैनिक...या शायद कुछ और बुरा।
कुछ ही क्षणों बाद दूसरी कार, एक साधारण सेडान, तेज़ी से उसके पास से गुज़री, जिससे कीन को सावधानी से अपनी गति बढ़ानी पड़ी। एस्कॉर्ट वाहन, जो अभी भी उससे काफी आगे था, बाकी दोनों वाहनों के पीछे छूट गया था। उसके चालक दल ने पीछे से आ रही टोयोटा को शायद ही नोटिस किया हो।

ये सब क्या बकवास है? कीन ने सोचा, मन ही मन जानते हुए कि ये अच्छा नहीं हो सकता, और चाहे कुछ भी हो जाए, उसकी हालत बहुत खराब थी। ज़ाहिर है, उसे दखल देने के लिए पैसे नहीं मिल रहे थे। असल में, उसे सख्ती से दूरी बनाए रखने के लिए कहा गया था, लेकिन वह ये भी जानता था कि यहाँ नाकामयाबी, मास्टर प्लान का पटरी से उतरना, घर पर उसके लिए बहुत बड़ी मुसीबत खड़ी कर सकता है। "शांत रहो," उसने खुद से कहा, इस बात से बेखबर कि वह बोल चुका है। "मौकों पर नज़र रखो। जो कर सकते हो करो।"
और जीवित रहो।
किसी भी मिशन का मूलमंत्र।
कीन को स्वचालित राइफलों की आवाज़ सुनाई दी, जो संभवतः कलाश्निकोव राइफल थी। वह अन्य वाहनों के पीछे आ रहा था और अभी भी पीछे चल रही एस्कॉर्ट कार में बैठे निशानेबाजों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित न करने की कोशिश कर रहा था। अगर उसे ज़रा भी आगाह होता कि वह आगे हो रही घटना में शामिल है, तो वे उसे बिना सोचे-समझे सड़क से उड़ा देते। कीन को लगा कि अगर वह पूरी तरह से सड़क से हटकर अपनी कार को नुकसान पहुँचाने का जोखिम उठाए, तो शायद वह उनसे बच सकता है, लेकिन चार आदमियों और उनके पास मौजूद एके, एसएमजी या जो भी हथियार थे, उनका मुकाबला करना उसके लिए नामुमकिन था। ये हथियार मुख्य भंडार की रक्षा के लिए रखे गए थे। इसी तरह, उसके पास उन्हें यह बताने का भी कोई तरीका नहीं था कि वह उनके पक्ष में है—वैसे भी, गोलीबारी के बीच में वे उस पर विश्वास कैसे करते?
अब उसे ज़िस सेडान, निकोलाई लुकाशा और उसके सैनिकों का एमजी और दूसरी कार पर रुक-रुक कर दृश्य दिखाई दे रहा था, जिसके बगल में उनकी अपनी गाड़ी खड़ी थी। पुरानी स्पोर्ट्स कार में अकेला ड्राइवर स्कॉर्पियन मशीन पिस्टल जैसी दिखने वाली बंदूक से गोलियां चला रहा था, उसकी कुछ गोलियां निशाने से चूक रही थीं, बाकी बाकी।

काली सेडान की पेंट सतह पर चमकदार निशान पड़ रहे थे। कीन के अनुसार, शरीर पर कोई चोट नहीं आई थी। कम से कम, ज़िस के दाहिनी ओर बैठे तोपची एक साथ जवाबी फायरिंग कर रहे थे, दो या तीन तोपें एक साथ एमजी पर गोलियां बरसा रही थीं।
सेडान के दूसरी तरफ, उतनी ही संख्या में लोग दूसरी पीछा करने वाली कार पर गोलियां बरसा रहे थे, लेकिन वहां उनका विरोध करने वाले बेहतर हथियारों से लैस थे, संख्या में अधिक थे और खुले मैदान में गाड़ी चलाते समय थोड़े अधिक सतर्क थे। कीन ने भूरे रंग की पीछा करने वाली कार में दो आदमियों और ड्राइवर को गिना, दोनों कलाश्निकोव से लैस थे और खुली खिड़कियों से सटीक गोलियां चला रहे थे, लुकाशा की कार पर गोलियों की बौछार कर रहे थे, जबकि खुद अपेक्षाकृत कम गोलियां खा रहे थे।
उसने देखा कि हालात बदलने ही वाले थे, क्योंकि विशालकाय वाहन का पिछला काफिला बाईं ओर से पीछा करने वाली कार के ठीक पीछे तेज़ी से आया और भूरी कार के बम्पर से टकरा गया, जिससे अंदर बैठे लोग हिल गए, उनका निशाना चूक गया और वे ज़िस सेडान के और करीब आ गए। एक पल और, और लुकाशा के आदमी हमलावरों को बीच में ही घेर लेते, जहाँ वे—
भूरे रंग की सेडान कार की पिछली खिड़की अचानक टूट गई, जिससे कांच और गोलियां पीछे से घिरी कार के बोनट और विंडशील्ड पर बिखर गईं। कीन ने देखा कि एस्कॉर्ट वाहन लड़खड़ाने लगा, फिर एक तरफ झुक गया, जिसके बाद उसे अपनी

ब्रेक लगानी पड़ी और आत्मरक्षा में स्टीयरिंग व्हील को तेज़ी से बाईं ओर घुमाना पड़ा। उसके पास बस इतना ही समय था कि वह कुछ अपशब्द बोल सके, इससे पहले कि उसकी कार सड़क से उछलकर कुछ पल के लिए जमीन से अलग हो गई और राजमार्ग के किनारे एक घास के मैदान में जा गिरी।
पीछा करने वाली कार अचानक कहीं से आ गई, उनके पीछे आकर उनकी गाड़ी से टकरा गई, इससे पहले कि डेकार्ड अपने रियरव्यू मिरर में दृश्य देख पाता, चेतावनी देना तो दूर की बात थी। जॉनी अपनी खुली खिड़की से आधा बाहर झुककर ज़िस सेडान पर अपनी कलाश्निकोव से गोलियों की एक और बौछार कर रहा था, तभी टक्कर के झटके से वह अपनी सीट से उछल गया। वह अपनी गाड़ी के ठीक पीछे फर्श की पतली पट्टी पर घुटनों के बल गिर पड़ा।

भाई की सीट पर, उसकी गर्दन में सुन्नपन के साथ-साथ तेज दर्द हो रहा था। उसने खून के निशान देखे, उसे लगा कि शायद गोली उसे लगी हो, लेकिन उसकी उंगलियां सूखी थीं, खून के कोई धब्बे नहीं थे। बड़बड़ाते हुए, वह सीट पर लड़खड़ाया और अपनी AKSU राइफल से गोलियों की बौछार करके भूरे रंग की सेडान की पिछली खिड़की का आधा हिस्सा तोड़ दिया। उसकी कुछ गोलियां पीछा कर रही कार के बोनट पर लगीं, लेकिन वे वहीं डटे रहे, दोनों ओर से हमलावर अपनी गर्दन झुकाकर तुरंत निशाना साधने की कोशिश कर रहे थे।
"क्या तुम उन्हें हमारे पीछे से हटाना चाहते हो?" डेकर्ड ने कहा, हालांकि सब कुछ देखते हुए उसकी आवाज़ में अजीब सी शांति थी।
"यही योजना है," जॉनी ने जवाब दिया और तेज़ी से आ रहे एस्कॉर्ट वाहन पर स्वचालित गोलियों की एक और बौछार कर दी।
उसकी पहली गोलियों ने पीछा करने वाली गाड़ी के दाहिनी ओर लटके हुए गनर को घायल कर दिया, उसके हाथों से स्वचालित हथियार छीन लिया और खून की लपटों में उसका आधा चेहरा उड़ा दिया। लगातार गोलियां चलाते हुए, उसने विंडशील्ड तोड़ दी और गुर्राते, चीखते चेहरों की एक झलक देखी, जिनमें से एक स्टीयरिंग व्हील के पीछे था, इससे पहले कि पीछा करने वाली गाड़ी धुआं उगलते टायरों के साथ घूमकर किनारे से पलट गई। उसकी AKSU की मैगज़ीन की आखिरी गोलियां ड्राइवर के दरवाजे को भेद गईं और पीछा करने वाली गाड़ी के रुकने से पहले उसके लक्ष्य को तड़पा दिया।
उसके पीछे, अन्य वाहन ब्रेक लगा रहे थे, इधर-उधर मुड़ रहे थे, चालक घबराहट में हॉर्न बजा रहे थे। अपनी बंदूक में नई मैगज़ीन भरने के लिए पीछे हटते हुए, उसे चमकदार पेंट और क्रोम की एक झलक दिखाई दी, जब एक अन्य चालक ने अपना आपा खो दिया और हाईवे से उतरकर एक खुले मैदान में धूल और घास बिखेर दी। जॉनी ने सोचा, "शुभकामनाएं," और उसने सच में ऐसा ही सोचा, लेकिन उसे अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना था।
"फिलहाल हम सुरक्षित हैं," उसने अपने भाई और डेकार्ड को आवाज़ दी और ज़िस सेडान पर साफ़ निशाना लगाने के लिए पीछे मुड़ गया। उसके पेट में अजीब सी बेचैनी हो रही थी, क्योंकि उन्हें लग रहा था कि कार में परमाणु बम है, लेकिन कोई दूसरा विकल्प नज़र नहीं आ रहा था। दूसरी तरफ से पहले गोलीबारी शुरू हो चुकी थी, और पीछे हटने से उनकी सुरक्षित भागने की गारंटी ही मिलती।

और अगर वे युद्धक सामग्री खो देते, तो मैजिक मशरूम का समय आ जाता।

पावलुश्का की एक झलक उसे बस यूं ही दिखाई दी—या कम से कम उसकी एमजी राइफल का धब्बा लगा हुआ पिछला हिस्सा—इससे पहले कि उस साहसी रूसी ने तेज़ी से भाग रही गाड़ी का पीछा करने के लिए एक और दौड़ लगाई। पुरानी स्पोर्ट्स कार का जो हिस्सा उसे दिखाई दे रहा था, वह गोलियों से छलनी और बुरी तरह क्षतिग्रस्त था, लेकिन फिर भी वह चल रही थी और रफ्तार बनाए हुए थी। एक हल्की स्वचालित बंदूक की आवाज, जो स्पष्ट रूप से एके नहीं थी, ने जॉनी को बता दिया कि पावलुश्का के पास अभी भी अपनी स्कॉर्पियन राइफल के लिए गोला- बारूद बचा था, और वह मौका मिलते ही निशाना साधने पर तुला हुआ था।
"ये सब क्या बकवास है!" डेकार्ड ने हैरानी से कहा।
उसकी आवाज़ सुनकर जॉनी ने तुरंत आगे की ओर मुड़कर देखा, और तभी उसे एक और कार तेज़ी से उनकी ओर आती हुई दिखाई दी, जो हाईवे के गलत साइड पर दौड़ते हुए उत्तर की ओर जा रहे ट्रैफिक को तितर-बितर कर रही थी।
उन्होंने कहा, "मेरा सबसे अच्छा अनुमान है कि आप दूसरे एस्कॉर्ट को देख रहे हैं।"
"यह कमीना खुद को जिमी डीन समझता है," डेकर्ड ने सड़क पर नज़र रखते हुए जवाब दिया। "अगर उसे आसान जीत चाहिए, तो मैं उसे दे दूंगा।"
जब यह घटना घटी, तो ऐसा लगा मानो सब कुछ एक साथ हो गया हो। बोलन की AKSU से निकली गोलियों की बौछार ने ज़िस सेडान के बाएं पिछले टायर को चीर डाला और गाड़ी तीन लेन में इधर-उधर बेकाबू होकर लहराने लगी। दक्षिण की ओर तेज़ी से जा रही आगे वाली गाड़ी के चालक ने टक्कर देखी और अपने ही साथियों से हाईवे के बीचोंबीच टकराने से बचने के लिए स्टीयरिंग व्हील को थोड़ा सा घुमाया। थोड़ा सा बाईं ओर मुड़ते हुए, और अभी भी पूरी रफ्तार से गाड़ी चलाते हुए, उसके पास अचानक सामने आई एमजी कार से टकराने से बचने का समय नहीं था। ब्रेक लगाने, चीखने, प्रार्थना करने का भी समय नहीं था।
आगे चल रही कार गोलियों से छलनी एमजी से जोरदार टक्कर के साथ टकराई, और जॉनी ने पावलुश्का की एक झलक देखी, जो हवा में उछलकर एक विश्व स्तरीय जिम्नास्ट की तरह कलाबाजियां कर रहा था, उसके दाहिने हाथ में अभी भी स्कॉर्पियन कसकर पकड़ी हुई थी, इससे पहले कि वह आगे चल रही कार के विंडशील्ड से टकराकर उसे तोड़ते हुए ड्राइवर की गोद में जा गिरा।
उसके बाद स्थिति थोड़ी अफरा-तफरी वाली हो गई, क्योंकि डेकार्ड ने ज़िस की सेडान को साइड से टक्कर मारी और दोनों कारें एक दूसरे से दूर घूम गईं।

विपरीत दिशाओं में लुढ़कते हुए उनके टायरों से धुआं निकल रहा था, और वे लगभग तीस गज की दूरी पर आकर रुक गए।
जैसे ही क्षतिग्रस्त सेडान कार रुकी, डेकार्ड ने अपने दरवाजे की कुंडी को जोर से पकड़ा। उसके सामने कार के बोनट पर धूल उड़ रही थी—या फिर धुआँ? उसे कुछ जलने की गंध आ रही थी, लेकिन टक्कर याद आने में उसे थोड़ा समय लगा— पावलुश्का की एमजी कार निकोलाई लुकाशा के दूसरे एस्कॉर्ट वाहन से आमने- सामने टकरा गई थी।
लुकाशा।
डेकार्ड को अपनी AKSU कार के फर्श पर पड़ी मिली, उसने उसे उठाया और लड़खड़ाते हुए कार से बाहर निकला और झुककर बैठ गया। मलबे से भरे राजमार्ग के उस पार, उसे अभी भी स्वचालित गोलियों की तीखी, रुक-रुक कर चलने वाली

आवाज़ें सुनाई दे रही थीं, लेकिन कुछ क्षण पहले की तुलना में अब लड़ाई में शामिल हथियारों की संख्या स्पष्ट रूप से कम थी।
उसके पीछे एक धमक की आवाज आई, और उसने उधर देखा तो इवान ग्रीन ड्राइवर की तरफ से कूदकर बाहर निकला, उसके हाथ में एक एकेडमिक राइफल और ड्रैगुनोव राइफल वाला बैग था। उसके पीछे, बाईं ओर के पिछले फेंडर के पीछे दुबका हुआ जॉनी ग्रे क्षतिग्रस्त ज़िस सेडान की ओर एक और गोली चलाने के मौके की प्रतीक्षा कर रहा था।
कितना नुकसान हुआ? डेकर्ड को यह भी पक्का नहीं पता था कि उसकी कार चलाने लायक होगी या नहीं, अगर उसे दोबारा कोशिश करने का मौका मिले तो। लुकाशा की कार के बारे में, उसे उम्मीद थी कि वह विशालकाय आदमी वहीं फंसा रह जाएगा, पैदल ही, जब पुलिस आने लगेगी, जैसा कि उन्हें जल्द ही करना ही था। ऐसे देश में भी जहां संचार व्यवस्था ठप होना आम बात थी, इस तरह की गोलीबारी और छह-आठ कारों की टक्कर पुलिस को आकर्षित कर लेती।
उन्हें एहसास हुआ कि उनके पास समय बहुत कम बचा था।
उसने जोखिम उठाकर अपनी किराए की कार के बोनट के पार देखा, और ज़िस में बैठे या उसके पीछे छिपे किसी व्यक्ति ने स्वचालित बंदूक से गोलियों की बौछार कर दी, जिससे विंडशील्ड से टूटे हुए कांच के टुकड़े उसके चेहरे पर जा लगे।
बिना खून बहे घायल होकर, वह नजरों से ओझल हो गया और झुककर कार के आगे की ओर बढ़ने लगा।

वह ऐसा कोण ढूंढ रहा था जिससे वह पूरी तरह से उजागर हुए बिना जवाबी कार्रवाई कर सके।
उनके खिलाफ कितनी बंदूकें थीं? डेकार्ड के पास अभी भी सटीक संख्या का कोई अंदाजा नहीं था, और वह यह भी नहीं बता सकता था कि एमजी के साथ हुई टक्कर में या गोलीबारी के शुरुआती चरणों में घरेलू टीम के कितने खिलाड़ी घायल हुए थे। अपनी किराए की कार पर लग रही गोलियों से डेकार्ड समझ गया था कि अभी भी कई हमलावर जिंदा हैं, जिनमें से कोई भी उसे एक सटीक गोली से मार सकता है। लेकिन वह खेल दोनों टीमों के पक्ष में गया।
ज़िस सेडान में कोई कवच नहीं था; यह बात कार में बने छेदों और चमकदार धातु से साफ ज़ाहिर थी, जहाँ टक्कर के कारण गहरे काले रंग का पेंट उखड़ गया था, और खिड़कियाँ गोलियों से चकनाचूर हो गई थीं। यह देखने वाले के नज़रिए पर अच्छा या बुरा हो सकता था। इसका मतलब था कि उसके दुश्मन असुरक्षित थे—ठीक वैसे ही जैसे वह खुद था, राजमार्ग के किनारे दुबका हुआ, किराए की कार के इंजन पर भरोसा करते हुए कि कोई गर्म गोली उसे लगने से रोक देगी—लेकिन इसका यह भी मतलब था कि ज़िस में दागी गई कोई भी गोली उसके अंदर बैठे लोगों तक पहुँच सकती थी और घातक विकिरण का बादल फैला सकती थी।
हालांकि उन्हें कानून के आने से पहले इसे अंजाम देने का कोई तरीका समझ में नहीं आ रहा था, फिर भी उन्हें रूसी गुंडों को बेअसर करना था, परमाणु बम को वापस लेना था और हालात बिगड़ने से पहले वहां से निकल जाना था।
सही।
किसी ने उसे एक बार कहा था, "उदाहरण पेश करके नेतृत्व करो," हालांकि उसे ठीक से याद नहीं था कि वह कौन था। शायद कोई ऐसा व्यक्ति था जो मोर्चे से मीलों दूर किसी आरामदायक दफ्तर में बैठा था।
डेकार्ड हिल ही रहा था कि उसे राइफल की गोली की आवाज़ से अलग एक आवाज़ सुनाई दी। यह वैसी ही चरमराहट की आवाज़ थी जैसी धातु के कब्ज़ों से कभी-कभी

आती है जब उनमें तेल डालने की ज़रूरत होती है। शायद जैसे कार का दरवाज़ा खुल रहा हो... या शायद कोई डिग्गी खोल रहा हो।
उसने एक और नजर डाली और देखा कि विशालकाय लुकाशा ज़िस के पीछे खड़ा था, छह फुट नौ इंच का, मानो वह
1

गोलियों से अप्रभावित। और ट्रंक खुला हुआ था, धिक्कार है! लुकाशा उसमें से कुछ निकालने के लिए हाथ डाल रहा था जो उसे चाहिए था।
डेकार्ड ने चमकदार धातु के सूटकेस को ऊपर उठाते हुए देखा। उसे एहसास हुआ कि शायद यही उसका एकमात्र मौका है—शायद उस बैग को, साथ ही उसके अंदर छिपे घातक रहस्य को हासिल करने का।
इसके बाद, विचार से क्रिया तक का सफर छोटा ही था। डेकार्ड ने अपने साथियों को बिना चेतावनी दिए ही कवर से छलांग लगाई। वह कंधे से गोली चलाते हुए निकला, कमर से नहीं, दौड़ते हुए भी उसने सटीक निशाना लगाने की पूरी कोशिश की ताकि धातु के खोल पर गोली न लगे।
लुकाशा को पहली गोली उसकी ऊपरी बांह में लगी, जिसके प्रभाव से वह घूम गया और सीधे अपने दुश्मन की ओर मुँह कर लिया। इससे धातु का सूटकेस उन दोनों के बीच आ गया, जिसने लुकाशा के चेहरे और लंबी टांगों को छोड़कर उसके शरीर के अधिकांश हिस्से को बचा लिया। सिर में गोली लगने का जोखिम वह नहीं लेना चाहता था, और डेकार्ड पहले ही अपनी AKSU की नली नीचे करके उस विशालकाय के घुटनों पर गोली चला रहा था, तभी किसी चीज ने उसे बगल में मारा और वह लड़खड़ा गया।
भगवान इस पर लानत है!
डेकार्ड को पता नहीं था कि उसने ज़ोर से गाली दी थी या नहीं, और उसे इसकी परवाह भी नहीं थी। उसने सूटकेस लिए उस विशालकाय व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया, देखा कि उसकी कुछ गोलियां निशाने पर लगीं, लुकाशा की जांघों से खून बहने लगा, वह विशालकाय व्यक्ति गिर पड़ा। एक पल बाद, डेकार्ड ने देखा कि उसके निशाने का खाली हाथ ऊपर उठा, उसके हाथ में एक पिस्तौल थी जो खिलौने जैसी लग रही थी, लेकिन तीस फीट से भी कम दूरी से डेकार्ड पर बरस रही गोलियों में कुछ भी बनावटी नहीं था।
ज़िस सेडान के पीछे छिपे किसी गुंडे ने उस पर अचानक हमला बोल दिया, उसकी एके राइफल से हाईवे पर लड़खड़ाते ज़ॉम्बी के शरीर से मांस के टुकड़े- टुकड़े हो गए। डेकर्ड के पास बस इतना ही समय था कि वह बुदबुदाए, "भाड़ में जाए", और उसने आखिरी बार गोलियों की बौछार कर निकोलाई लुकाशा की खोपड़ी को चीर डाला, इससे पहले कि सड़क उसे अपनी चपेट में ले ले और दुनिया अंधेरी हो जाए।
दो सैनिक मारे गए, उनकी सेना आधी रह गई, और बोलान का अनुमान था कि रूसी निशानेबाजों की संख्या अभी भी उनसे दो या तीन गुना अधिक थी। अब उसे दूर से सायरन की आवाज़ सुनाई दे रही थी, जो अभी भी कई मील दूर थी।

लेकिन एक आवाज़ तेज़ी से उनकी ओर आ रही थी, और वह जानता था कि जॉनी ने भी उसे सुन लिया था। उन्हें जो भी करना था, वह अगले कुछ पलों में ही करना था, ताकि उन्हें घटनास्थल से भागने का समय मिल सके—बशर्ते उन्हें कोई चलने लायक वाहन मिल जाए।

"बहुत देर हो चुकी है," उसने अपने भाई से कहा। "हमें यहाँ से जल्द से जल्द निकलना होगा।" दक्षिण की ओर, मॉस्को की तरफ एक नज़र डालने पर, उसे एक छोटी सी विदेशी कार यू-टर्न लेते हुए सायरन की आवाज़ की ओर तेज़ी से बढ़ती हुई दिखाई दी।
"कोई विचार?" उसके भाई ने पूछा।
जल्लाद ने जवाब दिया, "ग्रेनेड।"
उन्होंने हथेली में दो-दो अंडे रखे, पिन खोल दिए और चम्मच पकड़े, फिर उन्हें घुमाकर बोलन के इशारे पर फेंक दिया। उनके चार अंडे हवा में थे, इससे पहले कि उनके दुश्मनों को पता चलता कि कोई जवाबी फायरिंग नहीं कर रहा है। एक पल बाद, जब फ्रैग ग्रेनेड विशाल पटाखों की तरह फटे, तो मरते हुए लोगों की चीखें नरक से आती अत्यधिक गर्म हवा के झोंके में दब गईं और उड़ गईं। "मैं इंजन चालू करने की कोशिश करता हूँ," जॉनी ने उससे कहा और ड्राइवर की सीट की ओर झपटा। हैरानी की बात है कि दूसरी कोशिश में ही इंजन स्टार्ट हो गया, और बोलन दाईं ओर बैठ गया। जैसे ही गाड़ी चलने लगी, हवा उसके बालों और चेहरे को फड़फड़ाने लगी, और वह जानता था कि उन्हें मौका मिलते ही गोलियों से छलनी इस कार को छोड़ना होगा, लेकिन फिलहाल उनकी प्राथमिकता पुलिस से दूरी बनाना थी।

"तो, योजना क्या है?" उसके भाई ने कई मील की तूफानी यात्रा पूरी करने के बाद पूछा।
"काश मुझे पता होता," बोलन ने जवाब दिया। "भगवान की कसम, काश मुझे पता होता।"

"मैं हूं," जानी-पहचानी आवाज ने कहा।
"बिल्कुल," प्रुएट ने जवाब दिया। "मैं तुम्हारा ही इंतज़ार कर रहा था।" दूसरी तरफ से कुछ देर की झिझक के बाद, कीन ने संदेह भरे लहजे में पूछा, "आपने क्या सुना है?"
प्रुएट के दिमाग में अचानक एक अजीब सी खतरे की घंटी की आवाज गूंजी। यह आवाज हूबहू कीन की आवाज नहीं थी। आवाज की बात नहीं थी—उसके निजी फोन पर लगे स्क्रैम्बलर के साथ लगे विशेष मॉनिटर ने आवाज की पहचान साफ-साफ कर दी थी— बल्कि उसके हावभाव में कुछ गड़बड़ थी। उसमें एक तरह की घबराहट और झिझक थी, जो कीन के व्यवहार में बिल्कुल असामान्य थी।
"मैंने तो अभी तक कुछ भी नहीं सुना है," प्रुएट ने जवाब दिया, "लेकिन अभी बहुत जल्दी है। अगर आपके पास कोई ऐसी जानकारी है जो मुझे पता होनी चाहिए, तो कृपया साझा करें।"
योजनाओं में अप्रत्याशित बदलाव हुआ है।
"और वह क्या होगा...?"
"यह खेप सेंट पीटर्सबर्ग नहीं जाएगी," उनके सहायक ने जवाब दिया।

"मैं सुन रहा हूँ।" प्रुएट को लगा जैसे दफ्तर का तापमान अचानक गिर गया हो। उसे जो अचानक ठंड महसूस हो रही थी, मानो वह कोई मांस रखने का गोदाम हो। "किसी ने परिवहन पर कब्जा कर लिया," कीन ने उसे बताया। "मॉस्को से बीस, शायद पच्चीस मील उत्तर में।"
"कोई व्यक्ति?"

"मैंने उनके नाम नहीं सुने," कीन ने अपने पुराने अंदाज़ में थोड़ा तीखापन लाते हुए कहा। "वहाँ काफी हंगामा हुआ था।"
"शायद अमेरिका से आए हमारे घुसपैठिए?"
कीन ने कुछ देर रुककर आखिरकार जवाब दिया, "मेरे लिए इसका जवाब देना नामुमकिन है। मैंने उन्हें बोलते हुए कभी नहीं सुना। हो सकता है यह कोई रूसी मामला हो। लेकिन क्रेस्त्यानोव के लोग लाशों से पता लगा सकते हैं।" "माफ़ करें?"
"इस बार उनके पास लाशें हैं। कम से कम दो तो हैं। मैंने उनके एक शूटर को कार की विंडशील्ड तोड़ते हुए देखा, और दूसरे को सामान छीनने की कोशिश में गोली लग गई।"
"क्रिस्ट्यानोव के लोगों के बारे में क्या?"
"उनकी बुरी तरह पिटाई हुई," कीन ने जवाब दिया। "वैसिली का नंबर दो, बड़ा निकोलाई, निश्चित रूप से ढेर हो गया। मैंने उसका दिमाग देखा। कुछ और लोगों का भी। हालांकि, जब मैं वहां से निकला, तब भी उनमें से कुछ लोग जीवित थे और लड़ रहे थे।"
"और सामान का क्या?" प्रुएट को घुमा-फिराकर बात करने में थोड़ी झिझक महसूस हुई, लेकिन यह उसकी गहरी आदत बन चुकी थी और वह इसे छोड़ नहीं पा रहा था, यहाँ तक कि अपनी लाइन पर बात करते समय भी, जहाँ पूरी सुरक्षा की गारंटी थी। दूसरी तरफ़ से किसी तरह की चूक या जानबूझकर धोखा होने की संभावना हमेशा बनी रहती थी, चाहे वह कितनी भी कम क्यों न हो।
"खैर, मैंने मुख्य रूप से इसी वजह से फोन किया था," कीन ने कहा।
मैं सुन रहा हूँ।
"वैसिली के लड़कों में अब वह बात नहीं रही।"
प्रुएट ने कल्पना की कि वह पृथ्वी को अपनी धुरी पर झुकते हुए महसूस कर सकता है, ध्रुवीय बर्फ के टुकड़ों को जमे हुए टुकड़ों में बिखरते हुए सुन सकता है, और अपनी दुनिया को सूर्य की ओर तेजी से बढ़ते हुए, ढहते हुए देख सकता है।
"मैं समझ गया।" इसके अलावा और क्या कहा जा सकता था?
"जहां मैं बैठा था, वहां से तो यही लग रहा था कि उनकी बुरी तरह पिटाई होने वाली है। खासकर उस बड़े आदमी के मारे जाने के बाद तो और भी ज्यादा।" कीन की आवाज़ में फिर से घबराहट झलक रही थी। आखिर वो इतनी सावधानी से बात घुमा- फिराकर क्यों कह रहा था?
"ईसाई।"
"मैं यहाँ हूँ।"
"पैकेज का क्या हुआ?"
"खैर, मुझे नहीं लगा था कि आप चाहेंगे कि यह अपहरणकर्ताओं के पास हो।" मैं

और वासिली के सैनिक बुरी तरह हार रहे थे। मैं सोचने लगा कि अगर लड़ाई बराबरी पर आकर खत्म हो जाए और सब मारे जाएं, या फिर घुड़सवार सेना के आने तक वे वहीं लड़ते रहें, तो क्या होगा।
"क्रिश्चियन।" अब वह खुद अपनी अधीरता दिखा रहा है।
कीन ने कहा, "तो मैंने जो किया, वह एक जोखिम लेना था। मैंने एक तरह से अपना बोझ उतार दिया।"
प्रुएट एक पल के लिए चुप रहे, यह तय करने की कोशिश कर रहे थे कि उचित प्रतिक्रिया क्या दें। उनका एक हिस्सा कीन की दुस्साहस पर स्तब्ध था, और साथ ही राहत महसूस कर रहा था कि उन्होंने पुलिस और अज्ञात दुश्मनों को बम पर कब्जा करने से रोक दिया था। दूसरा हिस्सा कीन पर क्रोधित था क्योंकि उसने उनकी—और प्रुएट की—अपमानजनक स्थिति को खतरे में डाल दिया था। और प्रुएट का एक और हिस्सा भय से ग्रस्त था, इतना अस्पष्ट कि वह आत्मविश्वास से उसका कारण नहीं बता पा रहे थे। क्या उन्हें इस बात का डर था कि जब क्रेस्त्यानोव को पता चलेगा कि प्रुएट के किसी व्यक्ति के पास बम है तो वह क्या कहेंगे और क्या करेंगे? क्या यह कीन के भेद खुलने और गिरफ्तारी का डर था, जो अंततः उन्हीं तक पहुंचेगा, जिसके कारण उनके रोंगटे खड़े हो गए थे? "पैकेज अब कहाँ है?" उसने पूछा।
"मैं इसे इधर-उधर ले जा रहा हूँ," कीन ने कहा। "अपनी कार के ट्रंक में। कुछ समय के लिए यह ठीक रहेगा, जब तक कि रूसी यातायात पुलिस के पास अपनी गाड़ियों में गाइगर काउंटर न हों।"
"ध्यान से सुनो। मुझे यह जानना है कि किसने तुम्हें पैकेज लेते हुए देखा। क्या तुम मुझे यह बता सकते हो, क्रिश्चियन?"
कीन ने कहा, "वह वासिली के लड़कों में से एक है, लेकिन आजकल वह ज्यादा बात नहीं करता।"
"बस एक ठो?"
"मुझे पूरा यकीन है," फील्ड एजेंट ने जवाब दिया। "जब मैंने कार्रवाई की, तो उसके साथी बुरी तरह से व्यस्त थे। मुझे रोकने की कोशिश करने वाले इकलौते व्यक्ति को मैंने मार गिराया।"
वे यह बात क्रेस्त्यानोव को कभी नहीं बताएंगे, बेशक। कीन को यह बात ज़ोर से सुनने की ज़रूरत नहीं थी। उन दोनों के लिए खतरा स्पष्ट था। जहाँ तक दूसरे खतरे की बात है...
"ठीक है," प्रुएट ने कहा। "दूसरी तरफ क्या? क्या वे आपको देख सकते थे?"

इससे कीन फिर से हिचकिचा उठा। प्रुएट उसकी कल्पना कर सकता था, सिर थोड़ा एक तरफ झुका हुआ, शायद आँखें बंद, दृश्य को फिर से याद करने की कोशिश कर रहा हो। जब उसका जवाब आया, तो वह हद से ज़्यादा ईमानदार था और उससे कोई तसल्ली नहीं मिली।
"मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता," कीन ने कहा। "हर तरफ़ गोलियां चल रही थीं। जब मैंने उनकी गाड़ी की तरफ़ देखा, तो ऐसा लगा जैसे वे नज़रों से ओझल होने की कोशिश कर रहे थे।"
"लेकिन कोई तुम्हें देख सकता था।"
"हाँ," कीन ने कहा। "यह संभव है। लेकिन वे मुझे कैसे जानेंगे? अमेरिकी या रूसी, यह तो बहुत ही असंभव बात है।"
लेकिन लंबी दूरी के दांव भी फायदेमंद साबित हुए थे, खासकर तब जब प्रुएट उनके खिलाफ दांव लगाता था। "उन्हें तुम्हारा नाम जानने की ज़रूरत नहीं है,

क्रिश्चियन। अगर वे तुम्हारा चेहरा देख लें तो तुम्हारा हुलिया बता सकते हैं। हो सकता है कि वहां कैमरे लगे हों जिनके बारे में हमें पता न हो।" "अरे, रहने दीजिए। यह कोई काल्पनिक दुनिया नहीं है, और मैं रॉडनी किंग नहीं हूँ। भला किसने रूसी मोटर चालकों के पास मिनीकैम के बारे में सुना है?" "मैं जरूरी नहीं कि रूसियों के बारे में सोच रहा था," प्रुएट ने कहा। "ओह।" यह सुनकर कीन एक पल के लिए चुप हो गया, लेकिन जब उसने दोबारा बोलना शुरू किया, तो उसकी आवाज़ में अभी भी आत्मविश्वास झलक रहा था। "मुझे नहीं लगता कि हमलावरों में से कोई भी घर पर वीडियो बनाने का समय निकाल पाएगा, जिस तरह के भयानक तूफान से वे बच रहे थे। खैर, मैं अभी रूस से निकल रहा हूँ।"
"क्या?"
"तुमने सही सुना," कीन ने जवाब दिया। "मुझे पता है कि हमारा दोस्त अपना पैकेज वापस चाहेगा, लेकिन मैं इसे किसी बस स्टेशन के लॉकर में नहीं छोड़ूंगा, और न ही मैं उसके घर के पिछवाड़े में इसे सौंपने वाला हूं। मैं कम से कम एक तटस्थ जगह चाहता हूं, ताकि मैं निश्चिंत होकर वहां से चला जाऊं।"
अगर कुछ और नहीं तो। इसका मतलब यह था कि कीन, माल गिराए जाने से पहले लगभग निश्चित रूप से कुछ और योजना बना लेगा। शायद अपने लिए थोड़ा सा बोनस? अगर कीन ने एक और पैसे के लिए इस ऑपरेशन को खतरे में डाला, तो प्रुएट ने कसम खाई कि वह उस छोटे कमीने को खुद मार डालेगा।

"मैं समझ गया," लैंगली के उस आदमी ने कहा। "आप तटस्थ स्थान के बारे में क्या सोच रहे थे?"
"यह अजीब बात है कि आपने यह सवाल पूछा," कीन ने कहा। "मैं अभी यही सोच रहा था..."
"पेरिस? पेरिस में क्या है?"
वासिली क्रेस्त्यानोव बड़ी मुश्किल से खुद को बड़बड़ाने से रोक पा रहे थे, कहीं ऐसा न हो कि वे गुस्से में अपना टेलीफोन दीवार से उखाड़कर कमरे में फेंक दें। लेकिन ऐसे नखरे करने से कुछ हासिल नहीं होता, और करने को इतना कुछ था कि उनका सिर चकरा रहा था।
नोबल प्रुएट ने अमेरिका के किसी हिस्से से, शायद वर्जीनिया से, या फिर देश की राजधानी से, नेटवर्क लाइन पर बात करते हुए कहा, "तटस्थ क्षेत्र।" एक बात निश्चित थी: लैंगली से वह अटलांटिक पार कॉल करने की हिम्मत नहीं करते। "मैं समझ गया।" क्रेस्त्यानोव को अपने क्षेत्र में दिग्गज बनाने वाली उनकी शांत मुद्रा लौट आई, जिससे उन्हें सुकून मिला। "यह व्यक्ति क्या चाहता है?"
"मैंने उनसे नहीं पूछा," प्रुएट ने जवाब दिया, "और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वह तैयार हैं, और मैं इसका ख्याल रखूंगा। वह मेरी जिम्मेदारी हैं।" "मुझे खुशी है कि आप इस बात को समझते हैं, नोबल," क्रेस्त्यानोव ने जवाब दिया।
"चिंता मत करो। उसे डर है कि तुम्हारे कुछ उत्साही सैनिक उसे मार गिराएंगे। बातों से तो ऐसा लगता है कि मैं उसे दोष नहीं दे सकता।"
तो फिर आप उसका साथ दे रहे हैं?

"क्या मैंने ऐसा कहा था? हे भगवान! तुम तो बिना सोचे-समझे नतीजे पर पहुँच जाते हो। तुम्हें पहले इस पर ध्यान देना चाहिए, नहीं तो यह तुम्हें मुसीबत में डाल देगा।" धमकी को रोककर और उसका जवाब देकर, उसे नई ऊर्जा मिली और वह पूरी तरह से नियंत्रण में आ गया। "मेरा अनुमान है कि तुम्हारे लोग पैकेज वापस चाहते हैं, सही कहा ना?"
"तुम्हें जवाब पता है," क्रेस्त्यानोव ने गुस्से से भरे स्वर में जवाब दिया। "तुम क्या सुझाव देते हो?"
"पेरिस के बीचोंबीच एक साधारण सा हाथ सौंपना। इससे ज्यादा सार्वजनिक कुछ नहीं हो सकता, और कोई भी हमारे परिवार पर दूसरी नजर नहीं डालेगा।"

"मैं वहां रहूंगा," क्रेस्त्यानोव ने उन्हें बताया। "और मुझे आपसे मिलने की उम्मीद है।"
"अब, बस एक मिनट—"
"हम साझेदार हैं, याद है ना?" उसने प्रुएट की बात काटते हुए कहा। "अब, आपके एक अधीनस्थ ने मेरी खोज की सबसे महत्वपूर्ण वस्तु चुरा ली है। उसके अपराध का प्रायश्चित होना चाहिए। यह आपकी ज़िम्मेदारी है।"
"लेकिन-"
"मुझे सद्भावना का संकेत चाहिए। इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता।" उन्होंने प्रुएट को डेस्क पर बैठे हुए, सत्ता के अपने सपनों को अपने हाथों से फिसलते हुए देखने की कल्पना की।
"ठीक है, छोड़ो भी। मैं वहाँ आऊँगा।"
4. 'अब तुम्हारा आदमी कहाँ है?' यह एक मुश्किल सवाल था, लेकिन क्रेस्त्यानोव को कोशिश करनी ही थी। अगर वह नहीं पूछता तो प्रुएट को उस पर दोगुना शक होता।
"मुझे नहीं पता," लैंगली के उस आदमी ने कहा। "हमने उसकी आखिरी कॉल को वेलिकिये लुकी तक ट्रैक किया है, अगर इससे कोई मदद मिलती है। बस इतना ही—"
4. "बेलारूस की सीमा से चालीस मील दूर। धन्यवाद, हाँ। मुझे पता है। यह कितने समय पहले की बात है?"
"कुछ घंटे," प्रुएट ने कहा। "अगर मैं कीन को जानता हूं, तो वह अब तक आपकी पहुंच से बहुत दूर जा चुका होगा।"
यह सुनकर क्रेस्त्यानोव को लगभग हंसी आ गई, लेकिन उन्होंने खुद को संभाला। धरती पर कोई भी उनकी पहुंच से बाहर नहीं था, लेकिन उन्होंने माना कि उस बदमाश चोर का रूस से भाग जाना मामले को और जटिल बना रहा था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसका पीछा करना खर्चीला, समय लेने वाला और अक्सर निष्फल साबित होता था।
4 "तो फिर पेरिस चलते हैं," उसने प्रुएट से कहा, और अब भी ठान लिया था कि अगर हो सके तो पैकेज को वहाँ पहुँचने से पहले ही रोक लेगा। उसे लू-काशा की ज़रूरत थी, धिक्कार है! उस विशालकाय को मरा हुआ समझो, ठीक उसी समय जब क्रेस्त्यानोव को उसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी।
44 हां, बिल्कुल।" प्रुएट की आवाज़ पहले से ही दूर-दूर सी लग रही थी, निस्संदेह वह उन आदेशों के बारे में सोच रहा था जो उसे जारी करने थे, वह सारा काम जो उसे फ्रांस जाने से पहले करना था या अपने अधीनस्थों को सौंपना था।
क्रेस्त्यानोव ने फिर कहा, "अब और कोई गलती नहीं। और न ही कोई दखलअंदाजी।"

"अरे, मैंने तुम्हारे काफिले पर हमला नहीं किया," प्रुएट ने चिढ़कर उसे याद दिलाया। "अगर क्रिश्चियन नहीं आता, तो ये लोग जिन्हें तुम कभी पकड़ नहीं पाते, अभी सारा माल अपने कब्जे में कर लेते और तुम्हारे पास कुछ नहीं होता।"
"तो फिर पेरिस में मुलाकात तक," उन्होंने कहा। "मैं ठहरता हूँ—" "एवेन्यू बुगेउड पर स्थित होटल सेंट-जेम्स में," प्रुएट ने मुस्कुराते हुए कहा। "पैकेज पहुँचने में एक-दो दिन लगेंगे। हमें आगे की योजना पर चर्चा करनी होगी। मैं आपसे संपर्क में रहूँगा।"
"मुझे नहीं लगा था कि मुझे आपसे इतनी जल्दी खबर मिलेगी," बारबरा प्राइस ने कहा, वह अनिश्चित थी कि उसे राहत और खुशी महसूस करनी चाहिए या चिंतित और भयभीत होना चाहिए।
बोलन ने कहा, "नाटक बिखर रहा है। इसे बचाने में शायद बहुत देर हो चुकी है, लेकिन हमें कोशिश करनी होगी।"
बोलन द्वारा सामूहिक सर्वनाम के प्रयोग से वह बेहद प्रसन्न हुई, लेकिन उसे यह नहीं पता था कि वह किस सर्वनाम की बात कर रहा है, और उसने उससे पूछकर अपनी किस्मत आज़माने की कोशिश नहीं की। इसके बजाय, उसने बस इतना पूछा, "क्या चल रहा है?"
“हमने वॉरहेड को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन मुझसे गलती हो गई,” उसने जवाब दिया। मिशन पर हुई किसी भी घटना की ज़िम्मेदारी लेना बोलन की आदत थी, भले ही उसे पूरा यकीन हो कि विफलता के पीछे किसी और की गलती थी। “अगर मौका मिले, तो यह सब खत्म होने के बाद कंपनी को बता देना कि उनके दो एजेंट मारे गए हैं।”
एबल डेकार्ड नाम के उस भूत की पहचान वाली तस्वीर सामने आई।
प्राइस के दिमाग में, लेकिन इस बार उसने कल्पना की कि वह देख सकती है त्वचा के नीचे खोपड़ी। वह जानती थी कि दूसरा बच्चा होगा।
रूसी अनुबंध एजेंट, रुरिक समथिंग, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकी।
5. दूसरे शव को चेहरा दें।
"मुझे खेद है," प्राइस ने उससे कहा।
"इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। खेल उन्होंने ही चुना था और उन्हें नियम भी पता थे।" उनके इस रूखे जवाब ने उसे थोड़ा परेशान कर दिया, लेकिन उनके अगले बयान ने उसे उससे कहीं ज्यादा विचलित किया। "खैर, बुरी खबर तो ये नहीं है।"
"ओह?" उसे जो अचानक ठंड महसूस हुई, उसका कारण वायु-संयम नहीं हो सकता था।

"जब हम सुरक्षाकर्मियों की देखभाल में व्यस्त थे, तभी किसी ने पैकेज छीन लिया।"
4 'आपका मतलब बैकअप से है?'
"ऐसा तभी हो सकता है जब वो आदमी अंधाधुंध काम कर रहा हो," बोलान ने जवाब दिया। "वो अचानक कहीं से आ गया। क्रेस्त्यानोव के एक गोले ने उसे निशाना बनाने की कोशिश की, और उस अजनबी ने बिना सोचे समझे उसे मार गिराया। मैं और वो लड़का पहले से ही फंसे हुए थे। मुझे लगता है कि मैंने उसकी कार की एक झलक देखी, जब वो वहां से तेजी से निकल रहा था, लेकिन वो इतनी दूर थी कि उसका ब्रांड तो दूर, नंबर प्लेट भी नहीं दिख रही थी। कोई छोटी-सी कार होगी, जिसे शायद अब तक किसी और कार से बदल दिया गया होगा। अब आगे कोई रास्ता नहीं।" "उन्हें इसे वापस लाना होगा," उसने सोचते हुए कहा।

"बिल्कुल, मैं भी यही सोच रहा था," बोलन ने कहा। "समस्या यह है कि बिना संपर्कों या उनसे संपर्क करने के किसी तरीके के, हम मॉस्को में बोझ की तरह फंसे हुए हैं और कहीं नहीं जा सकते। अगर हमें कहीं से भी कोई सुराग नहीं मिलता, तो बेहतर यही होगा कि हम अपना बोरिया-बिस्तर बांधकर चले जाएं।"
और यही चुनौती थी। अगर वह उसे ठुकरा देती या ब्रोग्नोला उसे ठुकरा देता, तो उसे लगता कि युद्धक सामग्री किसी न किसी तरह से फिर से क्रेस्त्यानोव तक पहुँच ही जाएगी। प्रलय की साज़िश में बस कुछ समय के लिए टल जाएगा, बस इतना ही। सर्वनाश की राह में एक पल की राहत।
"मैं पता लगा सकती हूँ," उसने फोन करते समय बिना किसी संदेह के कहा कि वह किससे पूछेगी। "हो सकता है हमें यहाँ कुछ पता चल जाए। कौन जाने।"
बोलान ने कहा, "समय बीतता जा रहा है। वे शायद सेंट पीटर्सबर्ग पर दोबारा हमला करने की कोशिश नहीं करेंगे। जहाँ तक मुझे पता है, वे रूस के बाहर किसी लक्ष्य की तलाश शुरू कर सकते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए, उन्हें यह समझना होगा कि कोई न कोई उनकी जान पर नज़र रखे हुए है। वे भले ही लापरवाही बरतें, लेकिन उनका खतरा कम नहीं होगा।"
"मैं तुम्हें सुनता हूं।"
"तुम्हारे पास वह संपर्क नंबर है," बोलन ने उसे याद दिलाते हुए कहा। "हाँ," उसने पुष्टि करते हुए कहा, और वह जानती थी कि उसे फ़ोन नंबर देने के लिए उस पर भरोसा करने की क्या कीमत चुकानी पड़ी थी, जिससे बदले में एक गली का पता मिल सकता था और लुटेरे उस जगह पर पहुँच सकते थे जहाँ...

अब वह और जॉनी अकेले ही पहरा दे रहे थे। दरअसल, उसने यह खबर ब्रोग्नोला को नहीं बताई थी, बस वाशिंगटन को यह सूचना दी थी कि स्ट्राइकर ने संपर्क कर लिया है।
अब उसे एक और कॉल करने का समय आ गया था।
मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगी," उसने उससे वादा किया।
"यह तो कहने की जरूरत ही नहीं है," बोलन ने उससे कहा, हालांकि ऐसा नहीं था।
इस मामले में तो बिलकुल नहीं।
"अपनी पीठ देखो।"
"यह जॉनी का काम है।"
"तो फिर, तुम उसका देखो, ठीक है?"
"एक योजना की तरह लगता है।"
मैं आपसे संपर्क करूंगा।
मुझे उम्मीद है कि जब आप फोन करेंगे तो मैं यहीं रहूंगा।
और बस, यही था। वह आदमी जिसे वह स्ट्राइकर के रूप में जानती थी, अपने दोस्त के रूप में और उससे कहीं बढ़कर, अब इस दुनिया में नहीं था।
निगलने में अचानक हो रही कठिनाई को कोसते हुए, प्राइस ने गुस्से में टेलीफोन के बटनों को जोर-जोर से दबाना शुरू कर दिया।
"मैं अपना कैलेंडर देख रहा हूँ," हैल ब्रोग्नोला ने कहा, "और यह अप्रैल फूल डे नहीं है।"
"आप बिलकुल सही कह रहे हैं," स्टोनी मैन की मोहक आवाज ने पुष्टि की।
"तो, मैं मान रहा हूं कि यह किसी के आधे-अधूरे मन से किया गया मजाक नहीं है।"
"आप दोनों में से दो सही हैं," बारबरा प्राइस ने जवाब दिया।

"धिक्कार है!" ब्रोग्नोला भड़क उठा। "वे किसी को वहाँ आराम से घुसने, परमाणु बम उठाने और फिर आराम से वापस बाहर आने की इजाज़त कैसे दे सकते हैं?"
"माफ़ कीजिए, हैल? हमारे कनेक्शन में कुछ गड़बड़ ज़रूर है।"
"क्या?"
"ठीक है, अब तो शालीनता की बात ही छोड़ो। मैं ये कहना नहीं चाहती थी, लेकिन भाड़ में जाए ये सब," वो आगे बोली। "जब से ये सब शुरू हुआ है, हमने स्ट्राइकर को अलग-थलग कर दिया है। अगर तुम मुझे वजह नहीं बताना चाहते, तो मैं इसे बर्दाश्त कर लूंगी। ये तुम्हारा अधिकार है। लेकिन तुम यहाँ चुपचाप नहीं बैठोगे।"

और इन लोगों पर परमाणु हथियार हथियाने का आरोप लगाया जाता है, जबकि हमने महत्वपूर्ण जानकारी और भौतिक सहायता को रोकने के लिए अपनी पूरी कोशिश की है।"
वह हिचकिचाई, गहरी सांस ली और फेडरल रिजर्व के अधिकारी के क्षणिक सदमे से उबरने से पहले ही, और प्रतिक्रिया तय करने से पहले ही, वह बोल पड़ी, "अब, अगर आप चाहते हैं कि मैं अपना सामान पैक करके यहां से चली जाऊं, तो ठीक है," उसने कहा। "वैसे भी, अगर आप मुझसे उम्मीद करते हैं कि मैं फील्ड में काम कर रहे हमारे लोगों के काम में बाधा डालूं, तो मुझे जाना ही पड़ेगा। यह मेरे काम का हिस्सा नहीं था, और मैं बाथरूम के शीशे से इसलिए दूर भागते-भागते थक गई हूं क्योंकि मुझे उसमें जो दिखता है वह पसंद नहीं है।"
"कोई तुम्हें जाने के लिए नहीं कह रहा है," ब्रोग्नोला ने कहा, उसका पेट ऐसे मचल रहा था जैसे उसने अभी-अभी एक चौथाई टन मैक्सिकन चिली और दो चम्मच जलेपीनो खा लिए हों। "और अगर तुम जाओगे तो मुझे बहुत बुरा लगेगा।"
"अभी, अगर आप सच जानना चाहते हैं, तो मुझे कोई परवाह नहीं है—"
"क्या मैं कुछ बोल सकता हूँ?" उसने उसे बीच में ही रोकते हुए कहा। "तुम जीत गई, ठीक है?"
मैं फिर से कहता हूं, ऐसा लगता है कि हमारा कनेक्शन खराब है।
ब्रोग्नोला ने कहा, "आप इसमें सुधार की उम्मीद कर सकते हैं। मुझे इस मामले में कुछ दिक्कतें आईं, समझ नहीं आ रहा था कि किस पर भरोसा करूं—या शायद मैंने ज़रूरत से ज़्यादा ही भरोसा कर लिया। ऐसा पहली बार हुआ है। बात को ज़्यादा खींचे बिना या फालतू की बातों में पड़े बिना, चलिए मान लेते हैं कि मुझे कुछ गलत सलाह मिली और शायद मैंने सही सवाल नहीं पूछे।" फिर उन्होंने अपनी बात सुधारते हुए कहा, "नहीं, चलिए मान लेते हैं कि मैंने सही सवाल बिल्कुल नहीं पूछे, या कम से कम लगातार सवाल नहीं पूछे। कंपनी में कोई समस्या है—इसमें नया क्या है?—और अब मुझे लगता है कि यह मामला ऊपर तक जाता है। इस उम्र में यह बात मानना शर्मनाक है, लेकिन लगता है मैं बेवकूफ बन गया। मैं गलत टीम पर दांव लगा रहा था और उम्मीद कर रहा था कि स्ट्राइकर उनके खेल की शिकायत नहीं करेगा।"
फोन पर सन्नाटा छाया हुआ था, मानो कोई निर्वात उसे अपनी ओर खींच रहा हो, और उसे मजबूरन कहना पड़ा, "अगर इसके बाद किसी को अपना बोरिया बिस्तर समेटना है, तो वह मैं ही होना चाहिए।"
"अरे नहीं, तुम ऐसा नहीं कर सकते!" महिला ने उस पर झल्लाते हुए कहा। "तुम ऐसा नहीं कर सकते।"
मैं

अपनी गलती को सुधारने के लिए हार मानकर किसी और पर छोड़ देना ठीक नहीं है। अगर आप पीछे हटना चाहते हैं, तो कम से कम इतनी देर तक डटे रहें कि चीजों को ठीक करने की कोशिश कर सकें।
ब्रोग्नोला ने जवाब दिया, "शायद अब बहुत देर हो चुकी है, अगर किसी और ने परमाणु बम हथिया लिया है, और हमें पता भी नहीं चला है—"
"बस करो!" प्राइस ने उसे बीच में ही रोक दिया। "अगर मुझे नौकरी से नहीं निकाला गया, तो मैं इस मामले को सबके सामने बेइज्जत होने से रोकने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा, और मैं हाथ पर हाथ धरे बैठे रहकर, यह शिकायत करते हुए कि बहुत देर हो चुकी है, ऐसा नहीं कर सकता। अब या तो मदद करो या मेरे रास्ते से हट जाओ।"
यह सुनकर ब्रोग्नोला को मुस्कुराना पड़ा। "एक सवाल।"
"हाँ?"
"आप क्या पहन रहे हैं?"
प्राइस की हंसी ने मानो उसे चौंका दिया, मानो किसी औद्योगिक पंखे की तरह उनके बीच की हवा को साफ कर दिया हो और दुर्गंधयुक्त धुएं को बाहर निकाल दिया हो।
तो अब हम क्या करें?" तीस सेकंड बीतने के बाद गंभीर होते हुए उसने उससे पूछा।
एसओजी के निदेशक ने अपनी रोलोडेक्स फाइल के पन्ने पलटते हुए कहा, "मुझे कुछ फोन करने हैं।"
क्या इसमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने आपको गलत सलाह दी थी?” प्राइस ने पूछा। “क्योंकि, अगर आप चाहते हैं कि मैं उनकी जाँच करूँ तो—”
"हम उस पर भी ध्यान देंगे," उसने उससे वादा किया। "अभी हम उन्हें आगाह नहीं कर सकते। इसके लिए सावधानी बरतनी होगी।"
"मुझसे ज्यादा कोमल स्पर्श किसका है?" उसने उसे चुनौती दी।
ब्रोग्नोला ने कहा, "मैं इसका जवाब दे देता, लेकिन मुझे डर है कि आप यहां आकर मेरी पिटाई कर देंगे।"
"कितना मज़ेदार था, हँसना ही भूल गई," उसने शिकायत की। ठीक है। अभी के लिए, क्रेस्त्यानोव, वैलेरिक और उस भीड़ पर पूरी तरह से दबाव बनाओ। अगर उनमें से कोई मॉस्को छोड़ रहा है, तो हमें यह जानना होगा कि कब और कहाँ जा रहा है। अगर वे अपने साथ किसी को ले जा रहे हैं, तो पता लगाओ कि कितने लोग हैं और अगर हो सके तो बाकी लोगों की पहचान करो। क्रेस्त्यानोव इस तरह का सौदा तब तक नहीं करेगा जब तक उसे ऊपर से सुरक्षा न मिली हो, और इससे हमें कुछ खास फायदा नहीं होगा।

अगर हम मिस्टर बिग को वहीं छोड़ दें और दूसरे भूतों की तलाश में निकल पड़ें, तो हम उसे परेशान कर सकते हैं।"
"मैं इस पर काम कर रहा हूं," प्राइस ने कहा, और फिर जोड़ा, "इसका मतलब यह है कि आप घर पर भी यही बात कह सकते हैं, मुझे लगता है।"
ब्रोग्नोला को एक बार फिर पेट में अजीब सी बेचैनी महसूस हुई। "तुम्हारा अनुमान सही है," उसने कहा। "चिंता मत करो। जब मुसीबत आएगी, तो मैं तुम्हें बता दूंगा कि पंखा किस तरफ चलाना है।"
मुझे इसकी उम्मीद है। अलविदा।

ब्रोग्नोला को शर्मिंदगी का एहसास बहुत कम होता था, और उससे भी कम बार उसे लज्जा महसूस होती थी। उस सुबह, उसे दोनों ही भावनाएं महसूस हुईं, और उसके भीतर एक गहरा क्रोध पनप रहा था, जिसके कारण उसके चेहरे पर लाली छा गई। उसका एक हाथ अभी भी कार्ड फाइल पर था, उसका अंगूठा नाम के बगल में एक खास कार्ड पर टिका हुआ था।
"अब मैं तुम्हें पहचान गया हूँ, कमीने," उसने गत्ते के उस चौकोर टुकड़े को संबोधित करते हुए कहा। "तुम्हें जल्द ही पछतावा होगा कि तुमने कभी मेरा नाम भी न सुना होता।"
मुझे।"
"पेरिस ही क्यों?" इन परिस्थितियों में यह एक बेतुका सुझाव था। अगर यह इतना खतरनाक और इतना गंभीर न होता, तो टोल्या वैलेरिक शायद जोर से हंस पड़ता। "वैसे, मैं ही क्यों?"
"पेरिस, क्योंकि माल वहीं जा रहा है," क्रेस्त्यानोव ने भावहीनता से उत्तर दिया। "आप, क्योंकि मैंने आपको पैकेज मेरे हाथों में देने के लिए बहुत अच्छी रकम दी थी, और अब वह चला गया है।"
तब वैलेरिक हँसा, एक चौंकने वाली, भौंकने जैसी आवाज़। "तुम इसके लिए मुझे दोष नहीं दे सकते, धिक्कार है! मैंने तुम्हारे सर्कस वाले सनकी को सामान पहुँचा दिया था—और समय से पहले, मैं तुम्हें याद दिला दूँ—। इसमें मेरी कोई गलती नहीं है कि उसने दिन खत्म होने से पहले ही सामान किसी और को बेच दिया। उससे शिकायत करो, क्यों नहीं?"
"निकोलाई मर चुका है," कर्नल ने बर्फ के साथ वोदका की चुस्की लेते हुए उससे कहा। "मेरे बाकी आदमी भी मर चुके हैं। सब मर गए। शायद तुम भी उनके साथ जाना चाहोगे?"
अपनी डेस्क के उस पार क्रेस्त्यानोव को घूरते हुए, वैलेरिक ने पाया

पूर्व जासूस की बातों पर विश्वास करना मुश्किल था। वैलेरिक के दफ्तर में वह अकेले ही जान से मारने की धमकी देने आया था।
"मुझे नहीं पता कि तुम घमंडी हो, साहसी हो या पागल," वैलेरिक ने अपने मेहमान से कहा। "तुम्हारे पास कोई हथियार नहीं है, जबकि मेरी उंगली मेरे डेस्क के नीचे एक बटन पर है, जो तुरंत बंदूकधारी आदमियों को बुला लेगा। शायद तुम्हें शक है कि वे मेरे आदेश पर तुम्हें मार डालेंगे और तुम्हारी लाश को मोस्कवा नदी में फेंक देंगे?"
"बिल्कुल नहीं," क्रेस्त्यानोव ने जवाब दिया, मानो वह बिल्कुल भी प्रभावित न हुआ हो। "मुझे लगता है कि आपके सैनिक, उनमें से अधिकतर, इतने मूर्ख हैं कि वे बिना सोचे-समझे आपकी हर बात मान लेंगे। इसी वजह से वे कभी भी अपनी वर्तमान स्थिति से ऊपर नहीं उठ पाएंगे, बल्कि हमेशा आप जैसे किसी व्यक्ति के अधीन ही रहेंगे।"
"यदि तुम बुद्धिमान हो—"
"दूसरी ओर, तुम," क्रेस्त्यानोव ने उसे बीच में ही रोकते हुए कहा, "पूरी तरह से मूर्ख नहीं हो। कम से कम मुझे तो ऐसा नहीं लगता, हालांकि मैं गलत भी हो सकता हूं।"
"तुम एक जोखिम भरा खेल खेल रहे हो, वासिली।"
"अगर तुम्हारे पास मेरी सोच का आधा भी अक्ल है, तो ऐसा नहीं होगा," क्रेस्त्यानोव ने कहा। "अगर मैं किसी बेवकूफ से बात कर रहा होता, तो वह डेस्क के नीचे वाला बटन दबा देता। मैं शायद अब तक मर चुका होता। लेकिन एक

समझदार आदमी को यह समझना चाहिए कि भले ही मैं यहाँ अकेला आया हूँ, लेकिन मॉस्को में मेरे दोस्त हैं। ऐसे दोस्त जो मेरी मौत की खबर सुनकर बिल्कुल भी खुश नहीं होंगे। बल्कि, वे अपने पास मौजूद हर साधन से बदला लेंगे—और संयोग से, इनमें संसद, अदालतें, पुलिस और सेना, मातृभूमि की सशस्त्र सेनाएँ शामिल हैं। क्या तुम्हें लगता है कि मैं बढ़ा-चढ़ाकर बोल रहा हूँ, टोल्या? अगर हाँ, तो बेझिझक बटन दबा दो...और अपनी दुनिया को तबाह होते देखने के लिए तैयार हो जाओ।"
वैलेरिक का चेहरा गुस्से से लाल हो गया। उसने कहा, "अगर तुम्हारे पास इतनी शक्ति है, तो तुम्हें फ्रांस में मेरी ज़रूरत नहीं है।"
"यह सही है," क्रेस्त्यानोव ने कहा। "मुझे पेरिस में तुम्हारी ज़रूरत नहीं है, टोल्या, लेकिन मैं चाहता हूँ कि तुम वहाँ रहो। वास्तव में, तुम्हें इस यात्रा के लिए उत्सुक होना चाहिए।"

"ऐसा कैसे?"
"आपको सम्मान का कर्ज चुकाना है—या यूं कहें कि अब तो कई कर्ज चुकाने हैं। आपके साम्राज्य को तहस-नहस कर दिया गया है और आपकी सेना को अज्ञात शत्रुओं के एक दल ने नष्ट कर दिया है। आप बदला लेना चाहते हैं।"
"फिर से, पेरिस ही क्यों?" वैलेरिक ने जोर देकर पूछा।
"क्योंकि जिन लोगों ने मुझसे पैकेज छीनने की कोशिश की, मुझे पूरा यकीन है कि वे वही लोग हैं जिन्होंने दुनिया भर में तुम्हारा पीछा किया है। जो बचेंगे वे पेरिस में होंगे, अपना मिशन पूरा करने की कोशिश कर रहे होंगे। तुम्हें वहाँ उनसे सामना करने का मौका मिलेगा।"
वैलेरिक ने पलकें झपकाईं और घबराकर सांस ली, बचने का रास्ता ढूंढ रहा था। वह उन कमीनों का सामना नहीं करना चाहता था जिन्होंने अमेरिका से कनाडा और फिर यूरोप तक उसका पीछा किया था। वैलेरिक चाहता था कि कोई और उन्हें उससे उचित दूरी पर मार डाले और फिर चांदी की थालियों में उनके सिर उसके सामने पेश करे।
फिर अचानक उसके मन में एक बात आई। "तुमने कहा था कि मेरा पीछा करने वाले लोगों ने पैकेज लेने की कोशिश की थी, मानो वे सफल न हुए हों। लेकिन बम गायब है।"
"इसे किसी और ने ले लिया है।"
और आपको यह किसने बताया?
"दरअसल, वह जिम्मेदार व्यक्ति का मालिक था।"
"इसका कोई मतलब नहीं बनता," वैलेरिक ने कहा।
"इसमें कुछ हद तक समझदारी है," कर्नल ने कहा। "एक समूह ने पैकेज चुराने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे। लुकाशा और उसके सैनिकों ने राजमार्ग पर उनका डटकर मुकाबला किया। उसी समय, हमारा एक साथी देख रहा था और उसने माल को छुड़ाने का मौका देखा, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि वह हमारे दुश्मनों या पुलिस के हाथ न लगे।"
"तुम्हारा यह दोस्त—"
"एसोसिएट," क्रेस्त्यानोव ने उसे सुधारते हुए कहा।
"जो भी हो। आपका यह साथी पैकेज को सुरक्षित रखने में कामयाब रहा, आप कहते हैं? अगर ऐसा है, तो आपको पेरिस जाकर उसे ढूंढने की क्या ज़रूरत है?"
"हम जा रहे हैं, टोल्या। योजना है कि परमाणु बम को वापस लाया जाए और उसका उपयोग करने के लिए सही जगह खोजी जाए। परमाणु बम फ्रांस में है, या

यह जल्द ही होगा, क्योंकि इसे बरामद करने वाला पहरेदार इस बात से डरता है कि अगर वह इसे रूसी धरती पर हमें वापस लौटाता है तो उसका क्या अंजाम हो सकता है।"
"वह हमें वह घटिया चीज़ वापस नहीं करेगा, वासिली। तुम बार-बार वही गलती दोहरा रहे हो। मैंने वह चीज़ तुम्हारे लिए ढूंढी थी। तुमने मुझे डिलीवरी के समय ही पैसे दे दिए थे। वह तुम्हारी है, मेरी नहीं। मैं उसे किसी भी कीमत पर वापस नहीं लूंगा।"
"किसी ने तुमसे ऐसा करने को नहीं कहा है, मेरे दोस्त।" कर्नल की आवाज़ मोहक हो सकती थी, जब वह कुछ चाहता था, लेकिन मखमलीपन के नीचे हमेशा एक तीखी धार छिपी रहती थी। "तुम बस मेरी मदद कर रहे हो, क्योंकि मेरे अपने सैनिक घायल हो गए हैं।"
"पुलिसकर्मियों, सैनिकों, राजनेताओं को ले लो," वैलेरिक ने कहा। "आज तुमने यहाँ शेखी मारी है कि तुम उनका इस्तेमाल अपनी मर्जी से कर सकते हो। उन्हें इस बेवकूफी भरे काम के लिए अपने साथ फ्रांस ले चलो।"
"टोल्या, अगर तुम यह दिखावा करना चाहते हो कि तुम्हारे पास विकल्प है, तो बेशक कुछ पल मौज-मस्ती कर लो। लेकिन चलो अभी और यहीं एक-दूसरे को समझ लेते हैं। अगर तुम सामान की सुरक्षित ढुलाई सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त बल के साथ पेरिस में मेरे साथ नहीं आते, तो कल इसी समय तक तुम्हारा धंधा चौपट हो जाएगा। अगर मैं एक फोन करके तुम्हारे असहयोगी रवैये की सूचना दे दूं, तो तुम्हारे छिपने के लिए कोई जगह नहीं बचेगी, कोई रिश्वत इतनी बड़ी नहीं होगी जो तुम्हारी मदद कर सके। क्या हम स्पष्ट हैं?"
वैलेरिक ने कुछ देर सोचा, मन ही मन भौंहें चढ़ाते हुए, फिर पूछा, "हम कब निकलेंगे?"

एक और बार नींद से जगाने वाली घंटी, इस बार सुबह 3:19 बजे।
"अगर इसे सोना कह सकते हैं तो ठीक है," प्राइस ने मन ही मन बुदबुदाया।
वह घंटों से बिस्तर पर करवटें बदल रही थी, दस-पंद्रह मिनट की झपकी लेती और फिर किसी नए बुरे सपने से अचानक जाग जाती। उसे उन सपनों के कुछ अंश याद थे: कोई भी दो दृश्य बिल्कुल एक जैसे नहीं थे, लेकिन हालांकि उनके परिवेश और साजो-सामान बहुत अलग-अलग थे, फिर भी हर दिल दहला देने वाला सपना उसी चरम क्षण के किसी न किसी रूप में समाप्त होता था।
प्राइस कीचड़, धूल, रेत या लहरों में घुटनों के बल बैठी थी, और मैक बोलन उसकी बाहों में दम तोड़ रहा था। वह चीख रही थी, दुख से नहीं, बल्कि इस ज्ञान से कि उसकी मृत्यु पूरी तरह से उसकी गलती थी।
उसने उस समय उसका साथ नहीं दिया जब उसे उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी।

उसने दूसरी बार में ही टेलीफोन का रिसीवर पकड़ लिया और कहा, "मैं उठ गई हूँ।"
"उद्धरण था, 'कोई भी जानकारी, दिन हो या रात, किसी भी समय,'", कारमेन डेलाहंट ने कहा।
"जी हां। तो, इससे मुझे लगता है कि आप कुछ साझा करना चाहेंगे?"
"जी हां, बिल्कुल। आपका एक दल मॉस्को से रवाना हो रहा है...देखते हैं...अच्छा, अगर सब ठीक रहा तो वे अब तक सामान लाद रहे होंगे। नाम फर्जी हैं, लेकिन निगरानी से हमें वासिली क्रेस्त्यानोव, टोल्या वैलेरिक और वैलेरिक के कम से कम एक दर्जन सैनिकों के आज रवाना होने की पुष्टि मिली है। कर्नल..."

गॉडफादर की सीटें फर्स्ट क्लास में बुक हैं। निशानेबाजों को कोच क्लास में यात्रा करने का मौका मिलेगा।
प्राइस को विमान में उनकी सीट की चिंता नहीं थी। "वे कहाँ जा रहे हैं, कारमेन?"
पूर्व महिला प्रतिनिधि ने जवाब दिया, "पेरिस। मेरे पास उनके आने का समय है, बशर्ते कोई रुकावट न हो। उनके ठहरने के लिए मैंने ओरली में कुछ लोगों को तैनात कर रखा है। उनकी पूरी निगरानी होगी।"
"धन्यवाद," प्राइस ने कहा। "मैं आपका आभारी हूं।"
"कम से कम," डेलाहंट ने जवाब दिया। "ओह, एक और बात जिसमें शायद आपकी दिलचस्पी हो। मुझे तो हमारे काम से इसका कोई संबंध नहीं दिख रहा, लेकिन क्या पता।"
"यह क्या है?"
"पेरिस में इस समय किसी तरह की चार सितारा राजनयिक बैठक चल रही है। अगर आप चाहें तो मैं संपर्क करके सारी जानकारी जुटा सकता हूँ। अभी तक मुझे बस इतना पता है कि यह किसी तरह का पूर्व-पश्चिम समझौता है। रूसियों के कई प्रतिनिधि वहाँ मौजूद हैं, और हमारे भी। ब्रिटेन के प्रतिनिधि भी नाटो के बाकी सभी देशों के प्रतिनिधियों के साथ हैं। मुझे लगता है कि राष्ट्रपति एक-दो दिन में हाथ मिलाने और फोटो खिंचवाने के लिए वहाँ आने वाले हैं। ऐसा लग रहा है जैसे कोई बड़ा जश्न मनाया जाएगा।"
उसके दिमाग में खतरे की घंटियों की तेज आवाज ने प्राइस को एकदम चौंका दिया। "ओह, धिक्कार है!" उसने बिना सोचे-समझे ही कह दिया।
"क्या यह एक बुरी बात है?"
"ऐसा तभी होगा जब कोई पार्टी पर परमाणु हमला कर दे," प्राइस ने जवाब दिया। "'ओह, शिट' बिल्कुल सही है।"
मिशन कंट्रोलर ने कहा, "मुझे जल्द से जल्द पता लगाना होगा कि उनकी बैठक कहाँ हो रही है। और अगर राष्ट्रपति रात वहीं बिताते हैं, तो उनका पता भी। अगर उपलब्ध हो तो अमेरिकी और रूसी प्रतिनिधिमंडलों के पते भी बता दीजिए।" "राज्य के पास इस तरह की जानकारी रिकॉर्ड में होनी चाहिए। और बारबरा...?" "हाँ?"
"इसका मतलब है कि तुम पर मेरे तीन बकाया हैं।"
डेलाहंट रिसीवर को गोद में लेते समय हंस रही थी, लेकिन

प्राइस ने भले ही उसके साथ जो भी हास्य-विनोद साझा किया हो, पेरिस शिखर सम्मेलन का जिक्र सुनते ही उसके शरीर से सारा हास्य गायब हो गया। क्या यह

महज़ संयोग था कि क्रेस्त्यानोव, वैलेरिक और उनके गुंडे अब पेरिस के लिए रवाना हो रहे थे, जबकि राजनयिक समारोह अभी ज़ोरों पर था?
यह एक संभावना तो थी, लेकिन प्राइस को इस पर यकीन नहीं हुआ।
इस बार नही।
यह संभावना तो थी ही कि क्रेस्त्यानोव और उनके अवैध दल का फ्रांस में कोई और काम हो। शिखर सम्मेलन से उन्हें विभिन्न राजनयिकों और राजनेताओं, जिनमें कुछ अमेरिकी भी शामिल थे, तक रूसियों की तुलना में कहीं अधिक पहुँच मिल जाती, क्योंकि उनके संपर्क या उनके लक्ष्य अपने देश में ही थे, जहाँ अंगरक्षकों और पत्रकारों की लगातार निगरानी रहती थी। शायद वे मौका देखकर कुछ गंदा काम करना चाहते थे। बम का धमाका पूरी तरह से अलग दिशा में हो सकता था और वह हमेशा के लिए गायब हो सकता था, जबकि प्राइस अपनी सारी ऊर्जा पेरिस पर केंद्रित कर रही होतीं।
हालांकि, उन्हें शायद इससे बेहतर लक्ष्य कभी न मिले, और वह इसी बात पर दांव लगा रही थी।
उसे दो कॉल करने थे और वह सोच ही रही थी कि पहले कौन सा कॉल करे, तभी उसका फोन फिर बज उठा। इस बार स्विचबोर्ड ऑपरेटर ने बताया कि लाइन पर हैल ब्रोग्नोला हैं।
"या तो आप देर तक काम करते हैं या सुबह जल्दी," प्राइस ने अभिवादन के तौर पर कहा।
"अपनी पसंद चुन लो," ब्रोग्नोला ने जवाब दिया। थकान साफ सुनाई दे रही थी, उनकी गहरी आवाज सामान्य से भी ज्यादा कर्कश थी। "दोनों ही मामलों में, मुझे वह मिल गया जिसकी मुझे तलाश थी।"
"कौन था?"
"कंपनी के अंदर मौजूद मुखबिर की पहचान हो गई है। यह अदालत में भले ही मान्य न हो, लेकिन मेरे लिए इतना ही काफी है। मैं संतुष्ट हूं।"
"क्या तुम इसे साझा करना चाहते हो?" उसने पूछा।
"उस आदमी का नाम नोबल प्रुएट है। वह एक मेहनती आदमी है, कोई डरपोक नहीं। उसने निगरानी के बड़े घोटाले से एक या दो साल पहले ही काम शुरू कर दिया था, ताकि उसे फील्ड में मैक ऑपरेशंस के लिए अपनी रुचि को और बढ़ाने और पुराने साथियों से ढेर सारी कहानियाँ सुनने का पर्याप्त समय मिल सके।"

जो लोग बे ऑफ पिग्स, चिली, ग्वाटेमाला या अंगोला में थे, आप अपनी पसंद का चुनाव कर सकते हैं।"
मैं इस नाम को नहीं पहचानता।
"ऐसा करने का कोई कारण नहीं है," ब्रोग्नोला ने जवाब दिया। "वह कंपनी के कई विभागों में से एक में मध्य प्रबंधन में है—उप-सहायक निदेशक का सहायक, या इसी तरह का कोई उलझा हुआ पद। पदोन्नति के मामले में उसकी स्थिति अब और बेहतर नहीं हो सकती... जब तक कि कोई बड़ा फेरबदल न हो जाए, जिससे उसके ऊपर के सभी पद खाली हो जाएं।"
"क्या यह एक नए शीत युद्ध जैसा है?"
बिल्कुल सही। दरअसल, वह सालों से इसकी भविष्यवाणी कर रहा है—लगभग बर्लिन की दीवार गिरने के बाद से ही। उसने वंडरलैंड में कुछ बड़े लोगों को यकीन दिला दिया है कि मॉस्को में कम्युनिस्ट फिर से सक्रिय हो रहे हैं। भले ही वे अभी तक सामने नहीं आए हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वे दीमक की तरह काम

नहीं कर रहे हैं। जब वह आपके कान में फुसफुसाता है, तो इसका मतलब होता है कि आपको तैयार रहना चाहिए। वह एक माहिर सेल्समैन है।
प्राइस ने उस चिड़चिड़े लहजे को भांप लिया और पूछा, "उसने तुम्हें क्या बेचा?"
"क्या यह इतना स्पष्ट है?" उसकी आवाज़ में कड़वाहट थी।
"केवल एक दोस्त को।"
"खैर, बस इतना समझ लीजिए कि उसके पास बातों को कहने का एक खास तरीका है, और अगर आप उससे सवाल करते हैं तो वह ठोस सबूतों के साथ उसे साबित कर देता है। वैसे, ज्यादातर समय तो ऐसा ही होता है। पिछले तीन सालों में हमने उसके दिए सुझावों से लगभग आधा दर्जन काम हासिल किए हैं।"
"तो फिर आपके पास उस पर विश्वास करने का पर्याप्त कारण था।"
"मुझे तो ऐसा ही लगा था," ब्रोग्नोला ने कहा। "जब स्ट्राइकर ने इस नए सौदे पर मदद मांगी, तो मैंने इसका सार प्रुएट को बताया। रूस उनकी विशेषज्ञता का प्रमुख क्षेत्र माना जाता है।"
"मुझे लगता है कि यह सच है।"
"इसके अलावा," ब्रोग्नोला ने कहा, "मुझे इस बात की चिंता थी कि कंपनी में कोई रूसी माफिया के साथ मिलीभगत कर रहा होगा। हमें तब केजीबी कनेक्शन के बारे में पता नहीं था, और मैं किसी भी अनजान व्यक्ति से संपर्क करने में घबरा रहा था।"
और प्रुएट ने आपको बताया था कि वे पहले से ही इस पर काम कर रहे हैं।

मुझे लगता है कि शायद कोई जासूसों की तलाश चल रही है। बेहतर होगा कि कोई भी इस मामले में दखल न दे।
"और गधे की तरह," ब्रोग्नोला ने कहा, "मैंने इसे निगल लिया।"
"यह समझ में आता है।"
"मुझे लगता है," उसने कहा। "अगर तुम बिलकुल बेवकूफ हो तो।"
"तुम्हें अब यह सब बंद करना होगा और अपनी कहानी खत्म करनी होगी। मेरे पास ऐसी खबर है जो ज्यादा देर तक नहीं रहेगी।"
"ठीक है। संक्षेप में कहें तो, कल स्ट्राइकर की झड़प में मारे गए एक अमेरिकी की पहचान हो गई है। उसका नाम एबल डेकार्ड था और वह सीआईए के लिए काम करता था।"

स्ट्राइकर का कनेक्शन। "और?" उसने उससे पूछा।
"और, मैंने प्रुएट से बचते हुए कुछ जुगाड़ किए और पता लगाया कि डेकार्ड कंपनी में किसके लिए काम करता था। कल रात हमारी थोड़ी बातचीत हुई। असल में, लगभग पूरी रात बातचीत चलती रही। पता चला कि डेकार्ड जासूस की तलाश के विदेशी पहलू पर काम कर रहा था, और उसने बर्लिन में क्रेस्त्यानोव की टीम के साथ प्रुएट के एक आदमी की मुलाकात पर नजर रखी थी।"
"तो, वे अब उसे ले जा सकते हैं, है ना?"
ब्रोग्नोला ने जवाब दिया, "वे इस पर काम कर रहे हैं, लेकिन प्रुएट ने हाल ही में कुछ समय की छुट्टी ली है। ऐसा लगता है कि वह कहीं गए हैं—"
"पेरिस।" प्राइस को शब्द बोलने से पहले ही पूरा यकीन था, और ब्रोग्नोला की तरफ से अचानक आई चुप्पी ने उसकी सटीकता की पुष्टि कर दी।
"तुम्हें यह कैसे पता चला?" उसने पूछा।
"मैं अभी आपको फोन करने ही वाली थी कि आपका फोन आ गया," उसने कहा। "मॉस्को के बड़े अधिकारी इस समय पेरिस के लिए रवाना हो चुके हैं। लगता है इस सप्ताहांत में कोई बड़ी राजनयिक बैठक भी शुरू होने वाली है। मुझे लगता है, अगर वे रूस से पैकेज निकालने का कोई रास्ता निकाल लेते हैं - और मेरा मन कहता है कि उन्होंने निकाल लिया है - तो शिखर सम्मेलन के समय पेरिस एक बढ़िया निशाना बन सकता है।"
"क्या तुमने स्ट्राइकर को बता दिया है?"
"तुम्हारे साथ काम खत्म होते ही मैं उसे फोन करने वाला था।"
"तुम्हारा मुझसे काम खत्म हो गया है। उसे बता दो कि मैं उसके लिए पंखों का इंतजाम कर दूंगी। उसे कल ही वहाँ होना चाहिए था।"
"मैं इस पर काम कर रही हूँ," उसने जवाब दिया।
और, बारबरा?

"हाँ?"
मुझे खेद है।
"ठीक है," उसने उससे कहा, "लेकिन मुझे इसे सुनने की ज़रूरत नहीं है।" "सही।"
लाइन कट गई, और प्राइस ने बाहरी लाइन का नंबर डायल किया। डायल टोन आते ही, मॉस्को में बोलन से जुड़ने के लिए दस और अंक डायल करने थे। कनेक्शन का इंतज़ार करते हुए, वह सोच रही थी कि कहीं यह कोई कटआउट नंबर तो नहीं है, जिसमें ऑटोमैटिक स्विचर लगा हो, या शायद कोई स्थानीय व्यक्ति कॉल उठा रहा हो और रिले को मैन्युअल रूप से कर रहा हो। उसे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि बिना किसी मध्यस्थ के बोलन की आवाज़ सुनाई देगी।
"नमस्ते?"
"मैं हूं," उसने उससे कहा, यह सोचते हुए कि क्या उसे अपनी तरफ से स्क्रैम्बलर बंद करना होगा ताकि उसकी बात समझ में आ सके।
"तुम्हारे पास क्या है?" उसने उससे एक सवाल का जवाब देते हुए पूछा, जबकि उसके लहजे से बाकी सवाल अनुत्तरित रह गए।
"आपके लोग पेरिस के लिए रवाना हो चुके हैं। यह किसी बड़े राजनयिक समारोह के साथ संयोगवश हो रहा है। वह व्यक्ति एक-दो दिन में वहाँ पहुँचने वाला है।
रूस से उसका समकक्ष आ रहा है, साथ ही अमेरिका और यूरोप के कई अन्य देशों से भी कई गणमान्य व्यक्ति आ रहे हैं।"
"पैकेज का क्या हुआ?" बोलन ने पूछा।

"इस बारे में कोई जानकारी नहीं है," उसने कहा। "यह कहीं भी जा सकता है, लेकिन अगर मुझे शर्त लगानी हो, तो मैं मुख्य मुकाबले पर ही दांव लगाऊंगी।" "बात समझ में आती है," उसने कहा, अब उसकी आवाज़ में कुछ खटास सी झलक रही थी। "एक और बात है।"
"वह क्या है?"
"लगता है हम यहाँ बुरी तरह फँस गए हैं?"
"हाँ, बिल्कुल।"
"ठीक है। मैंने अभी-अभी हैल से बात की। लंबी कहानी है, और मुझे लगता है कि उसे ही आपको इसका ज़्यादातर हिस्सा बताना चाहिए। अभी के लिए, आपको बस इतना जानना है कि हम सब सहमत हैं, और हैल को लगता है कि उसने वहाँ आपके लोगों के साथ कंपनी के संबंध का पता लगा लिया है।"
"क्या मैं किसी को जानता हूँ?" उसने पूछा।

44 44
166 न्याय का दिन
*'संदेहजनक। उस व्यक्ति का नाम नोबल प्रुएट है। लैंगली में मध्य प्रबंधन में कार्यरत है और रूसी भाषा का विशेषज्ञ है। अगर आप चाहें तो मैं आपको विवरण, शायद एक फोटो भी, फैक्स कर सकता हूँ।'
"अच्छा लगा।" उनकी आवाज़ थोड़ी नरम पड़ गई और उन्होंने कहा, "धन्यवाद। अगली बार जब मैं आस-पास आऊंगा तो उनसे मिलने की कोशिश करूंगा।"
"इंतजार करने की जरूरत नहीं है," उसने कहा। "वह भी पेरिस जा रहा है।" "अच्छा, तो अब," जल्लाद ने जवाब दिया, "लगता है खूब पार्टी होने वाली है। मुझे शायद बिना बुलाए ही आना पड़ेगा।"
"लेकिन हमें बम के बारे में पक्का पता नहीं है?" यह सवाल जॉनी को परेशान कर रहा था, जैसे उसके जूते में कोई नुकीला पत्थर चुभ रहा हो। "अगर हमें अभी भी बम के बारे में पक्का पता नहीं है, तो हम पेरिस के लिए कैसे निकलेंगे?" “इसीलिए तो हम जा रहे हैं,” उसके भाई ने जवाब दिया। “क्रेस्त्यानोव और वैलेरिक वहाँ होंगे, और अब कंपनी से प्रुएट भी। ये पुराने दोस्तों से मिलने का हफ़्ता है। मैं इसे किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ना चाहता।”
"यह अजीब बात है कि तुमने इसका जिक्र किया," जॉनी ने पलटवार करते हुए कहा, "क्योंकि अगर हम चूक गए तो पूरी दुनिया दांव पर लग जाएगी।"
"मैं तुम्हारी बात समझ रहा हूँ, जॉनी, लेकिन हम पहले ही बहुत बड़ी गलती कर चुके हैं। सच कहूँ तो, हमने गेंद खो दी है, और अभी जब हम बात कर रहे हैं, तो दुनिया में शायद सिर्फ़ वही लोग जानते हैं कि वह कहाँ है, और वे पेरिस जा रहे हैं। हो सकता है वे किसी डिलीवरी का इंतज़ार कर रहे हों, या शायद नहीं। अगर तुम्हें उस चीज़ का पता लगाने का कोई बेहतर तरीका सूझता है, तो हम अभी अपना प्लान छोड़ देंगे और तुम्हारा प्लान अपनाएँगे।"
जॉनी ने लगभग तीस सेकंड तक इस बारे में सोचा, फिर अपना सिर हिलाया। "मेरे पास कुछ नहीं है," उसने कहा। "चलो, जब तक मौका है, एफिल टावर देख लेते हैं, इससे पहले कि कोई इसे पिघला दे।"
उसके भाई की मुस्कान में व्यंग्य तो बहुत था, लेकिन खुशी कम। "ठीक है," उसने कहा। "फार्म ने हमारे लिए एक राजनयिक उड़ान में सीटें जुगाड़ कर ली हैं जो—" अपनी घड़ी पर नज़र डालते हुए उसने कहा, "—दो घंटे सत्ताईस मिनट में रवाना होगी। यह सबसे तेज़ उड़ान है।"

वे इसे संभाल सकते थे। दोनों तरफ हमारे बैग की कोई जांच नहीं हुई, इसलिए यह एक अच्छी बात है।"
"मेरा सामान पैक करने का काम लगभग पूरा हो गया है," जॉनी ने कहा। "क्या हम जाने से पहले मैं एक कॉल कर सकता हूँ?"
"स्विट्जरलैंड?" बोलन की मुस्कान अलग थी, लगभग उदास सी।
"अगर इससे कोई समस्या है तो नहीं," जॉनी ने कहा।
"मुझे तो कुछ नहीं दिख रहा," उसके भाई ने जवाब दिया। "बस इतना याद रखना कि उसका अंत निश्चित नहीं है।"
"हमारी योजनाओं या गंतव्य के बारे में कोई बात नहीं, है ना?" उसने कहा। "मैं बस यह पता लगाना चाहता हूं कि वह ठीक है या नहीं।"
"इससे कोई नुकसान नहीं होगा," उसने कहा, और वह पहले ही खड़ा होकर बाथरूम की ओर बढ़ गया। "रास्ते के लिए बस एक बार नहा लेता हूँ और हार्डवेयर पैक करना खत्म कर देता हूँ।"
"धन्यवाद।"
"इसे बचाकर रखो," उसके भाई ने कहा, "जब तक हम यह नहीं देख लेते कि दूसरी तरफ हमारा क्या इंतजार कर रहा है।"
जॉनी को थोड़ी घबराहट महसूस हुई जब उसने याद से स्विस नंबर डायल किया और अपने मोबाइल फोन के कीपैड पर उसके नौ अंक टाइप किए। उसने सुज़ैन किंग से संपर्क करने के अपने मुख्य कारण के बारे में अपने भाई से झूठ बोला था, लेकिन चूंकि वे दोनों जानते थे कि वह झूठ बोल रहा है, और वे दोनों कारण भी जानते थे, इसलिए उसने सोचा कि झूठ बोलने का कोई महत्व नहीं है। जॉनी ने पेरिस का ज़िक्र न करने का वादा किया था, जहाँ खून-खराबा होने की आशंका थी, और वह ऐसा नहीं करेगा। व्यक्तिगत सुरक्षा इसका एक हिस्सा थी, लेकिन वह उसे बेवजह परेशान न करने के लिए भी उतना ही दृढ़ था।
इसके अलावा, अगर सुज़ैन को पता होता कि वे कहाँ जा रहे हैं, तो वह शायद उनका पीछा करने की कोशिश करती और ठीक उसी समय बीच में पहुँच जाती जब सब कुछ गड़बड़ हो जाता।
होटल के एक डेस्क क्लर्क ने जर्मन में बोलते हुए जवाब दिया, और जॉनी द्वारा पंजीकरण के लिए इस्तेमाल किए गए छद्म नाम को छोड़ने और सुज़ैन से बात करने के लिए कहने के बाद वह सहजता से अंग्रेजी में बात करने लगी।
"जी हां, महोदय। बस एक पल रुकिए।"
ठीक है, तो आखिरकार यह पूरी तरह से निर्बाध नहीं था।
कुछ क्लिक की आवाज़ों, एक पल के सन्नाटे और किसी गाड़ी के हॉर्न जैसी गूंज के बीच उसने इंतज़ार किया, फिर सुज़ैन ने फोन उठाया।

168 न्याय का दिन
"नमस्ते?"
"आप कैसे हैं?"
“अब तक ऊब और अकेलापन महसूस हो रहा था,” उसने कहा। “क्या तुम ठीक हो?” "रास्ते में है," जॉनी ने कहा और बात वहीं खत्म कर दी। "मुझे पता नहीं था कि दोबारा कॉल करने का समय कब मिलेगा।"
"ठीक है, ये लीजिए।" और फिर, बिना मुस्कुराए, "आशा है आप सावधान होंगे।"

"यह मेरा मध्य नाम है," उसने उससे कहा। "इसीलिए मैं इसे अपने बिजनेस कार्ड पर नहीं लिखता।"
वह इस पर हंस पड़ी, उसकी हंसी सच्ची थी, पर तनाव से भरी हुई थी। "काश तुम यहाँ होते," उसने कहा। "अब ज़्यादा देर नहीं लगेगी।" जॉनी स्केटिंग करते हुए लाइन तक पहुंचा, फिर रुक गया।
मैं यहीं रहूंगी," सुज़ैन ने वादा किया। "सुनो, एक और बात..." "प्लीज़, ऐसा मत कहो।"
"अगर कुछ भी हो जाए तो—"
मैं यह सब नहीं सुनना चाहता। कृपया।
"तुम्हें यह सुनना होगा," जॉनी ने कहा। "अगर कुछ हो जाए तो—"
"नहीं!"
"—कोई आपको घर ले जाने के लिए आएगा, या अगर आप चाहें तो कहीं और ले जाने के लिए। वह कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं। आप उनसे पूछिए कि उन्हें किसने भेजा है, और जवाब होना चाहिए 'वंडरलैंड से हैल।' समझ गए?" "हाँ, धिक्कार है! क्या आप संतुष्ट हैं? शायद आप मुझे खुश करने के लिए अपनी अंतिम वसीयत पढ़कर सुनाना चाहेंगे?"
"सुज़ैन—"
"नहीं, रुको।" उसकी आवाज़ लड़खड़ा गई, मानो वह रोने ही वाली थी। "मुझे माफ़ करना। मुझे बस इसके बारे में सोचना अच्छा नहीं लगता... तुम्हें पता है।" "कोई दिक्कत नहीं," उसने कहा। "ज़्यादातर मामलों में, यह एक आसान काम ही होगा।"
झूठा।
"कम से कम, मुझे खुशी है कि अब यह सब मेरे भाई के बारे में नहीं है," उसने कहा। "वह इन सब के लायक नहीं था, बिल्कुल भी नहीं।"

"वह तुम्हारे लिए था।"
मुझे तो ऐसा ही लगा था। ये तो हंसी की बात है, है ना?
"कोई हंस नहीं रहा है।"
खैर, जो भी हो, मैंने अपने गुलाबी चश्मे टक्सन और बर्लिन के बीच कहीं खो दिए। मुझे नहीं लगता कि मैं अब दूसरा चश्मा खरीदने जाऊँगा।
उन्होंने कहा, "आपको पता है, टीवी पर ही ज्यादातर सुखद अंत देखने को मिलते हैं।"
"हो सकता है मुझे एक मिल जाए," सुज़ैन ने उससे कहा, "अगर तुम अपना ख्याल रखो।" जब जॉनी ने तुरंत जवाब नहीं दिया, तो उसने कहा, "ओह-ओह। एक ही बार में तीन गलतियाँ। मैं बहुत जल्दी बोलती हूँ, मेरी आवाज़ बहुत ज़रूरतमंद लगती है और मेरा समय भी खराब है।"
"नहीं, नहीं, और बस थोड़ा सा," उसने कहा। "समय की बात है। अब मुझे हाईवे पर निकलना है। सोने से पहले अभी मीलों का सफर तय करना है।"
"उम्मीद है, मैं अकेला ही रहूंगा।"
"जब तक कि आप माइक को शामिल नहीं कर रहे हैं," उसने कहा, और उस छद्म नाम का इस्तेमाल करने लगा जिसका इस्तेमाल बोलन सुज़ैन के साथ अपने सभी व्यवहारों में करता था।
इस पर वह हंस पड़ी, उसकी हंसी में चिंता की झलक कम थी। "नहीं," उसने कहा, "लेकिन यह जानकर राहत मिली है कि वह मेरे करीब ही है।"

"यह बढ़िया है," जॉनी ने जवाब दिया। "मैंने तुमसे कहा था कि हम बहुत पुराने दोस्त हैं।"
"उस विषय पर हम किसी और समय बात करेंगे।"
“ज़रूर,” उसने कहा। “और अब, मुझे बेहतर होगा कि—”
"जाओ," उसने बात खत्म की। "ठीक है। जल्द ही मिलते हैं।"
"एक योजना की तरह लगता है।"
फिर उसने फोन काट दिया, और जॉनी को तुरंत उसे वापस बुलाने की तीव्र इच्छा हुई, लेकिन उसने खुद को दबाया और मोबाइल फोन बंद करके उसे वापस अपनी जेब में रख लिया। उसका भाई बाथरूम से बाहर आ चुका था, कमर पर तौलिया लपेटे हुए। "क्या अभी भी गर्म पानी बचा है?"
"मॉस्को के मानकों के हिसाब से तो काफी है," उसने जवाब दिया। "घर पर तो इसे गुनगुना, कमरे के तापमान के बराबर ही कहेंगे।"
मुझे यकीन नहीं है कि मैं इस सारी विलासिता को छोड़ने के लिए तैयार हो पाऊंगा।
"सकारात्मक पहलू देखो। शायद पेरिस पहुँचने पर हमें गुनगुना पानी मिल जाए।"

"ठीक है। अगर हमें हाथ धोने का समय मिले तो।" वह रुका, अपनी कमीज़ के बटन खोलते हुए पूछा, "क्या तुम्हें सच में लगता है कि वे इस कूटनीतिक कार्यक्रम में धूम्रपान करना चाहेंगे?"
उनके भाई ने कहा, "ज़ाहिर है, यह उनकी पहली पसंद नहीं थी, लेकिन यह एक बैकअप विकल्प हो सकता है। शायद यह उनके लिए एक छिपा हुआ आशीर्वाद हो, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वहां कौन है।"
"आपने राष्ट्रपति का नाम लिया था।"
"हमारे और रूस के, दोनों राष्ट्रपति," बोलन ने उन्हें सुधारते हुए कहा। "जहां तक मुझे पता है, वे बैठक में सीधे तौर पर भाग नहीं ले रहे हैं। बल्कि मनोबल बढ़ाने के लिए एक अनौपचारिक अतिथि के रूप में आ रहे हैं।"
"और अगर यह बैठक ही शुरुआती बिंदु साबित होती है, तो इससे दोनों पक्षों में कई रिक्तियां खुल जाएंगी।"
"ठीक है। और इसके अलावा, घर पर भी कुछ रवैया बदलना होगा।"
"एक युद्ध?"
बोलन ने कहा, "अगर यह सब एकतरफा होता, तो शायद ऐसा हो सकता था, लेकिन दोनों तरफ के ताकतवर लोग आपस में सहयोग कर रहे हैं। मेरा अनुमान है कि वे साम्राज्य के बारे में सोच रहे हैं, न कि विनाश के बारे में।"
"तो, उन्हें एक बलि का बकरा चाहिए होगा," जॉनी ने कहा।
"इसमें कोई समस्या नहीं है। दुनिया कट्टरपंथियों से भरी पड़ी है। अगर वे एक समूह को फंसा नहीं सकते, तो संभावना है कि दूसरा समूह खुद ही इसका श्रेय लेने की कोशिश करेगा।"
"इस बीच, एक अफवाह यहाँ, एक अफवाह वहाँ..."
उनके भाई ने कहा, "चाहे जो भी इसके लिए जिम्मेदार हो, आप पूर्व और पश्चिम दोनों जगह बड़े बदलावों की उम्मीद कर सकते हैं।"
"जब तक हम इसे रोक नहीं देते।"
"ऐसा तो हमेशा रहता ही है।"
उस फ्लाइट में कितना समय बचा है?
"ठीक दो घंटे।"

जॉनी ने कहा, "मुझे दस मिनट दो, और हम यहां से निकल जाएंगे।"
पिछली रात गोलियों से छलनी अपनी कार छोड़कर वे टैक्सी से हवाई अड्डे के लिए रवाना हुए। ऐसा लग रहा था जैसे सफ़र में बहुत समय लग रहा हो, लेकिन जब बोलन ने अपनी घड़ी देखी, तो पाया कि वे ठीक-ठाक समय पर चल रहे थे। चिंता से नज़र कमज़ोर हो सकती है, इसलिए उन्होंने जानबूझकर शांत रहने की कोशिश की।

आपको कामयाबी मिले।
यह यात्रा पहली बार नहीं थी जब वह आपदा से जूझ रहा था, जिसमें जीत की संभावना दूसरी तरफ थी, और हालांकि वह अब तक हर मामले में विजयी रहा था, इसने इस संभावना को और बल दिया कि इस बार कुछ गलत हो सकता है।
किसी भी सैनिक का भाग्य अटल नहीं होता। कोई भी हमेशा जीतता नहीं। और अगर वह इस बार हार गया, तो इसका मतलब केवल उसकी या जॉनी की मौत ही नहीं होगी, बल्कि एक ऐसा व्यापक नरसंहार होगा जो 1945 के बाद से ग्रह डी पर नहीं देखा गया था, जिसके परिणाम रूस और अमेरिका में लोकतंत्र के लिए लगभग उतने ही विनाशकारी साबित हो सकते हैं।
यहां कोई दबाव नहीं है, उसने सोचा।
पूरी यात्रा के दौरान उनका मन बार-बार ब्रोग्नोला और प्राइस के बारे में सोचता रहा। उनकी सख्त तटस्थता, या उससे भी बदतर, से अचानक अंतिम समय में हर संभव सहायता देने की पेशकश ने उनके मन में कई सवाल खड़े कर दिए, लेकिन किसी का जवाब नहीं मिला। प्राइस ने उनसे कहा था कि ब्रोग्नोला समय और अवसर मिलने पर अपनी बात स्पष्ट करेंगे, लेकिन फिलहाल सब कुछ भरोसे पर टिका था— वही एक चीज़ जिसकी इस मिशन पर पहले दिन से ही उनके बीच कमी आ रही थी।
अब, हालांकि वे दोनों प्राइस के कहे अनुसार "साथ" थे और अपनी क्षमता के अनुसार भौतिक सहायता प्रदान कर रहे थे, फिर भी बोलन के मन में आए बदलाव को लेकर चिंता बनी हुई थी। उसके दिमाग का एक हिस्सा यह संदेह कर रहा था कि फ्रांस की उड़ान ही एक जाल साबित हो सकती है। यह सच था कि उनके पास विमान में हथियार थे, लेकिन उन्हें कार्गो के रूप में रखा गया था। वह और जॉनी ओरली हवाई अड्डे पर निहत्थे उतरेंगे, और शूटरों या पुलिस की छापेमारी के लिए आसान निशाना बन जाएंगे।
उसने खुद को संशय में डूबने से पहले ही रोक लिया, खुद से कहा कि ब्रोग्नोला ऐसा कभी नहीं करेगा, लेकिन सच्चाई यही थी कि बोलन को अब उतना यकीन नहीं था जितना दो हफ्ते पहले था। बहुत कुछ घट चुका था, जिसमें से कई बातें अभी भी अनसुलझी थीं, और स्वाभाविक रूप से संदेह ने उन खाली जगहों को भर दिया था। उन्हें आश्चर्य हुआ कि क्या कभी उन शंकाओं का समाधान हो पाएगा।

फिर से निश्चितता—और, यदि वे निश्चित होते, तो अंतिम सत्य क्या प्रकट करता?
क्या वह और ब्रोग्नोला फिर से दोस्त बन जाएंगे या एक दूसरे के कट्टर दुश्मन?
यह सब सोचना बहुत मुश्किल था, इसलिए बोलन ने पेरिस में अपने काम पर ध्यान केंद्रित किया। सबसे पहले, उसे अपने लक्ष्यों को अलग करना था— क्रेस्त्यानोव, वैलेरिक और लैंगली का नया शिकार, नोबल प्रुएट। अगर वे तीनों पेरिस में मिलने के लिए पर्याप्त आश्वस्त थे, और अगर बोलन किसी तरह

उनकी मुलाकात में घुसपैठ करने का रास्ता ढूंढ लेता, तो उसका काम बहुत आसान हो जाता।
लेकिन उन्हें एहसास हुआ कि सिर्फ अपने लक्ष्यों को निर्धारित करके उन्हें मार गिराना ही काफी नहीं था। जब तक उन्हें बम के छिपे होने का पता नहीं चल जाता और वे या तो उसे निष्क्रिय नहीं कर देते या परमाणु आपातकालीन प्रतिक्रिया दल को उसकी जानकारी नहीं दे देते, तब तक वे तीनों मुख्य साजिशकर्ताओं को मरने नहीं दे सकते थे। दरअसल, यह न जानते हुए कि उनमें से किसके पास परमाणु बम के ठिकाने का रहस्य हो सकता है, बोलन को एक अजीबोगरीब भूमिका निभानी पड़ी, जिसमें उन्हें उनका पता लगाने के साथ-साथ उनकी रक्षा भी करनी थी।
कम से कम जब तक वे उसके शिकंजे में न आ जाएं, तब तक तो ठीक था। उसके बाद, वह मृत्यु को छोड़कर, उन पर किसी भी प्रकार का दबाव डालकर उनके रहस्यों को उजागर करवा सकता था।
पूछताछ करना बोलन की खासियत नहीं थी। दरअसल, एशिया युद्ध के दौरान, जहाँ एक ओर उन्हें कई लोग "जल्लाद" के नाम से जानते थे, क्योंकि वे दुश्मन की सीमाओं में घुसपैठ करने और उच्च पदस्थ दुश्मनों को मार गिराने में माहिर थे—चाहे आमने-सामने से, या फिर तीन-चौथाई मील की दूरी से—वहीं दूसरी ओर उन्हें "सार्जेंट मर्सी" का उपनाम भी मिला, क्योंकि वे दोनों पक्षों के घायल सैनिकों और नागरिकों की बहुत परवाह करते थे। कई मौकों पर उन्होंने सैन्य यातना सत्रों को बीच में ही रोक दिया था, जब उन्हें लगा कि पूछताछ करने वाले या तो अपने काम से बहुत खुश हैं, या फिर ऐसी जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं जो अन्य, कम क्रूर तरीकों से आसानी से मिल सकती है। हालांकि, उनके व्यक्तित्व के उस पहलू को छोड़ दें तो, मैदान में बोलन से कभी भी सामना करने वाले किसी ने भी यह अनुमान नहीं लगाया था कि वह इतने क्रूर थे। एक कुशल स्नाइपर के रूप में, दो वर्षों में लगभग सौ दर्ज हत्याओं के साथ, उन्होंने ठंडे खून से हत्या करने की कला में महारत हासिल कर ली थी। इसके विपरीत, जब बर्फीली शांति क्रोध में बदल जाती थी-

हमेशा नियंत्रण में रहने वाला, भले ही बेहद कम अंतर से—वह एक अकेला योद्धा बन गया था।
और बोलन कठोर पूछताछ से भी पीछे नहीं हटता, अगर किसी की जान बचाने के लिए ऐसा करना ज़रूरी होता—खासकर उन हजारों लोगों की जान बचाने के लिए जो किसी बड़े आधुनिक शहर में परमाणु विस्फोट से जलकर राख हो जाते या विकिरण से प्रभावित हो जाते। वह बम को ढूंढने के लिए हर संभव प्रयास करता, और वह उस बम के साथ जीता, जैसे वह अपने लंबे और अक्सर अकेलेपन भरे युद्ध की शुरुआत से ही बाकी सभी भूतों के साथ जीता आया था।
' 'क्षमा मांगना?''
जॉनी ने कुछ टिप्पणी की थी, बोलन उस आवाज से अवगत था, लेकिन शब्दों के किसी भी अर्थ से अनभिज्ञ था।
मैं बस यही कह रहा था कि मैं हमेशा से पेरिस देखना चाहता था।
बोलन ने सिर हिलाया। "देखने के लिए बहुत कुछ है। मुझे उम्मीद है कि आपको मौका मिलेगा।"
"क्या इससे मेरा मूड ठीक हो जाएगा?" उसके भाई ने पूछा।
"दोबारा माफी चाहूंगा।"

"छोड़ो इसे। मैं सोच रहा था कि एक बार यह काम खत्म हो जाए, तो मैं कुछ समय के लिए यूरोप में ही रुक जाऊँगा। कागजी काम और ताक-झांक से दो-तीन हफ्ते की छुट्टी लेकर, दर्शनीय स्थलों को देखूंगा, और कुछ समय के लिए इतिहास और संस्कृति का अनुभव करूंगा।"
"तुम्हें इसे वहन करने में सक्षम होना चाहिए," बोलन ने कहा, उस नकदी से भरे डफ़ल बैग के बारे में सोचते हुए जिसे वे अपने साथ ले जा रहे थे, जिसे उन्होंने दो महाद्वीपों में कई पड़ावों पर रूसी माफिया से छुड़ाया था। "मेरे भी यही विचार हैं," जॉनी ने जवाब दिया। "शायद मोंटे कार्लो में किस्मत आजमाऊं, देखूं कि क्या मुझे वेगास जाने से बेहतर किस्मत मिलती है या नहीं।"
बोलन को यह सुनकर मुस्कुराना पड़ा। उसका भाई जुआ बहुत कम खेलता था, एक बार में तय न्यूनतम राशि से ज़्यादा दांव नहीं लगाता था और जुआघर के हाथ लगने से पहले ही अपना सारा पैसा निकाल लेता था। लेकिन जब जुआ खेलने की बारी आती, तो जॉनी सब कुछ दांव पर लगा देता और ऐसे खेलता जैसे कल होगा ही नहीं, सब कुछ दांव पर लगा देता, अपने बड़े भाई के कौशल और समझदारी पर उसी तरह भरोसा करता जैसे कुछ लोग किसी सर्वज्ञानी, अदृश्य शक्ति पर करते हैं। जुए की मेज़ पर वह कभी भी कुछ गिनी-चुनी रकम से ज़्यादा नहीं हारता था।

डॉलर; जल्लाद जिस वास्तविक दुनिया में रहता था, उसमें उसे प्रतिदिन, कभी- कभी प्रति घंटा, सब कुछ खोने का खतरा रहता था।
बोलन ने जॉनी के साहसी व्यवहार को जीवन की एक ऐसी सच्चाई के रूप में स्वीकार कर लिया जिसे वह बदल नहीं सकता था, चाहे वह अपने भाई को जीवन में कोई और रास्ता चुनते देखना कितना भी चाहता हो—शायद लाइब्रेरियन बनना, या वकील बनकर कानूनी कार्यवाही में लग जाना और कानूनी मामलों की नीरसता में खो जाना। बोलन जानता था कि ऐसा कभी नहीं होगा, क्योंकि जिस त्रासदी ने उनसे उनके माता-पिता और बहन को छीन लिया था, उसने जॉनी के जीवन की दिशा तय कर दी थी, ठीक वैसे ही जैसे जल्लाद के जीवन की।
बोलन दो बुराइयों के बीच फंसा हुआ था। एक तरफ उसे उम्मीद थी कि परमाणु बम पेरिस की ओर जा रहा होगा, ताकि पिछले दो हफ्तों से चल रहा उसका लंबा लुका- छिपी का खेल आखिरकार खत्म हो सके। वहीं दूसरी तरफ उसे यह भी उम्मीद थी कि वह कहीं और, किसी भी जगह छिपा हो। शायद मॉस्को के उत्तर में राजमार्ग पर बाल-बाल बचने की घटना इतनी भयावह थी कि साजिशकर्ताओं ने कुछ समय के लिए काम रोक दिया हो और पेरिस शिखर सम्मेलन की आड़ में इकट्ठा होकर अपने विकल्पों पर चर्चा की हो, जबकि परमाणु बम किसी किसान के खलिहान में या किसी सिपाही के भूमिगत गैरेज में छिपा पड़ा हो। शायद...
पर्याप्त।
वे हवाई अड्डे पर पहुँचने ही वाले थे, और वह जानता था कि पेरिस की उड़ान के दौरान चिंता करने के लिए काफी समय होगा, जब वह माइक्रोवेव से रबर चिकन खा रहा होगा, या फिर से काम पर लगने से पहले नींद पूरी करने का आखिरी प्रयास कर रहा होगा।
एक बात को लेकर वह अपेक्षाकृत आश्वस्त था: पेरिस बारूद के ढेर पर बैठा था, और बोलन उस चिंगारी को जलाने ही वाला था।

मुझे इन सब चीजों की बहुत याद आएगी।
वासिली क्रेस्त्यानोव अपनी लिमोसिन की रंगीन खिड़की से बाहर देख रहे थे, जब वे एवेन्यू डेस चैंप्स-एलिसी पर आगे बढ़ रहे थे। रास्ते में इतना इतिहास और संस्कृति थी कि टोल्या वैलेरिक को हल्का सा अस्वस्थ महसूस हो रहा था। उनके आगे, उन्हें आर्क डी ट्रायम्फ दिखाई दे रहा था, जो फ्रांसीसी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में खड़ा था, जो इतिहास के कठोर प्रवाह में कुचल जाने के बावजूद, वास्तव में कभी त्यागा नहीं गया था।
"मैं नहीं करूंगा," वैलेरिक ने कर्नल से कहा और सिगरेट का पैकेट ढूंढने के लिए अपनी जेब में हाथ डाला।
"तुम्हें पेरिस पसंद नहीं है, टोल्या?" क्रेस्त्यानोव को आश्चर्य नहीं हुआ। शायद उन्हें हंसी आ रही थी, मानो वैलेरिक की यह छोटी सी सनक किसी गहरी बीमारी का लक्षण हो, जो संक्रामक न होने के कारण उपहास का उपयुक्त विषय बन गई हो।
"इसमें कुछ खास नहीं है," वैलेरिक ने सिगरेट जलाते हुए कहा।
"शायद आपका नजरिया पूर्वाग्रह से भरा है।"
वालेरिक ने कंधे उचका दिए। यह समझाने में समय क्यों बर्बाद करना कि उसे पेरिस से लगभग पूरी तरह से अलग-थलग कर दिया गया था, क्योंकि कोर्सिकन लोग शहर में - और वास्तव में फ्रांस के अधिकांश हिस्सों में - वेश्यावृत्ति और नशीले पदार्थों पर अपना दबदबा रखते थे, और उनकी निर्मम रणनीति रूसी गॉडफादर को भी प्रभावित करती थी। पिछली बार जब उसने पेरिस में एक टोही दल भेजा था, तो उसके दो दूत गायब हो गए थे; तीसरा - या कम से कम उसका कुछ हिस्सा
- वालेरिक के पास एक्सप्रेस मेल से वापस आया, जिस पर बछड़े के मांस के बेहतरीन टुकड़ों की मुहर और लेबल लगा था। पहचान का संकेत मृत व्यक्ति की रेशमी, हाथ से रंगी हुई टाई थी, जो...

स्टेक के साथ पुलिस बच निकली। मॉस्को की शीर्ष फोरेंसिक प्रयोगशाला की त्वरित रिपोर्ट ने पुष्टि की कि मांस मानव का था।
वैलेरिक ने अपमान के लिए ज़िम्मेदार लोगों को कभी दंडित नहीं किया, मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि वह उन्हें पहचान नहीं पाया था। आज उसे उनसे डर नहीं था—वास्तव में, इस समय एक साधारण गिरोह-संबंधी प्रतिद्वंद्विता भी उसके लिए एक सुखद मनोरंजन होती—लेकिन वह अपने भीतर एक सामान्य बेचैनी महसूस कर रहा था, लगभग वैसी ही जैसी उसे मोस्कवा नदी से बड़े किसी भी जल निकाय में नौका विहार करते समय होती थी।
क्रेस्त्यानोव ने कहा, "आपको लूव्र संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए। यह सचमुच बेहद खूबसूरत है...और वैसे भी, शायद आपको दोबारा ऐसा मौका न मिले।" "मैं नहीं जाऊंगा," वैलेरिक ने अपनी खिड़की से दुकानों और रंग-बिरंगे कपड़े पहने राहगीरों को गुजरते हुए देखते हुए कहा। आप उन पर्यटकों को पहचान सकते थे, जिनमें से अधिकतर अमेरिकी थे, क्योंकि वे मुस्कुराते थे और

नहाने-धोने वाले लोगों जैसे दिखते थे। "मैं बस इन सब से छुटकारा पाना चाहता हूं।"
"अपना पैसा खर्च करने के लिए, है ना?" क्रेस्त्यानोव ने मानो ब्रह्मांड का रहस्य उजागर कर दिया हो, वैसे ही खुद से सिर हिलाया। "लेकिन टोल्या, यहाँ मुनाफ़े से कहीं ज़्यादा दांव पर लगा है। मुझे विश्वास है कि तुम भी यह समझते हो।"
"मैं बेवकूफ नहीं हूँ," वैलेरिक ने चिढ़ते हुए कहा। वह चुपचाप सुनते-सुनते, मानो पूरी एकाग्रता से सुन रहा हो, उस पूर्व कर्नल के पुराने सोवियत संघ की "शान" को फिर से हासिल करने के सपनों के जाल को बुनते-बुनते थक चुका था। जहाँ तक वैलेरिक को याद था, रूस में हालात अब कहीं बेहतर थे—यहाँ तक कि उच्च मुद्रास्फीति और लगातार कमी को ध्यान में रखते हुए भी—कम्युनिस्ट शासन के समय से कहीं ज़्यादा। सिवाय उच्च पदस्थ कम्युनिस्टों के, बेशक। हालांकि वैलेरिक ने क्रेस्त्यानोव के सामने कभी यह बात नहीं कही, लेकिन वह लाल वापसी की पूरी योजना को रूस की आम जनता की कीमत पर कुछ खास लोगों के हितों को साधने का एक साधारण, हालांकि भव्य प्रयास मानता था। ऐसा नहीं था कि उसे इस विचार से कोई आपत्ति थी कि एक धनी अभिजात वर्ग दयनीय सर्वहारा वर्ग के परिश्रम और पसीने पर अपना जीवन यापन करे। हालांकि, उसे इस बात की राहत थी कि क्रेस्त्यानोव के साथ हुए अंतिम समझौते में पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करा दी गई थी।

उसके स्विस खाते में पैसे जमा किए जाएं ताकि वह अपने लिए एक सुंदर पहाड़ी चोटी, शायद एक द्वीप खरीद सके और शांति से सेवानिवृत्त हो सके।
उसे इस बात की कोई परवाह नहीं थी कि दुनिया खुद को नष्ट कर ले—जब तक उसके पास गोलीबारी की रेखा को साफ करने का समय हो।
अब लिमोसिन दक्षिण की ओर जा रही थी, विक्टर ह्यूगो एवेन्यू पर पायलट मछलियों के बीच शार्क की तरह शान से चल रही थी। गैंगस्टर के लिए और भी दुकानें, बुटीक और खुले कैफे थे जिन्हें वह नज़रअंदाज़ कर रहा था। उसने गौर किया कि फ्रांसीसी वाहन चालक मॉस्को के अपने समकक्षों की तरह ही असभ्य और लापरवाह थे। वह किसी दुर्घटना की उम्मीद करता रहा, थोड़ा सा खून-खराबा जो उसके दिन को खुशनुमा बना दे, लेकिन वैलेरिक की इच्छा पूरी नहीं हुई, क्योंकि लिमोसिन ने एक और मोड़ लिया, इस बार पश्चिम की ओर, बुगेउड एवेन्यू पर।
"मुझे लगता है कि आपको सेंट-जेम्स होटल पसंद आएगा, टोल्या," क्रेस्त्यानोव ने कहा। "यह एक शानदार होटल है।"
"मुझे यकीन है।"
वैलेरिक के सैनिक, जो इकोनॉमी क्लास में सफर करने से थके और गुस्से में थे, बेमतलब की बातचीत को अनसुना करते हुए शहर का जायज़ा ले रहे थे, ठीक वैसे ही जैसे शिकारी किसी अनजान जंगल में शिकार की तलाश करते हैं। विमान के फूले हुए निचले हिस्से में उनके हथियारों की जाँच हो चुकी थी, लेकिन लिमोसिन में चढ़ने से पहले उन्होंने कुछ पल निकालकर खुद को फिर से हथियारबंद कर लिया था। वैलेरिक को उस पुलिसकर्मी पर तरस आया जो इतना भोला था कि उसने उनमें से एक को सड़क पर रोककर तलाशी ली। उसे इसके लिए मार पड़ सकती थी, और अगर वह बच जाता तो यह उसकी बहुत बड़ी किस्मत होती।
"हम बाकियों से कब मिलेंगे?" वैलेरिक ने पूछा।

"जल्द ही," क्रेस्त्यानोव ने कहा। "शायद कल सुबह। आज दोपहर मुझे कुछ ज़रूरी काम निपटाने हैं, लेकिन आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। मैं आपके एक आदमी को अपने साथ ले चलूँगा। आप और बाकी लोग शहर घूमने और मौज-मस्ती करने के लिए स्वतंत्र हैं।"
उसे इस तरह से बर्खास्त कर दिया गया मानो वह कोई बच्चा हो—या इससे भी बुरा, कोई निजी नौकर जिसकी सेवाओं की आवश्यकता तब तक नहीं थी जब तक कि उसके मालिक के जूतों को भव्य कॉटिलियन के लिए पॉलिश की एक और परत की आवश्यकता न हो। रूसी गॉडफादर के लिए यह कहना लुभावना था कि वह तय करता है कि वह कब और कहाँ मनोरंजन करेगा, लेकिन क्या होता...

मतलब? वह अब भी पेरिस में ही था, क्योंकि क्रेस्त्यानोव ने उसे बुलाया था। उनके तनावपूर्ण संबंधों की शर्मनाक स्थिति को बदलना अब बहुत देर हो चुकी थी।
हां, अगर फ्रांस में रहने के दौरान क्रेस्त्यानोव के साथ कुछ हो जाता है तो बात अलग है।
वैलेरिक सोच रहा था, क्या यह इतनी बड़ी त्रासदी होती अगर आतंकी बम धमाका कभी हुआ ही न होता? क्या होता अगर अमेरिका से उसका पीछा करते हुए यहाँ तक आ चुके शिकारी, जिन्होंने बर्लिन में क्रेस्त्यानोव को भी निशाना बनाया था, किसी तरह उन्हें यहाँ ढूंढ लेते? या, और स्पष्ट रूप से कहें तो, क्या होता अगर यह मान लिया जाता कि उन्होंने दोबारा हमला किया है, और इस बार वे ज़्यादा भाग्यशाली रहे हों, और भागने से पहले क्रेस्त्यानोव को मार गिराया हो? ऐसे में वैलेरिक के लिए बम का पता लगाना और उसे निष्क्रिय करना अपेक्षाकृत आसान होना चाहिए। क्रेस्त्यानोव के राजनीतिक समर्थक बेशक बहुत गुस्से में होंगे—और वे शायद किसी और दिन फिर से इस साजिश को अंजाम देने की कोशिश करें—लेकिन इस बीच, वैलेरिक या उसके आदमियों को उनकी इस शर्मनाक योजना की विफलता से जोड़ने वाला कोई सबूत नहीं होगा। जब उसने सरकार पर दोबारा कब्ज़ा करने में उनकी मदद करने की पूरी कोशिश की थी, और क्रेस्त्यानोव की मौत पर उनके शोक को इतनी स्पष्ट रूप से भंग किया था, तो विभिन्न साजिशकर्ता उसके परिवार के खिलाफ प्रतिशोध क्यों लेंगे? "क्या बात मजेदार है, टोल्या?"
''मज़ाकिया?'' वैलेरिक को एहसास हुआ कि वह खुद ही मुस्कुरा रहा था, अपनी गलती पर शर्मिंदा होकर उसने इसे छुपाने की जल्दी की। ''अरे, कुछ नहीं। मैं बस कई साल पहले पेरिस को पहली बार देखने की याद कर रहा था। वहाँ एक वेश्यालय था जहाँ—''
"मैं समझ सकता हूँ," क्रेस्त्यानोव ने उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा। "यह जानकर बहुत राहत मिली कि जीवन की उत्तम चीजों से आप अप्रभावित नहीं हैं।" "मेरे भी कभी-कभी ऐसे पल आते हैं," वैलेरिक ने फिर से मुस्कुराते हुए कहा। और सोचा, असल में, अभी मेरे साथ भी ऐसा ही हो रहा है।
अगर निकोलाई लुकाशा ज़िंदा होते, तो वैलेरिक शायद अपनी इस योजना को छोड़ देते। उस विशालकाय व्यक्ति ने उन्हें बहुत डरा दिया था, हालाँकि वे इसे कभी खुलकर स्वीकार नहीं करते थे, यहाँ तक कि खुद से भी नहीं। लेकिन लुकाशा मर चुके थे, और उस विशालकाय राक्षस से छुटकारा पाना अच्छा ही हुआ। क्रेस्त्यानोव ने पेरिस में अपनी निजी सुरक्षा के लिए वैलेरिक पर भरोसा किया था, और यही उनकी पहली गलती थी जो उन्हें याद है।

वे दोनों एक दूसरे को तब से जानते थे जब से वे एक दूसरे के साथी बन रहे थे।
कोई बात नहीं।
इसके स्वरूप और परिस्थितियों के आधार पर, एक गलती ही किसी व्यक्ति की जान लेने के लिए काफी थी।
शानदार जॉर्ज V होटल अपने प्राचीन फर्नीचर और कलाकृतियों, इधर-उधर भटकते मेहमानों द्वारा खोजे गए छोटे-छोटे "गुप्त" सैलून और कमरों की ऊंची कीमतों के लिए प्रसिद्ध था। 1980 के दशक में नवीनीकरण के कारण होटल का कुछ पारंपरिक आकर्षण खो गया, और दुर्भाग्य से, इसका नाश्ता लाउंज फ्रांसीसी टेलीविजन हस्तियों और उनके साथ आए लोगों का अड्डा बन गया था, लेकिन अगर कोई व्यक्ति खर्च वहन कर सकता था, तो जॉर्ज V पेरिस में ठहरने के लिए अब भी सबसे अच्छी जगह थी। इसके ग्राहकों में ग्रीक शिपिंग उद्योगपति और पेट्रोलियम उद्योगपति, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सीईओ और कभी-कभार फिल्म स्टार भी शामिल थे।
और बेशक, उच्च पदस्थ राजनयिक भी।
उस शनिवार को जब वासिली क्रेस्त्यानोव जॉर्ज वी होटल में दाखिल हुए, तो किसी को उनकी उम्मीद नहीं थी। उन्हें यह भी नहीं पता था कि ज़ेन्या रोमोचका का सुइट किस मंज़िल पर है, और उसका नंबर तो दूर की बात है। जॉर्ज वी होटल के क्लर्क अपने ग्राहकों की निजता का इतना ध्यान रखते थे कि मेग रयान ने अपनी एक रोमांटिक कॉमेडी में इसी बात का मज़ाक उड़ाया था। सीधे पूछना भी ठीक नहीं था। इसलिए, क्रेस्त्यानोव लॉबी पार करके हल्के रंग के उन टेलीफ़ोनों के पास गए जो सिर्फ़ होटल के अंदर ही काम करते थे। उन्होंने रिसीवर उठाया, होटल ऑपरेटर के जवाब का इंतज़ार किया और मिस्टर रोमोचका के कमरे से कनेक्ट करने के लिए कहा।
कुछ देर बाद, वह एक अंगरक्षक से बात कर रहा था।
"नमस्ते?"
मुझे ज़ेन्या से बात करनी है। यह ज़रूरी है।
"यह कौन है?" अंगरक्षक ने अचानक चिड़चिड़ेपन से मुंह फेरते हुए पूछा।
"उसे बताओ कि उसके चाचा जोसेफ को अपने व्यस्त कार्यक्रम में वापस जाने से पहले कुछ पल अकेले बिताने की जरूरत है।"

मैं अंकल जोसेफ को नहीं जानता।
"ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं तुम्हारा चाचा नहीं हूँ," क्रेस्त्यानोव ने जवाब दिया। "अब, कृपया ज़ेन्या को संदेश दे दो।"
"वहीं रुको," गार्ड ने आदेश दिया, मानो क्रेस्त्यानोव किसी तरह लाइन तोड़कर उसके पीछे आ जाएगा। कितना बेवकूफी भरा। कितना अनुमान लगाने योग्य। उसने अपनी घड़ी में सैंतालीस सेकंड गिने, तभी रोम-ओचका की आवाज़ आई। "प्रिय अंकल जोसेफ़!" उसने अपने साथियों के सामने अभिनय करते हुए उत्साह से कहा। "मुझे बहुत खुशी हुई कि आपने फ़ोन किया! दुर्भाग्य से, राजनयिक भोज से पहले मेरे पास ज़्यादा समय नहीं है, और—"
"मैं लॉबी में हूँ," क्रेस्त्यानोव ने शोर के बीच दखल देते हुए उसे बताया। "मैं या तो आपके कमरे में आ सकता हूँ, या आप कोई और जगह चुन सकते हैं। दोनों ही स्थिति में, हमें बात करनी है। अभी।"
रोमोचका एक पल के लिए हिचकिचाई, लेकिन क्रेस्त्यानोव जानता था कि वह मना नहीं कर सकता। "ज़रूर, प्यारे चाचा जी। आपका पेरिस में होना कितना सुखद

आश्चर्य है। अगर आप तीसरी मंज़िल के लाउंज में मुझसे मिलें, तो मेरे पास वोदका का एक गिलास पीने का समय होगा। यह लिफ्ट के पास ही है।"
"ठीक है। गोरिल्लाओं को उनके पिंजरे में ही रहने दो," क्रेस्त्यानोव ने कहा और रिसीवर को गोद में लेकर, सधे हुए कदमों से लिफ्टों की ओर बढ़ गया। तीसरी मंजिल पर स्थित लाउंज इतना बड़ा था कि उसमें शायद एक दर्जन लोग बैठ सकते थे, और वहाँ का माहौल अंतरंगता को ध्यान में रखकर बनाया गया था। जब क्रेस्त्यानोव वहाँ पहुँचे, तो रोमोचका पहले से ही वहाँ अकेली मौजूद थीं। राजनेता के चेहरे पर दिख रही अस्पष्ट बेचैनी ने उन्हें प्रसन्न कर दिया। इस व्यक्ति को बहकाना कभी मुश्किल नहीं होगा।
जब उन्होंने अपनी वोदका बर्फ के साथ ऑर्डर कर दी और उन्हें मिल गई, तो रोमोचका ने कहा, "मेरे दोस्त, इस समय आप इतनी दूर पेरिस क्यों आए हैं?" क्रेस्त्यानोव ने कहा, "मैं आपको सूचित करना चाहता था कि हमारी योजनाओं में बदलाव आया है।"
राजनेता ने भौंहें चढ़ा लीं, मानो उसकी वोदका का स्वाद कड़वा हो गया हो। "बदल गए हैं? मुझे समझ नहीं आ रहा।"

"मुझे लगता है कि आपने यह नहीं सुना कि वह पैकेज सेंट पीटर्सबर्ग तक कभी पहुंचा ही नहीं?"
उसका चिड़चिड़ापन और भी बढ़ गया, लेकिन यह स्पष्ट रूप से वोदका का असर नहीं था, क्योंकि रोमोचका ने अपना गिलास एक ही घूंट में खाली कर दिया और तुरंत दूसरे गिलास का इशारा किया।
"क्या गलत हो गया?"
"सामान को बरामद करने का प्रयास किया गया था," क्रेस्त्यानोव ने उनसे कहा। "यह सफल नहीं हुआ, लेकिन इस प्रयास ने बहुत अधिक ध्यान आकर्षित किया। सभी शवों की पहचान हो जाने के बाद वैसे भी कई सवाल उठेंगे।"
"लाशें? कितनी थीं?"
"इसका कोई खास महत्व नहीं है," क्रेस्त्यानोव ने कहा। "सिवाय निकोलाई के, बेशक। मुझे उसका मुस्कुराता हुआ चेहरा बहुत याद आएगा।"
राजनेता को स्पष्ट रूप से समझ नहीं आ रहा था कि उसे इस बेतुकी बात पर हंसना चाहिए या नहीं। इसके बजाय, उसने मुंह बनाया, उसके सूअर जैसे चेहरे पर एक पल के लिए ऐसा भाव आया जिसे या तो मुस्कान या शोक की अभिव्यक्ति के रूप में समझा जा सकता था।
"निकोलाई," उसने कहा। "वह विशालकाय व्यक्ति।"
"बस खाद की एक और बोरी भरनी है," क्रेस्त्यानोव ने कंधे उचकाते हुए अपने लेफ्टिनेंट की बात को टालते हुए कहा। "युद्ध में लोग मरते हैं।" "बिल्कुल," रोमोचका ने कहा। "जहां तक सेंट पीटर्सबर्ग की बात है, वह अगले महीने, या अगले साल भी मौजूद रहेगा।"
"और उसके बाद भी काफी लंबे समय तक, मुझे भरोसा है," कर्नल ने कहा। "मैंने एक और लक्ष्य चुन लिया है।"
"ओह?" लाउंज में तापमान लगातार सत्तर डिग्री रहने के बावजूद, रोमोचका के माथे पर पसीने की एक हल्की सी चमक दिखाई दे रही थी। "और...उम, वह कहाँ होगा?" "शिखर सम्मेलन से बेहतर और क्या हो सकता है, जब हमारे सभी साझा दुश्मन एक साथ हों और इस घटना से हमारी रूसी धरती दूषित न हो?"
"एक शिखर सम्मेलन—" रोमोचका को तब झटका लगा, जब आंकड़ों को प्राप्त करने और आत्मसात करने के बीच का अंतराल एक बार फिर क्रेस्त्यानोव की इस राय की

पुष्टि कर रहा था कि वह व्यक्ति महज़ एक कठपुतली था। "आपका मतलब पेरिस तो नहीं है? यहाँ? इस शिखर सम्मेलन से?"
"हमें ऐसा अवसर फिर कब मिलेगा?"

क्रेस्त्यानोव ने पूछा, "पांच साल में? शायद दस साल में? यह हमारी जरूरतों के लिए एकदम सही है, और मैं तो एक पल भी और इंतजार करने को तैयार नहीं हूं।" "लेकिन, आप ऐसे ही नहीं कर सकते... ये तो..." अचानक, राजनेता की आँखों में एक नई बात समझ में आई। "भगवान के लिए, यार! मैं यहाँ हूँ!"
"और मुझे पूरा विश्वास है कि आप बच जाएंगे," क्रेस्त्यानोव ने कहा। "आख़िर कैसे-?"
"अगर मैं गलत नहीं हूं तो जॉर्ज पंचम होटल में नीचे एक तिजोरी है, जहां मेहमान अपने गहने और अन्य कीमती सामान छोड़ सकते हैं?"
रोमोचका ने कंधे उचकाते हुए कहा, "हो सकता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि—" "आपको घटना से काफी पहले सूचित कर दिया जाएगा," क्रेस्त्यानोव ने उनसे कहा। "उचित समय पर, आप चौकीदार के सामने उपस्थित होकर उसे बताएंगे कि आप सुरक्षा के लिए तिजोरी में कोई वस्तु रखना चाहते हैं।"
"क्या होना चाहिए-"
"इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वस्तु क्या है," क्रेस्त्यानोव ने उसकी बात काटते हुए कहा। "अगर आपको कुछ खरीदना ही है, तो जाइए और कोई छोटी-मोटी चीज खरीद लीजिए। भगवान जानता है कि आप इतने सारे कामों में हाथ डालते हैं, तो आप उसे खरीद ही सकते हैं।"
"अब, यहाँ देखो!"
"आपको आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने में कुछ समय लगेगा, चाबी प्राप्त करने में थोड़ा और समय लगेगा और फिर कंसीयज आपको परिसर का भ्रमण कराएगा। जब आप इस तरह बाहरी दुनिया से कटे रहेंगे, तब तक घटना घटित हो चुकी होगी। जब आप बाहर निकलेंगे, तो आप एक हीरो होंगे। एक जीवित बचे व्यक्ति। शहादत के बाद यही सबसे बड़ी उपलब्धि है।"
"मैं कब बाहर निकलूँगा?" रोमोचका को और भी ज़्यादा पसीना आ रहा था, मानो उसके वोदका के गिलास पर पसीने की बूंदों से मेल खा रहा हो। "तुम्हें क्या लगता है कि मैं बाहर निकलूँगा? पेरिस के बीचोंबीच ऐसा धमाका उस होटल को तबाह कर देगा और मुझे उस तहखाने में ज़िंदा दफ़न कर देगा। इससे बेहतर तो यही होगा कि मैं उस धमाके के समय इस चीज़ को अपनी गोद में पकड़े रहूँ!" "कृपया शांत हो जाइए," क्रेस्त्यानोव ने उचित व्यवहार का प्रदर्शन करते हुए धीरे-धीरे अपनी वोदका की घूंट लेते हुए कहा।

"क्या आप चाहते हैं कि मैं शांत रहूँ? ठीक है, तो मैं पेरिस से निकलने वाली पहली फ्लाइट से मॉस्को वापस चला जाता हूँ, ठीक है? आप नीचे तहखाने में जाइए और कई हज़ार टन पत्थर और स्टील के अपने ऊपर गिरने का इंतज़ार कीजिए।" "हमने विशेषज्ञों से सलाह ली है, ज़ेन्या, और उनकी गणनाएँ एकदम सटीक हैं। यह वॉरहेड छोटा है, अधिकतम बीस किलोटन का। विस्फोट स्थल पर विनाश तो निश्चित रूप से पूर्ण होगा, लेकिन लंबी दूरी पर इसका प्रभाव काफी कम हो जाता है। वास्तव में, मुझे बताया गया है कि तीन मील की दूरी पर—लगभग सम्मेलन केंद्र से इस स्थान तक की दूरी—जॉर्ज पंचम जैसी इमारत को खिड़कियों के टूटने से ज़्यादा नुकसान नहीं होना चाहिए।"
लेकिन विकिरण—

"खुले में, तीन मील दूर खड़े किसी व्यक्ति को प्रथम श्रेणी के जलने के बराबर चोटें आनी चाहिए, लेकिन कोई दीर्घकालिक प्रभाव नहीं होगा। सड़क के स्तर से नीचे, तिजोरी में, आप पूरी तरह से सुरक्षित रहेंगे।"
"जब तक मैं बाहर कदम नहीं रखती," रोमोचका ने बुदबुदाते हुए कहा।
"ऐसे में, चूंकि आप जाहिर तौर पर इतने समझदार हैं कि आप जहां हैं वहीं रुककर मदद का इंतजार करेंगे, तो विशेषज्ञ आपको बताएंगे कि सड़क पर कोई खतरा है या नहीं। अगर कोई खतरा होगा, तो वे आपको सुरक्षात्मक उपकरण उपलब्ध कराएंगे।"
"मुझे यह पसंद नहीं है, वासिली," राजनेता ने कहा। "मुझे उम्मीद है कि आप यह समझेंगे। मुझे यह योजना बिल्कुल भी पसंद नहीं है।"
"ऐसे में, आपको बस वही करना होगा जो आपको कहा गया है," कर्नल ने जवाब दिया, "क्योंकि इससे वास्तव में कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या सोचते हैं।" हारगस वेबर रॉयल मोनसेउ होटल के सौना में आराम कर रहे थे, सुबह की औपचारिक मुस्कान और हाथ मिलाने की थकान मिटा रहे थे, तभी ठंडी हवा का एक झोंका भाप को भंग कर गया और उन्हें नींद से जगा दिया। उन्होंने उस उमस भरे वातावरण में आंखें गड़ा दीं जो कोहरे में सैन फ्रांसिस्को जैसा दिखता था और गर्मियों में मिसिसिपी जैसा महसूस होता था। अगर वेबर धुंध में आंखें गड़ाते, तो उन्हें एक इंसान की आकृति दिखाई देती, जो अंगीठी के बगल में खड़ी थी, जिसमें ढेर सारे...

पहले से गर्म किए गए पत्थरों पर पानी डालकर अधिक भाप उत्पन्न करना। "अगर आपने बाहर लगा बोर्ड नहीं देखा हो तो," सीनेटर ने कहा, "यह सौना पहले से ही भरा हुआ है। अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो—"
उस आकृति ने उसकी ओर मुड़कर गहरी, परिचित आवाज़ में उत्तर दिया, "लगता है आपके पास कुछ खाली कमरा है, सीनेटर।"
"प्रुएट?" एक पल के लिए वेबर का मुंह भय और असमंजस से भर गया, लेकिन उन्होंने तुरंत संभलकर कांग्रेस में तीखी बहसों के अपने लंबे अनुभव का सहारा लिया। "मुझे लगता है कि आप अभी अपनी सीमा से बहुत दूर हैं।"
"मेरी कुछ दिनों की छुट्टी आने वाली थी," प्रुएट ने कहा, और संकरे कमरे को पार करते हुए दीवार के पास, वेबर के बाईं ओर, एक सीट ढूंढ ली, जहाँ उन दोनों के बीच लगभग एक फुट की जगह थी।
"मुझे लगता है, आपके मन में हमेशा से पेरिस घूमने की इच्छा रही है?"
इसके विपरीत। मैं यहाँ कई बार आ चुका हूँ, हालाँकि ज़्यादातर काम के सिलसिले में ही आया था, यह मैं मानता हूँ। पिछली बार, अठारह महीने पहले, मैं एक निर्वासित चीनी असंतुष्ट से अंतिम बयान लेने आया था। उसे ज़हर दिया गया था..." लैंगली के उस व्यक्ति ने मानो खुद को संभाला। "लेकिन, आप युद्ध की कहानियाँ नहीं सुनना चाहते, है ना, सीनेटर?"
"मैं पहले यह जानना चाहूँगा कि तुम यहाँ क्या कर रहे हो। ये बहुत जोखिम भरा है, धिक्कार है। अगर हम दोनों को एक साथ देख लिया गया तो—"
"कोई समस्या नहीं है, सीनेटर साहब। हमें कोई समस्या नहीं होगी।"
फिर भी, आपको सीधे मुद्दे पर आने में कोई आपत्ति नहीं होगी, इसलिए हम इसे जल्दी समाप्त कर सकते हैं।
"अहा, हाँ। वही मशहूर दक्षिणी आतिथ्य सत्कार।"
"बकवास। इसका कोई मतलब है भी या नहीं?"

"बात यह है कि मुझे कुछ ऐसी खबर मिली है जिस पर मैं टेलीफोन या कूरियर के भरोसे नहीं भरोसा कर सकता था। यह बेहद गंभीर मामला है। आप कह सकते हैं, जीवन और मृत्यु का सवाल है।"
"ठीक है, मैं सुन रहा हूँ।"
प्रुएट ने कहा, "रूस में ट्रिगर की घटना को लेकर कुछ समस्या आ गई है। योजना के मुताबिक आज यह नहीं होगा।"
वेबर ने सॉसेज जैसी उंगलियों को रगड़ते हुए कहा, "यह तो आम बात है।"

अपने नम भूरे बालों के बीच से। "वे कमीने रूसी तो सपने में भी वीर्य निकाल सकते हैं।"
"यह पूरी तरह से उनकी गलती नहीं थी, सीनेटर।"
वेबर ने व्यंग्य करते हुए कहा, "ऐसा कभी नहीं होगा। उनके पास बलि के बकरों की कोई कमी नहीं है। तो फिर क्या हो रहा है? क्या इसे स्थगित किया जा रहा है?"
"बहुत कम," प्रुएट ने जवाब दिया। "एक या दो दिन।"
"यह इतना बुरा भी नहीं है।"
"एक और बात—यह घटना मूल योजना के अनुसार रूस में नहीं होगी।"
"क्या यह सच है? और वे उस चीज़ को ठीक कहाँ पर विस्फोट करने की योजना बना रहे हैं?"
"पेरिस।"
"अगर आपको लगता है कि यह मजेदार है, श्री प्रुएट, तो मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि ऐसा बिल्कुल नहीं है।"
"ऐसा होना ही नहीं था," उस भूत ने जवाब दिया। "कल इसी समय तक, लगभग, पेरिस का एक बड़ा हिस्सा इतिहास बन चुका होगा।"
"तुम ये क्या बकवास कर रहे हो!"
"मैं आपको यकीन दिला सकता हूं कि यह सच है," प्रुएट ने कहा। "अगर युद्धक सामग्री अभी तक यहां नहीं पहुंची है, तो आज रात तक पहुंच जाएगी। अगर आप इसके बारे में सोचें तो यह एकदम सही है।"
"बिल्कुल सही? हे भगवान!"
"ज़रा रुकिए, महोदय। तटस्थ क्षेत्र पर हुए एक धमाके में पूरब और पश्चिम के सत्ताधारी नेता मारे जाते हैं। योजना के मुताबिक, कट्टरपंथियों का एक छोटा सा समूह इसका दोष अपने ऊपर ले लेता है, और यद्यपि वे रूसी नागरिक हैं, वे कम्युनिस्टों से उतनी ही नफ़रत करते हैं जितनी हमसे। उनकी शक्ति का प्रदर्शन उनके देश में उन पर कार्रवाई को उकसाता है, और कम्युनिस्टों को अगले चुनाव में भारी जीत हासिल करने के लिए ज़रूरी गति प्रदान करता है। इस बीच, अमेरिका में, उपराष्ट्रपति का ओहदा बढ़ता है, और देश को उनकी असलियत का नज़दीकी से पता चलता है। अगले चुनाव में आप उन्हें आसानी से हरा देंगे, क्योंकि सोवियत शासन की वापसी का डर आपको इसमें मदद करेगा। और चूंकि कम्युनिस्टों का बमबारी से कोई संबंध नहीं है, इसलिए नाटो के पास प्रतिक्रिया करने का कोई आधार नहीं है। दोनों पक्ष लाभ में रहते हैं, और हमें बस कुछ फ्रांसीसी सैनिकों की जान गंवानी पड़ती है।"
वेबर ने कहा, "सैद्धांतिक रूप से तो यह सब ठीक लगता है, लेकिन आप एक छोटी सी बात भूल रहे हैं, श्री प्रुएट।"

"मुझे ऐसा नहीं लगता, सीनेटर।"

"तो ज़रा यह भी जान लीजिए—हम यहाँ पेरिस में बैठे हैं, उस मनहूस चीज़ के फटने पर भाप बनकर उड़ जाने का इंतज़ार कर रहे हैं!"
"हम ऐसा नहीं करेंगे," प्रुएट ने उससे कहा। "तुम्हें अब तक पता चल जाना चाहिए कि मैं किसी तरह की बैकअप योजना के बिना कोई कदम नहीं उठाता।"
"और आपको इनकी बहुत जरूरत पड़ रही है," वेबर ने जवाब दिया, "जिस तरह से आपकी बड़ी-बड़ी योजनाएं अक्सर विफल हो जाती हैं।"
"अंत में परिणाम ही मायने रखता है।"
और मैं आपको विश्वास दिला सकता हूं कि इसका अंतिम परिणाम यह नहीं होगा कि मेरी गांड के टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे।
"बिल्कुल नहीं, सीनेटर जी। अब, क्या आप उस संकट के बारे में सुनना चाहेंगे जिस पर वाशिंगटन में बहुत जल्द आपको व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने की आवश्यकता होगी?"
वेबर ने कहा, "मैं सुन रहा हूँ। और तुम्हें इसे वाकई अच्छा बनाना होगा।" पेरिस जाने का तो कोई सवाल ही नहीं था, जब तक कि उसका इरादा बम को पीछे छोड़ने का न हो। इसलिए क्रिश्चियन कीन दिन-रात गाड़ी चलाता रहा, कॉफी और एम्फ़ेटामाइन के सहारे जागता रहा, जब तक कि उसकी नसें इतनी थक नहीं गईं कि उसे हर समय धूप का चश्मा पहनना पड़ता था। शनिवार की शाम ढलने के कुछ ही देर बाद जब वह पेरिस पहुँचा, तो उसके पास पैसे कम होते जा रहे थे, लेकिन वह पहुँच गया था। बस यही मायने रखता था।
उन्होंने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया था।
कीन ने पेरिस से कई घंटे की दूरी पर रहते हुए प्रुएट से संपर्क किया था, और उसके वरिष्ठ अधिकारी ने उसे फ्रांस में "माल" को विस्फोटित करने की योजना के बारे में बताया था।
उसके पास सीन नदी के पास रू वैन गॉग पर स्थित एक छोटे से होटल का नंबर था, जहाँ प्रुएट के लिए कमरा बुक था, लेकिन उससे दोबारा संपर्क करना बाद में भी हो सकता था। अगला कदम उठाने से पहले, वह फिर से तरोताज़ा महसूस करना चाहता था। इसका मतलब था नहाना, कपड़े बदलना, अच्छा खाना खाना और शायद थोड़ी नींद लेना। प्रुएट को उससे मिलने में कम से कम दो-तीन घंटे और लगने थे।
तो, उसे इंतजार करने दो।

कीन के अनुसार, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि पेरिस का केंद्र दोपहर में, दो बजे या साढ़े तीन बजे नरक में तब्दील हो जाए। जब तक घटना घटित होती है और सभी महत्वपूर्ण पात्र खतरे के दायरे से काफी दूर होते हैं, तब तक सब कुछ एक जैसा ही रहता है।
कीन को रू बर्बियर डू मेट्स पर, ले मैन्युफैक्चर डेस गोबेलिन्स के पीछे एक जगह मिली, जहाँ कोलंबस के नई दुनिया के लिए रवाना होने से पहले आधे सदी से भी अधिक समय से टेपेस्ट्री बनाई जा रही थीं। कीन को उस जगह के बारे में इतना पता था क्योंकि उसके कमरे में पर्यटकों के लिए बने पर्चों का ढेर लगा था, और उसने नहाने से पहले उनमें से एक पर नज़र डाली। वह इतना सतर्क था कि उसने धातु का सूटकेस अपने साथ बाथरूम में ले जाकर, बाथरूम का दरवाजा बंद करने के बाद उसे टॉयलेट के बगल में रख दिया।
और अगर इससे वह शंकालु हो गया, तो क्या हुआ?
बिना किसी SWAT टीम के दखल के उसने गर्म पानी से भरे शॉवर का आनंद लिया, बेडरूम में जाकर तौलिये से खुद को सुखाया और कपड़े पहन लिए। तभी रूम सर्विस ने उसके लिए Coquilles Saint-Jacques की डबल सर्विंग मंगाई, जिसमें

मशरूम के साथ पके हुए स्कैलप्स को सफेद वाइन और नींबू में पकाया गया था और आधे खोल में आलू के साथ परोसा गया था। कीन ने इसे व्हाइट बोर्डो वाइन के साथ पिया और फिर पूरे कपड़े पहने हुए ही बिस्तर पर लेट गया, लेकिन थकान, शराब और स्वादिष्ट भोजन के बावजूद उसे नींद नहीं आई।
अब उसका दिमाग तेज़ी से चल रहा था, वह उस रात प्रुएट से होने वाली अपनी मुलाकात और फिर अगले दिन होने वाले भीषण नरसंहार की कल्पना कर रहा था। वह इससे पहले केवल दो बार पेरिस गया था और उसे इस शहर से कभी कोई खास लगाव नहीं रहा था। फिर भी, शहर के केंद्र को खंडहर में तब्दील देखकर, जहाँ लगभग पाँचवाँ हिस्सा राख में तब्दील हो गया था या विकिरण विषाक्तता के अंतिम कष्टों से जूझ रहा था, उसे रुककर यह सोचना पड़ा कि आखिर वह यहाँ क्यों आया था।
चाहे वह किसी भी तरह से इस समस्या को देखे, चाहे वह इसे पूरी तरह से उलट दे या उलट-पुलट कर दे, जवाब एक ही था: वह एक देशभक्त था।
यह बलिदान अमेरिका को रूसियों और चीनियों की चापलूसी करने और एक दशक बर्बाद करने के बाद अपना सही रास्ता खोजने में मदद करेगा।

क्रिश्चियन कीन के हाई स्कूल से कॉलेज जाने के दौरान जिन देशों ने अमेरिका को जीतने या नष्ट करने की कसम खाई थी, अब उन्हें "सर्वोत्तम राष्ट्र" का दर्जा प्राप्त था। स्थिति इतनी गंभीर थी कि हाल के अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने राष्ट्रीय रक्षा के सबसे गहरे और गुप्त रहस्यों को कट्टर कम्युनिस्टों या उन पूर्व कम्युनिस्टों के साथ साझा किया था जो हाल ही में "लोकतंत्र" में परिवर्तित हुए थे। वाशिंगटन में बैठे कायर लोगों ने अल्पसंख्यकों और असंतुषों के निरंतर दमन को लेकर चीन के खिलाफ कड़ा विरोध करने के बजाय, भारी राजनीतिक चंदे—रिश्वत—के बदले मिसाइल मार्गदर्शन प्रणालियाँ सौंप दीं और दैनिक यातनाओं, फाँसी और "पुनर्शिक्षा" शिविरों की क्रूरता पर आँखें मूंद लीं। इस बीच, रूस एक विशाल धन गड्ढा बन गया था जिसका कोई अंत नहीं था, जो अमेरिकी विदेशी सहायता, उन्नत प्रौद्योगिकी और चिकित्सा आपूर्ति को इस तरह निगल रहा था मानो कल का कोई अस्तित्व ही न हो।
अगले दिन जो कुछ भी होने वाला था, उसमें अपनी भूमिका को लेकर कीन को कोई हिचक नहीं थी। एक तो वह मानता था कि लक्ष्य को पाने के लिए कोई भी तरीका जायज़ है। और दूसरा, उसे पूरा भरोसा था कि उसके इकलौते वरिष्ठ अधिकारी के अलावा दुनिया में किसी को भी उसकी भूमिका का पता नहीं चलेगा। प्रुएट यह बात कभी किसी को नहीं बताएगा, क्योंकि अगर क्रिश्चियन कीन की पहचान सार्वजनिक हो जाती, तो उसका पतन भी निश्चित था।
और प्रुएट लेवेनवर्थ की जेल की कोठरी से एक साम्राज्य चलाने की उम्मीद कैसे कर सकता था?
जब तक उसे नींद नहीं आई, कीन ने सोचा कि चलो फोन कर ही लेते हैं। उसने पांच मिनट तक टेलीफोन ढूंढा, फिर उसे बड़ी निराशा हुई कि उसके होटल के कमरे में टेलीफोन नहीं था। हॉल में कदम रखते ही उसे अपने कमरे और इकलौती लिफ्ट के बीच में एक सार्वजनिक टेलीफोन मिला। फोन करने के लिए जेबों में सिक्के ढूंढने के बाद उसने अपने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया, फिर सोचा कि अब समय आ गया है, इसलिए वह अपना धातु का सूटकेस लेने वापस गया और उसे अपने साथ ले गया। इस तरह, अगर कोई उसकी गैरमौजूदगी में चौथी मंजिल की खिड़की से अंदर आ भी जाए, तो उसके कपड़ों के अलावा कुछ भी चोरी नहीं हो सकता था।
उसने टेलीफोन के निर्देश पढ़े, जो टेढ़े-मेढ़े अक्षरों में छपे थे।

टूटी-फूटी अंग्रेज़ी बोलने वाले एक व्यक्ति ने स्लॉट में सिक्के डाले और उसका नंबर डायल किया। नोबल प्रुएट ने दूसरी घंटी बजते ही फोन उठा लिया। "नमस्ते?"
"मैं ही हूँ," कीन ने कहा। "मीटिंग कब है?"

इस बार सूचना स्टोनी मैन से मिली थी। बोलन को पहले तो इस जानकारी पर पूरी तरह भरोसा करने में हिचकिचाहट हुई, लेकिन जैसा कि जॉनी ने बताया, उनके पास केवल दो ही विकल्प थे: या तो होटल के कमरे में बैठे रहना जब तक कि उनके पैसे खत्म न हो जाएं, या पेरिस की सड़कों पर इधर-उधर भटकते हुए किसी ऐसे अंग्रेज़ी बोलने वाले फ्रांसीसी व्यक्ति की तलाश करना जो उन्हें बता सके कि "रूसी कहाँ हैं।"
इसी बात को ध्यान में रखते हुए, बोलन ने शहर के दक्षिणी बाहरी इलाके में स्थित एक परिसर का पता याद कर लिया था, जहाँ उसे बताया गया था कि उस रात बड़े-बड़े गुंडे इकट्ठा होकर भोजन करेंगे और अपनी योजनाओं पर चर्चा करेंगे। लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि बोलन को वह परिसर में मिलेगा या नहीं। "क्या तुम्हें अब भी लगता है कि यह एक साजिश है?" जॉनी ने पूछा, जब वे किराए की सिट्रोएन सेडान में लक्ष्य की ओर जा रहे थे।
बोलन ने जवाब दिया, "कुछ भी हो सकता है। मैं बस इतना ही कह रहा हूँ। सावधान रहना।"
"एक योजना की तरह लगता है।"
बोलन को जैसा बताया गया था, वह महल वास्तव में नज़रअंदाज़ करना असंभव था। यह दस या पंद्रह एकड़ ज़मीन पर अकेला खड़ा था, जहाँ पेड़ों की तुलना में झाड़ियाँ ज़्यादा थीं, सिवाय घर के चारों ओर के हिस्से के, जहाँ पेड़ों का इस्तेमाल केवल छाया के लिए किया गया था। इसकी चौड़ी सामने की खिड़कियों और दूसरी मंज़िल की बालकनी से लगभग एक मील तक राजमार्ग का शानदार नज़ारा दिखता था, जिसके बाद पहाड़ी इलाका शुरू हो जाता था।
"क्या आप टहलना चाहेंगे?" बोलन ने पूछा।
"ऐसा लगता है कि ज्यादा विकल्प नहीं हैं," जॉनी ने जवाब दिया।

जब वे गाड़ी चलाते हुए आगे बढ़े और हाईवे के अगले मोड़ पर पहुंचे, तो महल जगमगा रहा था। वे गाड़ी खड़ी करने के लिए जगह ढूंढ रहे थे। बोलन को गश्त पर कोई पहरेदार नज़र नहीं आया, लेकिन उसे पूरा यकीन था कि घर में कुछ बंदूकधारी मौजूद थे, जो राहगीरों की नज़र से छिपे हुए घर के अंदर मौजूद लोगों की रक्षा कर रहे थे। उसे सामने घुमावदार सड़क पर खड़ी पाँच गाड़ियाँ गिनने का समय मिल गया था, और हालाँकि वह उनके ब्रांड का नाम निश्चित रूप से नहीं बता सकता था, लेकिन वे देखने में बेहद महंगी, चमकदार और दमदार लग रही थीं।

मोड़ से एक चौथाई मील आगे जाकर, उसे एक घुमावदार सड़क मिली जो मुख्य राजमार्ग से अलग होकर पहाड़ियों से ऊपर की ओर जा रही थी। उसने किराए की कार की हेडलाइट बंद कर दीं और चाँद की रोशनी में रास्ता ढूँढ़ते हुए तब तक रुका रहा जब तक उसे यह यकीन नहीं हो गया कि नीचे मुख्य सड़क पर चल रहे किसी भी व्यक्ति को उसकी गाड़ी दिखाई नहीं दे रही है। उस समय, बोलन ने कार को एक लेन वाली सड़क के किनारे खड़ा कर दिया, ताकि दूसरी गाड़ियों के लिए पर्याप्त जगह रहे, और इंजन बंद कर दिया।
"वीटो करने का यह आखिरी मौका है," उसने अपने भाई को बताया।
"अरे, हमें इसकी जांच करनी ही होगी, है ना? नहीं तो हम दोनों तरफ से मुसीबत में पड़ सकते हैं।"
और वह बिल्कुल सही था। पहला तरीका यह था कि क्रेस्त्यानोव और उसके साथियों को अपनी रणनीति बनाने और आराम से मिसाइल विस्फोट करने का मौका मिल जाता। दूसरा नुकसान यह था कि बोलन खुद अपने साथ क्या कर रहा होता, वह अपने उस आखिरी और सबसे अच्छे मौके को गंवा रहा होता जिससे वह यह पता लगा सकता था कि क्या वह अभी भी ब्रोग्नोला और स्टोनी मैन पर भरोसा कर सकता है या नहीं। “ठीक है,” उसने कहा, “चलो शुरू करते हैं।” जैसे ही वे अपने कपड़े पहन रहे थे और अपने हाथों और चेहरों पर गहरे काले रंग का पेंट लगा रहे थे ताकि चाँदनी उन पर न पड़े, बोलान ने कहा, “याद रखना, हमें अभी भी नहीं पता कि युद्ध सामग्री कहाँ है, या वह यहाँ है भी या नहीं। तुमने मॉस्को में सूटकेस देखा था, लेकिन अब तक वे बैग को दर्जनों बार बदल चुके होंगे।”
"तो, मैं किसी भी सामान पर गोली नहीं चलाऊंगा," जॉनी ने मुस्कुराते हुए उससे कहा, "जब तक कि वह भागने की कोशिश न कर रहा हो।"
"यह तर्कसंगत लगता है।"
बोलन ने अपना नाइटसूट गहरे काले रंग की मिलिट्री वेबिंग के नीचे पहना हुआ था।

उसके कंधे पर बेरेटा 92 पिस्तौल टंगी थी, जबकि उसकी बेल्ट पर लगे कैनवास पाउच में पिस्तौल और उसकी AKSU दोनों के लिए अतिरिक्त मैगज़ीन रखी थीं। स्किनसूट के नीचे, बोलन ने केवलर की जैकेट पहनी हुई थी, यह जानते हुए कि यह कुछ खास कैलिबर के हथियारों से धड़ पर लगने वाली सीधी गोली से सीमित सुरक्षा ही देगी, चाहे वह सामने से लगे या पीछे से। सिर में गोली लगने, कमर के नीचे लगने वाली किसी भी चोट और बगल से चलाई गई गोलियों से वह अभी भी असुरक्षित था, जो उसके हाथ हिलाने के लिए ज़रूरी जगह ढूंढ लेती थीं। जैकेट के बीचोंबीच लगने वाली एक अच्छी गोली भी उसे गिरा सकती थी—शायद उसे तब तक अचेत कर सकती थी जब तक कि हमलावरों को उसे खत्म करने का मौका न मिल जाए—और विस्फोटों, आग या बेसबॉल बैट से मारे जाने जैसी मामूली चोट से भी उसका कोई बचाव नहीं था।
बोलन ने मन ही मन सोचा, "कुछ न होने से तो बेहतर है," और सेडान कार के अपनी तरफ लगे शीशे में अपने भाई को अपना रंग ठीक करते हुए देखा। जॉनी ने जंगल के कपड़े पहने थे, मानो जगमगाते महल में पहुँचने पर ये उसके किसी काम के न हों। वह खूंखार और बेहद जवान दिख रहा था।
"तुम्हें पता है," बोलन ने कहा, "मैं सोच रहा था—"
"अगर यह हमारी रणनीति के बारे में नहीं है," उसके भाई ने उसे बीच में ही रोकते हुए कहा, "तो हमारे पास सच में समय नहीं है। याद रखो, मैं तुम्हारे

आने से पहले इस काम में लगा हुआ था। मैं तुम्हारे साथ ही चलूंगा। कोई बहस नहीं।"
"आपकी मर्ज़ी," जल्लाद ने पूरी गंभीरता से जवाब दिया। "घर को देखते ही किसी भी तरह के सेंसर से सावधान रहना। मुझे शक है कि उन्होंने घर में तार लगाए होंगे, लेकिन अगर उन्होंने हमें इतनी दूर से देख लिया, तो हम बुरी तरह फंस जाएंगे।"
"तो सावधान रहो," जॉनी ने कहा। "या, इस मामले में, सावधान रहो।"
बोलन ने आगे कहा, "हमें परिसर में नौकरों या आम नागरिकों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। अगर हमें इसके विपरीत कोई पुख्ता सबूत न मिले, तो हम घर तक पहुंचेंगे और मानेंगे कि रास्ते में मिलने वाला हर व्यक्ति शत्रुतापूर्ण है।"
"काट-काट कर जला दो," जॉनी ने जवाब दिया, और दुश्मन से मुकाबले के लिए खुद को तैयार किया।
"जली हुई धरती," बोलन ने जवाब दिया। "चलो चलते हैं।"
पहुँच मार्ग और उनके लक्षित लक्ष्य के बीच स्थित पहाड़ी इलाका बोलन की अपेक्षा कहीं अधिक कठिन था।

जैसा अनुमान था, फिर भी उन्होंने अच्छी गति बनाए रखी। जब वे महल से आमने- सामने की दूरी पर थे, तब उन्हें आखिरी पहाड़ी के पार महल की रोशनी चमकती हुई दिखाई दी, जो पतंगों की तरह प्रकाश की ओर आकर्षित होकर उसकी ओर बढ़ रही थी।
अंततः, वे अंधेरे में खड़े होकर महल को देख रहे थे। उस कोण से एक स्विमिंग पूल दिखाई दे रहा था, लेकिन अभी भी कोई पहरेदार नजर नहीं आ रहा था।
"बराबर का मामला हो सकता है," बोलन ने सुझाव दिया।
"पता लगाने का सिर्फ एक ही तरीका है," उसके भाई ने कहा।
इस पर सैनिक के पास कोई आपत्ति नहीं थी। उसने कहा, "अगर आप तैयार हैं तो मैं भी तैयार हूं।"
"मैं जितना तैयार हो सकता हूँ, उतना तैयार हूँ," जॉनी ने जवाब दिया।
और वे दोनों कंधे से कंधा मिलाकर पहाड़ी से नीचे उतरे, भाग्य से मिलने के लिए।
वासिली क्रेस्त्यानोव ने अपना वाइन ग्लास उठाते हुए घोषणा की, "मैं आप सभी का स्वागत करता हूं, उस पहले और आखिरी अवसर पर जब हम सभी सौहार्द की भावना से एक साथ बैठे हैं।"
"हममें से कुछ लोगों को तो यहां होना ही नहीं चाहिए," ज़ेन्या रोमोचका ने अपनी शराब को बिना छुए कहा। "इस तरह की बैठक बहुत ही जोखिम भरी है। यह हमारे लिए ही मुसीबत खड़ी कर सकती है।"
"फिर भी, तुम आये," क्रेस्त्यानोव ने कहा।
"जैसे कि मेरे पास कोई विकल्प था," राजनेता ने चिढ़कर जवाब दिया।
नोबल प्रुएट ने स्पष्ट रूप से चिढ़ते हुए कहा, "हम सभी के पास विकल्प हैं," हालांकि उनकी आवाज अभी भी धीमी थी।
इससे पहले कि राजनेता कुछ सोच पाते, क्रेस्त्यानोव ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण होगा यदि हम इस समय, अपने संभावित लाभों को भूल जाएं। हम इतिहास बदलने, अराजकता और पतन की ओर बढ़ रहे ग्रह पर व्यवस्था बहाल करने के कगार पर हैं। इसके पुरस्कार खतरों के सामने कुछ भी नहीं हैं।"

रोमोचका के तीखे चेहरे से स्पष्ट था कि वह अपनी प्रारंभिक योजना में हुए बदलाव को किसी भी तरह से वरदान नहीं मानता था। क्रेस्त्यानोव ने अनुमान लगाया कि उनकी अधिकांश असंतुष्टि का कारण कायरता थी। उन्हें एक प्रमुख यूरोपीय राजधानी के निर्मम विनाश में भाग लेने में कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन...

194 न्याय का दिन
उनमें से कई लोग घटना के समय घटनास्थल पर या उसके आसपास मौजूद रहना चाहते थे।
क्रेस्त्यानोव ने उन्हें एक बार फिर याद दिलाया, "हमारी योजनाओं में बदलाव अपरिहार्य था। अब, परमाणु उपकरण की स्थापना और विस्फोट के संबंध में
— "

ठीक उसी क्षण, एक धमाके से पूरा घर हिल गया, खिड़कियाँ अपने फ्रेम में ही थरथरा उठीं और क्रिश्चियन कीन के मुँह से शराब का गिलास आधा ही दूर था कि वह गिर पड़ा। टोल्या वैलेरिक अपनी कुर्सी से उछल पड़ा और गार्डों को बुलाने लगा, शायद उसे यह एहसास ही नहीं था कि गार्ड किसी और काम में व्यस्त होंगे। माफिया का दूसरा सबसे बड़ा अधिकारी, अनातोली बोग-डैश्का, उठा और उसकी कोहनी पकड़कर उसे शांत करने की कोशिश की, लेकिन वैलेरिक ने उसे झटक कर दूर कर दिया।
क्रेस्त्यानोव अपने उपस्थित मेहमानों और सह-साजिशकर्ताओं द्वारा उन पर बरसाए जा रहे सवालों को न तो समझ पा रहे थे और न ही उनका जवाब दे पा रहे थे। उन्हें कैसे पता चलता कि विस्फोट का क्या मतलब था? क्या वे सोच रहे थे कि उन्होंने ही इसे आयोजित किया था, उनके भोजन और बातचीत के साथ मनोरंजन के लिए? क्या वे उनके हास्यबोध को इतना परिष्कृत या इतना अटपटा समझते थे? "शांत हो जाओ!" उसने उन सभी पर चिल्लाते हुए कहा, आदेश देते ही उसे मैदान में कहीं से कलाश्निकोव राइफलों की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। गोलीबारी ने उसकी उस उम्मीद को पूरी तरह से खत्म कर दिया, चाहे वह कितनी भी कमज़ोर क्यों न हो, कि यह विस्फोट कोई प्राकृतिक घटना थी या किसी दुर्घटना का संकेत। गोलीबारी के बाद अब केवल एक ही बात समझ में आई: किसी तरह उनका पता चल गया था और उनकी बैठक पर हमला हो रहा था।
"चुप रहो! तुम सब चुप हो जाओ!" क्रेस्त्यानोव ने कमरे में मौजूद सभी लोगों पर चिल्लाते हुए कहा। उन्हें थोड़ा आश्चर्य हुआ जब वे चुप हो गए और वैलेरिक और बोग-डैश्का को छोड़कर बाकी सभी लोग भोजन की मेज के चारों ओर अपनी-अपनी सीटों पर वापस बैठ गए। बाहरी मैदान से, लड़ाई में क्षणिक विराम के बाद स्वचालित गोलियों की बौछार फिर से शुरू हो गई, क्रेस्त्यानोव के कुछ साथी शोर से सहम गए।
क्रेस्त्यानोव ने उनसे कहा, "निश्चिंत रहें, हमारे पास है..."

सर्वोत्तम सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध है, सभी सैनिक पूरी तरह से हथियारों से लैस हैं, पेशेवर हैं और घर की रक्षा करने में सक्षम हैं। हम किसी भी हालत में तुरंत घर खाली कर देंगे। हमारे पास पर्याप्त समय होगा। क्या श्री कीन कृपया अपना बैग ला सकते हैं...?
4 "ज़रूर," गोरे अमेरिकी ने जवाब दिया। जब वह खड़ा हुआ, तो क्रेस्त्यानोव ने उसके हाथ में पिस्तौल देखी और मन ही मन ठान लिया कि अगर रात भर कोई

गार्ड बच भी गया तो वह अपने मेहमानों को निहत्था करने के लिए उसे फटकार लगाएगा।
बाकी लोग फिर से खड़े हो गए और बाहर निकलने के लिए बेचैनी से निकास द्वार के पास जमा हो गए, तभी कुछ देर बाद कीन अपना भारी बैग लेकर लौट आया। बाकी लोगों को पीछे हटते और दूरी बनाए रखते देखना मनोरंजक होना चाहिए था, लेकिन क्रेस्त्यानोव हंसना भूल चुका था।
शायद किसी और समय।
"अगर आप मेरे पीछे आएंगे," उसने कहा और भोजन कक्ष के निकास द्वार के बाहर मंडरा रहे दो सशस्त्र संतरियों की ओर इशारा करते हुए सिर हिलाया। "व्यवस्थित रूप से पीछे हटने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल जाएं।"
अगर क्रिश्चियन कीन अंधविश्वासी होता, तो वह कहता कि उसका सूटकेस—या शायद पूरी योजना ही—शापित है। लेकिन ऐसा होना नामुमकिन था, और इससे उसके सामने दो ही वास्तविक संभावनाएं बचती थीं: पहली थी रोज़मर्रा की बदकिस्मती; दूसरी थी विश्वासघात, यानी साजिश के केंद्र में मौजूद कोई व्यक्ति जो शायद डर गया हो और उसने बाकी लोगों को धोखा देकर खुद को बचाने का फैसला किया हो।
और क्रिश्चियन कीन भाग्य में विश्वास नहीं करते थे।
युद्ध की भीषण गर्मी में, मानो स्पष्टीकरण देने के लिए मजबूर, उसके मन में एक बार भी यह विचार नहीं आया कि जो कुछ हो रहा था, उसका तीसरा, उतना ही तार्किक परिदृश्य भी हो सकता है। उसके दिमाग में यह बात नहीं आई कि कंपनी का कोई व्यक्ति—या उससे भी कम किसी अन्य एजेंसी का, जिसके बारे में उसे ज़रा भी जानकारी नहीं थी—सभी कड़ियों को जोड़कर, आंकड़ों को संकलित करके और साजिशकर्ताओं को तब खत्म करने के लिए एक हमलावर दल भेज सकता है, जब वे इसकी बिल्कुल भी उम्मीद न कर रहे हों। जब वे लगभग असहाय स्थिति में हों।

और इसी तरह, जब वे महल खाली करने लगे, तो कीन ने अपने हर साथी को शक की नज़र से देखा। उसने वाल्थर पी-5 स्वचालित पिस्तौल अपने दाहिने हाथ में पकड़ी हुई थी, जबकि सूटकेस उसके शरीर के बाएँ हिस्से को नीचे की ओर खींच रहा था और उसे बेकाबू कर रहा था। उसे लगा कि इस भार का कुछ हिस्सा मनोवैज्ञानिक भी था। बम का वज़न केवल पैंतीस या चालीस पाउंड था, सीसे की ढाल वाला धातु का सूटकेस बारह या पंद्रह पाउंड ज़्यादा था, और मोटी फोम-रबर की गद्दी लगभग न के बराबर थी। मान लीजिए कि साठ पाउंड है और उसमें दस पाउंड और जोड़ दें, सिर्फ़ बहस के लिए। कीन जिम में हर हफ़्ते लगभग इससे चार गुना ज़्यादा वज़न उठाता था। ज़रूर गुरुत्वाकर्षण के अलावा भी कुछ और था जो उसे ऐसा महसूस करा रहा था जैसे पूरी दुनिया उसकी कलाई से हथकड़ी से बंधी हो और उसे धीमा कर रही हो।
हालांकि, इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा।
उसने अपना ध्यान अपने सामने खड़े व्यक्ति पर केंद्रित किया—संयोगवश, वह एक रूसी राजनेता था—और फैसला किया कि अगर हालात बिगड़े तो वह एक ही मैगज़ीन से पूरी टोली को खत्म कर देगा और अकेले ही भाग निकलेगा। प्रुएट और दो गंभीर चेहरे वाले रूसी राइफलधारियों समेत हर एक को एक-एक गोली मार देगा, इससे पहले कि उसे बैग गिराकर दूसरी मैगज़ीन ढूंढनी पड़े। दो बार गोली चलाना मुमकिन नहीं था, लेकिन अगर वह होश में रहे और याद रखे कि उसे पहले निशानेबाजों को मार गिराना है, तो वह ऐसा कर सकता था।

सबसे बढ़कर, बम ले जाने वाले व्यक्ति का इरादा जीवित रहना था।
जॉनी को उम्मीद थी कि गोलीबारी शुरू होने से पहले वे घर के करीब पहुँच जाएँगे, लेकिन उनकी किस्मत तब साथ छोड़ गई जब वे पूरब से सौ गज की दूरी पर ही आगे बढ़ रहे थे। छाती तक ऊँची झाड़ी की छाया में छिपे संतरी को उन्होंने तब तक नहीं देखा जब तक कि वह उनके सामने नहीं आ गया और किसी तरह की छोटी सबमशीन गन से अंधाधुंध फायरिंग शुरू नहीं कर दी।
शायद "विस्फोट" शब्द पूरी तरह सही नहीं था, क्योंकि हमलावर की बंदूक में ध्वनि रोधक लगा हुआ था, जिससे उसकी आवाज़ भारी गत्ते के फटने जैसी धीमी हो गई थी। उन्हें एक मौका मिला, उसकी पहली गोलियां ऊपर और दूर जा गिरीं, शायद ट्रिगर के झटके से दबने का नतीजा था, और जब तक उसने निशाना साधा, तब तक दोनों भाई ज़मीन में लेट चुके थे। वह छिप गया, और जॉनी झाड़ियों पर गोलियां चलाने ही वाला था कि तभी उसके भाई ने पीछे हटकर पत्तों की बाड़ के पार एक फ्रैग ग्रेनेड फेंक दिया।
एसएमजी की धीमी सी गड़गड़ाहट के बाद, उसका धमाका रात के अंधेरे में बिजली की गड़गड़ाहट जैसा सुनाई दिया। गूंज शांत होने से पहले ही जॉनी अपने पैरों पर खड़ा हो गया और झाड़ियों के कोने से मुड़कर उसने अपने लक्ष्य को घास पर बेसुध पड़ा पाया, उसका एक पैर उसके नीचे इस तरह मुड़ा हुआ था कि अगर वह जीवित होता तो निश्चित रूप से दर्द से कराह उठता।
अब महल के अंदर किसी को भी चौंकाने का कोई सवाल ही नहीं था, और जॉनी ने चुपके से जाने के सारे विचार त्याग दिए और घर की ओर दौड़ने लगा। उसे अपने भाई की आहट सुनाई दे रही थी—उम्मीद थी कि उसका भाई ही हो; फिर उसे तब यकीन हो गया जब पीछे से उस पर गोली नहीं चलाई गई—और उसने अपना ध्यान अपने सामने की रोशन ज़मीन पर केंद्रित कर लिया। अगर वहाँ और भी पहरेदार थे, तो वे आ रहे होंगे—
अब!
जॉनी के दाहिनी ओर तीन बंदूकधारी दिखाई दिए, जो घर के उत्तर-पूर्वी कोने के पीछे से निकले थे, जबकि चार या पांच और सैनिक तुरंत उसके बाईं ओर आ गए।

उस पर तुरंत गोलियां बरसाई गईं, और वह अपने चारों ओर हवा में गोलियों की आवाज सुन सकता था, जो इतनी करीब थीं कि उसे बिल्कुल भी आराम नहीं मिल रहा था।
जॉनी ज़मीन पर लेट गया, गंभीर रूप से घायल था, लेकिन आगे बढ़ते हुए लगातार गोलियाँ चलाते जा रहे तोपचियों से बचने के लिए उसने अपना बचाव किया। उनमें से कुछ ने शायद सोचा होगा कि उसे गोली लग गई है, वह मर चुका है या मरने वाला है। लेकिन किसी भी हालत में, वे उसके भाई की वजह से विचलित हो गए, और उनमें से कई ने बोलन पर गोलियाँ चलाने के लिए अपना रुख मोड़ लिया, और जॉनी को नज़रअंदाज़ करते हुए दो के बदले दो गोल करने की कोशिश में जुट गए।
और ऐसा करके उन्होंने खुद को दोषी ठहरा लिया।
जॉनी ने सबसे पहले अपने दाहिनी ओर खड़े तीनों खिलाड़ियों पर निशाना साधा, जो छोटी-छोटी घास पर इधर-उधर भाग रहे थे ताकि राइफल की नज़र उन पर पड़ सके। तीनों में से सबसे नज़दीक वाला खिलाड़ी कद में छोटा था, पाँच फुट पाँच इंच या छह इंच से ज़्यादा लंबा नहीं, लेकिन जॉनी के नज़दीक से देखने पर वह लेकर्स का सेंटर खिलाड़ी भी लग सकता था। उसकी स्वचालित राइफल लॉन पर उसके भाई का पीछा कर रही थी, नारंगी रंग की चिंगारियाँ कभी जलती थीं कभी बुझती

थीं, तभी जॉनी ने बीस गज की दूरी से उसकी छाती में गोली मार दी और उसे लॉन पर पीछे की ओर पटक दिया।
तीनों में से बचे दो लोगों को अपने दोस्त की कमी तुरंत महसूस नहीं हुई, क्योंकि उनका पूरा ध्यान बोलन को पकड़ने पर था। जॉनी ने दूसरे निशाने पर निशाना साधा ही था कि तभी उसके पीछे से एके राइफलों की बौछार हुई और शूटर का सिर ऐसे फट गया जैसे किसी तरबूज के अंदर चेरी बम रखा हो। मृत व्यक्ति ने एक-दो पल तक अपना संतुलन बनाए रखा, उसकी चकनाचूर खोपड़ी से खून बह रहा था, लेकिन जब उसने एक और कदम आगे बढ़ाने की कोशिश की, तो उसके पैर रबर की तरह सुन्न हो गए और वह धीरे-धीरे आगे की ओर लुढ़कते हुए घास पर जा गिरा।
तब तक जॉनी ने अपना आखिरी निशाना साध लिया था। उसने तीनों में से इकलौते बचे व्यक्ति पर गोलियों की बौछार कर दी, जिससे उसकी एके-47 उसके हाथ से छूट गई और लगभग उसका एक हाथ ही कट गया। गोलियां उसे ऐसे घुमा रही थीं मानो वह किसी अंधे को चकमा देने का खेल खेल रहा हो। वह एक चौथाई चक्कर ही लगा पाया था कि तभी गोलियों की एक और बौछार उस पर पड़ी और वह वहीं गिर पड़ा। उसके पैर घास पर घिसटते रहे और फिर उसके फटे-पुराने, खुले घावों से खून बहने लगा।

चारों ओर से आती गोलियों की बौछार से जॉनी के आसपास का इलाका छलनी हो गया। उसने तुरंत प्रतिक्रिया करते हुए घर के दक्षिण-पश्चिम कोने के पास जमा हुए तोपचियों का सामना किया। अपने दिवंगत साथियों के विपरीत, वे जल्दबाजी में आगे नहीं बढ़ रहे थे, बल्कि एक झड़प की पंक्ति बनाकर फैल गए थे, ताकि दूरी बनाए रखते हुए गोलियों की बौछार कर सकें। यह एक अच्छा कदम था, जिससे आगे बढ़ने से उनके निशाने में बाधा कम हो रही थी, और साथ ही उन्हें जरूरत पड़ने पर खुद को बचाने के लिए झुकने और बचने का मौका भी मिल रहा था।
और जॉनी को बस यही उम्मीद थी कि यह बहुत अच्छा कदम न हो।
क्योंकि उसे यह महसूस हो रहा था कि उसके और उसके भाई के पास समय कम होता जा रहा है।
टोल्या वैलेरिक घर के निकास द्वार की दहलीज पर हिचकिचाया, उसे महसूस हुआ कि बाकी लोग उसके पीछे जमा होकर आगे बढ़ रहे हैं, बेचैनी से वहाँ से निकलना चाहते हैं। वह भी यही महसूस कर रहा था, लेकिन उसने अपने डर को घबराहट में बदलने नहीं दिया, जिससे वह बिना सोचे-समझे मौत के मुँह में धकेल दिया जाता। “जल्दी करो, भगवान के लिए!” युद्ध की गड़गड़ाहट में उसकी आवाज दब जाने के कारण एक अमेरिकी ने चिड़चिड़े, लगभग बचकाने लहजे में कहा। वैलेरिक ने उसे पूरी तरह से अनसुना कर दिया, बाहर युद्ध के मैदान का जायजा लेते हुए उसने उन सभी को अनसुना करने की कोशिश की।
वह हमलावरों को देख नहीं पा रहा था, हालांकि उसने जो सुना था, उससे, अगर वह गलत नहीं था, तो वे उसके बाईं ओर, घर के पूर्वी हिस्से के आसपास कहीं लड़ रहे थे। गाड़ियाँ उसके दाईं ओर, लगभग पचास गज पश्चिम की ओर खड़ी थीं, और उस समय, उस गैंगस्टर को लगा कि यह दूरी मानो एक मील हो। उसने जितने भी बेहतरीन एथलीट देखे थे, वे भी गोली से नहीं बच सकते थे, और वैलेरिक, अपने सबसे अच्छे दिनों में भी, कभी भी ट्रैक स्टार नहीं रहा था।
"हम किस बात का इंतजार कर रहे हैं?" रोमोचका ने शिकायत भरे लहजे में पूछा, जो संसद में बोलते समय उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए दहाड़ते और चिल्लाते हुए लहजे से बिल्कुल अलग था।
वैलेरिक ने लगभग जवाब दिया, "तुम्हारी बेकार जान बचाने के लिए।"

लेकिन उसने फैसला किया कि कीमती सांस और ऊर्जा बर्बाद करना व्यर्थ होगा। उसका उद्देश्य उस कार तक पहुंचना था जिसमें वह क्रेस्त्यानोव, बोगदाश्का और उनके अंगरक्षकों के साथ आया था। उसे कार तक जिंदा पहुंचना था, अंधेरे से स्नाइपर की गोली लगने से पहले उसमें बैठना था और नीचे झुककर रहना था, मर्सिडीज-बेंज की मजबूत बॉडी पर भरोसा करते हुए कि जब तक वे स्नाइपर की रेंज से बाहर नहीं निकल जाते, तब तक वह सुरक्षित रहेगा।
जब उसने इस तरह से बताया तो सुनने में आसान लगा, लेकिन दहलीज पर कांपते हुए खड़े होकर, बाहर मौजूद जानलेवा गोलियों की चपेट में आने से बस एक कदम दूर, यह नामुमकिन सा लग रहा था। शायद अगर वह दोहराता, तो घर के अंदर कहीं छिपने की जगह मिल जाती...
"हम समय बर्बाद कर रहे हैं," क्रेस्त्यानोव ने कहा, उसके होंठ वैलेरिक के कान के इतने करीब थे कि उसकी सांसें किसी प्रेमी की तरह गुदगुदी कर रही थीं, जिससे माफिया सरगना के शरीर पर रोंगटे खड़े हो गए।
"हमें और आदमियों की जरूरत है," उसने कर्नल से कहा, इस उम्मीद में कि उसकी बात कायरतापूर्ण और भयभीत लगने के बजाय तर्कसंगत लगे।
"वे इस समय व्यस्त हैं," क्रेस्त्यानोव ने जवाब दिया। "वे हमारे लिए समय खरीद रहे हैं, बशर्ते हम यहाँ खड़े होकर अपनी पैंट गीली न कर लें।" वालेरिक के चेहरे पर गुस्से की लाली छा गई थी। अगर हालात अलग होते तो वह निश्चित रूप से क्रेस्त्यानोव पर इस अपमान का बदला लेने के लिए टूट पड़ता, लेकिन इस समय उसकी पहली प्राथमिकता थी जान बचाना। मामूली शर्मिंदगी का बदला वह बाद में ले सकता था, अगर वह तब तक ज़िंदा रहा। और अगर वह ज़िंदा नहीं रहा... तो भला इससे क्या फर्क पड़ता?
"ठीक है!" उसने क्रेस्त्यानोव और उन सभी पर चिल्लाते हुए कहा। "ठीक है, तो फिर तुम सब भाड़ में जाओ! अगर तुम्हें मरने की इतनी जल्दी है, तो चलो इसे जल्दी खत्म करते हैं!"
"नहीं, रुको!" ज़ेन्या रोमोचका ने झट से कहा। "शायद वह सही कह रहा है। क्यों न हम इंतज़ार करें और—"
"रुको, बकवास!" अमेरिकियों में से एक ने कहा। इस बार वैलेरिक ने चारों ओर देखा और पाया कि यह वही कीन था, जिसके एक हाथ में जानलेवा सूटकेस और दूसरे हाथ में स्वचालित पिस्तौल थी। "अगर तुम सारी रात खड़े होकर बहस करना चाहते हो, तो करो। लेकिन मेरा सुझाव है कि तुम मेरे रास्ते से हट जाओ, और मेरा मतलब है अभी!"
कीन ने पिस्तौल के हथौड़े को पीछे की ओर धकेला, वैलेरिक ने यह बात नोट की।

उनके दोनों सशस्त्र अंगरक्षकों ने उसे रोकने की कोई कोशिश नहीं की। वे वैलेरिक के आदमी थे, लेकिन दोनों क्रेस्त्यानोव पर नज़र रखे हुए थे, जो इस बात का स्पष्ट संकेत था कि वे समझते थे कि उन्हें अचानक मौत के बजाय जीवन की ओर ले जाने का सबसे अच्छा मौका किसके पास है।
वैलेरिक ने उन दोनों को भविष्य में फांसी देने का मन बना लिया था, हालांकि उसे इस बात का यकीन नहीं था कि वह खुद यह सब होते हुए देख पाएगा या नहीं। अगर किस्मत अच्छी रही तो...
बोगदाश्का उसके ठीक बगल में, बाईं ओर आकर खड़ी हो गई और बोली, "अब और समय नहीं बचा है, टोल्या!"

वह अपने होश में आने और उसे रोकने से पहले ही आगे बढ़ रहा था। वैलेरिक ने अपने पीछे भागते हुए दूसरों की आवाज़ सुनी और सोचने लगा कि जिन तोपचियों को उसने मौत के लिए निशाना बनाया था, क्या उनमें इतनी समझदारी थी कि वे अपनी पीठ की रक्षा कर सकें और पीछे हटने में उनकी मदद कर सकें। शायद, अगर सब कुछ विफल हो जाए, तो कर्नल उन्हें उनके कर्तव्य की याद दिलाकर, उनके संकल्प को और मज़बूत कर सकता था।
कृतघ्न कमीने! वह उन्हें उन झुग्गी-झोपड़ियों से लाया था जहाँ उन्होंने अपना पूरा बचपन गरीबी में बिताया था, और उसने उन्हें सत्ता का स्वाद चखाया था। अब उनका उसे छोड़ देना विश्वासघात से कम नहीं था, भले ही उन्होंने ऐसा खुद को बचाने के प्रयास में किया हो।
वैलेरिक ने कसम खाई कि उनकी मौत न तो जल्दी होगी और न ही शांतिपूर्ण। वह उन्हें अपने साथ विश्वासघात करने के लिए तड़पाना चाहता था।
काश वह इस रात को जिंदा गुजार पाता।

पांच तोपचियों का दूसरा दल अपने तीन दिवंगत साथियों की तरह एकदम करीब से हमला करने के लिए नहीं दौड़ा, बल्कि थोड़ी दूरी बनाए रखते हुए एक पंक्ति में खड़े होकर स्वचालित गोलियों की बौछार करने लगा। दो सैनिकों को कवर देने का यह काफी सुरक्षित तरीका था, और बोलन जानता था कि उसके पास कुछ सेकंड, शायद उससे भी कम समय था, जिसमें वह बाज़ी पलट सकता था और उन्हें अपनी तरफ कर सकता था।
अपने छोटे कलाश्निकोव को बाएं हाथ से चलाते हुए, जल्लाद ने अपने लड़ाकू हार्नेस से एक फ्रैग ग्रेनेड निकाला, उसकी सेफ्टी पिन खींची और बम को झड़प की रेखा के बीचोंबीच फेंक दिया। या तो निशानेबाजों को इसका आभास नहीं हुआ, या फिर वे उस अफरा-तफरी भरे क्षण में इतने मशगूल थे कि उन्हें खतरे का एहसास ही नहीं हुआ। दोनों ही स्थिति में, वे अपनी जगह पर डटे रहे और गोलीबारी करते रहे, मानो मौत से पूरी तरह बेखबर हों।
फ्रैग ग्रेनेड बीच में खड़े गनर के पैरों के ठीक बीच में गिरा, और उसके पास लड़खड़ाते हुए गोले को देखने और भौंहें चढ़ाने का समय था, इससे पहले कि वह उसके चेहरे पर फट गया। वह आदमी छर्रों से बुरी तरह घायल हो गया, लगभग भाप बनकर उड़ गया, जबकि उसके अगल-बगल खड़े चारों सैनिक झुलसी हुई और खून से लथपथ घास पर लुढ़कते हुए इधर-उधर बिखर गए, धमाके की ताकत से निहत्थे हो गए, उनके घावों से खून बह रहा था।
उनमें से कुछ के बचने की संभावना थी, और बोलन को उनकी भविष्य की सेहत की कोई परवाह नहीं थी, जब तक कि वे फिलहाल निष्क्रिय थे, जॉनी या खुद के लिए कोई खतरा नहीं थे। जैसे ही वह उस जगह के पास पहुँचा जहाँ वे गिरे थे, उसने एक बहादुर तोपची को अपने पैरों पर खड़े होने के लिए संघर्ष करते देखा।

उसके पास हथियार के लिए तलाशी ली जा रही थी, तभी AKSU से दागी गई गोलियों की एक छोटी सी बौछार ने उसे फिर से गिरा दिया, इस बार पूरी तरह से।

आदमी की जैकेट में आग लग चुकी थी, और वह अपने भाई के पास घुटनों के बल बैठ गया।
तब तक जॉनी दर्द से कराहते हुए सीधा बैठ चुका था, लेकिन उसका पूरा ध्यान अपने AKSU की दोबारा जांच करने पर था। "केवलर," उसने कहा, फिर टार्ज़न की तरह अपनी छाती थपथपाई, चोटिल त्वचा के स्पर्श से दर्द से कराहते हुए। "मुझे किसी तरह का एंडोर्समेंट कॉन्ट्रैक्ट मिल जाना चाहिए।"
"मुझे नहीं लगता कि वे सार्वजनिक विज्ञापन में बहुत रुचि रखते हैं," बोलन ने उत्तर दिया। "क्या आप खड़े हो सकते हैं?"
"बिल्कुल। चलो इसे पूरा करते हैं।"
बोलन ने राहत की उस मदहोश कर देने वाली अनुभूति को दबाने की कोशिश की। गोलीबारी के बीच ज़रा सा भी ध्यान भटकना मौत को न्योता देने जैसा था, चाहे उसके पीछे कोई भी भावना रही हो। दुःख, प्रसन्नता, सदमा, क्रोध, हैरानी—अगर बोलन इन भावनाओं के वश में आ जाता, तो इन सभी भावनाओं के कारण उसकी जान जाने का बराबर खतरा था।
बाद में जश्न मनाना। अभी जीवित रहना जरूरी है।
उसकी दृष्टि रेखा से परे, इतनी गोलीबारी के बाद क्षणिक सन्नाटे में, बोलन ने कार के दरवाजों के ज़ोर से बंद होने की आवाज़ सुनी, जो स्पष्ट थी - पहले एक और फिर दूसरे इंजन के चालू होने की आवाज़। उसने महल के सामने खड़ी गाड़ियों के बारे में सोचा, और उसके मन में अपने शिकार के फिसलने की एक तस्वीर उभर आई।

उसके हाथों से फिर से फिसलकर, न जाने कहाँ गायब हो गई, शायद उसकी पहुँच से परे।
यह पीछा काफी लंबा चल चुका था, आधी दुनिया का चक्कर लगाकर वापस आ चुका था। बोलन के मन में इसे यहीं और अभी, हमेशा के लिए खत्म करने की एक गहरी और प्रबल इच्छा थी।
"वे अलग हो रहे हैं!" जॉनी ने उससे कहा। "हे भगवान, चलो जल्दी चलें!"
और वो लड़का वहाँ से निकल पड़ा, बढ़त बनाते हुए, बोलन उसके पीछे-पीछे तेज़ी से दौड़ रहा था, लगभग उसके पैरों पर ही पैर रख रहा था। कुछ और गज, कुछ और सेकंड। बस इतना ही काफी था।
और थोड़ी सी किस्मत भी।
उसने सोचा, भाग्य को मत भूलना, और दुश्मन का सामना करने के लिए आगे बढ़ गया।
"एक मिनट रुको!" नोबल प्रुएट हांफते हुए बोला, ऐसा लग रहा था जैसे उसकी सांस फूल रही हो।
"हमारे पास एक मिनट भी नहीं है," क्रिश्चियन कीन ने तेज रोशनी में गुस्से से भरी आंखों से उसे जवाब दिया, वह किसी लुटेरे की तरह दिख रहा था, उसके बाएं हाथ में चमकदार धातु का सूटकेस और दाहिने हाथ में पिस्तौल थी।
"हमें यह पता लगाना होगा कि हम क्या कर रहे हैं, हम कहाँ जा रहे हैं," प्रुएट ने उनसे कहा।
"हम ये सब सड़क पर भी कर सकते हैं, भगवान के लिए! क्या तुम पागल हो? ये किसी गोलीबारी के बीच खड़े होकर फालतू बातें करने का समय नहीं है!" बोलते-बोलते कीन ने पीछे मुड़कर प्रुएट की ओर देखा, लेकिन जो कुछ उसने देखा उससे वह संतुष्ट नहीं हुआ। वह एक तरफ हट गया और घर की ओर एक कदम बढ़ा, मानो उसे उम्मीद हो कि किसी भी क्षण कोई आकर उसे चुनौती दे सकता है।

नोबल प्रुएट को बस इसी बढ़त की जरूरत थी।
अपनी जैकेट के नीचे हाथ डालकर, प्रुएट ने अपने मोज़ों में छिपाकर रखी हुई दोहरी क्रिया वाली डेरिंजर पिस्तौल निकाली, जिसे वह अपने चेक-थ्रू सामान में छुपाकर लाया था। इसमें क्लासिक ओवर-एंड-अंडर कॉन्फ़िगरेशन में दो.40-कैलिबर स्मिथ एंड वेसन राउंड थे, लेकिन इस दूरी पर प्रुएट को केवल एक की ही आवश्यकता थी।
उसने डेरिंजर की नली को लगभग एक इंच की दूरी पर रखा हुआ था।

कीन की खोपड़ी, एक कान के पीछे और माथे की ओर थोड़ा ऊपर की ओर झुकी हुई थी। "माफ़ करना," प्रुएट ने कहा और कीन को अपना सिर घुमाने और सटीक निशाना चूकने का मौका मिलने से पहले ही ट्रिगर दबा दिया।
लगभग त्वचा को छूने की दूरी पर, डेरिंजर अपनी ही नली से निकली गोली के बल से पीछे की ओर उछल गई, लेकिन जब तक झटके की लहर उसकी मांसपेशियों में महसूस हुई, कीन नीचे गिर चुका था और डेक पर तड़प रहा था, उसकी चकनाचूर खोपड़ी से खून बह रहा था और ड्राइववे पर एक लाल घेरा बना रहा था।
प्रुएट ने समय रहते अपनी आँखें ऊपर उठाईं और पाया कि रूसी उसे देख रहे हैं। वह यह नहीं बता सका कि वे डरे हुए थे, चिंतित थे या आनंदित थे, और सच कहूँ तो उसे इसकी परवाह भी नहीं थी।
"बेकार बोझ," उसने उनसे कहा, और डेरिंजर को जेब में रखते हुए झुककर भारी सूटकेस और वाल्थर पी-5 स्वचालित पिस्तौल को अपने लिए उठा लिया। "इस तरह कम समझाना पड़ेगा। अगर मैं अकेला रहूंगा तो सामान के साथ अपने लक्ष्य तक पहुंचने की संभावना ज़्यादा होगी।"
"क्या आप आगे बढ़ने की योजना बना रहे हैं?" क्रेस्त्यानोव ने उससे पूछा, और लैंगली के उस आदमी ने उसके चेहरे के भाव को पहचान लिया। यह आश्चर्य का भाव था। इसमें कोई संदेह नहीं था।
"बहुत अच्छा," क्रेस्त्यानोव ने घर की ओर देखते हुए कहा। "हमें अब चलना चाहिए।"
"मैं उसकी कार ले जाऊंगा," प्रुएट ने जवाब दिया। "आप जाइए।" उसे मजबूर होकर बैग और फिर पिस्तौल नीचे रखनी पड़ी, और वह कीन के शव के पास झुककर उसकी जेबें टटोलने लगा। निर्जीव शरीर को छूते ही उसका चेहरा सिकुड़ गया, अंत में उसे कार की चाबियां मिलीं।
जब वह उठा और कीन की किराए की कार की ओर बढ़ा, जबकि क्रेस्त्यानोव, वैलेरिक और उनके साथी अपनी लिमोसिन की ओर भागे, तो उसे अचानक एहसास हुआ कि दक्षिणी लॉन से कुछ देर से गोलियों या विस्फोटों की कोई आवाज़ नहीं आई थी। कितनी देर? वह कुछ कह नहीं सका और अपने आस-पास के माहौल के प्रति अधिक सतर्क न रहने के लिए खुद को कोसने लगा, साथ ही उस सन्नाटे के अर्थ को लेकर अनिश्चितता के लिए भी खुद को कोसने लगा।
जिस तरह से वह किराए की कार की ओर बढ़ते हुए अपनी बात समझा रहा था, उससे तीन स्पष्ट संभावनाएं थीं: हमलावर ये कर सकते थे:

अगर वैलेरिक के सैनिकों को खदेड़ दिया जाता, तो रक्षकों ने हमलावर दल को कुचल दिया होता, या दोनों पक्ष एक-दूसरे को पूरी तरह से नष्ट कर देते। तीन में से दो स्थितियों में प्रुएट का पक्ष विजयी होता, क्योंकि उसके सभी प्रमुख खिलाड़ी अभी भी टीम में बरकरार थे, लेकिन वह कमजोर टीम के खिलाफ अपनी जान जोखिम में नहीं डाल सकता था। एक तो यह कि हाल के दिनों में

उन्होंने कई बार, नाटकीय ढंग से, विपरीत परिस्थितियों में जीत हासिल की थी, इसलिए वह उनके शवों को मैदान पर पड़े हुए देखने से पहले उन्हें हार मान लेने के पक्ष में नहीं था।
और दूसरी बात, वह सचमुच बहुत डरा हुआ था।
नोबल प्रुएट के लिए, जीवन के उस पड़ाव पर, यह एक दुर्लभ अनुभव था। उन्हें किसी और बात का डर नहीं था, सिवाय इसके कि रूसियों के साथ मिलकर दुनिया को बदलने और खुद को नौकरशाही के शिखर पर स्थापित करने के उनके कुटिल हथकंडों का पर्दाफाश हो जाएगा।
और हां, मृत्यु भी।
चाहे कुछ भी हो जाए, वह यमराज को नहीं भूल सकता था।
प्रुएट अभी मरना नहीं चाहता था, इसलिए उसने थोड़ी और ऊर्जा जुटाई और किराए की कार तक पैदल चलने के बजाय दौड़ना शुरू कर दिया। तभी उसे गोलियों की आवाज दोबारा सुनाई दी, इस बार गोलियां उसके सिर के पास से सनसनाती हुई गुजरीं, और वह अपनी जान बचाने के लिए तेजी से भागा।
और हां, माल को बचाकर रखना।
अपने भाग्य के साथ तय समय पर पहुंचने के लिए।
जब जॉनी ने पहली बार उन्हें देखा, तब तक लक्ष्य पहले ही इधर-उधर भाग रहे थे; उनमें से आधे दर्जन एक लंबी काली लिमोसिन की ओर दौड़ पड़े, जबकि सातवां दो स्पोर्ट्स कारों के बीच खड़ी एक साधारण सेडान की ओर भागा। ड्राइववे के फुटपाथ पर, आठवां व्यक्ति खून के एक बड़े धब्बे में औंधा पड़ा था, जो उसकी आँखों के सामने ही फैलता और लहरें बनाता जा रहा था, मानो गुरुत्वाकर्षण उस काम को जारी रखे हुए था जिसे एक बेजान दिल पूरा नहीं कर पाया था।
इससे उसे उस एक गोली के बारे में सब कुछ पता चल गया जो उसने कुछ क्षण पहले सुनी थी—सिवाय इसके कि मरा हुआ आदमी कौन था, और गुंडे एक-दूसरे को क्यों मारने लगे थे। प्रश्न B के संबंध में, उसे अपना उत्तर, या कम से कम उसका कुछ हिस्सा, तब मिल गया जब जॉनी ने देखा कि अकेला दौड़ने वाला एक हाथ में भारी- भरकम धातु का सूटकेस पकड़े हुए था।
"मुझे पैकेज दिख रहा है!" जॉनी ने अनिश्चितता भरे लहजे में कहा।

उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसके भाई ने उसकी बात सुनी भी है या नहीं, शब्दों का अर्थ समझना तो दूर की बात है। स्पष्टीकरण देने का समय ही नहीं था, क्योंकि जॉनी उसका पीछा करते हुए भाग निकला और दौड़ते-भागते ही AKSU राइफल से गोलियां चलाने लगा।
चलते-फिरते निशाने को भेदना एक बात थी; लेकिन खुद भागते हुए शूटर को मार गिराना एक खास हुनर की बात थी। जॉनी में वह हुनर था, लेकिन इस बार उसकी जल्दबाजी ने उसे धोखा दिया और उसकी पहली गोलियां निशाने से बुरी तरह चूक गईं, जिससे एक साधारण सेडान के बगल में खड़ी लेम्बोर्गिनी की विंडशील्ड टूट गई।
अच्छा नहीं है।
लैम्बोर्गिनी का इन-बिल्ट चोरी अलार्म अब ज़ोर से बज रहा था, जिससे आसपास के इलाके में और भी अफरा-तफरी मच गई, क्योंकि पास ही में और भी गोलियां चलने लगीं। सूटकेस लिए हुए भागने वाले व्यक्ति ने घूमकर अपने दाहिने हाथ में पकड़ी हुई ऑटोमैटिक बंदूक से जॉनी पर दो गोलियां चलाईं। उसके दांतों के बीच कुछ चमकदार चीज़ लटक रही थी—शायद कार की चाबियां—लेकिन जॉनी को

बारीकी से देखने का मौका नहीं मिला, क्योंकि वह अपने सिर के पास से गुज़रती गोलियों से बचने के लिए झुक गया।
फिर और गोलीबारी हुई, क्योंकि उसका भाई बेकाबू हो गया, और लिमो पार्टी में मौजूद दो या तीन अंगरक्षकों ने कलाश्निकोव से जवाब दिया, कुछ अन्य लोगों ने हैंडगन से गोलीबारी की, लेकिन बहुत दृढ़ संकल्प के साथ नहीं।
उसने टेढ़े-मेढ़े दौड़ रहे धावक पर एक और बौछार की, इस बात का ध्यान रखते हुए कि उसके निशाने पर लगे बैग पर न लगे, लेकिन सावधानी के चलते उसका निशाना चूक गया। इस बार, उसका निशाना थोड़ा दूर और बाईं ओर लगा, एक काली पोर्श कार पर गोलियां लगीं, और इस बार कार का अलार्म नहीं बजा जिससे शोर और बढ़ जाता।
जॉनी ने खुद से कहा, "धीमे चलो और अपना लक्ष्य तय करो। या फिर, इससे भी बेहतर, स्थिर खड़े रहो।"
और उसने खुद को एक स्थिर निशाना बना लिया, ठीक है। उसकी छाती और पसलियों में अभी भी.45 कैलिबर की गोलियों के विस्फोटक प्रभाव से दर्द हो रहा था, जिन्हें उसकी केवलर जैकेट ने रोक दिया था, यह दर्द इस बात की भयावह याद दिला रहा था कि वह अजेय नहीं था, भले ही उसके धड़ का कुछ हिस्सा कवच से ढका हुआ था।
फिर भी, अगर उसने बैग लेकर भागने वाले को जाने दिया, तो कैसे

क्या उसके खुद को बचाने के विकल्प के कारण हजारों लोग भयानक, पीड़ादायक मौत मरेंगे?
अचानक आए एक विचार ने उसका ध्यान उस फीकी सी सेडान कार पर केंद्रित कर दिया जो शायद उस धावक का गंतव्य थी। उसका निशाना लैम्बोर्गिनी और उसकी सादी सी दिखने वाली समकक्ष कार के ड्राइवर साइड के बीच से निकल गया, मानो उसने अपने और जॉनी के बीच धातु की थैली को ढाल की तरह पेश किया हो।
उन्हें पता था कि यह हमलावर युद्धक सामग्री को निशाना नहीं बनाना चाहता था।
जॉनी ने अपना ध्यान वाहन पर केंद्रित किया, जो घर की ओर सीधे खड़ा था, जिसका अर्थ था कि वह उसकी ओर मुंह किए हुए था, हेडलाइट्स, ग्रिल और बम्पर सभी फ्लडलाइट्स की चकाचौंध की बूंदों को प्रतिबिंबित कर रहे थे।
जॉनी लगातार आगे बढ़ता रहा और गोलियां चलाता रहा, लेकिन अब उसका निशाना एक स्थिर वस्तु थी। उसकी गोलियां रेडिएटर को छेदती हुई निकल रही थीं और शीतलक के साथ मिश्रित पानी की बौछारें छोड़ रही थीं, हेडलाइट्स को चकनाचूर कर रही थीं, तंग इंजन डिब्बे के अंदर धमाका कर रही थीं, तारों और होज़ों को काट रही थीं, और कठोर स्टील पर चिंगारियां पैदा कर रही थीं।
AKSU की स्लाइड खाली चैंबर पर अटक गई, और उसने मैगज़ीन फेंक दी। वह अभी भी चल रहा था, नई मैगज़ीन ढूंढने लगा, और जैसे ही उसे नई मैगज़ीन मिली, उसने वेल्क्रो फाड़कर उसे भर लिया। उसका दुश्मन क्षतिग्रस्त वाहन के बगल में एक पल के लिए स्थिर खड़ा रहा, उसके चेहरे पर घृणा की लकीरें उभर आई थीं, फिर उसने अपनी पिस्तौल उठाई, उसे पूरी लंबाई तक फैलाया और ताबड़तोड़ गोलियां चलाना शुरू कर दिया।
वह आदमी बहादुर था, मुश्किल हालात में भी शांत रहा, और जॉनी को ज़मीन पर लेटना पड़ा। मौत के मुंह से वापस आने के बाद उसके शरीर के नाजुक हिस्सों में दर्द और बढ़ गया, फिर उसने उठकर तुरंत गोलीबारी शुरू कर दी। तभी उसे

अचानक पता चला कि उसका दुश्मन लॉन पार करके भाग चुका है और हाईवे की ओर, रात के अंधेरे में छिपने के लिए बेतहाशा दौड़ रहा है।
उस बदमाश की तेज रफ्तार को कोसते हुए जॉनी लड़खड़ाते हुए खड़ा हुआ और उसका पीछा करने के लिए चल पड़ा।
"वे हम सबको मार डालेंगे!" ज़ेन्या रोमोचका एक डरी हुई भेड़ की तरह मिमियाया, और जैसे ही क्रेस्त्यानोव ने उस पर और दबाव डाला, वह दुबक गया, जिससे वह जबरदस्ती लिमोसिन के अंदर चला गया।

"हम अभी मरे नहीं हैं," कर्नल ने कहा, "लेकिन अगर तुम अपना मुंह बंद नहीं करोगे और यहां से नहीं हटोगे, तो हम मर जाएंगे।"
"तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई बोलने की—"
क्रेस्त्यानोव ने उस आदमी के चेहरे पर एक जोरदार थप्पड़ मारा, जिससे रोमोचका के गाल और ठुड्डी में झनझनाहट सी दौड़ गई। क्रेस्त्यानोव ने राजनेता के चेहरे पर अपनी बगल वाली भुजा तानते हुए आदेश दिया, "गाड़ी में बैठो, वरना मैं तुम्हें यहीं छोड़ दूंगा।"
रोमोचका जैसी सीमित मानसिकता वाले व्यक्ति को भी यह स्पष्ट था कि वह जीवित नहीं बचेगा, इसलिए वह लिमोसिन के खुले दरवाजे से अंदर घुस गया और क्रेस्त्यानोव से यथासंभव दूर सीट ढूंढने के लिए तेजी से भागा। उसके बाद टोल्या वैलेरिक अंदर आया और स्नाइपर की गोलीबारी से बचने के लिए लिमोसिन पर भरोसा करते हुए, छिपने के लिए सिर के बल कूद गया। उसका साथी कमांडर, बोगदाश्का, घर की दिशा में दो और गोलियां चलाने के लिए कुछ देर रुका और फिर कार में घुस गया।
अब वैलेरिक के अंगरक्षक बचे थे, शायद आखिरी दो जीवित बचे हुए लोग। वे दोनों बारी-बारी से घर की ओर गोलियां चला रहे थे और लिमोसिन की ओर देख रहे थे, अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। क्रेस्त्यानोव ने दरवाजे पर खड़े होकर उनके मुंह खुले देखे और आदेश देने लगा।
"तुम दोनों हमारी वापसी की राह संभालो," उसने कहा। "हमें अच्छी बढ़त चाहिए। जब तुम यहाँ का काम निपटा लो, तो दूसरी गाड़ियों में से एक ले लो।" हमलावर कई गाड़ियों में आए थे। क्रेस्त्यानोव को न तो चाबियों के बारे में कोई जानकारी थी और न ही उसे इस बात की परवाह थी कि वे दोनों जिंदा बचकर संपत्ति से बाहर निकल पाएंगे या नहीं।
सैनिकों को उसे चुनौती देने का मौका मिलने से पहले ही, क्रेस्त्यानोव लिमोसिन में घुस गया और दरवाज़ा ज़ोर से बंद करके उसे लॉक कर दिया। उसका ड्राइवर इंजन चालू करके आदेश का इंतज़ार कर रहा था, तभी क्रेस्त्यानोव उस पर चिल्लाया, "हमें यहाँ से निकालो!"
जैसे ही लिमोसिन आगे बढ़ने लगी, उस पर गोलियां चलने लगीं और उसकी रफ्तार बढ़ गई। उसमें कवच नहीं लगा था, लेकिन गोलियां अंदर नहीं घुसी थीं। कम से कम अभी तक तो नहीं। क्रेस्त्यानोव ने चौड़ी पिछली खिड़की से पीछे मुड़कर देखा, और जिन सैनिकों को उसने अभी-अभी पीछे छोड़ा था, उन्हें झुकते-झुकते देखा, मानो वे गोलियों से बच रहे हों।

हॉर्नेट (ततैया) अपनी कलाश्निकोव राइफलों से महल की ओर मौत बरसाते हुए। जैसे ही वह रोमोचका की ओर मुड़ने लगा, अंधेरे लॉन पर एक अचानक हलचल ने उसका ध्यान खींचा और वह झुककर उसके माथे को रंगीन शीशे से सटा दिया।

सामने का नज़ारा देखकर क्रेस्त्यानोव को ज़ोर से हंसी आ गई, लेकिन उसे डर था कि लिमोसिन के अंदर बैठे उन सभी के लिए यह भयानक मौत का कारण बन सकता है। एक अकेला धावक महल के ढलानदार लॉन पर दौड़ रहा था, हर कदम पर उसका स्टेनलेस स्टील का सूटकेस उसके एक पैर से टकरा रहा था। प्रुएट का भावहीन चेहरा दर्द और थकान से सिकुड़ा हुआ था, वह लिमोसिन की ओर घूरते हुए गाली बक रहा था। उसके पीछे, पचास गज की दूरी पर, लेकिन करीब आता हुआ, एक अकेला बंदूकधारी दौड़ रहा था, उसका चेहरा छाया में था, धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से उनके बीच की दूरी कम कर रहा था।
"ड्राइवर!" क्रेस्त्यानोव ने पुकारा। "हमें सूटकेस वाले के लिए रुकना होगा!"
ड्राइवर ने स्टीयरिंग व्हील को तेजी से घुमाया, लिमोसिन बाईं ओर फिसलती हुई फुटपाथ से उतर गई और घास पर लुढ़क गई।
"तुम क्या कर रहे हो?" रोमोचका चिल्लाई। "तुम गाड़ी रोक नहीं सकते!" "इसमें बस एक पल लगेगा," क्रेस्त्यानोव ने उन्हें आश्वासन दिया।
"हमारे पास एक पल भी नहीं है, धिक्कार है तुम पर!"
"चुप रहो! अगर हम पैकेज खो देते हैं तो हमें कुछ भी हासिल नहीं होगा।"
अब बाकी लोग लगभग सदमे की स्थिति में उसे घूर रहे थे।
"पैकेज?" रोमोचका ने हैरानी से कहा। "क्या तुम युद्धक सामग्री यहीं, हमारे पास चाहते हो? क्या तुम पागल हो?"
"तुम्हें पता है कि यह सुरक्षित है," क्रेस्त्यानोव ने राजनेता से कहा, "लेकिन अगर तुम्हें डर है, तो बाहर निकलो और पैदल चलो। दरअसल, अगर तुमने अपना मुंह बंद नहीं किया, तो मैं तुम्हें खुद बाहर फेंक दूंगा!"
रोमोचका जवाब देने ही वाला था, लेकिन उसने अपना इरादा बदल दिया, अपने निचले होंठ को काटा और मुंह फुलाकर अपनी सीट पर पीछे की ओर झुक गया।
इसी बीच, लिमोसिन धावक से मिलने के लिए एक अवरोधक मार्ग पर मुड़ रही थी, नोबल प्रुएट अच्छी गति बनाए हुए था, लेकिन फिर भी अपने पीछा करने वाले से आगे नहीं निकल पा रहा था। क्रेस्त्यानोव को यकीन था कि कुछ ही क्षणों में शिकारी फैसला कर लेगा कि

वह इतना करीब था कि दौड़ते हुए गोली चलाकर अपने लक्ष्य को गिरा सकता था। जब तक कि वे पहले प्रुएट और उस कीमती सूटकेस तक न पहुंच जाएं।
पहले तो धावक को समझ ही नहीं आया कि वह क्या देख रहा है, क्योंकि लिमोसिन उसके रास्ते में आ गई। जब क्रेस्त्यानोव ने दरवाजा खोलकर उसे जल्दी आने और कार में उनके साथ बैठने के लिए कहा, तब जाकर प्रुएट के चेहरे पर थकी हुई मुस्कान आई, वह आगे की ओर झुका और अपनी गति बढ़ाने के लिए अंदर से ज़ोर लगाने लगा।
कवच भेदने वाली गोलियां उसे लगीं, फिर उसके सीने को चीरते हुए खून की धारें छोड़ गईं, और आगे बढ़ते हुए लिमोसिन से टकराईं और उसके ढांचे को छलनी कर दिया, जिससे प्रुएट मुंह के बल गिर पड़ा। सूटकेस उसके बगल में पड़ा था, जो क्रेस्त्यानोव को लुभा रहा था, लेकिन उसकी पहुंच से पूरी तरह बाहर था। "लानत है!" वह गुस्से से चिल्लाया और दरवाज़ा बंद करने के लिए हाथ बढ़ाया। घायल जानवर की तरह गुर्राते हुए वह ड्राइवर की ओर मुड़ा। "किस बात का इंतज़ार कर रहे हो, बेवकूफ? हमें यहाँ से निकालो!"
बोलन ने अपनी पहली गोलियां लिमोसिन को लगते हुए देखीं, जब वह वहां से चली गई। वह जानता था कि चोटें मामूली थीं, और उसे मजबूरन अपने शिकार द्वारा

पीछे छोड़े गए दो बदमाशों पर ध्यान केंद्रित करना पड़ा। दोनों निशानेबाजों के पास कलाश्निकोव राइफलें थीं, और दोनों उन्हें चलाना जानते थे, लेकिन घबराहट के कारण उनकी प्रतिक्रिया में गड़बड़ी हो रही थी, जिससे उनका निशाना चूक गया। ज्यादा नहीं, लेकिन इतना समय मिल गया कि बोलन दो छोटी गोलियों की बौछार कर सके और रूसी सैनिकों को वहीं ढेर कर दिया।
उसने एक पल रुककर आसपास दूसरे लक्ष्यों की तलाश की, लेकिन उसे कोई नहीं मिला। चमकदार सूटकेस लिए दौड़ने वाला व्यक्ति पता नहीं क्यों हाईवे की ओर भाग रहा था, और जॉनी भी उसके पीछे-पीछे दौड़ रहा था। जहाँ तक लिमोसिन की बात है, वह लंबी सड़क पर तेज़ी से आगे बढ़ रही थी, और बोलन जानता था कि वह पैदल उसका पीछा नहीं कर सकता।
वह तेज़ आवाज़ वाले चोरी के अलार्म वाली लेम्बोर्गिनी के पास से तेज़ी से निकला और पंक्चर रेडिएटर से रिसते हुए साधारण सेडान के पास से भी आगे बढ़ गया। जॉनी की एके गन की गोलियों ने पोर्श को भी निशाना बनाया था, लेकिन उसमें कोई जानलेवा क्षति नहीं दिखी थी। बोलन ने प्रार्थना की कि इग्निशन स्विच में चाबी हो, लेकिन उसे चाबी नहीं मिली और वह नीचे की ओर झुक गया।

वह डैशबोर्ड पर तेजी से गाड़ी चला रहा था, इस बेवजह की देरी को कोस रहा था, और दो खास तारों को ढूंढने के लिए डोम लाइट का इस्तेमाल कर रहा था।
कुछ ही सेकंड बाद उसे वे मिल गए, और इंजन चालू हो गया। उसने ड्राइवर का दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया, AKSU उसकी गोद में थी और वह तेज़ी से गियर बदल रहा था। रफ़्तार कार किसी भूखे घोड़े की तरह दौड़ रही थी। उसने तेज़ी से यू-टर्न लिया और एक्सीलरेटर पर पैर रख दिया, टैकोमीटर के रेडलाइन तक पहुँचने पर ही गियर बदला, और उस लंबी लिमोसिन के पीछे पागलों की तरह दौड़ पड़ा।
बोलन आगे बढ़ रहा था, तभी उसने देखा कि लिमोसिन अचानक रास्ता बदलकर लॉन पार करते हुए सूटकेस लिए धावक को रोकने के लिए मुड़ गई। वे एक सफल मुलाकात के बेहद करीब थे, तभी जॉनी ने पीछे से मैराथन धावक को गोली मार दी, जिससे वह घास पर गिर गया, और लिमोसिन चीखती हुई घास को खरोंचती हुई, फुटपाथ और आगे राजमार्ग की ओर वापस मुड़ गई।
बोलन ने पोर्श को पाँचवें गियर में डाल रखा था और उसे उसी में बनाए रखा, ड्राइववे पर एकदम सीधा दौड़ते हुए, जैसे ही मोड़ वापस आया, उसका ड्राइवर मानो पीछा किए जाने से बेखबर था। इस रफ्तार से, अगर ड्राइवर ने उसे जल्द ही नहीं देखा, तो पाँच...चार...तीन...दो... में उनकी ज़बरदस्त टक्कर हो जाएगी। एक!
उसने टक्कर के लिए खुद को तैयार किया, पोर्श के स्टीयरिंग व्हील को इतना घुमाया कि वह सीधी टक्कर से बच गया और लिमोसिन के दाहिने सामने वाले पहिये से लगभग एक गज पीछे जा टकराया। पोर्श का इंजन एक बार लड़खड़ाया और बंद हो गया, उसका कुचला हुआ हुड विंडशील्ड पर जा लगा, क्योंकि वह बड़ी और भारी गाड़ी से टकराने के बाद घूम कर दूर चला गया।
इस बीच, गाड़ी बिना रुके लगातार चलती रही, उसकी गति लगभग न के बराबर धीमी हुई, जब तक कि वह एक विशालकाय रोते हुए विलो पेड़ के मजबूत तने से टकराकर रुक गई और बंद हो गई। तब तक बोलन ईवीए में सवार होकर लिमोसिन के किनारे चक्कर लगा रही थी, जहाँ वह विलो की फैली हुई शाखाओं के नीचे से निकली हुई थी, और इंजन के ठंडा होने पर धातु की खड़खड़ाहट की तेज़ आवाज़ आ रही थी।

सूटकेस लिए मृत व्यक्ति की ओर एक नज़र डालने पर उसने देखा कि जॉनी युद्धक सामग्री उठाने के लिए झुक रहा था, और वह सावधानी से उसके पास जाने के लिए आगे बढ़ा। फिर बोलन ने लिमोसिन पर ध्यान केंद्रित किया,

पहले एक दरवाजा खुला और फिर दूसरा, जिससे यात्री अंधेरे में बाहर निकल आए। उसने टोल्या वैलेरिक को पहचान लिया, जो अपने ही कद और उम्र के एक अन्य व्यक्ति के कंधे पर टिका हुआ था, और दूसरा व्यक्ति पिस्तौल लहरा रहा था। बोलन ने दोनों पर गोलियां चलाईं, आठ गोलियों की बौछार से वे दोनों पीठ के बल गिर पड़े, और बदले में एक भी गोली नहीं चलाई गई।
अंतिम चरण में कितने वाहन बचे हैं?
वह घूमा, ड्राइवर के खुले दरवाजे से अंदर घुसने की कोशिश कर रहे एक युवक को पकड़ा और दस गज की दूरी से एक जोरदार मुक्के से उसे वापस अंदर धकेल दिया। ड्राइवर के पैर कुछ देर तक खुले दरवाजे से बाहर छटपटाते रहे, फिर स्थिर हो गए।
बोलन ने चुपचाप बैठी लिमोसिन से कहा, "अगर आप अंग्रेजी बोलते हैं, तो मेरे ग्रेनेड इस्तेमाल करने से पहले आपके पास वहां से निकलने के लिए पांच सेकंड का समय है।"
“हम आ रहे हैं,” एक पुरुष की आवाज़ आई, वह उतना घबराया हुआ नहीं था जितना वह होना चाहता था। “कृपया, गोलीबारी रोकिए।”
उसने अनुमान लगाया कि शांत आवाज़ उस पहले व्यक्ति की नहीं थी जो सामने आया था, एक पसीने से तर, मोटा आदमी जिसके तैलीय बाल उसके चेहरे पर लटक रहे थे, और उसके दांत बाहर निकले हुए थे, जिससे ऐसा भाव आ रहा था मानो वह या तो भयभीत हो या उसे दिल का दौरा पड़ने वाला हो। उस मोटे आदमी के पीछे, लिमोसिन से बाहर निकलते समय उससे काफी पीछे रहते हुए, एक दूसरे आदमी ने अपनी नज़रें बोलन से मिलाईं, और बोलन ने उस भावहीन चेहरे को तुरंत पहचान लिया।
वासिली क्रेस्त्यानोव।
क्रेस्त्यानोव ने कहा, "कृपया उस कलाश्निकोव का इस्तेमाल करते समय सावधान रहें। आप रूसी संसद के किसी उच्च पदस्थ सदस्य की हत्या नहीं करना चाहेंगे।"
"मैं नहीं?"
"यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए बुरा होगा, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?" कर्नल ने लगभग मुस्कुराते हुए उससे पूछा। बोलते ही उसने अपना बायां हाथ उस मोटे आदमी के कंधे पर कसकर पकड़ लिया, जबकि दाहिने हाथ की मुट्ठी में पिस्तौल उठाकर उसे राजनेता की कनपटी पर टिका दिया।
"तो, तुम मेरे लिए यह करना चाहते हो?" बोलन ने क्रेस्त्यानोव से पूछा। "अंतिम उपाय के तौर पर ही," पूर्व केजीबी अधिकारी ने कहा। "मैं इससे दूर जाना और उसे अपने साथ ले जाना पसंद करूंगा।"

जल्लाद ने जवाब दिया, "तुम हमेशा सपने देख सकते हो।"
क्रेस्त्यानोव ने कहा, "हम पेशेवर हैं। मैं इसे आपकी आंखों में देख सकता हूं। हम दुनियादारी जानते हैं। हम समझते हैं कि इस तरह के उलझे हुए मामले व्यक्तिगत नहीं होते।"
"तुम सही हो सकते हो," बोलन ने उन दोनों को गोली मारने से पहले जवाब दिया, और AKSU का ट्रिगर तब तक दबाए रखा जब तक कि मैगज़ीन खाली नहीं हो गई और उनके तड़पते हुए शरीर शांत नहीं हो गए। "या फिर, तुम गलत भी हो सकते हो।"

"सब हो गया?" उसके भाई ने पूछा, भारी सूटकेस उसके बाएं कंधे पर घिसटता हुआ, घास के आखिरी कुछ गज पर लड़खड़ाते हुए चलते हुए।
"सब हो गया," बोलन ने जवाब दिया।
"हमें इसे किसी और को सौंपना होगा," जॉनी ने कहा। "ऐसा नहीं लगता कि हम इसे वापसी की उड़ान के लिए चेक करवा सकते हैं।"
"मुझे पूरा यकीन है कि हैल किसी ऐसे व्यक्ति को जानता होगा जो इसे हमसे ले सकता है। सबसे पहले, चलो यहाँ से निकल चलते हैं। मुझे जल्द से जल्द ताजी हवा चाहिए।"
मैं तुम्हारे ठीक पीछे हूँ, भाई।
और अंधेरे में, अपनी प्रतीक्षा कर रही किराए की कार तक लंबी पैदल यात्रा के दौरान, वह ऐसा ही करता रहा।

उपसंहार
बोलन ने कहा, "मुझे लगता है कि हम किसी को भूल गए हैं।" बुधवार की सुबह वाशिंगटन के मॉल में उनके ऊपर सूरज की तेज रोशनी थी, जहाँ पर्यटक राष्ट्रीय वायु और अंतरिक्ष संग्रहालय में प्रवेश करने के लिए कतार में खड़े थे।
"हाँ, तुमने किया था," ब्रोग्नोला ने कहा। "लेकिन तुम्हें उसके बारे में पता ही नहीं चल सकता था। वह रूसी की छोटी सी पार्टी में नहीं आया। उसे डर लग गया और तुम्हारे परिचय देने से पहले ही वह निकल गया।"
ब्रोग्नोला ने अपने सूट कोट की अंदरूनी जेब से अखबार का एक मुड़ा हुआ टुकड़ा निकाला, उसे खोला और बोलन को दे दिया। "सीनेटर ने आत्महत्या की, जांचकर्ताओं का कहना है" शीर्षक के नीचे, उन्होंने जॉर्जटाउन स्थित अपने घर में हारगस वेबर की "चौंकाने वाली" मौत के बारे में पढ़ा, जिन्हें कभी राष्ट्रपति पद के लिए एक प्रबल दावेदार माना जाता था। पुलिस और एफबीआई जांचकर्ताओं के अनुसार, मौत का कारण वेबर के बेजान हाथ में मिली पिस्तौल से कनपटी पर खुद को मारी गई एक गोली थी। अखबार की कतरन में यह भी बताया गया था कि वेबर के शरीर से कुछ ही फीट की दूरी पर उनकी मेज पर एक पत्र मिला था, लेकिन अधिकारियों द्वारा "आगे की जांच होने तक" पत्र की सामग्री को गुप्त रखा जा रहा था।
"क्या उसने नोट में अपना इरादा बदल दिया?" बोलन ने पूछा।
"वेबर ने यह नोट नहीं लिखा," बिग फेड ने जवाब दिया, और अपनी जैकेट के अंदर से एक और मुड़ा हुआ कागज़ का टुकड़ा निकालकर बोलन को दे दिया। बोलन ने उसे खोला तो पाया कि वह एक फोटोकॉपी थी, जिसके बीच में दो शब्द छपे थे, 36 पॉइंट के अक्षरों में, एक सामान्य लेजर प्रिंटर से: प्रुएट ने बात की।

"ये तो प्यारा है। किसने भेजा है?"
ब्रोग्नोला ने कंधे उचकाते हुए जवाब दिया। उन्होंने कहा, "कोई उंगलियों के निशान नहीं मिले। उन्होंने सेल्फ-सील लिफाफे का इस्तेमाल किया था, स्टाम्प पर नल का पानी लगा था, इसलिए डीएनए का कोई सबूत नहीं मिला। डाक निरीक्षकों ने इसका पता कॉन्स्टिट्यूशन एवेन्यू के एक मेलबॉक्स तक लगाया। प्रिंटर शायद हेवलेट-पैकार्ड का है, देश में ऐसे दस-पंद्रह मिलियन से ज़्यादा प्रिंटर नहीं होंगे। फिर भी, यह एप्पल का भी हो सकता था।" बोलन ने थकी हुई मुस्कान के साथ अखबार की कतरन और पत्र वापस कर दिया। "किस बात ने उसकी पोल खोली?"

"तुम्हारे दोस्त डेकार्ड ने लैंगली को प्रुएट और उसके चमचे के बारे में खबर दी। मेरा अनुमान है कि किसी ने वहीं से सब कुछ पता लगा लिया होगा। शायद सीनेटर ने प्रुएट के साथ जरूरत से ज्यादा बार लंच किया हो। शायद फोन लॉग में कुछ दर्ज हो गया हो। कौन कह सकता है?"
ब्रोग्नोला जाहिर तौर पर विवरण साझा नहीं करना चाहते थे, और अब इससे कोई फर्क भी नहीं पड़ता था। "कम से कम यह खत्म तो हो गया," बोलन ने कहा।
"ऐसा ही हो।"
"अर्थ?"
"सुनो, स्ट्राइकर...! मुझे नहीं पता कि यह कैसे कहूँ, लेकिन—"
"तो फिर मत करो," बोलन ने सुझाव दिया। उन्होंने बारबरा प्राइस से एक बार फिर बात की थी, जब उन्होंने वाशिंगटन में ब्रोग्नोला के साथ उनकी मुलाकात तय की थी। "अरे, ऐसी चीजें तो होती ही रहती हैं, है ना?"
"ऐसा नहीं होना चाहिए," फेडरल रिजर्व ने स्पष्ट रूप से निराश होकर जवाब दिया। "इस तरह तो बिल्कुल नहीं।"
मुझे लगता है कि हमें इसे पीछे छोड़ देना चाहिए।
"दर्पण में दिख रही वस्तुएं जितनी दिखती हैं उससे कहीं अधिक करीब हो सकती हैं," ब्रोग्नोला ने अफसोस भरी मुस्कान के साथ उससे कहा।
"अगर आप सच जानना चाहते हैं, तो मैं अक्सर पीछे मुड़कर नहीं देखता।" "क्या कोई आपका पीछा कर रहा है?"
"कुछ न कुछ तो हमेशा रहता है।"
"ठीक है, अगर आप यही चाहते हैं। लेकिन मैं आपका ऋणी हूँ—"
"कुछ नहीं," बोलन ने उससे कहा।
"कुछ नहीं, ठीक है।" ब्रोग्नोला ने गला साफ किया और फिर पूछा, "तो, बच्चा कैसा है?"

बोलन ने कहा, "मैंने उसे छुट्टी लेने के लिए मना लिया। टोल्या के पास कुछ पैसे बचे थे। उसके पास थोड़ा समय था।"
"और आपके साथ कोई और?" फेडरल रिजर्व के बड़े अधिकारी ने पूछा। "मेरा मतलब है, मैंने जो सुना है, उसके अनुसार अकेले दुनिया घूमना उतना मजेदार नहीं होता।"
"मैंने भी यही सुना है," बोलन ने मुस्कुराते हुए अपना सिर पीछे झुकाया। और पाया कि आँखें बंद होने पर भी वह सूरज को देख सकता था।
स्टोनी मैन श्रृंखला के 53 वें भाग के हाई-टेक, रोमांचक साहसिक अनुभव को देखना न भूलें...
इस आयोजन में हिस्सा लेना न भूलें!
डॉन पेंडलटन एस
बेदर्द
अमेरिका की अति गुप्त खुफिया एजेंसी
आदमी
आतंक की उलटी गिनती
युद्धग्रस्त कुर्दिस्तान के आतंकवादी वैश्विक हिंसा की ऐसी योजना को अंजाम देने के लिए तैयार हैं जो बड़े पैमाने पर नरसंहार से कम नहीं है। उन्होंने शीर्ष सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं और पैट्रियट मिसाइलों के जखीरों पर छापा मारा है, जो अकल्पनीय विनाश करने के लिए पर्याप्त हैं।

स्टोनी मैन की टीमें इन हथियारों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने, तथा आतंकवादियों और उनके समर्थकों को समय रहते पकड़ने के लिए तैनात की गई हैं।
जून 2001 में आपके पसंदीदा रिटेल आउटलेट पर उपलब्ध होगा।
या फिर अपना नाम, पता, ज़िप कोड या पोस्टल कोड, साथ ही प्रत्येक पुस्तक के लिए 5.99 डॉलर (कनाडा में 6.99 डॉलर) का चेक या मनी ऑर्डर (कृपया नकद न भेजें), डाक और हैंडलिंग शुल्क 750 डॉलर (कनाडा में 1.00 डॉलर) गोल्ड ईगल बुक्स को भेजकर अपनी प्रति अभी ऑर्डर करें:
गोल्ड ईगल
जीएसएम 53

भविष्य के नाम से जाने जाने वाले खतरनाक सीमावर्ती क्षेत्र की यात्रा...

जूडास स्ट्राइक
महाशक्तियों के बीच परमाणु युद्ध के अंत ने एक भयंकर प्रलय मचा दी, जिसने अमेरिका को एक खतरनाक नए मोर्चे में बदल दिया। लेकिन साहसी योद्धाओं का एक समूह बंजर भूमि में भटकता है और अंधकार से पहले की दुनिया के रहस्यों को उजागर करता है। रयान कॉडर और उसका दल पागलपन और मौत की दुनिया में जीवित किंवदंती बन गए हैं, जहाँ क्रूरता का बोलबाला है, लेकिन मानवीय भावना अभी भी कायम है...
जून 2001 में आपके पसंदीदा रिटेल आउटलेट पर उपलब्ध होगा।
या फिर अपना नाम, पता, ज़िप कोड या पोस्टल कोड, साथ ही प्रत्येक पुस्तक के लिए 5.99 डॉलर (कनाडा में 6.99 डॉलर) का चेक या मनी ऑर्डर (कृपया नकद न भेजें), डाक और हैंडलिंग शुल्क 750 डॉलर (कनाडा में 1.00 डॉलर) गोल्ड ईगल बुक्स को भेजकर अपनी प्रति अभी ऑर्डर करें:
अमेरिका में।
गोल्ड ईगल बुक्स, 3010 वाल्डेन एवेन्यू, डाकघर बॉक्स 9077, बफ़ेलो, न्यूयॉर्क 14269-9077
कनाडा में
गोल्ड ईगल बुक्स, पी.ओ. बॉक्स 636, फोर्ट एरी, ओंटारियो L2A5X3

कृपया ऑर्डर के साथ पुस्तक का शीर्षक भी बताएं।
कनाडा के निवासियों को लागू संघीय और प्रांतीय करों को जोड़ना होगा।

जीडीएल 54
ई एक्सप्लोसिव टी प्लस एक रहस्य लें
न्यूनतम
मिमी

यहां मेल करें: गोल्ड ईगल रीडर सर्विस
अमेरिका में: कनाडा में:
3010 वाल्डेन एवेन्यू, डाकघर बॉक्स 609
डाकघर बॉक्स 1867, फोर्ट एरी, ओंटारियो
बफ़ेलो, एनवाई 14240-1867 एल 2 ए 5 एक्स 3
वाह! मुझे गोल्ड ईगल के 2 मुफ़्त उपन्यास और मेरा मुफ़्त मिस्ट्री बोनस भेजिए। फिर हर दूसरे महीने छपते ही 6 नए उपन्यास भेजिए। हर शिपमेंट के लिए मुझसे सिर्फ़ $26.70* का कम शुल्क लीजिए। डाक और हैंडलिंग का कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं है! मुझे कम से कम कितनी किताबें खरीदनी हैं, इसकी कोई बाध्यता नहीं है। मैं किसी भी समय शिपमेंट को आपके खर्चे पर वापस करके या "कैंसिल" लिखा हुआ कोई भी शिपिंग स्टेटमेंट वापस करके अपना ऑर्डर रद्द कर सकता हूँ। भले ही मैं गोल्ड ईगल से कभी कोई किताब न खरीदूँ,
दो मुफ्त किताबें और एक रहस्यमय बोनस हमेशा के लिए मेरे पास रहेंगे। 166AENC23F 366AENC23G
हस्ताक्षर (यदि आयु 18 वर्ष से कम है, तो माता-पिता या अभिभावक के हस्ताक्षर आवश्यक हैं)
* नियम और कीमतें बिना किसी पूर्व सूचना के बदल सकती हैं। न्यूयॉर्क में बिक्री कर लागू होगा। कनाडा के निवासियों से लागू प्रांतीय कर और जीएसटी लिया जाएगा। यह ऑफर प्रति परिवार एक ही ऑर्डर तक सीमित है और वर्तमान ग्राहकों के लिए मान्य नहीं है। - GE2-00
गोल्ड ईगल आपके लिए हाई-टेक एक्शन और रहस्यमय रोमांच लेकर आया है!

/-n tm
#124 एमिनेंट डोमेन द्वारा
मर्फी /Tlffi द्वारा निर्मित

और एसएपी, आर बी और,
|फ्लो III,
किसी ने अलास्का में अमेरिका को सामूहिक नरसंहार के रूप में बेदखली का नोटिस दिया है। पाइपलाइन के कर्मचारियों और दर्जनों अमेरिकी सैनिकों को हत्यारों की एक रहस्यमय "भूतिया ताकत" द्वारा बेरहमी से मारा जा रहा है। रेमो और चियुन उन तकनीकों को पहचानते हैं - जो सिनान्जू की सस्ती किस्म की हैं - और एक चिंताजनक सवाल खड़ा करती हैं। आखिर किसने कट्टर सोवियत सैनिकों की एक सेना को हत्यारों की प्राचीन, गुप्त कला में प्रशिक्षित किया है?
यह जुलाई 2001 में आपके पसंदीदा रिटेल आउटलेट पर उपलब्ध होगा।
या फिर अपना नाम, पता, ज़िप कोड या पोस्टल कोड, साथ ही प्रत्येक पुस्तक के लिए 5.99 डॉलर (कनाडा में 6.99 डॉलर) का चेक या मनी ऑर्डर (कृपया नकद न भेजें), डाक और हैंडलिंग शुल्क 750 डॉलर (कनाडा में 1.00 डॉलर) गोल्ड ईगल बुक्स को भेजकर अपनी प्रति अभी ऑर्डर करें:
अमेरिका में।
गोल्ड ईगल बुक्स, 3010 वाल्डेन एवेन्यू, डाकघर बॉक्स 9077, बफ़ेलो, न्यूयॉर्क 14269-9077
कनाडा में
गोल्ड ईगल बुक्स, पी.ओ. बॉक्स 636, फोर्ट एरी, ओंटारियो L2A5X3 कृपया अपने ऑर्डर के साथ पुस्तक का शीर्षक भी बताएं।
कनाडा के निवासियों को लागू संघीय और प्रांतीय करों को जोड़ना होगा। हे
मिमी
जीडीईएसटी124
जेम्स एक्सलर

[»(^©gj£7 मिमी
मानवता का भविष्य हमेशा अनिश्चित बना हुआ है, जिसका निर्धारण उन रहस्यमय शक्तियों द्वारा किया जाता है जिन्होंने हजारों वर्षों से मानव जाति के भाग्य को नियंत्रित किया है। इन प्राचीन उत्पीड़कों के सर्वोच्च प्रतिनिधि—वे नौ सामंत जिन्होंने परमाणु हमले के बाद से दो सौ वर्षों तक अमेरिका पर शासन किया है—अब सत्ता के अपने ही प्रचंड लालच का शिकार हो रहे हैं।
इम्पेरेटर वॉर्स गाथा की तीसरी पुस्तक, एक त्रयी जो एक नए बाल सम्राट के परिचय का वर्णन करती है—जिससे बैरोनियों में युद्ध छिड़ जाता है!
मई 2001 से आपके पसंदीदा रिटेल स्टोर पर उपलब्ध। या अभी अपनी कॉपी ऑर्डर करने के लिए, अपना नाम, पता, ज़िप कोड या पोस्टल कोड, साथ ही प्रत्येक

पुस्तक के लिए $5.99 (कनाडा में $6.99) का चेक या मनी ऑर्डर (कृपया नकद न भेजें), डाक और हैंडलिंग शुल्क $750 (कनाडा में $1.00) गोल्ड ईगल बुक्स को भेजें:
अमेरिका में।
गोल्ड ईगल बुक्स, 3010 वाल्डेन एवेन्यू, डाकघर बॉक्स 9077, बफ़ेलो, न्यूयॉर्क 14269-9077
कनाडा में
गोल्ड ईगल बुक्स, पी.ओ. बॉक्स 636, फोर्ट एरी, ओंटारियो L2A5X3
कृपया ऑर्डर के साथ पुस्तक का शीर्षक भी बताएं।
कनाडा के निवासियों को लागू संघीय और प्रांतीय करों को जोड़ना होगा। सोना
टीएम 9
गाउट 17
सुपरबोलान® श्रृंखला की इस रोमांचक नई पुस्तक को पाठक बिल्कुल भी नहीं छोड़ना चाहेंगे!
डॉन पेंडलटन का

®
DE8TINTB
घंटा
THE
अत्याचार
फ़ाइलें
पुस्तक 1
अमेरिका के दरवाजे से युद्ध का द्वार खुल गया है, नाज़ी सपने को विश्वव्यापी वर्चस्व में बदलने के लिए एक रणनीतिक आक्रमण। शुरुआती हमला अराजकता और रक्तपात का एक प्रारंभिक चरण है, जिसमें महत्वपूर्ण मोड़ों पर निर्णायक घटनाएँ घटित होती हैं। एक दुष्ट शक्ति अमेरिकी राष्ट्र के हृदय में लगातार सेंध लगा रही है। बोलन गणतंत्र को एक नया सूर्योदय दिलाने के लिए तैयार है। भले ही इसके लिए उसे अपनी जान क्यों न देनी पड़े...
यह मई 2001 में आपके पसंदीदा रिटेल आउटलेट पर उपलब्ध होगा।
या फिर अपना नाम, पता, ज़िप कोड या पोस्टल कोड, साथ ही प्रत्येक पुस्तक के लिए 5.99 डॉलर (कनाडा में 6.99 डॉलर) का चेक या मनी ऑर्डर (कृपया नकद न भेजें), डाक और हैंडलिंग शुल्क 750 डॉलर (कनाडा में 1.00 डॉलर) गोल्ड ईगल बुक्स को भेजकर अपनी प्रति अभी ऑर्डर करें:

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]78

THE EXECUTIONER®

MORTAL FRIENDS

A blood pact between a corrupt CIA spook and an ex-KGB official is about to nuke the Cold War back into grim reality, and the eleventh hour finds Mack Bolan on the final battlefield in Russia, his brother Johnny as his comrade in arms. If their luck runs out, it will mean global slaughter with deadly aftershocks.

Cut off from his sources at Stony Man, frozen out by allies who may have crossed the enemy line, Bolan places no bets on who'll be standing when the last shot is fired.

The Executioner has fought tough odds before and come through standing. Whatever is waiting when the smoke clears, he's ready—even if it's an old friend.

A GOLD EAGLE® BOOK FROM

DEPT. 71 KEY 29
PUBLISHERS LIST $4.50
YOUR PRICE $3.37
Please Scan Inside Front Cover